दैनिक लोकमित्र सच्चाई की जंग

वर्ष : 31 | अंक :116
प्रतापगढ़ | गुरूवार, 27 फरवरी-2025
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये

प्रतापगढ़, लखनऊ, कौशाम्बी एवं प्रयागराज से एक साथ प्रकाशित
R.N.I. No. : 71870/94

संस्थापक : श्रद्धेय स्व. रामनिरंजन भगवन
प्रतिदिन की खबरों के लिए देखें www.dailylokmitra.com

पुण्य लाभ की डुबकी

● आखिरी मुख्य स्नान पर्व महाशिवरात्रि पर भी त्रिवेणी में उमड़ा श्रद्धालुओं का हुजूम

● शाम 6 बजे तक डेढ़ करोड़ से अधिक श्रद्धालु कर चुके थे स्नान, शासन ने की पुष्पवर्षा

● हर-हर गंगे, जय प्रयागराज के जयघोष से गूंजता रहा संपूर्ण महाकुम्भ क्षेत्र

लोकमित्र ब्यूरो

महाकुम्भनगर। महाकुंभ के आखिरी मुख्य स्नान पर्व महाशिवरात्रि पर भी बुधवार को त्रिवेणी संगम में पवित्र स्नान के लिए श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ पड़ा। शाम 6 बजे तक डेढ़ करोड़ से अधिक श्रद्धालु मां गंगा, यमुना और अदृश्य सलिला सरस्वती के पावन संगम में पुण्य लाभ की डुबकी लगा चुके थे। इस दौरान शासन की ओर से श्रद्धालुओं पर हेलिकॉप्टर से पुष्पवर्षा की गई।

महाकुम्भ के अंतिम स्नान पर्व पर करोड़ों श्रद्धालु देर रात से ही पुण्य की कामना के साथ संगम की रेत पर एकत्रित होने लगे। सुबह 8 बजे ही 60 लाख से ज्यादा लोग संगम में पवित्र स्नान कर चुके थे। इस दौरान हर-हर गंगे, बम बम भोले, जय श्री राम और जय प्रयागराज के गगनभेदी उद्घोष से पूरा मेला क्षेत्र गूंजता रहा। सीएम योगी के विशेष निर्देश पर सुरक्षा के ऐसे पुख्ता इंतजाम रहे कि परिंदा भी पर न मार सके। यहां डीआईजी वैभव कृष्ण और एसएसपी राजेश द्विवेदी खुद मैदान में उतरकर व्यवस्थाओं की निगरानी करते रहे।श्रद्धालुओं के साथ साधु-संत, महामंडलेश्वर और देश-विदेश से आए भक्त संगम में पवित्र डुबकी लगाते नजर आए। आखिरी मुख्य स्नान पर्व पर भी सुरक्षा के बेहद कड़े इंतजाम किए गए थे। महाकुम्भनगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पवित्र स्नान के लिए अद्भुत और दिव्य महाकुम्भ की सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। महिला सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए क्षेत्र को पूरी तरह सुरक्षित बनाया गया। यातायात पूरी तरह सुचारू रहा और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा। स्नान के बाद श्रद्धालु दान-पुण्य करते दिखे।महाशिवरात्रि पर अंतिम पवित्र स्नान के दौरान इस ऐतिहासिक क्षण को अपने मोबाइल कैमरे में कैद करने के लिए श्रद्धालुओं की उत्सुकता विशेष रही। हर व्यक्ति इस दिव्य अनुभूति को अपने कैमरे में सुरक्षित करने के लिए उत्साहित नजर आया। लोग स्नान के दौरान और स्नान के बाद सेल्फी से लेकर ग्रुप फोटोज लेते नजर आए। वहीं, तीर्थराज प्रयागराज में इन अद्भुत क्षणों को देश विदेश में बैठे अपने परिजनों को लाइव दिखाने की भी होड़ लगी रही।

नीतीश कैबिनेट का हुआ विस्तार

भाजपा के सात विधायक बने मंत्री

● नौ माह बाद होने वाले आम चुनाव पर कैबिनेट विस्तार का असर पड़ने का अनुमान

पटना,एजेंसियॉ। बिहार कैबिनेट विस्तार के तहत बुधवार को राजभवन में सात मंत्रियों ने शपथ ली। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मौजूदगी में संजय सरावगी, सुनील कुमार, जिबेश मिश्रा और विजय कुमार मंडल समेत सात नये विधायकों ने कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली। कैबिनेट विस्तार में जातिगत समीकरणों का विशेष ध्यान रखा गया है। नीतीश कुमार के मंत्रिमंडल में शामिल होने वाले सात विधायक हैं संजय सरावगी (दरभंगा), सुनील कुमार (बिहारशरीफ), जिबेश कुमार (जाले), राहु कुमार सिंह (साहेबगंज), मोती लाल प्रसाद (रीगा), विजय कुमार मंडल (सिकटी) और कृष्ण कुमार मंटू (अमनौर)।भाजपा ने परंपरागत रूप से प्रतिद्वंद्वी पार्टियों के प्रभुत्व वाले क्षेत्रों में पकड़ हासिल करने के लिए राजपूत, भूमिहार, कुर्मी और ओबीसी समुदायों सहित विभिन्न जातियों का प्रतिनिधित्व करने पर रणनीतिक रूप से ध्यान केंद्रित किया है। विशेष रूप से, पार्टी ने मिथिलांचल क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जो आगामी चुनावों के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है।

बीजेपी ने मिथिलांचल से दो सदस्यों को कैबिनेट में शामिल किया है। कृष्ण कुमार मंटू, जो छपरा जिले के अमनौर का प्रतिनिधित्व करते हैं, और विजय मंडल, जो अररिया के सिकटी क्षेत्र से हैं, दोनों से इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में भाजपा की स्थिति मजबूत करने की उम्मीद है।रणनीतिक रूप से विभिन्न जातियों और क्षेत्रों के सदस्यों को शामिल करके, नीतीश कुमार का मंत्रिमंडल सामाजिक न्याय और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा है, जो राज्य चुनावों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। जाति-आधारित राजनीति पर ध्यान केंद्रित करने के अलावा, भाजपा का लक्ष्य पारंपरिक रूप से लालू यादव और उनके बेटे तेजस्वी यादव के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के वोट बैंक में सेंध लगाना है। राजद ने परंपरागत रूप से मुस्लिम-यादव (एमवाई) वोट बैंक से समर्थन हासिल किया है, लेकिन भाजपा की कैबिनेट विस्तार रणनीति न केवल एमवाई वोट बैंक को लक्षित करने के लिए बनाई गई है, बल्कि राजपूत और ओबीसी सहित राजद के प्रति वफादार रहे अन्य समुदायों को भी लक्षित करने के लिए बनाई गई है।

महाशिवरात्रि पर देशभर में श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड

● बोल बम और हर-हर महादेव के जयकारों से गूंजे शिवालय

नई दिल्ली (आरएनएस)। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर देशभर के शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ रहा है। बोम बम और हर हर महादेव के जयकारों से शिवालय गुंजायमान हो रहे हैं। काशी विश्वनाथ से लेकर हरिद्वार, गुजरात, हिमाचल प्रदेश और बिहार तक श्रद्धालु अपने इष्टदेव भगवान शिव का लोग अभिषेक कर रहे हैं।काशी में श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्था है। काशी में महाशिवरात्रि के दौरान, मंगला आरती के बाद श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए सभी गेट खोले गए हैं, जिससे भक्तों को सुगमता से दर्शन का लाभ मिल रहा है। हालांकि, अखाड़ों की पेशवाई के दौरान तीन घंटे तक श्रद्धालुओं के दर्शन पर रोक रहेगी, जब नागा साधु संत काशी विश्वनाथ में जलाभिषेक करेंगे। मंदिर प्रशासन ने इस दौरान वीआईपी दर्शन पर भी रोक लगा रखी है।मुंबई के वसई और नालासोपारा में महाशिवरात्रि की धूम है। विरार और नालासोपारा क्षेत्रों में तुंगारेश्वर महादेव मंदिर सहित कई प्राचीन शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी हुई हैं। सुबह से ही भक्तगण पूजा-अर्चना में लीन हैं और महादेव के जयकारे से वातावरण गूंज रहा है। सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है, ताकि किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके।हरिद्वार में महाशिवरात्रि के अवसर पर कनखल स्थित दक्षेश्वर महादेव, तिलभांडेश्वर महादेव, दरिद्र भंजन और अन्य शिव मंदिरों में भक्तों की लंबी कतारें देखी जा रही हैं। भक्त बेलपत्र, दूध, दही, शहद, भांग, धतूरा और गंगाजल से भगवान शिव का अभिषेक कर रहे हैं।

राजौरी में सेना के वाहन पर आतंकी हमला, सर्च ऑपरेशन

राजौरी,एजेंसियॉ। बुधवार दोपहर को राजौरी सेक्टर में एक आतंकवादी हमले की सूचना मिली जब अज्ञात बंदूकधारियों ने सुंदरबनी पुलिस स्टेशन सीमा के तहत फाल, मल्लाह के पास एक भारतीय सेना के वाहन पर गोलीबारी की। हमला दोपहर करीब 12~45 बजे हुआ, जिसमें आतंकवादियों ने घटनास्थल से भागने से पहले सेना के काफिले पर 2-3 राउंड फायरिंग की। गोलीबारी के बाद सेना के जवानों ने तेजी से इलाके की घेराबंदी की और हमलावरों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया।घटना स्थल सुंदरबनी में सीआरपीएफ बटालियन मुख्यालय से लगभग 5-6 किमी दूर है। सुरक्षा बल क्षेत्र की छानबीन कर रहे हैं और स्थिति सामने आने पर विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा की जा रही है।

चीन पर जयशंकर ने कसा तंज

शोषणकारी मॉडल नहीं साझेदारी पर फोकस

भारत-अफ्रीका रिलेशन पर बोले

नई दिल्ली, एजेंसियॉ। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को अफ्रीका के साथ चीन के शोषणकारी मॉडल जिक्र करते हुए कहा कि इस बात पर जोर दिया कि अफ्रीका के प्रति भारत का दृष्टिकोण हमेशा दीर्घकालिक, पारस्परिक रूप से लाभप्रद साझेदारी बनाने की गहरी प्रतिबद्धता द्वारा निर्देशित रहा है। जापान-भारत-अफ्रीका बिजनेस फोरम को वर्चुअली संबोधित करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि अफ्रीका के प्रति भारत का दृष्टिकोण हमेशा दीर्घकालिक, पारस्परिक रूप से लाभप्रद साझेदारी बनाने की गहरी प्रतिबद्धता द्वारा निर्देशित रहा है। जयशंकर ने कहा कि जुड़ाव के निष्कर्षण मॉडल के विपरीत, भारत क्षमता निर्माण, कौशल विकास और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में विश्वास करता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि अफ्रीकी देशों को न केवल निवेश से लाभ होता है बल्कि आत्मनिर्भर विकास पारिस्थितिकी तंत्र भी विकसित होता है। उन्होंने कहा कि भारत अफ्रीका का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है, जिसका द्विपक्षीय व्यापार लगभग 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है और लगातार बढ़ रहा है। भारत ने अफ्रीका की कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए भी महत्वपूर्ण प्रतिबद्धता जताई है, जिसमें 12 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का रियायती ऋण और रेलवे, बिजली उत्पादन, कृषि और जल आपूर्ति जैसे क्षेत्रों में पूरे महाद्वीप में 200 से अधिक पूर्ण परियोजनाएं शामिल हैं। मंत्री ने कहा कि पेयजल योजनाओं से लेकर सिंचाई, ग्रामीण सौर विद्युतीकरण, बिजली संयंत्र, ट्रांसमिशन लाइनें, सीमेंट, चीनी और कपड़ा कारखाने, प्रौद्योगिकी पार्क, रेलवे बुनियादी ढांचे आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में भारत की विकास परियोजनाओं ने स्थानीय रोजगार पैदा किया है और वास्तव में, अफ्रीका में जीवन बदल दिया है। विदेश मंत्री ने इस उद्देश्य को आगे बढ़ाने में भारत के प्रयासों का हवाला दिया, विशेष रूप से वॉयस ऑफ द ग्लोबल साउथ समिट्स और इसकी जी20 अध्यक्षता के माध्यम से, जिसके दौरान इसने जी20 में अफ्रीकी संघ की स्थायी सदस्यता को सफलतापूर्वक सुविधाजनक बनाया।

● ● केंद्र सरकार का सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा ● ●

दोषी सांसदों पर आजीवन प्रतिबंध लगाना सही नहीं

नई दिल्ली, एजेंसियॉ। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दायर कर उस जनहित याचिका का विरोध किया है, जिसमें दोषी ठहराए गए राजनेताओं के चुनाव लड़ने पर आजीवन प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है। सरकार ने कहा कि अयोग्यता की अवधि विधायी नीति के दायरे में आती है। यह दावा 2016 में वकील अश्विनी उपाध्याय द्वारा दायर एक याचिका के जवाब में प्रस्तुत एक हलफनामे में किया गया था, जिसमें जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 और 9 की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई थी।हलफनामे में कहा गया है, ''यह सवाल कि आजीवन प्रतिबंध लगाना उपयुक्त होगा या नहीं, यह पूरी तरह से संसद के अधिकार क्षेत्र में आता है।'' इसमें कहा गया है कि दंड के क्रियान्वयन को एक उपयुक्त समय तक सीमित कर, रोकथाम सुनिश्चित की गई है और अनावश्यक कठोर कार्रवाई से बचा गया है। केंद्र ने कहा कि यह कानून का स्थापित सिद्धांत है कि दंड या तो समय या मात्रा के अनुसार निर्धारित होते हैं। हलफनामे में कहा गया है, ''यह दलील दी गई है कि याचिकाकर्ता द्वारा उठाए गए मुद्दों के व्यापक प्रभाव हैं और वे स्पष्ट रूप से संसद की विधायी नीति के अंतर्गत आते हैं तथा इस संबंध में न्यायिक समीक्षा की रूपरेखा में उपयुक्त परिवर्तन करना पड़ेगा।'' अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने शीर्ष अदालत में याचिका दायर कर दोषी करार दिये गए राजनीतिक नेताओं पर आजीवन प्रतिबंध लगाने के अलावा देश में सांसदों और विधायकों के खिलाफ आपराधिक मामलों के त्वरित निस्तारण का अनुरोध किया है। अपने हलफनामे

में, केंद्र ने रेखांकित किया कि शीर्ष अदालत ने निरंतर यह कहा है कि एक विकल्प या दूसरे पर विधायी विकल्प की प्रभावकारिता को लेकर अदालतों में सवाल नहीं उठाया जा सकता। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 (1) के तहत, अयोग्यता की अवधि दोषसिद्धि की तारीख से छह साल या कारावास के मामले में रिहाई की तारीख से छह साल तक है। हलफनामे में कहा गया है कि उक्त धाराओं के तहत घोषित की जाने वाली अयोग्यताएं संसदीय नीति का विषय हैं और आजीवन प्रतिबंध लगाना उपयुक्त नहीं होगा। केंद्र ने कहा कि न्यायिक समीक्षा के मामले में, न्यायालय प्रावधानों को असंवैधानिक घोषित कर सकता है, हालांकि, याचिकाकर्ता द्वारा मांगी गई राहत में अधिनियम की धारा 8 की सभी उप-धाराओं में ''छह वर्ष'' के प्रावधान को ''आजीवन'' पढ़े जाने का अनुरोध किया गया है। इसने कहा कि आजीवन अयोग्यता, प्रावधानों के तहत लगाई जा सकती है और ऐसा विवेकाधिकार ''निश्चित रूप से संसद के अधिकार क्षेत्र में'' है। केंद्र ने कहा कि याचिका अयोग्यता के आधार और अयोग्यता के प्रभावों के बीच महत्वपूर्ण अंतर स्पष्ट करने में विफल रही है। हलफनामे में कहा गया है कि याचिकाकर्ता का संविधान के अनुच्छेद 102 और 191 का उल्लेख करना पूरी तरह से गलत है। संविधान के अनुच्छेद 102 और 191 संसद, विधानसभा या विधानपरिषद की सदस्यता के लिए अयोग्यता से संबंधित हैं। केंद्र ने कहा कि अनुच्छेद 102 और 191 के खंड (ई) संसद को अयोग्यता से संबंधित कानून बनाने की शक्ति प्रदान करते हैं और इसी शक्ति का प्रयोग करते हुए 1951 का (जन प्रतिनिधित्व) अधिनियम बनाया गया था। इसने कहा कि संविधान ने संसद को अयोग्यता से संबंधित ऐसे अन्य कानून बनाने का अधिकार दिया है, जिसे बनाना वह उचित समझता हो। केंद्र ने कहा, ''संसद के पास अयोग्यता के आधार और अयोग्यता की अवधि, दोनों निर्धारित करने की शक्ति है।'' न्यायालय ने 10 फरवरी को, जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 8 और 9 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद्र और निर्वाचन आयोग से जवाब मांगा था।

हाईवे के किनारे मकान से टकराया श्रद्धालुओं का वाहन, चार की मौत, तीन घायल

लोकमित्र ब्यूरो

कटरामेदनीगंज प्रतापगढ़। कोतवाली देहात अंतर्गत अयोध्या प्रयागराज हाईवे पर राजगढ के बबुरहा मोड़ पर गणेश प्रसाद ओझा निवासी श्रीनाथपुर मकान बनवाकर अपने बेटों के साथ रहकर घर के सामने ही चाय नाश्ते की दुकान खोलकर जीवन यापन करते हैं। बीते मंगलवार की रात 2,15 बजे महाकुंभ प्रयागराज से स्नान करके अयोध्या जा रहे हैं बिहार तथा झारखंड के श्रद्धालुओं की टीयूवी वाहन तेज रफ्तार होने के कारण मकान से जा भिड़ी तथा मकान क्षतिग्रस्त हो गया।

बरामदे में सो रहे मनोज कुमार ओझा उम्र 48 वर्ष पत्नी रेनू ओझा उम्र 45 वर्ष टूटी दीवाल से दबाकर घायल हो गए। चीख पुकार सुनकर स्थानीय लोग मदद को पहुचे तथा घटना की जानकारी पुलिस को दी। स्थानीय व पुलिस की मदद से सभी को बाहर निकाला गया। वाहन चालक अभिषेक ओझा उम्र 30 वर्ष ,सौरव पुत्र विनोद उम्र 26 वर्ष निवासी जनपद रायगढ़ झारखंड,अभिषेक कुमार सिंह पुत्र राजकुमार सिंह उम्र 24 वर्ष निवासी छपरा बिहार, राजू सिंह उम्र 25 वर्ष निवासी चौनपुरा मढौरा बिहार, की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे कोतवाल अभिषेक सिरोही, भुपियामऊ चौकी इंचार्ज वरुण प्रताप सिंह अपने हमराही सिपाही किशन यादव तथा अन्य सिपाहियों के साथ घायल रोहित कुमार सिंह पुत्र राजकुमार सिंह उम्र 24 वर्ष निवासी छपरा बिहार आकाश पुत्र रविंद्र प्रसाद उम्र 35 वर्ष निवासी भुरकुंडा थाना पच रायू जिला रायगढ़ झारखंड रुपेश शर्मा पुत्र भूपेश शर्मा उम्र 22 वर्ष निवासी गोगा पंकी सराय भागलपुर बिहार तथा मृत श्रद्धालुओं को 108 एंबुलेंस के जरिए इलाज के लिए जिला मेडिकल कॉलेज भेजा। साथ ही चारों मृत श्रद्धालुओं का धव पोस्टमार्टम के लिये भेजा।

कुर्सी के लिए कभी दिल्ली का बेटा, कभी हरियाणा का लाल, अब पंजाब दा पुत्तर

▶▶ केजरीवाल पर स्वाति मालीवाल का तंज

नई दिल्ली, एजेंसियॉ। राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने मंगलवार को आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर परोक्ष रूप से कटाक्ष करते हुए कहा कि सत्ता के लिए वह एक बार खुद को दिल्ली का बेटा, एक बार हरियाणा का लाल और अब पंजाब दा पुत्तर कहते हैं। पार्टी प्रमुख के आवास पर केजरीवाल के पीए विभव कुमार द्वारा हमला किए जाने के बाद आप से दूरी बनाने वाली स्वाति ने हिंदी में एक पोस्ट में लिखा, ÷कुर्सी के लिए कभी दिल्ली का बेटा, कभी हरियाणा का लाल, अब पंजाब दा पुत्तर।उनकी एक्स पोस्ट को उन अटकलों की प्रतिक्रिया के रूप में देखा जा रहा है कि केजरीवाल पंजाब से राज्यसभा में प्रवेश कर सकते हैं। इस अफवाह को तब हवा मिली जब आप ने लुधियाना पश्चिम विधानसभा उपचुनाव में राज्यसभा सदस्य संजीव अरोड़ा को मैदान में उतारा। हालांकि, आप सूत्रों ने इन अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि केजरीवाल उच्च सदन में नहीं जा रहे हैं। इससे पहले दिन में, ›क्क ने राज्यसभा सांसद संजीव अरोड़ा को लुधियाना पश्चिम विधानसभा उपचुनाव के लिए अपना उम्मीदवार नामित किया। यह घोषणा आप के राष्ट्रीय महासचिव संदीप पाठक ने एक्स पर एक पोस्ट में की। उपचुनाव की तारीख अभी घोषित नहीं की गई है।लुधियाना के उद्योगपति अरोड़ा 2022 से राज्यसभा के सदस्य हैं। लुधियाना पश्चिम सीट पिछले महीने आप विधायक गुरप्रीत बस्सी गोगी की मृत्यु के बाद खाली हो गई थी। गोगी की उनके लाइसेंसी हथियार से दुर्घटनावश छूटने के बाद गोली लगने से उनके घर पर मृत्यु हो गई। घोषणा पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए अरोड़ा ने कहा कि वह उन्हें मैदान में उतारने के लिए पार्टी नेतृत्व के आभारी हैं।

सीमा पर बीएसएफ ने पाकिस्तानी घुसपैठिया मार गिराया

चंडीगढ़, (हि.स.)। बीएसएफ ने भारत-पाक सीमा पर पठानकोट सेक्टर में एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को ढेर कर दिया है। यह युवक पठानकोट के रास्ते से भारतीय सीमा में दाखिल होने की कोशिश कर रहा था। इस घटना के बाद बीएसएफ ने बुधवार की सुबह पंजाब पुलिस के साथ सीमावर्ती क्षेत्र में सर्च आपरेशन शुरू किया है।जानकारी के अनुसार बुधवार की सुबह तड़के ताशपतन बॉर्डर पोस्ट पर तैनात जवानों ने सीमा के पार संदिग्ध गतिविधि देखी। एक व्यक्ति भारतीय सीमा में घुसपैठ की कोशिश कर रहा था।

अरविंद केजरीवाल के राज्यसभा में जाने की अटकलें, आप ने किया खंडन

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में हार के बाद आम आदमी पार्टी (आआपा) के संयोजक अरविंद केजरीवाल के सियासी सफर पर अटकलें तेज हो गयी हैं। आआपा विधायक गुरप्रीत गोगी के निधन से खाली हुई पंजाब की लुधियाना वेस्ट विधानसभा सीट पर पार्टी ने राज्यसभा सदस्य संजीव अरोड़ा को उम्मीदवार बनाया है। इस सीट पर अरोड़ा का कार्यकाल अभी तीन साल बाकी है। आआपा के इस कदम से केजरीवाल के राज्यसभा में जाने की अटकलें तेज हो गई हैं। हालांकि पार्टी प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने इन अटकलों को निराधार बताया है।केंद्रीय राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने बुधवार को एक्स पोस्ट के जरिए सवाल उठाया कि सांसद संजीव अरोड़ा अचानक लुधियाना वेस्ट विधानसभा सीट से उपचुनाव क्यों लड़ रहे हैं? क्या केजरीवाल इस सीट से राज्यसभा जाना चाहते हैं? क्या वह दिल्ली में सरकारी बंगले के लिए बेताब हैं? लालच की कोई सीमा नहीं है।वहीं, भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने एक्स पर कहा कि आआपा ने अपने सांसद संजीव अरोड़ा को लुधियाना वेस्ट उपचुनाव के लिए उम्मीदवार बनाया है। क्या यह केजरीवाल के लिए रास्ता साफ करने के लिए किया जा रहा है, जो हाल ही में नई दिल्ली में अपनी सीट हारने के बाद अब पंजाब से राज्यसभा के लिए नामांकित होने जा रहे हैं? क्या यह बेहतर नहीं होगा कि केजरीवाल की जगह पंजाब से ही कोई व्यक्ति राज्य का प्रतिनिधित्व करे? क्या अपने सांसद को जीतने और अपनी सीट खाली करने पर मंत्री पद देने का भी वादा किया गया है? इस प्रकार की लेन-देन की राजनीति की निंदा की जानी चाहिए। लुधियाना के लोगों को संजीव अरोड़ा को हराना होगा ताकि वह अपनी सीट गंवाए बिना केजरीवाल को अपनी सीट न दे सकें।इन अटकलों पर आआपा प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने मीडिया से बातचीत में केजरीवाल के राज्यसभा में जाने की अलकलों को खारिज करते हुए कहा कि संजीव अरोड़ा अपने क्षेत्र में काफ़ी सक्रिय रहते हैं इसलिए वो चुनाव लड़ रहे हैं। जहां तक केजरीवाल का सवाल है, मीडिया सूत्र पहले कह रहे थे कि वे पंजाब के मुख्यमंत्री बनेंगे। अब कह रहे हैं कि वे राज्यसभा का उपचुनाव लड़ेंगे। ये दोनों सूत्र बिल्कुल गलत हैं। केजरीवाल राज्यसभा नहीं जा रहे हैं।

पूर्ण महाकुम्भ ने सनातन संस्कृति को किया गौरवान्वित-योगेश शुक्ल

आदि शक्ति साधना पीठ शिविर विभिन्न गतिविधियों का बना गवाह

➪आध्यात्म्य चर्चा व बटुक यज्ञोपवीत के साथ प्रकृति संरक्षण चर्चा रहे आकर्षण के केंद्र

लोकमित्र ब्यूरो

मेजा (प्रयागराज)। महाकुम्भनगर के संगम लोअर मार्ग सेक्टर 18 का आदि शक्ति साधना पीठ शिविर पूर्ण महाकुम्भ आयोजन शिविर विभिन्न गतिविधियों का केंद्र रहा है। यहाँ चले 45 दिन के महायज्ञ के साथ यह शिविर युवाओं के लिए आध्यात्मिक चर्चा के केंद्र के साथ 25 ब्राह्मण बटुकों के यज्ञोपवीत के मांगलिक कार्यक्रम का गवाह रहा है। महाशिवरात्रि पर पर बाबा के अभिषेक के साथ शिविर का समापन किया गया।जनपद प्रयागराज के मांडा

के तीसेन गांव के पंडित रमा शंकर शुक्ल की संस्था आदि शक्ति साधना पीठ बीते 30 वर्षों से लगातार कुंभ मेला एवं प्रत्येक वर्ष आयोजित होने वाले माघ मेला, अर्धकुम्भ, महाकुम्भ में शिविर लगाकर निरंतर जनसेवा कार्य किया जाता रहा है। रमा शंकर शुक्ल के उम्र के अंतिम पड़ाव की वजह से उनके पुत्र वरिष्ठ भाजपा नेता योगेश शुक्ल द्वारा शिवरी संचालन किया गया है। अध्यात्म्य और सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़े रहने वाले विद्वान राजनीतिज्ञ श्री शुक्ल ने पूर्ण महाकुम्भ के महासंयोग को शिविर की गतिविधियों से जोड़कर जन कल्याण का संदेश दिया है।आदि शक्ति साधना पीठ शिविर मे महीने भर जन कल्याण के लिए यज्ञ आयोजन जारी रहा। शिविर से 400 विशिष्ट अतिथियों और 5000 श्रद्धालुओं की सेवा और सहयोग किया गया है। यहां कुम्भ से संबंधित फोटो प्रतियोगिता और प्रदर्शनी का आयोजन हुआ है।25 ब्राह्मण बटुकों का यज्ञोपवीत संस्कार का मांगलिक कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहा। प्रमुख पर्वों पर भंडारे का आयोजन हुआ।

योगेश शुक्ल ने तमसा परिक्रमा, बड़ोखर पहाड़ की पूजा व परिक्रमा एवं गंगा आरती व पूजन द्वारा अपना प्रकृति प्रेम की झलक कई बार पेश कर चुके हैं। शिविर में प्रकृति सरंक्षण पर संवाद इसी सोच का हिस्सा रहा है। युवाओं के लिए आध्यात्मिक चर्चा का सत्र चला। श्री शुक्ल का मानना है कि बदलते परिवेश में देश की युवा पीढ़ी को सनातन संस्कार,संस्कृति एवं परम्पराओं का बोध होना जरूरी है।

यह शिविर पूरे आयोजन के 45 दिनों में जन कल्याण, परम्पराओं और स्वच्छता, पर्यावरण की गतिविधियों का केंद्र रहा है।

सरसों की फसल देख किसानों के चेहरे खिले

लोकमित्र ब्यूरो

लेड़ियारी(प्रयागराज)। इस समय क्षेत्र में सरसों की फसल तैयार है । किसान सरसों को कटाई में परिजनों के साथ जुटे हुए हैं। किसानों ने सरसों की अच्छी किस्म की बुवाई की थी । अब ठंड कम पड़ने के कारण सरसों की फसल में रोग नहीं लगा । जिसके चलते सरसों की फसल में उत्पादन बहुत ही अच्छा रहा । जिससे किसान अपनी फसल को देखकर प्रफुल्लित है । बहरैचा के किसान शंकर दयाल तिवारी , विजय कुमार भूतिया , बबलू भूतिया , बुध्दिसेन , आदि कहना है कि प्याज की बुवाई के समय प्याज कीमत चमार पर थी । जिसके चलते उन लोगों ने प्याज की फसल कम रकबा में लगाई । तथा उसके एवज में अन्य खेतों में सरसों की अच्छी किस्म की फसल भी तैयार की । जिसका परिणाम बहुत ही सुखद रहा । किसानों ने बताया कि उत्पादित सरसों में एक बीघे की खेती करने पर लगभग पांच से छह कुंतल सरसों

प्राप्त हुई है । जिसकी लागत लगभग चार चार आई थी । अनुमान है कि एक बीघे में तैयार सरसों की फसल में लगभग 20 से 25 हजार रूपये का फायदा मिल जाएगा । इसी प्रकार लेडियारी के विष्णु प्रताप सिंह , नीबी गांव निवासी सुरंजन बिंद पधारी गांव के के किसान राम लोचन सिंह , गड़री गांव के गुलाब दत्त तिवारी , कैथवल के विनोद कुमार दुबे , सुशील कुमार सिंह , राजेंद्र प्रसाद केशरी , बघोल के मदन प्रताप सिंह , सुरेश सिंह , रणधीर सिंह , तेज़ बहादुर सिंह , आशुतोष द्विवेदी , दुर्गा प्रसाद केसरी ने बताया कि प्याज की अपेक्षा सरसों में उन सबको ज्यादा फायदा प्राप्त हुआ है । प्याज को भी उन लोगों को रखने में इस उम्मीद में रखा गया है कि शायद आने वाले दिनों के फायदा मिल जाएगा । सरसों में तत्कालीन लाभ को देखते हुए अच्छी कीमत प्राप्त होने से उन सब का प्याज में हुआ घटा सरसों से पूरा हो जाने उन्हें तसल्ली है ।

महाशिवरात्रि पर दिव्य जीवन मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल ने आयोजित किया भंडारा

लोकमित्र ब्यूरो

प्रयागराज। भगवान शिव की उपासना एवं भक्ति को समर्पित महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर दिव्य जीवन मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल के तत्वावधान में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य भगवान शिव के भक्तों के लिए श्रद्धा, सेवा और समर्पण का भाव साझा करना था।

भंडारे का आयोजन जॉर्ज टाउन थाने के ठीक सामने किया गया जहां श्रद्धालुओं के लिए विशेष रूप से प्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई। सुबह से ही बड़ी संख्या में भक्तगण कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने लगे और पूरे दिन भगवान शिव की भक्ति में लीन रहकर प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे में स्वादिष्ट एवं पौष्टिक प्रसाद परोसा गया।भंडारे के दौरान श्रद्धालुओं को शिव भक्ति से ओत-प्रोत माहौल का अनुभव हुआ। पूरे क्षेत्र को भगवान शिव के चित्रों, ध्वजों और धार्मिक वचनों से सजाया गया था, जिससे वातावरण अत्यंत पवित्र और भक्तिमय हो गया था। इसके साथ ही भजन-कीर्तन का भी आयोजन किया गया था, जिसमें स्थानीय गायक मंडलियों ने बम-बम भोले, शिव तांडव स्तोत्र और अन्य शिव भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी। श्रद्धालु पूरे जोश और श्रद्धा के साथ भजन-कीर्तन में सम्मिलित हुए और भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया।

दिव्य जीवन मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल की ओर से श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए निःशुल्क चिकित्सा परामर्श और प्राथमिक उपचार केंद्र की भी व्यवस्था की गई थी। इसमें विशेषज्ञ डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों की एक टीम उपस्थित रही, जिन्होंने श्रद्धालुओं की रक्तचाप जांच, शुगर टेस्ट, प्राथमिक चिकित्सा एवं अन्य आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कीं। इसके अतिरिक्त, प्यासे श्रद्धालुओं के लिए शीतल जल एवं जलपान की भी उचित व्यवस्था की गई थी।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉ अजय प्रताप सिंह, डॉ अनंत सिंह, रतन सिंह, ओपी सिंह एडवोकेट , सौरभ सिंह एडवोकेट, सुशील सिंह, रोशन सिंह, संदीप अग्रवाल, अजय सिंह एवं हॉस्पिटल परिवार के अन्य लोग शामिल रहे।

प्रधान ने ठंडई पिलाकर किया भक्तों का स्वागत

मेजा (प्रयागराज)। बाबा भोलेनाथ को भंग,धतूरा भाता है।शिव भक्त महाशिवरात्रि पर्व पर बाबा को विल्व पत्र,धतूरा और भंग,ठंडाई का भोग लगाकर प्रसाद

वितरित करते हैं।ग्राम प्रधान मदरहा, मेजा सुषमा अवनीश मिश्रा द्वारा आज महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर सुबह से श्री सिद्धेश्वर नाथ धाम पहाड़ी महादेव पर भक्तों को प्रसाद के रूप में ठंडई पिला रहे थे।इसमे मन्दिर के पुजारी आचार्य बृजबिहारी दास मौजूद रहे।

महादेव की अलबेली बारात में शिव भक्तों का धमाल

महादेव मंदिर में विधि विधान से शिव पार्वती विवाह की निभाई गईं रस्में

➪सिद्धेश्वर पहाड़ी महादेव सेवा संस्थान ने बारातियों का किया आतिथ्य

लोकमित्र ब्यूरो

मेजा (प्रयागराज)। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर क्षेत्र शिवमय रहा है।प्रत्येक शिवालयों में भोर से ही शिव भक्तों ने बाबा की पूजा,आराधना और अभिषेक कर बाबा का आशीर्वाद लिया है। क्षेत्र के सिध्देश्वर नाथ पहाड़ी महादेव सेवा संस्थान द्वारा प्रयागेश्वर शिव मंदिर गडेवरा से भव्य शिव बारात निकाली जो ममोली महादेव प्रवेश द्वार के साथ पहाड़ी महादेव मंदिर परिसर पहुंची।

यहाँ शिव जी का श्रृंगार करते हुए पूजा कर विधिवत शिव पार्वती विवाह की रस्में निभाई गईं।

संस्था के सचिव एवं प्रधान संघ के

जिला प्रभारी गडेवरा प्रधान अनिल शुक्ल ने बताया कि शिव जी की झांकी के साथ पूरी भव्यता से निकली बारात में बाबा के जयकारे लगते रहे।रास्ते भर लोगो ने बारात की अगवानी व स्वागत किया है ।बारात मन्दिर रास्ते पर बाजे गाजे के साथ बढ़ती रही और लोग जुड़ते रहे।मन्दिर प्रांगड़ में बारात के साथ रहे युवा भक्तों ने जमकर धमाल मचाया।इसके बाद बाबा और माँ पार्वती का श्रृंगार कर पूरे विधि विधान से शादी की रश्म निभाई गयी। विवाह के बाद बरातियों व घरातियों को भोज कराया गया।

प्रधान गडेवरा श्री शुक्ल ने कहा कि आस्था के इस महा रात्रि को जागरण की नही जागृति की रात बनाना चाहते हैं।

शिव पार्वती विवाह का यह पर्व और बाबा की अलबेली बारात की भव्यता मनोहारी रही।महादेव और

माता पार्वती के जयकारे के साथ आस्था के इस महापर्व का समापन किया गया।

शिव बारात में ग्राम प्रधान गड़ेवरा अनिल शुक्ला, ग्राम प्रधान मदरहा अवनीश मिश्रा, अनिल पाण्डेय,रंजय मिश्रा, संजय केसरवानी ,शिवराम तिवारी, प्रेम शंकर शुक्ला, हरिशंकर मिश्रा ,हिन्छ लाल यादव,राम संजीवन हरिजन, श्याम लाल हरिजन सहित कई शिव भक्त मौजूद रहे।

प्रेम प्रपंच में मारा गया अरुण, पूछताछ में खुलासा, दो हिरासत में

कोरांव(प्रयागराज)। कोरांव थाना क्षेत्र के अरुण हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा किया है,और अभियुक्तों को ला कर पूछताछ कर आला कत्ल भी बरामद किया। हत्या कांड में मृतक के पिता ने नामजद मुकद्दमा दर्ज कराया था। ज्ञातव्य हो कि ग्राम बैठकवा कोरांव निवासी अरुण कुमार सिंह पटेल पुत्र लालचंद्र पटेल 23 फरवरी की रात्रि से लापता हो गया तो घर वाले थाने में 24 फरवरी को गुमशुदगी दर्ज कराया था। किंतु पुलिस और मृतक परिजन मृतक के मोबाइल काल से 25 फरवरी को दस बजे सुबह करीब ग्राम पटहरी के एक पंडित कृषक के सरसों के खेत में शव पाया गया। क्योंकि मृतक का फोन वहीं पर चालू हालत में गड़ा हुआ था और काल करने पर घनघनाता हुआ खुदाई कर निकाला गया और बेरहमी से मार पीट में उपयोग की गई वस्तुएं,आधा दर्जन लाठियां आदि बरामद भी कर लिया। आशंका व्यक्त करने पर शिकायत के बाद पुलिस ने तुरंत उसी गांव पटेहरी के ही एक छात्रा को उसके पिता तथा एक पुत्र व अन्य को पूंछ ताँछ के लिए उठा लिया और उक्त हत्या में पुलिस विधि विज्ञान प्रयोगशाला मह खोजी कुत्ता के साथ स्थलीय परीक्षण भी किया।

फिलहाल थाना कोरांव में दर्ज मुकद्दमा अपराध संख्या 0042/2025 धारा 103 एनबीएस,धारा 238 एनबीएस पूंछ ताँछ के दौरान कथित युवती (प्रेमिका) ने बताया कि जिस दिन हत्या हुई उस दिन अरुण कुमार को मैने आने को मना भी किया था।

फिलहाल धोखे से अरुण कुमार प्रेमी को पटेहरी गांव रात फोन करके बुलवाया गया और प्रेमी के घर वाले और लाठियों से मार पीट कर दो गई थी।

सामाजिक उत्थान से जुड़ी रहीं गतिविधियां-कृष्णा चट्टोपाध्याय

मेजा ऊर्जा निगम द्वारा महाकुंभ में कंबल, जूट के थैले एवं बायोडिग्रेडेबल बैग का किया गया वितरण

लोकमित्र ब्यूरो

मेजा (प्रयागराज)। मेजा ऊर्जा निगम ने महाकुंभ मेला के पावन अवसर पर कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत और अपराजिता महिला समाज के महत्वपूर्ण सहयोग से प्रयागराज के अरैल घाट स्थित मेजा ऊर्जा निगम पवेलियन में जरूरतमंदों के बीच 2124 कंबल, आगंतुकों के बीच 6100 जूट के थैले एवं 15000 बायोडिग्रेडेबल बैग का वितरण किया।संपूर्ण महाकुंभ मेला के दौरान यह वितरण अभियान सक्रिय रूप से चलाया गया।

अपराजिता महिला समाज की अध्यक्षा, श्रीमती कृष्णा चट्टोपाध्याय द्वारा वितरण अभियान के समापन के मौके पर बीते 24 फरवरी को कम्बल,जूट झोले, वायोडिग्रेडेबल

बैग का वितरण किया गया है।, जिनकी उपस्थिति ने इस पहल को और भी सार्थक बना दिया। महाकुंभ 2025, एक ऐतिहासिक और धार्मिक आयोजन है, जिसमें देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु संगम तट पर आकर पुण्य स्नान और आस्था का पालन कर रहे हैं।इस विराट आयोजन में पर्यावरण की स्वच्छता और संरक्षण को ध्यान में रखते हुए, मेजा ऊर्जा निगम ने अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया

पहल के मुख्य उद्देश्य

जनहित में सहयोग- कंबल वितरण के माध्यम से ठंड से बचाव और आवश्यकतानुसार सहारा देने की सोच रही।

पर्यावरण संरक्षण- जूट और बायोडिग्रेडेबल बैग का वितरण कर श्रद्धालुओं को प्लास्टिक का उपयोग कम करने के लिए प्रोत्साहित करना रहा, जिससे महाकुंभ में अपशिष्ट प्रबंधन को सहयोग मिल सके।

है।इसे जन जागरूकता का भी माध्यम बनाया गया है।इस सफल आयोजन के साथ, मेजा ऊर्जा निगम ने न केवल महाकुंभ के श्रद्धालुओं की सहायता की, बल्कि पर्यावरण-संवेदनशीलता और सामाजिक उत्थान का एक मजबूत संदेश भी दिया है

नाबालिग चला रहे ई-रिक्शा यातायात नियमों की उड़ रही धज्जियां

सड़कों पर चल रहे ई रिक्शा से बढ़ रही सड़क दुर्घटनाएं

लेड़ियारी(प्रयागराज)। लेड़ियारी बाजार में स्टेट राजमार्ग समेत आसपास गांवों की सड़कों गलियों में दौड़ रहे हैं। ई - रिक्शा यातायात नियमों का खुलेआम उल्लंघन कर रहे हैं । इनकी भरमार है । अधिकांश ऐसे वाहन नाबालिक लड़के चला रहे हैं । इससे सड़क दुर्घटनाएं भी बढ़ गई है ।कस्बा समेत आसपास के क्षेत्र में ई - रिक्शा की भरमार है । बिना ड्राइविंग लाइसेंस स्टेट राजमार्ग पर दूरियां नापने से बिल्कुल भी गुरेज नहीं कर रहे हैं । ई - रिक्शा नाबालिक लड़कों के हाथ में थमा दिया गया है । स्टेट राजमार्ग और मुख्य बाजार में इनकी अधिकता होने के कारण कहीं जाम की समस्याओं का हिस्सा बन रहे हैं तो कहीं सड़क दुर्घटनाओं को बढ़ावा देने में भूमिका निभा रहे हैं।सवारियां ढोने के लिए गांव के अलग-अलग क्षेत्र में जाने के साथ मुहल्ला की गलियों में भी फर्राटा भर रहे हैं ।

सवारी ढोने के लिए बाजारों में घूम रहे हैं ई - रिक्शा मौका देखते ही माल वाहक का भी काम कर लेते हैं ई - रिक्शा अपनी क्षमता से कई गुना ज्यादा सामान लोड कर दूर तक पहुंचाते हैं ।

मुख्य बाजार में लग रहे जाम और बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए स्थानीय जिम्मेदार बिल्कुल भी गंभीर नहीं दिख रहे हैं । लोगों का कहना है कि यदि ई - रिक्शा के इस प्रकार के संचालक पर रोक नहीं लगाई गई । तो किसी भी दिन किसी बड़ी दुर्घटना होने से इनकार नहीं किया जा सकता ।

उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्ष द्वारा स्टेनलेस स्टील थालियों एवं कपडे की थैलियों का वितरण

प्रयागराज। महाप्रबंधक उपेंद्र चंद्र जोशी एवं अनिमेष कुमार सिन्हा प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर के नेतृत्व में हरित कुंभ को सफल बनाने हेतु तथा प्लास्टिक मुक्त वातावरण को बढ़ावा देने हेतु उत्तर मध्य रेलवे में दिनांक 26 फरवरी को उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती चेतना जोशी, सचिव श्रीमती ऋचा वर्मा, श्रीमती प्रतिभा कदम, और पर्यावरण अनुभाग उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय की तरफ से स्टेनलेस स्टील थालियों एवं कपडे की थैलियों का वितरण सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन पर किया गया। स्टील प्लेटों को बांटने का उद्देश्य सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल को कम करना है । श्रीमती चेतना जोशी ने पहले सभी अधिकारी एवं कर्मचारियो को महाशिवरात्रि पर्व की शुभकामनाएं दी तथा स्वच्छता और सुरक्षा के साथ-साथ सफाई कर्मियों और परिचालन विभाग द्वारा सुनियोजित और टीम भावना से किए गए कार्यो और कुम्भ मेले को सफल बनाने के प्रयासो की तारीफ भी की। इसके बाद सफाईकर्मियों को झाड़ू लगाने के बाद कूड़े को वापस पटरी पर ना फेंकने का अनुरोध किया। मुख्य पर्यावरण प्रबन्धक ने सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने की सलाह दी तथा आने वाली गर्मियों में पौधों के संरक्षण के लिए एक बोतल एक प्लांट का अनुरोध भी किया गया। समाजसेवी संस्थान पर्यावरण संरक्षण गतिविधि की तरफ से प्राप्त थालियाँ तथा थैलियों का वितरण प्रदुषण रोकने में काफी मददगार साबित हो रहा है। इस गतिविधि में श्री शिवाजी कदम (मुख्य पर्यावरण एवं गृह व्यवस्था प्रबन्धक उत्तर मध्य रेलवे), श्री सुदीप कुमार घोष ए एस सी/प्रयागराज, श्री राजेश कुमार गुप्ता स्टेशन अधीक्षक, श्री अखिलेश कुमार सिंह वरिष्ठ खंड इंजीनियर इत्यादि रेलवे अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल थे।

श्रद्धालुओं की स्कार्पिओ दुर्घटनाग्रस्त, चार घायल

लोकमित्र ब्यूरो

मेजा (प्रयागराज)। मांडा थाना क्षेत्र के गरेथा इलाके में बुधवार की सुबह ब्रेक फेल होने से स्कार्पियो दुर्घटनाग्रस्त हो गयी, इसमें चार श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। पुलिस द्वारा सभी घायलों का इलाज् कराया जा रहा है। जबकि हादसे में वाहन के परखच्चे उड़ गए हैं।मिली जानकारी के अनुसार, झारखण्ड (गढ़वा) के मेराल थाना अंतर्गत आरंगी गाव के रहने वाले धनराज तिवारी अपने परिवार के साथ महाकुम्भ स्नान को आए थे। इस दौरान बुधवार सुबह वह अपनी कार

से परिवार के साथ घर लौट रहे थे। तभी मांडा के गरेथा इलाके में स्कार्पिओ का ब्रेक फेल हो गया। इससे कार अनियंत्रित होके सड़क के किनारे गड्ढे में पलट गई। इसमें किशोर प्रसाद, सुशीला देवी, अनूप कुमार, मुन्नी देवी, कुंदन कुमार, मीना साहित कुल सात लोग सवार थे।जिसमे चार लोग चोटिल हो गए हैं।

उधर सूचना पर दिघिया चौकी प्रभारी विक्की गुप्ता मय फोर्स मौके पर पहुचे। पुलिस ने सभी घायलों को तत्काल उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा है। बताया गया घायलों का उपचार किया जा रहा है लोग खतरे से बाहर बताए गए हैं।

महाशिवरात्रि पर मंदिरों में उमड़ी भक्तों की भीड़

लोकमित्र ब्यूरो

कौंधियारा (प्रयागराज)। हिन्दू धर्म के बड़े पर्व में एक महाशिवरात्रि का पर्व भी है. इसे फाल्गुन कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मनाया जाता है. माना जाता है इस दिन शिव जी का प्राकट्य हुआ था. इसके अलावा शिव जी का विवाह भी इस दिन माना जाता है. इस दिन महादेव की उपासना से व्यक्ति को जीवन में सम्पूर्ण सुख प्राप्त हो सकता है. इस दिन व्रत, उपवास, मंत्रजाप तथा रात्रि जागरण का विशेष महत्व है कौंधियारा क्षेत्र में बुधवार को पाटलेश्वर महादेव समेत दर्जनों भर मंदिरो में महाशिव रात्रि पर भगवान शिव की पूजा अर्चना करने के लिए सुबह से ही श्रध्दालुओ की भीड़ उमड़ पड़ी लोग पूजा पाठ करने

के बाद जगह -जगह लोग भगवान शिव के भजन कीर्तन में लीन हो गए मन्दिरों में सुबह से महिलायें व पुरुषो की भीड़ देखने को मिली महाशिवरात्रि पर सूर्योदय की बेला के साथ बेल पत्र, भांग-धतूरे की जमकर बिक्री की मंदिरों के बाहर बेल पत्र, बेल, भांग, धतूरा, फूल-प्रसाद, धूप, अगरबत्ती, गंगाजली समेत अन्य पूजन सामग्रियों की बिक्री जोरों पर रही। सड़क किनारे जगह-जगह स्टॉल सजे दिखे। बाहर फल-फूल प्रसाद आदि की दुकानों पर सुबह से अच्छी खासी भीड़ देखी गई। दुकानदारों ने फूल-प्रसाद आदि बेचकर अच्छी कमाई की।

महाशिवरात्रि पर्व के साथ ही संपन्न हुआ 45 दिनों तक चलने वाला महाकुंभ, 66 करोड़ लोगों ने किया स्नान

लोकमित्र ब्यूरो

प्रयागराज। सनातनी परंपरा की धर्म ध्वजा को पूरी दुनिया में विस्तार देने वाला 45 दिनों तक चलने वाला महाकुंभ बुधवार का संपन्न हो गया। हालांकि, मां गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के अविरल तट पर आस्था जन प्रवाह अब भी बना हुआ है। 45 दिनी यह आयोजन 66 करोड़ से अधिक सनातनियों के समागम का साक्षी बना। परमब्रह्म ब्रह्माजी की इस यज्ञ भूमि पर संतों के शिविरों में कई संकल्प पारित हुए तो केंद्र एवं कई राजयों की सरकारों ने देश एवं तथा प्रदेश के विकास का खाका प्रस्तुत किया। त्रिवेणी तट पर हिलोर मारती आस्था के बीच सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक हर पहलू पर नई लकीरें भी खींची गई। संभवतः कुंभ 2031 में इससे भी बड़ी लकीर खींची जा सके इन्हीं संकल्पों एवं संभवनाओं के साथ संत विदा हो चुके तो सरकार में एवं प्रशासन ने भी मेला समेटना शुरू कर दिया है। 45 दिन तक चलने वाला महाकुंभ महाशिवरात्रि स्नान पर्व के साथ बुधवार को संपन्न हो गया। इन दिनों में पूरी दुनिया मानों यहां सिमटी दिखाई दी और सनातन धर्म के वैभव का हिस्सा बनने के साथ आध्यात्मिक चेतना का आत्मसात किया। राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, रक्षा मंत्री समेत अधिकांश केंद्रीय मंत्री, मुख्य चुनाव आयुक्त, शीर्ष नौकरशाहों के अलावा उद्योगपति गौतम अडानी, मुकेश अंबानी, एप्पल के सह संस्थापक स्टीव जॉब्स की पत्नी पावेल जॉब्स,अक्षय कुमार समेत कई बड़े फिल्म स्टार समेत कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों के अलावा 76 देश के प्रतिनिधि महाकुंभ की भव्यता को देखा तो देश और कई प्रदेशों की सरकारें भी तीर्थों के राजा के आगे नतमस्तक हुई।

महाशिवरात्रि पर्व पर शिवालयों में भी रही भीड़

लेड़ियारी (प्रयागराज)। महाशिवरात्रि पर्व पर शिवालयों में भगवान शिव व पार्वती की पूजा अर्चना करने के लिए सुबह से ही भक्तों की भीड़ दिखी। व्रती महिलाओं एवं पुरुषों ने भगवान शिव को माला फूल , नारियल , भांग , धतूरा चढ़ाकर भगवान शिव की पूजा अर्चना की। बघोल हनुमान शिव मंदिर, काली धाम स्थित शिव मंदिर,

कोलसरा संस्कृत महाविद्यालय के प्रांगण में शिव मंदिर लेड़ियारी, नीबी, पथरपुर , देवी बांध , डीही खुर्द , पवांरी, खोंचा , किहुंनी कला , किहुंनी खुर्द , कुटेश्वर महादेव आदि मंदिरों में भगवान शंकर जी व पार्वती जी पर जलाभिषेक किया गया। वही कुलेश्वर महादेव मंदिर में विगत वर्षों की भांति अखंड रामायण व भव्य भंडारा आयोजन किया गया।

लेड़ियारी बाजार में क्षेत्र पंचायत सदस्य राकेश कुमार उर्फ बंटी तथा साधन सहकारी समिति अध्यक्ष विष्णु प्रताप सिंह एवं व्यापार मंडल अध्यक्ष अरविंद कुमार केशरी ने लोगों को प्रसाद वितरित किए।

दहेज की अतिरिक्त मांग को लेकर प्रताड़ित व मारपीट के आरोप में ससुराल पक्ष के 12 लोगों पर केस

● विवाहिता ने पति पर लगाया दूसरी शादी का आरोप, एसपी के आदेश पर केस

लोकमित्र ब्यूरो

सिराथू, (कौशाम्बी)। कोखराज थाना क्षेत्र के कांकराबाद निवासी बबली दिवाकर पुत्री कल्लूराम ने एसपी फ्तेहपुर को तहरीर देकर बताया कि उसकी शादी फ्तेहपुर जनपद के सुल्तानपुर घोष थाना के गौती निवासी अशोक कुमार पुत्र स्व शीतल प्रसाद के साथ लगभग 14 वर्ष पहले हुई थी, जिसमे उसके पिता ने हैसियत के मुताबिक दान दहेज व गृहस्थी का सामान दिया था, शादी के बाद कुछ माह तक सब कुछ ठीकठाक रहा , विवाहिता के अपनी पति से एक 13 वर्ष की पुत्री सौम्या है। बबली का आरोप है कि उसके ससुरालियों ने बाइक , दो लाख की नकदी , सोने की जंजीर आदि की अतिरिक्त दहेज की मांग करने लगे । मांग न पूरी होने पर ससुरालियों द्वारा आएदिन गाली गलौच व मारपीट कर प्रताड़ित करने लगे । जिसके बाद विवाहिता अपनी बेटी को लेकर अपने मायके में रहने लगी , मायके पक्ष के लोगों द्वारा कई बार प्रयास के बाद भी ससुरालीजन बबली को रखने के लिए तैयार नहीं थे ।

जिससे आजिज आकर बबली ने चार साल पहले भरण पोषण हेतु न्यायालय की शरण ली जिसमे न्यायालय द्वारा भरण पोषण हेतु बबली को तीन हजार व बेटी को एक हजार प्रतिमाह देने का आदेश दिए । लेकिन पति द्वारा भरण पोषण नहीं दिया गया । विवाहिता ने बताया कि एक वर्ष पहले उसके पति ने पहली शादी को छिपाकर चोरी से खखरेरू में दूसरी शादी कर ली है । इस बात की जानकारी होने पर विवाहिता ने एसपी से न्याय की गुहार लगाई। सुल्तानपुर घोष थाना पुलिस ने एसपी के आदेश पर पति , सास , जेठ , जेठानी , नंद सहित ससुराल पक्ष के 12 लोगों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर कार्यवाही में जुट गई है।

जमीन को लेकर पट्टीदारों ने पीड़ित को किया गाली गलौच

सैनी, (कौशाम्बी)। सैनी कोतवाली के एक गांव में पीड़ित ने पट्टीदारों पर जमीन में अवैध कब्जा करने की नियत व गाली गलौच का आरोप लगाते हुए मामले की शिकायत पुलिस से करते हुए कार्यवाही की मांग की है।

सैनी कोतवाली के मर्दानपुर बर्जी निवासी नत्थू पुत्र शिवदास ने सैनी पुलिस को शिकायती पत्र देकर बताया कि वह सोमवार को अपनी भूमि में छप्पर व मढ़ई बना रहा था , नत्थू का आरोप है कि इस दौरान उसके पट्टीदार झगड़े पर अमादा हो गए और गाली गलौच करते हुए जमीन पर अपना हक जताते हुए धमकी देने लगे । पीड़ित ने पट्टीदारों पर कार्यवाही की मांग की है।

महेश बाबा शिव मंदिर में जलाभिषेक करते भक्तगण

लोकमित्र ब्यूरो

टेवां, कौशाम्बी। प्राचीन शिवमंदिर टेवां के महेश बाबा में जलाभिषेक करते श्रद्धालु भक्तगण महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर महेश बाबा प्राचीन शिव मंदिर में प्रत्येक वर्ष की भांति लोग जलाभिषेक कर भगवान शिव को प्रसन्न करने में लगे हैं महेश बाबा के प्रति आस्था और श्रद्धा भाव से श्रद्धालु भक्तगण जलाभिषेक कर पुण्य की प्राप्ति करते हैं महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर प्रत्येक वर्ष मेले का आयोजन होता है आसपास के जिले प्रयागराज चित्रकूट फ्तेहपुर कौशांबी जनपद के कोने-कोने से श्रद्धालु भक्त जलाभिषेक करने एवं मेले का आनंद उठाने आते हैं वहीं पर आसपास के जिले के दुकानदार दुकान लगाकर मेले की शान बढ़ाते हैं। श्रद्धालु भक्तगण महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर भंडारे का आयोजन कर प्रसाद वितरण करते हैं जयशंकर यूथ ब्रिगेड टेवां, हर हर महादेव मित्र मंडली टेवां, आदि द्वारा प्रसाद वितरण ,खीर वितरण, लड्डू वितरण एवं भंडारे का आयोजन किया जाता है मैं नन्हे मुन्ने बच्चे गुब्बारे झूले का आनंद उठाते हैं मेले में सौंदर्य प्रसाधन ,चाट के ठेले आइसक्रीम आदि की दुकान मेले में चार चांद लगा देती हैं।

रंगारम कार्यक्रम के साथ विशेष शिविर का हुआ समापन

लोकमित्र ब्यूरो

करारी, (कौशाम्बी)। डॉ0 ए. एच. रिजवी डिग्री कॉलेज करारी कौशांबी के राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर का समापन समारोह प्राथमिक विद्यालय अगियोना विकास खण्ड मंझनपुर कौश के प्रांगण में महाविधालय के प्रबंधक करार हुसैन रिजवी नें दीप प्रज्ज्वलित कर रंगारम कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सबसे पहले इशरत फातिमा, नुसरत फातिमा एवं तस्कीन फातिमा ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। रंगारम कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, नशामुक्ति, सड़क सुरक्षा से संबंधित नाटक प्रस्तुत कर सभी लोगों का मन मोह लिया। जिसमें समृद्धि, शिखा, दीक्षा, यमन, जौकिया, अयान, मो. अफ्ताब इत्यादि ने पर्यावरण से संबंधित गीत प्रस्तुत कर लोगों का मन मोह लिया। नशामुक्ति गीत में इरशाद हुसैन, एहतेशाम, असद, आफ्रीन समर जहरा ने मन मोह लिया। महाविधालय के प्रबंधक करार हुसैन रिजवी ने अपने संबोधन में कहा कि आज की युवा पीढी ही सामाजिक कुरीतियों को दूर कर सकते हैं। और इसकी शुरुआत अपने घर एवं आस पड़ोस से करनी होगी और इसमें सभी को अपना योगदान देना होगा तभी राष्ट्र का संपूर्ण विकास संभव होगा। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. कैप्टन अबू तलहा अंसारी ने अपने संबोधन में कहा कि इस सात दिवसों में जो भी सामाजिक जारूकता से संबंधित जो भी कार्य किये हैं उसको अपने जीवन में आत्मसात करना होगा। तभी अपने राष्ट्र का विकास संभव होगा। इस अवसर पर महाविधालय के शिक्षक सुनील अग्राहरी, गुलनाज नकवी, आलोक श्रीवास्तव, सौरभ सिंह, अविनीश सिंह, वीरेंद्र साहू इत्यादि शिक्षक मौजूद रहे। इस कार्यक्रम का संचालन गुलाम मोहिउद्दीन ने किया। इस अवसर पर स्वयं सेवक एवं स्वयं सेविकाए व ग्रामवासी उपास्थि रहे।

शिवरात्रि के पावन पर्व पर ठंडाई वितरण का हुआ आयोजन

लोकमित्र ब्यूरो

कौशाम्बी। आज शिवरात्रि के पावन पर्व पर नगर अध्यक्ष निक्की पाण्डेय के नेतृत्व में क्षेत्र वासियों को नगर पंचायत चरवा में ठंडाई वितरण किया गया। इसमें कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष कौशाम्बी गौरव पाण्डेय की अगुवाई में क्षेत्र वासियों को प्रसाद वितरण कर महाशिवरात्रि की बधाई दी। जिला अध्यक्ष ने सभी के स्वस्थ मंगल कामना की बाबा भोलेनाथ के चरणों में कामना किया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप पर प्रभारी कौशांबी प्रदेश सचिव राजेश साहनी जी व पूर्व प्रदेश सचिव वर्तमान बांदा लोक बांदा कोऑर्डिनेटर राम बहादुर त्रिपाठी उपस्थित रहें। नगर अध्यक्ष चरवा निक्की पाण्डेय अपने पेट्रोल पंप भ्च् में नगर के सभी सम्मानित नागरिकों एवं जनता जनार्दन के साथ ठंडाई प्रसाद वितरण कर हर हर महादेव के गंज के साथ शुरू किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित जिला महासचिव संगठन प्रभारी कौशाम्बी दीपक पाण्डेय बाबू, युवा नेता आलोक त्रिपाठी, महेंद्र मिश्रा, रविन्द्र द्विवेदी फूलचंद्र, अरविंद यादव, वीरेंद्र त्रिपाठी, सुभाष साहू, अनिल सेन लगभग दर्जनों की संख्या

राज्य महिला आयोग की सदस्या का आगमन आज

कौशाम्बी। महिला उत्पीड़न की घटनाओं की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाने के दृष्टिगत उ0प्र0 राज्य महिला आयोग की सदस्या प्रतिभा कुशवाहा सदस्य उ0प्र0 राज्य महिला आयोग 27 फरवरी 2025 को पूर्वान्ह् 10:30 बजे कांशीराम गेस्ट हाउस, ओसा मंझनपुर पहुॅचकर महिला उत्पीड़न से सम्बन्धित प्रकरणों की जनसुनवाई करेंगी। इस अवसर पर महिला उत्पीड़न से संबंधित मामले यथा- दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, छेड़छाड़, यौन उत्पीड़न, कन्या भ्रूण गर्भपात, बाल विवाह एवं एसिड अटैक आदि से सम्बन्धित अपराधों की सुनवाई करते हुए महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाने के सम्बन्ध में जन-सुनवाई की जायेंगी।

थाना मोहब्बतपुर पइंसा अन्तर्गत हुई हत्या की घटना के वांछित गिरफ्तार

लोकमित्र ब्यूरो

कौशाम्बी। 16 फरवरी, 2025 को थाना मोहब्बतपुर पइंसा पर सूचना मिली कि 15 फरवरी, 2025 की रात्रि को आरोपी गणों द्वारा महेश हेला पुत्र ननकू हेला नि0 गोसैलपुर थाना मोहब्बतपुर पइंसा जनपद कौशाम्बीकी गांव के बाहर प्राथमिक विद्यालय के पीछे झोपड़ी में सोते समय धारदार हथियार से वार कर हत्या कर दी गयी है। इस सम्बन्ध में वादी की तहरीर पर थाना स्थानीय परएससी एसटी एक्ट बनाम समय लाल गुप्ता निवासी ग्राम गोसैलपुर थाना मोहब्बतपुर पइंसा आदि के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया था। घटना की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा टीमे गठित कर प्रभारी निरीक्षक थाना मोहब्बतपुर पइंसा को आरोपी की गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया था। इसी क्रम में आज साक्ष्य संकलन के आधार पर प्रभारी निरीक्षक रोशनलाल मय हमराह पुलिस बल के द्वारा उपरोक्त मुकदमें से सम्बन्धित वांछित समय लाल गुप्ता निवासी ग्राम गोसैलपुर थाना मोहब्बतपुर पइंसा को मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार किया गया। आरोपी ने, पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार की एवं आरोपी की निशादेही पर घटना में प्रयुक्त आलाकत्ल एक अदद लोहे का सब्बल बरामद किया गया। विधिक कार्यवाही के पश्चात आरोपी को न्यायालय के समक्ष भेजा जा रहा है।

वारण्टी आरोपी गिरफ्तार

कौशाम्बी। थाना संदीपनघाट पुलिस उ0नि0 अनुराग सिंह मय हमराह पुलिस बल द्वारा वारण्टी अशोक कुमार निवासी मरधरा असरफ्पुर थाना संदीपनघाट को गिरफ्तार किया गया।

29 लीटर अवैध शराब के साथ दो गिरफ्तार

कौशाम्बी। थाना कड़ाधाम पुलिस उपनिरीक्षक विनोद कुमार यादव मय हमराह पुलिस बल द्वारा आर्यन सरोज निवासी देवीगंज थाना कड़ाधाम को 24 लीटर अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। थाना कोखराज पुलिस उपनिरीक्षक अतुल श्रीवास्तव हमराह पुलिस बल द्वारा अरविन्द गुप्ता निवासी चमन्धाब भरवारी थाना कोखराज को 05 लीटर अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया गया।

महाशिवरात्रि पर शिवभक्तों द्वारा वितरित की गई भांग व ठंडई

कौशाम्बी। महाशिवरात्रि के मौके पर मुख्यालय स्थित वार्ड नंबर 5 सरदार पटेल शिव मंदिर के पास कस्बों में शिवभक्तों द्वारा भांग व ठंडई का वितरण प्रसाद के रूप में किया गया। भगवान भोलेनाथ को भांग व ठंडई चढ़ाने के बाद भक्तों ने स्वयं भी प्रसाद के रूप में सेवन कर शिवभक्ति में लीन रहे।

महाशिवरात्रि पर्व के दौरान मंझनपुर कोतवाली के बगल स्थित शिव मंदिर में भक्त फूलचंद्र केसरवानी द्वारा ठंडई का वितरण किया गया। इस दौरान राह चलने वाले भक्तों ने जमकर ठंडई का प्रसाद पाया। इसी तरह म्योहर गांव स्थित बड़ा शिवाला के पास भक्तों ने भांग व ठंडई का वितरण किया। शिवभक्त श्रवण मिश्र तो सुबह से ही भांग का वितरण करते नजर आए। सिराथू के कैमा गांव में भक्तों ने सुबह से भांग व ठंडई बनाकर श्रद्धालुओं में वितरित किया। सरायअकिल के जहरी बाबा कुटी मंदिर व थाना परिसर स्थित महाकालेश्वर मंदिर में भी भांग व ठंडई का वितरण प्रसाद के रूप में किया गया। इस मौके पर सुनील देव बंसी, विपिन विश्वकर्मा, फूलचंद केसरवानी, पप्पू मिश्रा, सत्येंद्र केसरवानी, अवनीश केसरवानी, सभासद निरंजन चौधरी, रमेश कुमार, धर्मेन्द्र सिंह आदि लोग मौजूद रहें।

महाशिवरात्रि पर्व पर श्रद्धालुओं को वितरित किया प्रसाद

लोकमित्र ब्यूरो

कौशाम्बी। महाशिवरात्रि पर्व पर प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन किया जा रहा है। संगम में स्नान करने के लिए जिले के साथ गैर जनपदों व प्रांतो तथा विदेशों से लोग पहुच रहे है। लोगों की संख्या प्रयागराज में अधिक होने की वजह से सभी रूट बदल दिया गया है। कौशाम्बी होते हुए फ्तेहपुर, रीवा, चित्रकूट एमपी बादा गुजरात आदि जनपदों से प्रयोगराज जाने व प्रयागराज से गंगा स्नान कर लौटने वाले श्रद्धालुओ को खाने पीने की कोई समस्या नहीं हो, इसे देखते हुए नगर पालिका परिषद मंझनपुर की ओर से समदा के पास स्टाल लगाया गया है। इस स्टाल में प्रतिदिन दस हजार से अधिक श्रद्धालु भोजन करते है। स्टाल में खुद नगर पालिका अध्यक्ष व अधिशाषी अधिकारी श्रद्धालुओ को भोजन परोसने का काम करते है। सोमवार को प्रयागराज से संगम में स्नान कर रीवा जाने के लिए तीन बस श्रद्धालुओ से भरी हुई, स्टाल में पहुच गई। बस से आये श्रद्धालु समय से भोजन कर एक साथ जा सके, इस लिए सभी के खाने की व्यवस्था किया गया। इस दौरान श्रद्धालु भोजन करा कर नगर पालिका अध्यक्ष बीरेन्द्र फौजी श्रद्धालुओ ने कहा कि श्रद्धालुओ को भोजन कराने से पुण्य मिलता है।

बुधवार को महाशिवरात्रि पर प्रयागराज से संगम में स्नान कर अपने गनतव्यों को लौटने वाले श्रद्धालुओ को भोजन कराया जा रहा था। प्रयागराज महाकुंभ में जाने के लिए जिले के साथ-साथ गैर जनपदों व प्रांतों से लोग आने जाने में लगे रहे। लोगों को खाने पीने की समस्या नहीं हो, इसे ध्यान में रखते हुए मुख्य मंत्री योगी आदित्य नाथ ने फरमान जारी किया कि सभी नगर पंचायत व नगर पालिको द्वारा श्रद्धालुओ के खाने पीने की व्यवस्था किया जाय। मुख्यमंत्री के फरमान को गम्भीरता से लेते हुए नगर पालिका अध्यक्ष बीरेन्द्र फौजी ने समदा के समीप स्टाल लगवाया, जिससे प्रयागराज से आने व जाने वाले श्रद्धालुओ को भोजन की सुविधा मिल सके। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष बीरेन्द्र फौजी व ईओ प्रतिभा सिंह बुधवार को स्टाल में श्रद्धालुओ को भोजन परोसते दिखाई दिए। प्रयागराज जाने वाले श्रद्धालूओ को जिस प्रकार से भोजन कराया जा रहा था, मानो घर में शादी विवाह का कार्यक्रम है। क्यों कि विभिन्न प्रकार के व्यंजन स्टाल पर लगे हुए थे, और नगर पालिका अध्यक्ष बीरेन्द्र फौजी और ईओ श्रद्धालुओ को बुला-बुला कर भोजन करा रहे थे। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष बीरेन्द्र फौजी से बात किया गया तो उनका कहना है, कि महाकुंभ जैसे पर्व में जो श्रद्धालू शामिल होने जा रहे है, और जो वापस लौट रहे है, उनकी सेवा करने का अवसर मिला है, उन्होने बताया कि जिस दिन से माह मास लगा है, उसी दिन स्टाल लगवा दिया गया है, और अनवरत यह स्टाल चल रहा है। उन्होने बताया कि यह स्टाल अभी चलता रहेगा, जब तक वहा कुंभ चलेगा। इस दौरान उन्होने लोगों से अपील किया कि सभी लोगों को ऐसे अवसरों में आगे आना चाहिए, और श्रद्धालूओ की सेवा कर पुण्ण अर्जित करना चाहिए। इस दौरान नगर पालिका ईओ प्रतिभा सिंह ने बताया कि नगर पालिका अध्यक्ष द्वारा यह सराहनीय कार्य किया जा रहा है। ऐसे कार्य में उनके साथ श्रद्धालूओ की सेवा करने का अवसर हमे भी मिला है। उन्होने यह भी कहा कि नगर पालिका अध्यक्ष ऐसे जन सेवक है, जो जनता की सेवा करने में कभी पीछे नहीं रहते है। इस मौके पर अवर अभियंता ओमकार पटेल लेखा लिपिक संजय कुमार गुप्ता न्यू प्रेस क्लब अध्यक्ष बिमलेश शुक्ल, भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य,भारतीय जनता पार्टी के युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष रिवूह मौर्य विजय तिवारी भोलेशंकर मौर्या अमित शुक्ल, निरंजन चौधरी ने लोगों को भोजन वितरण किया, और वाहनों से आने जाने वाले वाले लोगों को बुला कर भोजन करा रहे थे, जिससे कोई भी श्रद्धालु भूखा नहीं जाय। एवं सम्मानित सभासदगण उपस्थित रहे।

जिले में धूमधाम से मनाई गई शिवरात्रि, लोगों ने शिव बारात निकालकर मनाया उत्सव

● जिले के चायल, पश्चिम शरीरा, मंझनपुर, सिराथू, जाफ्रपुर महवा में निकली शिव बारात

लोकमित्र ब्यूरो

कौशाम्बी। जिले में धूमधाम के साथ शिवरात्रि का त्योहार संपन्न हुआ। इस मौके पर जिले में आधा दर्जन से अधिक स्थानों पर शिव बारात निकालकर लोगो ने डीजे बजे के साथ यात्रा निकालकर उत्सव को मनाया। इसके साथ जिले के विभिन्न चौराहे पर लोगों की शरबत पिलाकर, मंदिरों पर पूजा अर्चना करके व्रत और त्योहार सकुशलसंपन्न किया। इस मौके पर जिले की पुलिस ने यात्रा में अपनी व्यवस्था चाक चौबंद रखी थी जिले के किसी भी स्थान से अनहोनी का समाचार नहीं मिला।

प्रमुख रूप से मंझनपुर तहसील क्षेत्र के पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र अंतर्गत जाफ्रपुर महवा में भारी पुलिस बल की मौजूदगी में भगवान शिव की बारात निकल भंडारा संपन्न किया गया। बताते चले इस गांव में आशंका सांप्रदायिक विवाद की थी। इसी तरीके से मंझनपुर शिवाला, सिराथू, पश्चिम शरीरा भरवारी, कड़ाधाम, अझुआ, पेंसा, नारा में भंडारा और यात्रा का आयोजन किया गया। चायल और जाफ्रपुर महवा में विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष अवधेश नारायण बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे। इस मौके पर प्रमुख रूप से राजू पासी, शिवम पांडे, पुष्पेंद्र, दीपक मौर्य, वीरेंद्र दिवाकर, राजेश लोधी, सर्वेश पटेल, पंकज पटेल, हनुमान पटेल, घनश्याम सोनी, रजत सोनी, नीरज कसेरा सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहें।

राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के तीसरे दिन बताई गई जल की महत्ता

लोकमित्र ब्यूरो

कौशाम्बी। महामाया राजकीय महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के तीसरे दिन की शुरुआत राष्ट्रीय सेवा योजना कौशाम्बी के नोडल अधिकारी डॉ पवन कुमार द्वारा शिविरार्धियो को योगाभ्यास एवं प्रार्थना से प्रारंभ कराया। योगाभ्यास के उपरांत छात्र-छात्राएं गांव यूसुफ्पुरारा मे जल संरक्षण जागरूकता के अंतर्गत गांव में रैली निकालकर ग्राम वासियों को जल की महत्ता का पाठ पढ़ाया एवं नुक्कड़ नाटक आंचल ,मुस्कान, रिचा, रूमा, तृषा ,आदित्य आदि की टीम द्वारा प्रस्तुत कर जन जागरूकता का

प्रयास किया। भोजन के उपरांत बौद्धिक सत्र में मुख्य अतिथि ओसा वार्ड के पार्षद अमित सोनकर ने कहा कि जल है तो जीवन है। जल के अभाव में इस पृथ्वी के जीव जंतुओं का कोई अस्तित्व नहीं है। विशिष्ट अतिथि अशोक मौर्य ने कहा यदि आज हम जल का संरक्षण नहीं करेंगे तो आने वाली पीढियां को पानी पेट्रोल पंप की तरह जा कर खरीदना पड़ेगा। डॉ0 आनंद कुमार ने बताया कि जल पृथ्वी पर सामान्य ताप पर तरल अवस्था में पाया जाने वाला अद्भुत तत्व है। सर्वशुलभता के कारण हम इसके महत्व को अनदेखा कर देते हैं। स्वयं सेविका स्वाती ने जल संरक्षण जागरूकता पर अपना भाषण दिया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ पवन कुमार ने बताया कि दुनिया में जल का जिस तरह से दोहन हो रहा है विद्वानों का कहना है कि अगला विश्व युद्ध जल के लिए ही होगा सांस्कृतिक सत्र के अंतर्गत दीपांजलि, दामिनी, मानसी, हर्षिता, राखी, मुस्कान आदि ने अपने कार्यक्रम प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का संचालन शुभ्रा एवं लक्ष्मी ने किया।

पुलिस ने आभूषण की दुकान में चोरी करने वाले चार लोगों को किया गिरफ्तार

लोकमित्र ब्यूरो

चायल, कौशाम्बी। चरवा थानाक्षेत्र के समसपुर गांव में दस फरवरी की रात एक आभूषण की दुकान में चोरी करने वाले चार आरोपियों को पुलिस ने बुधवार को समसपुर पहाड़पुर से गिरफ्तार कर लिया। उनसे माल बरामद करते हुए आरोपियों को थाना लाने के बाद लिखा पढ़ी करके उनका चालन न्यायालय भेज दिया।

चरवा के समसपुर गांव निवासी पंकज कुमार पाण्डेय पुत्र रामेश्वर प्रसाद पाण्डेय ने बताया कि उन्होंने पंकज ज्वैलर्स के नाम से चरवा भरवारी मार्ग पर आभूषण की

दुकान खोल रखी है। 10 फरवरी की शाम करीब छह बजे वह अपनी दुकान बंद करके परिवार में रही एक तेरही के भोज में शामिल होने चले गए थे । रात्रि करीब 10 बजे वापस आए और दरवाजा खोला तो देखा आलमारी का ताला टूटा हुआ था। दुकान के पीछे से सेंध काट कर चोर आलमारी में रखा सोने व चांदी के आभूषण एवं नकदी उठा ले गए थे। जानकारी जुटाने के बाद उन्हें जानकारी मिली कि अमन दुबे पुत्र अरुण दुबे तथा रंजीत सोनी पुत्र रविशंकर निवासीगण समसपुर ने चोरी किया है। नामजद मुकदमा दर्ज कराया तो पुलिस ने जांच शुरू किया। जिसके बाद दो अन्य व्यक्तियों को भी पुलिस ने शामिल पाया। बुधवार को उप निरीक्षक धीरेंद्र कुमार, हेडकांस्टेबल राजकुमार,मुन्ना यादव और मुकीम ने रंजीत सोनी पुत्र रवि शंकर सोनी, अमन दुबे पुत्र अरुण दुबे और प्रकाश में आए अनूप सोनी पुत्र मन्नी लाल, रवि शंकर सोनी पुत्र लालमन सोनी निवासीगण समसपुर को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपितों के पास से 11500 रुपये की नकदी समेत 1173.4 ग्राम सफेद धातु और 16.2 ग्राम पीली धातु बरामद किया है।

संक्षिप्त खबरें

ग्रामीण चिकित्सा की तस्वीर बदलने के लिए हुई बैठक

सुवंशा (प्रतापगढ़)। विकासखंड गौरा अंतर्गत स्वस्थ समाज, समृद्ध राष्ट्र संकल्प को साकार करने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गौरा के अधीक्षक डॉक्टर अजय कुमार सिंह ने एक नई पहल की है। स्वास्थ्य सेवाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने और जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विकासखंड गौरा के सभागार में एक ओरियंटेशन बैठक आयोजित की गई। बैठक में खंड विकास अधिकारी जितेंद्र कुमार, एडीओ पंचायत प्यारेलाल सरोज, खंड शिक्षा अधिकारी अमित दुबे, बीएमसी नरेंद्र कुमार मिश्रा और बीपीएम नितिन शर्मा सहित कई वरिष्ठ अधिकारी और ग्राम प्रधान मौजूद रहे। चर्चा का मुख्य विषय टीकाकरण और ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित स्वास्थ्य योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करना रहा। बैठक में अधिकारियों ने ग्रामीण प्रतिनिधियों से सहयोग मांगा। अधीक्षक डॉक्टर अजय कुमार सिंह ने कहा स्वास्थ्य सेवाओं की सफलता सिर्फ अस्पताल तक सीमित नहीं रहनी चाहिए बल्कि इन्हें हर घर तक पहुंचना चाहिए। हमारा यही उद्देश्य है। हम सब मिलकर एक स्वस्थ और खुशहाल समाज का निर्माण कर सकते हैं। बैठक में संकल्प लिया गया कि हर ग्राम पंचायत में स्वास्थ्य योजनाओं को पूरी क्षमता से लागू किया जाए।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का आरोपी गिरफतार

कुण्डा,प्रतापगढ़। थाना मानिकपुर पुलिस द्वारा दुष्कर्म के अभियोग में वांछित 01 अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार।आरोपीगणों द्वारा वादिनी को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने, गाली गलौज व धमकी के संबंध में थाना मानिकपुर पर दिनांक 24.02.2025 को धारा 64(1), 351(3), 352 बीएनएस बनाम 02 नामजद अभियुक्त के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया था ।पुलिस अधीक्षक, प्रतापगढ़ डॉ0 अनिल कुमार द्वारा अपराधिक क्रिया कलाप में संलिप्त अपराधियों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) संजय राय व क्षेत्राधिकारी कुण्डा अजीत सिंह के पर्यवेक्षण व थाना मानिकपुर प्रभारी निरीक्षक श्री दीप नारायण के नेतृत्व में उ0नि0 संतोष यादव मय हमराह का0 जगत सिंह, का0 मनीष मौर्या द्वारा दिनांक 26.02.2025 को देखभाल क्षेत्रध् संदिग्ध व्यक्तियोंध्वाहनों की चेकिंग के दौरान, मुखबिर की सूचना पर धारा 64(1), 351(3), 352 बीएनएस से संबंधित वांछित 01 अभियुक्त धर्मेन्द्र कुमार सोनकर उर्फ नान भईया पुत्र सजनलाल सोनकर निवासी टिकरिया भिटारी थाना संग्रामगढ जनपद प्रतापगढ को थानाक्षेत्र के चौरही मोड के पास गिरफ्तार किया गया।

छात्र की फांसी मामले में वांछित आरोपी गिरफतार

जेठवारा, प्रतापगढ़। छात्र द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किये जाने के प्रकरण में 01 वांछित अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।प्रार्थी निवासी ग्राम आँखों नौबस्ता थाना जेठवारा, प्रतापगढ़ ने थाना जेठवारा पर प्रार्थना पत्र दिया था कि प्रार्थी का पुत्र उ0प्र0 मा0शि0प0 की परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु अपने विद्यालय में प्रवेश पत्र लेने गया था, किन्तु विद्यालय के प्रबन्धकध् प्रधानाचार्य द्वारा विगत 4 दिन से उसको प्रवेश पत्र नहीं दिया गया । प्रवेश पत्र न मिलने से आहत होकर प्रार्थी के पुत्र ने घर के पीछे आम के पेड़ पर फांसी लगा लिया । जिसके संबंध में दि0-24.02.2025 को प्रार्थी की तहरीर के आधार पर थाना जेठवारा में मु0अ0सं0 25ध्2025 धारा 108 बीएनएस का अभियोग पंजीकृत किया गया ।पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ डॉ0 अनिल कुमार द्वारा वांछित अभियुक्तध् अपराधी की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी श्री संजय राय एवं क्षेत्राधिकारी सदर श्रीमती करिश्मा गुप्ता के कुशल पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी जेठवारा श्री धर्मेन्द्र सिंह के नेतृत्व में उ0नि0 अरुण कुमार मौर्या मय हमराह का0 जगवीर सिंह द्वारा देखभाल क्षेत्र, तलाश वाँछित अपराधी के दौरान मुखबिर की सूचना पर थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 25ध्2025 धारा 108 बीएनएस से संबंधित वांछित 01 अभियुक्त कृष्णमूर्ति त्रिपाठी पुत्र रामअजोर त्रिपाठी निवासी ग्राम महमदपुर भाव थाना बाघराय जनपद प्रतापगढ़ को थाना जेठवारा क्षेत्रान्तर्गत कानूपुर तिराहा के पास से गिरफ्तार किया गया

फायरिंग मामले में तमंचा के साथ अभियुक्त गिरफतार

सुवंशा,प्रतापगढ़। थाना फत्तनपुर पुलिस द्वारा वायरल वीडियो में मारपीट के दौरान फायरिंग करने वाले 01 अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार। अभियुक्त के कब्जे से घटना में प्रयुक्त 01 अवैध तमंचा व 01 खोखा कारतूस के बरामदकिया गया।पुलिस अधीक्षक, प्रतापगढ़ डॉ0 अनिल कुमार द्वारा अपराधिक क्रिया कलाप में संलिप्त अपराधियों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी श्री दुर्गेश कुमार सिंह व क्षेत्राधिकारी रानीगंज श्री विनय प्रभाकर साहनी के पर्यवेक्षण में थाना फत्तनपुर प्रभारी निरीक्षक श्री राकेश कुमार राय के नेतृत्व में उ0नि0 दिलीप कुमार वर्मा मय हमराह कां0 अमित सिंह का0 आशुतोष तिवारी द्वारा देखभाल क्षेत्र, तलाश वांछित, वारण्टी अभियुक्त व संदिग्ध व्यक्तियों, वाहनों की चेकिंग, विवेचनात्मक कार्यवाही के दौरान मुखबिर की सूचना पर मु0अ0सं0-38ध्25 धारा 288 बीएनएस से संबंधित वांछित अभियुक्त ज्ञानेश तिवारी पुत्र विजय शंकर तिवारी निवासी ग्राम नौडेरा, युवराज का पुरा थाना फत्तनपुर जनपद प्रतापगढ़ को क्षेत्रांतर्गत नौडेरा, कलेक्टरगंज ईंट भट्टे के पास से गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार अभियक्त के कब्जे से घटना में प्रयुक्त 01 अदद अवैध तमंचा 315 बोर व 01 अदद खोखा कारतूस 315 बोर बरामद किया गया । उक्त बरामदगीध् गिरफ्तारी के आधार पर थाना फत्तनपुर में पंजीकृत में मु0अ0सं0 44ध्25 धारा 288 बीएनएस में धारा 3ध्25ध्27 आर्म्स एक्ट की बढ़ोत्तरी की जाती है ।गिरफ्तार अभियुक्त ने पूछताछ में बताया कि दिनांक 24.02.2025 को सुवंसा बाजार में मेरे व मेरे भाईयों तथा अन्य के मध्य पुरानी रंजिश एवं वर्चस्व को लेकर वाद विवाद व मारपीट हुआ था । इसी तमंचे से मैने फायर किया था और पकड़े जाने की डर से यहीं भट्टे के पास छिपाकर रख दिया था । अपने विपक्षी से बचने के लिए मै यह अपने पास रखाता हूँ । आज आप लोगो द्वारा पकड़ लिया गया

बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत, मां-बेटा घायल

पट्टी प्रतापगढ़। तहसील क्षेत्र के पर्वतपुर सुलेमान गांव निवासी अमन पांडेय उम्र लगभग 32 वर्ष अपनी माता सुशीला पांडेय को लेकर बुधवार को दिन में 2 बजे के आसपास तहसील मुख्यालय कुछ कार्य से जा रहे थे। अभी वह दुखियापुर के पास पहुंचे थे कि सामने से आ रहे अनियंत्रित बाइक सवार ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। इससे मां बेटा गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद आसपास जूट लोगो ने 108 एंबुलेंस की मदद से घायलों को इलाज के लिए सीएचसी पट्टी भिजवाया। घायलों का इलाज सीएचसी पट्टी में चल रहा है।

हर हर महादेव तथा बोल बम से महाशिवरात्रि पर गूंजती दिखी बाबा घुइसरनाथ की नगरी

● पुलिस व प्रशासन के साथ स्वयंसेवकों ने व्यवस्था की संभाली कमान

लोकमित्र ब्यूरो

लालगंज प्रतापगढ़। महाशिवरात्रि के पर्व पर बाबा घुइसरनाथ धाम की नगरी सुबह से देर शाम तक हर हर महादेव तथा बोल बम के शंखनाद से गूंजती रही। आधी रात के बाद जैसे ही बाबा का मुख्य कपाट खुला श्रद्धालु जलाभिषेक व दर्शन पूजन को उमड़ पड़े। रैनबसेरा कर रहे श्रद्धालु भोर में ही गंगा सरोवर तथा सई में स्नान कर मंदिर के सामने पंक्तिबद्ध हो उठे दिखे। शिवभक्तों के दर्शन पूजन को लेकर लालगंज एसडीएम नैंनसी सिंह तथा पुलिस उपाधीक्षक रामसूरत सोनकर व कई थानों की फोर्स व्यवस्था में डटी दिखी। दोपहर जिले के अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी संजय राय भी धाम पहुंचे। लालगंज से सांगीपुर तक वाया घुइसरनाथ धाम का हाइवे पर भारी भीड़ देखी गयी। लालगंज से बाबा धाम के लिए पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के वाहन डभियार इण्टर कालेज के सामने पार्क कराए गये। अमेठी, सुल्तानपुर तथा सांगीपुर क्षेत्र से आने वाले वाहनों को देउम चौराहे पर पार्क कराए गए।

स्थानीय अंचल के सई पार श्रद्धालुओ से बाबा धाम के बने दोनों पैदल सेतुओं को खचाखच भरा देखा गया। मेला परिसर में विकास प्रदर्शनी को भी देखने में लोगों को जुटे देखा गया। अस्थायी चिकित्सालय में भी मेडिकल टीम सेवारत दिखी।

मेला क्षेत्र को प्रशासन ने मंगलवार की रात से ही सीसी कैमरे की निगरानी में ले रखा था। धाम में कई स्वैच्छिक संस्थाओं के साथ लोगों को भण्डारे के आयोजन में भी श्रद्धालुओं की सेवा करते देखा गया। पूरे धाम मे पुलिस तथा पीएसी के साथ महिला पुलिस बिंग व पुलिस की खुफिया एजेंसी को हाई अलर्ट मे देखा गया। वहीं धाम में खोया पाया शिविर का भी सराहनीय प्रबन्ध दिखा।

शंकर तेरी जटा से बहती है गंगाधार ...

● महोत्सव में श्रीराम द्विवेदी तथा प्रमोद लहरी के सांस्कृतिक दल ने भजन व लोकगीतों की मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों को रिझाया

लालगंज, प्रतापगढ़। .... शंकर तेरी जटा से बहती है गंगा धार जैसे सुमधुर भजनों से बाबा घुइसरनाथ नगरी में तीसवें राष्ट्रीय एकता महोत्सव में जलाभिषेक व दर्शन पूजन करने पहुंचे श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो उठे। लखनऊ के जाने माने भजन गायक श्रीराम द्विवेदी संदीप व श्रद्धा मल्होत्रा के युगल गायन में श्रद्धालु बम बम शिवलहरी जैसे महादेव को समर्पित भजनों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया।

श्रीराम द्विवेदी ने भक्ति गीत रचा है सृष्टि जिस प्रभु ने वहीं ये सृष्टि चला रहा है .. वहीं श्रद्धा मल्होत्रा ने लोक गीतों की मनभावन प्रस्तुतियां दी। वहीं प्रमोद लहरी के सांस्कृतिक दल के द्वारा प्रस्तुत शंकर पार्वती के भाव नृत्य को देखकर पूरा महोत्सव झूम उठा। बाबा घुइसरनाथ ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी तथा महोत्सव की संयोजिका क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना ने कलाकारों को महोत्सव मोमेण्टो व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमो का संयोजन पार्श्वगायक रवि त्रिपाठी ने किया।

भव्य पर्यटन नगरी के रूप में आस्था व विकास को बाबा घुइसरनाथ धाम से सदैव मिलती रहेगी मजबूती- प्रमोद तिवारी

कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने राष्ट्रीय एकता एवं सांस्कृतिक वैभव को बाबा धाम से निरंतर प्रवहमान बनाए रखने पर दिया जोर

लोकमित्र ब्यूरो

लालगंज प्रतापगढ़। महाशिवरात्रि पर बाबा घुइसरनाथ धाम मे तीसवें राष्ट्रीय एकता महोत्सव पर हुई सदभावना सभा में राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता तथा सौहार्द का सामूहिक संकल्प जताया गया। बतौर मुख्य अतिथि राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि भव्य पर्यटन नगरी के रूप में बाबा धाम में विकास का संकल्प सदैव यहां मजबूत दिखेगा। उन्होनें कहा कि राष्ट्रीय विकास एवं सामाजिक सौहार्द को सदैव बाबा धाम से इस महोत्सव से प्रेरणा मिलती आ रही है। सभा की अध्यक्षता करते हुए क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि बाबा घुइसरनाथ जी की कृपा से रामपुरखास में विकास का सुनहला चक्र सदैव जगमग दिखता रहेगा। उन्होने कहा कि

हमारे देश के सांस्कृतिक वैभव की निरंतर उन्नति के साथ यह महोत्सव राष्ट्रीय एकता को चिरजीवी बनाए हुए है। विशिष्ट अतिथि प्रो0 डॉ0 विजयश्री सोना ने राष्ट्रीयता से जुड़े शैक्षिक मूल्यों पर प्रकाश डाला। संचालन मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल व रामबोध शुक्ल ने संयुक्त रूप से किया। सांगीपुर प्रमुख अशोक सिंह बबलू ने स्वागत भाषण तथा प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी ने आभार प्रदर्शन किया। सदभावना सभा का संयोजन प्रधानाचार्य डॉ. अमिताभ शुक्ल एवं आशीष उपाध्याय ने किया। इस मौके पर चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, दुगपाल यादव, रामकृपाल पासी, आशुतोष मिश्र, छोटेलाल सरोज, संयुक्त अधिवक्ता संघ के उपाध्यक्ष बालेन्द्र त्रिपाठी, अधिवक्ता संतोष पाण्डेय, पप्पू तिवारी, सभासद दारा सिंह, सभासद आशीष कौशल, दुर्गेश पाण्डेय, त्रिभु तिवारी, अतुल शुक्ल, मुरलीधर तिवारी, दिनेश मिश्र, बृजेश द्विवेदी, हृदय नारायण मिश्र, सिंटू मिश्र आदि मौजूद रहे।

इक्कीस करोड़ की विकास परियोजनाओं की प्रमोद व मोना ने सौंपी सौगात, खिले चेहरे

लोकमित्र ब्यूरो

लालगंज प्रतापगढ़। बाबा नगरी में महाशिवरात्रि के पर्व पर राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी तथा विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने करोड़ों की विकास परियोजनाओं की परम्परागत सौगात श्रद्धालुओं को सौंपी। तीसवे राष्ट्रीय एकता महोत्सव में सड़क तथा पेयजल एवं हाइवे व रामपुरखास में विभिन्न ग्रामीण विकास से जुडी एक सौ एक परियोजनाओं के एकमुश्त लोकार्पण व शिलान्यास को देख बाबा नगरी में मौजूद श्रद्धालु हर हर महादेव का जयघोष करते दिखे। इक्कीस करोड़ से अधिक विधायक निधि, पूर्वांचल विकास निधि व क्षेत्र पंचायत तथा नगर पंचायत से जुडी परियोजनाओं को वैदिक मंत्रोच्चारण के मध्य राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी एवं विधायक आराधना मिश्रा मोना ने बटन दबाकर लोगों को समर्पित किया। इस मौके पर पार्श्वगायक रवि त्रिपाठी, अवर अभियंता सुभाषचंद्र शर्मा, अवर अभियंता शुभम त्रिपाठी, प्रमुख अशोक सिंह बबलू भी मौजूद रहे।

सई के मध्य विराजे भगवान शिव को भी लेकर दिखी आस्था की उमंग

लालगंज, प्रतापगढ़। महाशिवरात्रि पर बाबा घुइसरनाथ का दर्शन करने आये श्रद्धालुओं को सई के मध्य विराजे भगवान घुइसरनाथ जी की मूर्ति पर भी अक्षत पुष्प समर्पित करते देखा गया। सावन मास में राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी तथा विधायक आराधना मिश्रा मोना व प्रमोद तिवारी की छोटी बेटी प्रो0 डॉ0 विजयश्री सोना के निजी संकल्पों से सई की धार को स्पर्श करते विराजे भगवान शिव की प्रतिमा महाशिवरात्रि पर श्रद्धालुओं में नये आकर्षण का भी केन्द्र दिखी। श्रद्धालुओं को सई के पैदल सेतु से मछलियों को लाई व चूरा के दाने खिलाने में उत्साहित देखा गया।

श्रद्धालुओं की पंक्ति में प्रतीक्षारत दिखे प्रमोद व मोना, भण्डारे में बांटा प्रसाद

लोकमित्र ब्यूरो

लालगंज प्रतापगढ़। बाबा घुइसरनाथ धाम में महाशिवरात्रि पर दर्शन पूजन करने पहुंचे राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी तथा प्रदेश कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने बाबा को बेल पत्र, दूध, दही, धतूरा, अक्षत, पुष्प समर्पित कर जलाभिषेक किया। सांसद प्रमोद तिवारी एवं विधायक मोना ने बाबा घुइसरनाथ जी से सतत विकास के साथ लोकमंगल की कामना की। सांसद प्रमोद तिवारी के स्तुति मंत्र के साथ पूजन व दर्शन को देख गर्भगृह मे मौजूद आम श्रद्धालु देवाधिदेव महादेव का जयघोष करते आनंदित दिखे। वहीं सांसद प्रमोद तिवारी एवं विधायक मोना प्रो0 डॉ0 विजयश्री सोना के साथ सुबह साढ़े नौ बजे धाम पहुंचे। मंदिर के सामने से लेकर गर्भगृह तक दोनों नेताओं

को आम श्रद्धालुओं की पंक्ति में करीब आधे घण्टे अपनी बारी का प्रतीक्षा करते देखा गया। दर्शन पूजन के समय श्री श्री एक हजार आठ जगद्गुरू शिवाचार्य साध्वी विश्वरूपा जी महराज व जगद्गुरू अवधेश प्रपन्नाचार्य एवं पार्श्वगायक रवि त्रिपाठी ने भी बाबा को मत्था टेका। विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी की विशेष सुरक्षा को लेकर बाबा धाम में पुलिस व प्रशासन को भी हाईअलर्ट में देखा गया। दर्शन पूजन के बाद मंदिर से सांस्कृतिक मंच की ओर प्रमोद तिवारी तथा विधायक मोना निकले कि वहां बाबा घुइसरनाथ सेवा संस्थान के शिविर में पहुंच गये। यहां दोनों नेताओं ने शिवभक्तों को साबूदाना की खीर का प्रसाद बांटा।

तीसवें राष्ट्रीय एकता महोत्सव में आज दिखेगा अंजना सिंह व रितेश का जलवा

लालगंज प्रतापगढ़। तीसवें राष्ट्रीय एकता महोत्सव में आज गुरूवार की शाम भोजपुरी सिनेस्टार अंजना सिंह व रितेश पाण्डेय का जलवा दिखेगा। पार्श्वगायक रवि त्रिपाठी के संयोजन में आनन्द किशोर के सांस्कृतिक दल तथा संतोष यादव का गायन व महुआ टाप सुश्री भावना सिंह एवं फोक मीडिया फाउण्डेशन की सुश्री नीतू सिंह का भी फोकस होगा। उक्त जानकारी आयोजन समिति के सह संयोजक भगवती प्रसाद तिवारी ने दी है।

बाबा धाम में शिवभक्तों ने लिया मेले का आनन्द, खरीददारी में भी दिखी रंगत

लोकमित्र ब्यूरो

लालगंज प्रतापगढ़। बाबा घुइसरनाथ धाम मे महाशिवरात्रि के मेले मे दर्शन पूजन के बाद शिवभक्तों को दुकानों पर खरीददारी मे भी आनंदित देखा गया। जलाभिषेक के बाद श्रद्धालुओ ने मेले में दही व चाट तथा मिठाईयों का जायका लिया। श्रद्धालुओं को बाबा धाम में ॠनमः शिवाय के जाप में भी भक्तिमय देखा गया। बड़े बुजुर्गो ने मेले में लकड़ी कारोबारी से जुड़े सामानों की खरीददारी की। वहीं महिलाएं खिलौने की दुकान पर बच्चों को दुलारती पुचकारती देखी गयी। नन्हें-मुन्हें खाने पीने की चीजों के साथ मेले में खिलौनों के लिए भी मम्मी पापा के साथ लालायित देखे गये। वहीं महाशिवरात्रि के पर्व पर सई नदी में स्नानार्थियों की बढ़ती संख्या देख प्रशासन ने गोताखोरों को भी मुस्तैद रखा। सई के तट पर नाव पर गोताखोरों के साथ महिला पुलिस बटालियन को भी मशक्कत में देखा गया। मेले में प्रशासन ने शांतिप्रिय माहौल बनाए रखने के लिए खुफिया निगरानी भी जारी रखी।

महाशिवरात्रि के पर्व पर बाबा गौरी शंकर धाम में उमड़ा आस्था का जनसैलाब

जलाभिषेक के लिए लंबी कतारों में लगे श्रद्धालुओं के जयकारों से गूंजे शिवालय

कटरामेदनीगंज प्रतापगढ़। आज देवों के देव महादेव यानि भगवान शिव की उपासना का पर्व महाशिवरात्रि है। इस पावन मौके पर सुबह से ही बाबा गौरी शंकर धाम भुपियामऊ में भोलेनाथ के भक्तों की भारी भीड़ जलाभिषेक के लिए उमड़ पड़ी। शिवालयों में हर-हर महादेव के जयकारे लग रहे थे।साथ ही जलाभिषेक के लिए भक्तों की लंबी लाइन लगी रही । सभी भक्त अपने आराध्य देव को खुश करने के लिए पवित्र गंगाजल तथा दूध से शिव भोलेशंकर का जलाभिषेक किया। गौरीशंकर धाम पर जगह-जगह प्रसाद के स्टाल लगाए गए थे। मुख्य पुजारी टोनी बाबा कहते हैं कि भगवान शिव और पार्वती के मिलन का पर्व महाशिवरात्रि के नाम से जाना जाता है।मान्यता है कि महाशिवरात्रि पर भगवान शिव के पूजन,अर्चन और हवन से भक्तों की मनोकामना सिद्ध होती है।महाशिवरात्रि पर रुद्राभिषेक करने वालों को भगवान शिव वांछित फल प्रदान करते हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए अंदर से लेकर बाहर तक कंधई एवं दिलीपपुर थाने की पुलिस चप्पे-चप्पे पर मौजूद रहीं।

संक्षिप्त खबरें

रेलवे ट्रैक पर मिली अज्ञात महिला का शव

सैनी, (कौशाम्बी)। कोखराज थाना के सुजातपुर स्टेशन यार्ड के नजदीक अज्ञात महिला का शव पाया गया , उधर से गुजर रहे लोगों ने महिला के शव को देखा तो पुलिस को सूचना दी सूचना पर पहुंचे जी आर पी उपनिरीक्षक सरेंद्र कुमार पाल ने बताया कि बुधवार की सुबह शुजातपुर स्टेशन के समीप रेलवे ट्रैक के अपलाइन किनारे महिला के शव होने की जानकारी मिलने पर घटनास्थल पर पहुंचकर उसके शिनाख्त का प्रयास किया गया लेकिन उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी है। महिला की उम्र लगभग 35 वर्ष के आसपास है। वह नीली रंग के साड़ी व छीटदार ब्लाउज पहने हुए थी। महिला के किसी ट्रेन से गिरकर मौत होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम भेज भेजकर आगे की जांच पड़ताल की जा रही है।

युवती को भगाने के आरोप में युवक पर केस दर्ज

शहजादपुर, (कौशाम्बी)। कोखराज थाना के एक गांव की रहने वाली एक युवती को पड़ोसी गांव का एक युवक भगा ले गया , परिजनों ने युवती की खोजबीन के बाद एक युवक पर बेटी को भगा ले जाने का आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्यवाही की मांग की है , मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर कार्यवाही में जुट गई है।

कोखराज थाना के एक व्यक्ति ने कोखराज पुलिस को दिए गए शिकायती पत्र के हवाले से बताया कि बीती रात उसकी 19 वर्षीय युवती को गौरा का रहने वाला एक युवक भगा ले गया , पीड़ित ने बताया कि बेटी की काफी खोजबीन के बाद भी सुराग नहीं लगा। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने संजय के विरुद्ध केस दर्ज कर कार्यवाही में जुट गई है।

घर के बाहर खड़ी महिला को बाइक सवार ने मारी टक्कर , महिला जख्मी

सिराथू, (कौशाम्बी)। सैनी कोतवाली के चकसैनी गांव में घर के बाहर खड़ी महिला को बाइक सवार ने टक्कर मार दिया हादसे में महिला गिरकर जख्मी हो गई जिसको इलाज के लिए नजदीक के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है , वहीं महिला के पुत्र ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर बाइक सवार के विरुद्ध कार्यवाही की मांग की है।सैनी कोतवाली के चकसैनी निवासी दुर्गा प्रसाद पुत्र स्व श्रीराम पटेल ने सैनी पुलिस को शिकायती पत्र देकर बताया कि मंगलवार की शाम उसकी मां कुसमा देवी घर के पास सड़क किनारे खड़ी थी इस दौरान टेढ़ीमोड की ओर से आ रहे तेज रफ्तार बाइक सवार ने उसकी मां को टक्कर मार दिया जिससे उसकी मां गिरकर जख्मी हो गई इस दौरान बाइक सवार बाइक छोड़कर मौके से फरार हो गया। दुर्गा प्रसाद ने जख्मी मां को इलाज के लिए नजदीक के निजी अस्पताल में भर्ती कराया और सैनी पुलिस को शिकायती पत्र देकर बाइक सवार के विरुद्ध कार्यवाही की मांग की है।

अज्ञात चार पहिया वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो लोग जख्मी

अजुहा, (कौशाम्बी)। सैनी कोतवाली के अजुहा कस्बे में बीती रात नेशनल हाईवे पर पीछे से आ रही तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवारों को टक्कर मारकर फरार हो गया , हादसे में बाइक सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस की मदद से इलाज के लिए सीएससी सिराथू अस्पताल में भर्ती कराया। बताया जाता है कि कानपुर महानगर निवासी सतीश कुमार 44 वर्ष व घाटम पुर निवासी बृजेंद्र कुमार 40 वर्ष दोनो लोग बाइक से प्रयागराज जा रहे थे। बाइक सवार मंगलवार को रात जैसे ही सैनी कोतवाली के अजुहा कस्बे के नवीन मंडी के नजदीक नेशनल हाईवे पर पहुंचे तभी पीछे से आ रही तेज रफ्तार अज्ञात वाहन बाइक में टक्कर मारकर फरार हो गया , आसपास मौजूद लोगो ने हादसा देखा तो पुलिस को सूचना दी जिसके बाद पहुंची पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस की मदद से इलाज के लिए सिराथू के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया । डॉक्टरों ने गंभीर हालत देखते हुए मेडिकल कॉलेज मंझनपुर रेफर कर दिया।

ट्रेन की चपेट में आकर घायल बुजुर्ग महिला की अस्पताल में मौत

सिराथू, (कौशाम्बी)। सैनी कोतवाली के मीठेपुर सयारां गांव के समीप डीएफसी रेल लाइन पर मालगाड़ी की चपेट में आकर घायल महिला की जिला अस्पताल मंझनपुर में मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। बताया जाता है कि सैनी कोतवाली के सिराथू कस्बे के वार्ड नं एक नया नगर निवासी सुखलाल की पत्नी कुसमा देवी 65 वर्ष बुधवार की दोपहर बेटी सुनीता के ससुराल कोतवाली क्षेत्र के मीरापुर तकिया गांव से लौट रही थी। वृद्धा जैसे ही सयारां गांव के पास रेलवे लाइन पर पहुंची तभी डीएफसी लाइन पार करते समय वह मालगाड़ी की चपेट में आकर गंभीर रूप से जख्मी हो गई स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस की मदद से इलाज के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया था। इस दौरान उसकी मौत हो गई । महिला की मौत के बाद घर परिवार में रोना पीटना मचा हुआ है।

फायरिंग को लेकर प्रबंधक समेत कई पर केस दर्ज

सिराथू, (कौशाम्बी)। सदर कोतवाली के सेलरहा पूरब गांव निवासी मितेश कुमार मौर्य पुत्र घनश्याम मौर्य ने सदर कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर बताया कि मंगलवार को वह अपने भाई सुमित कुमार व शिवम कुमार के साथ ग्राम प्रधान के ट्यूबवेल से खेत में पानी लगा रहा था , लगभग तीन बजे दोपहर एक स्कूल वाहन वहां निकली और पानी के पाइप से ऊपर से गाड़ी को चढ़ाते हुए निकल गया जिसमे पाइप फट गया । जिसके बाद गाड़ी को रोक लिया तो आपसी कहासुनी होने लगी । इतने में गाड़ी चालक ने अपने स्कूल के प्रबंधक को फोन कर बुला लिया । मितेश का आरोप है कि इस दौरान प्रबंधक अपने प्रधानाचार्य व अन्य साथियों के साथ आया और तमंचे से फायर करने लगा जिसमें उसके भाई सुमित के कमर में और शिवम के सिर में गोली लग गई , जिसके बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई , शोर शराबा सुनकर पहुंचे ग्रामीणों के आने पर दबंग गाली गलौच करते हुए फरार हो गए । ग्रामीणों ने घायलों को इलाज के लिए सरकारी अस्पताल ले गए। मितेश की तहरीर पर पुलिस ने प्रबंधक समेत कई लोगों के विरुद्ध केस दर्ज कर जांच पड़ताल में जुट गई है।

नगर पंचायत चरवा मे पीडीए पर चर्चा कार्यक्रम का हुआ आयोजन

कौशाम्बी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर पीडीए कार्यक्रम हो बाबा साहेब के मान पर चर्चा, अब घर घर पहुँचे पीडीए पर्चा नारे के साथ नगर पंचायत चरवा मे पूर्व विधानसभा अध्यक्ष स्वर्गीय वीर सिंह यादव के अमित यादव जिला उपाध्यक्ष युवजन सभा द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसके मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष अल्पसंख्यक सभा अनवार अहमद खान रहें। साथ मे उधौश्याम यादव जिलाध्यक्ष युवजन सभा, अजीत यादव जिलाध्यक्ष अधिवक्ता सभा, संतोष केशरवानी जिलाध्यक्ष व्यापार सभा, भईया लाल जिलाध्यक्ष सैनिक प्रकोष्ठ, रामसरण निर्मल,अखिलेश यादव, सुधीर, डॉन, छम्मा, पंकज यादव, आदि उपस्थित रहें।

महाशिवरात्रि पर शिवालयों में जलाभिषेक के लिए लगी लाइन

● कड़ा धाम में गंगा स्नान कर किया भोलेनाथ का पूजन

लोकमित्र ब्यूरो

सिराथू, (कौशाम्बी)। बुधवार को पूरे देशभर में महाशिवरात्रि का पर्व बड़ी ही धूमधाम से मनाया जा रहा है। वहीं, धार्मिक नगरी शक्तिपीठ कड़ा धाम सहित क्षेत्र के अन्य , सैनी , सिराथू आदि दर्जनों गांव में स्थित शिवालयों व मंदिरों में भक्तों की सुबह से ही लंबी-लंबी लाइनें लगी हुई हैं। कड़ा के कालेश्वर घाट में स्थित महादेव मंदिर में बुधवार की सुबह तड़के से भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करने के लिए श्रद्धालु लंबी लंबी लाइनों में लगकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। साथ ही जलाभिषेक कर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं।

मान्यता है कि आज के दिन भगवान भोलेनाथ का विवाह हुआ था। तभी से इस दिन को महाशिवरात्रि के रूप में मनाया जाता है। शिवभक्त श्रद्धालु गंगाजल लेकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करने के लिए शिवालयों की ओर पहुंच रहे हैं। जहां श्रद्धालु भक्तिभाव से बेलपत्र , धतूरा , भांग , पुष्प , फल , बेर, बौर आदि से भगवान शिव की पूजा अर्चना कर दुग्ध व जल से उन्हें जलाभिषेक किया और मन्नते मांगी । मंदिरों में सुबह से लेकर देर शाम तक श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा । वही, भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने शिवालयों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के प्रबंध किए हुए है। बाबा भोलेनाथ के दर्शन करने पहुंच रहे श्रद्धालुओं का कहना है आज महाशिवरात्रि का पावन दिन है और वे भगवान शंकर का जलाभिषेक करने के लिए आए हैं। लोग सुबह से ही लाइनों में लगकर भगवान शंकर का जलाभिषेक करने के लिए आए हैं। वहीं, कड़ा धाम के कुबरी घाट , कालेश्वर घाट , हनुमान घाट , असद पुर घाट , बाजार घाट सहित विभिन्न गंगा घाटों पर सुबह से ही महाशिवरात्रि पर्व पर मां गंगा में श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगाई।

महाशिवरात्रि के पर्व पर शिव भक्तों ने भगवान भोलेनाथ का किया अभिषेक

लोकमित्र ब्यूरो

कड़ा, (कौशाम्बी)। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर शिवभक्तों ने भगवान भोलेनाथ की पूजा आराधना कर अपने परिवार की कुशलता के लिए मंगल कामना की।कड़ा के कालेश्वर घाट, कुबरी घाट सहित विभिन्न स्नान घाटों पर महाशिवरात्रि के पर्व पर शिव भक्तों का हुजूम भोर से ही उमड़ने लगा।शिव भक्तों ने गंगा स्नान के पश्चात दान आदि किया और घाट पर स्थित शिव मंदिरों में पूजा-अर्चना की।कालेश्वर घाट स्थित महाकेश्वर मंदिर में शिव भक्तों ने देवाधिदेव महादेव को पुष्प, अक्षत, भांग, धतूरा, बिल्ब पत्र, दुग्ध, अबीर आदि चढ़ाकर गंगा जल से अभिषेक किया और अपने परिवार के लिए मंगल कामना की।इस दौरान पूरा मंदिर परिसर घण्ट-घड़ियाल व हर हर महादेव के उद्घोष से गुंजायमान रहा।मंदिर के पुजारी फसा बाबा ने बताया कि भगवान शिव औघरदानी हैं। बेल के पत्तों तथा धतूरे के फलों से ही संतुष्ट हो जाते हैं।उनके लिए किसी भी प्रकार के वैभव की आवश्यकता नहीं है। वह अनायास ही कष्ट और अभाव से पीड़ित जनों की कामनाएं सिद्ध करते रहते हैं। इसीलिए वह अन्य देवों के मुकाबले में देवों के देव महादेव कहे जाते हैं।सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत पुलिस चप्पे-चप्पे पर मौजूद रही।

हर हर महादेव की उद्घोष के साथ धूमधाम से निकली शिव बारात

लोकमित्र ब्यूरो

सिराथू, (कौशाम्बी)। महाशिवरात्रि पर भव्यता के साथ भक्तों ने शिव बारात निकली। जिसमें हर हर महादेव के उद्घोष से पूरा क्षेत्र गूंजता रहा। बुधवार को सिराथू कस्बा सहित क्षेत्र के अन्य मंदिरों को फूल माला से सजाया गया। श्रद्धालुओं ने शिवलिंग में जलाभिषेक कर विधि विधान से पूजा अर्चना की।

शिवरात्रि पर्व पर सिराथू कस्बे के शिवाला पर, संकटमोचन, राधाकृष्ण मंदिर से भक्तों ने हर हर महादेव की गूंज के साथ डीजे बैंड बाजे के साथ शिव बारात निकली। शिव मंदिरों को फूल माला व गुब्बारों से भव्यता पूर्ण ढंग से सजाया गया था। सुबह से पहुंचे श्रद्धालुओं ने स्थापित शिवलिंग का जलाभिषेक कर, धूप, दीप, नैवेद्य के साथ फूल , फल अर्पित कर पूजा अर्चना की। पूजा पाठ का काम सुबह से शुरू होकर देर शाम तक चलता रहा । इस दौरान कई मंदिरों में भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें पहुंचे भक्तों ने भोजन प्रसाद ग्रहण किया।

सराय अकिल कस्बे में महाशिवरात्रि पर जगह-जगह लोगों ने वितरण किया प्रसाद

सराय अकिल, (कौशाम्बी)। नगर पंचायत सराय अकिल कस्बे में महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर कस्बे के प्रत्येक शिव मंदिर दुल्हन जैसे सजाया गया ,भोलेनाथ के भक्तों ने प्रसाद वितरण का कार्य किया लोगों ने प्रसाद ग्रहण कर भोलेनाथ की जयकारा लगाया किया सब्जी मंडी में मनकामेश्वर मंदिर को भोलेनाथ के भक्तों ने हलवा दमालू ठंडाई वितरण किया जो राहगीरो ने प्रसाद ग्रहण कर व ठंडाई पीकर भोलेनाथ के जयकारे लगाए।

बता दें ,महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर सराय अकिल कस्बे के प्रत्येक शिव मंदिरों को दुल्हन जैसे सजाया गया, महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर भोलेनाथ के भक्तों ने महावीर नगर मनकामेश्वर मंदिर शिव शक्ति धाम शिवाला मंदिर बस स्टॉप फक्कीराबाद चौराहा आदि कई मंदिरों में प्रसाद वितरण का कार्य किया गया भोलेनाथ के भक्तों ने डीजे की धुन पर नाचते गाते दिखाई दिए मनकामेश्वर मंदिर में भोलेनाथ के भक्तों ने मिलकर हलवा दमालु ठंडाई वितरण करने का कार्य किया राहगीरों ने प्रसाद ग्रहण कर भोलेनाथ के जयकारे लगाए ,तथा डीजे के धुन पर नाचते गाते दिखाई दिए मौके पर गोपाल जी केसरवानी पवन कुलदीप ताम्रकार शिवम मोदनवाल विकास केसरवानी सुमित केसरवानी विशाल मोदनवाल बल्लू ताम्रकार विनय केसरवानी गौरी शंकर रस्तोगी सचिन स्वर्णकार आदि लोग मौजूद रहें।

भाजपा नेता की स्कार्पियों में अराजकत्त्वों ने बोला हमला, शिकायत

लोकमित्र ब्यूरो

कड़ा, (कौशाम्बी)। महाशिवरात्रि के पर्व पर गंगा स्नान को गए भाजपा नेता व प्रधान संघ अध्यक्ष की स्कार्पियों गाड़ी पर अराजकतत्वों ने हमला बोल दिया।गनीमत रही कि गाड़ी में भाजपा नेता मौजूद नही थे अन्यथा कोई भी अप्रिय घटना घटित हो सकती थी।घटना के बाद से भाजपा नेता में भय व्याप्त है वहीं गाड़ी का शीशा आदि भी छतिग्रस्त हो गया है।

कड़ाधाम थाना क्षेत्र के दौलतपुर कसार निवासी अनिल कुमार शर्मा पुत्र कृपाशंकर शर्मा भाजपा नेता हैं और वर्तमान में वह ग्राम सभा के प्रधान व कड़ा प्रधान संघ अध्यक्ष भी हैं।अनिल कुमार शर्मा ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र के जरिये बताया कि बुधवार को वह महाशिवरात्रि के पर्व पर गंगा स्नान के लिए अपने साथियों के साथ अफजलपुर सातों घाट गये थे।घाट के कच्चे रास्ते पर पानी भरा होने के कारण उन्होंने रास्ते में ही अपनी स्कार्पियो गाड़ी खड़ी कर दी और अपने साथियों के साथ गंगा स्नान के लिए चले गए।उन्होंने बताया कि इसी दौरान उनसे व पार्टी से रंजिश रखने वाले मुकेश कुमार निवासी अफजलपुर सातो थाना कड़ाधाम ने अपने आधा दर्जन सहयोगी के साथ मिलकर उनकी स्कार्पियो गाड़ी पर ईट, पत्थर से हमला कर दिया और गाड़ी का कांच आदि तोड़ दिया।उन्होंने बताया कि जब वह मौके पर पहुंचे तो उपरोक्त लोग उन्हें गालीगलौज व जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए।घटना से भयभीत ग्राम प्रधान ने बताया कि इसके पूर्व भी मुकेश उन्हें जान से मारने की धमकी दे चुका है।पीड़ित प्रधान ने मामले की लिखित शिकायत कड़ाधाम पुलिस से करते हुए न्याय की गुहार लगाई है।

दर्जी समाज की आयोजित हुई बैठक

लोकमित्र ब्यूरो

कौशाम्बी। अखिल भारतीय दर्जी महासभा कौशांबी के बैनर तले बुधवार को ग्राम सभा चकिया पुनवार मंझनपुर कौशांबी उत्तर प्रदेश में एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की शुरुआत महान संत शिरोमणि नामदेव जी महाराज के प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया गया,बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अखिल भारतीय दर्जी महासभा कौशांबी उत्तर प्रदेश जिलाध्यक्ष पंकज नामदेव ने अपने संबोधन में समाज की एकता पर जोर दिया तो वही महासचिव दीपक दर्जी ने भी अपनी बात रखते हुए समाज के लोगों से अपील करते हुए कहा कि हमें दूसरे समाज के लोगों से सीख लेनी चाहिए आज के समय में हर समाज के लोग राजनीति में बराबर के हिस्सेदारी ले रहे हैं लेकिन अफसोस का विषय है कि हमारा समाज राजनीति से अछूता है हमें भी अपने आप को जागाना होगा और सत्ताधारी पार्टियों से अपने समाज के हिस्सेदारी के लिए मांग उठाने की जरूरत है क्योंकि जब तक हम अपनी एकता को दिखाते हुए सत्ता से कुछ मांगेंगे नहीं तब तक हमारे समाज को कुछ मिलने वाला नहीं है,समय-समय पर अपने समाज के बीच ऐसी बैठक का आयोजन करते रहना चाहिए जिससे समाज के लोगों को जागरूक किया जा सके व समाज की दिशा व दशा मैं सुधार हो सके,कार्यक्रम का आयोजन रामू दर्जी की अगुवाई में हुआ,बैठक में मूलचंद दर्जी,ज्ञानेंद्र प्रसाद दर्जी,सोनू दर्जी,अतुल दर्जी, छेदीलाल दर्जी,बबुनी दर्जी,हरिओम दर्जी,रामलाल नामदेव मिथिलेश दर्जी,सुरेश नामदेव,हरिओम दर्जी आदि लोग मौजूद रहें।

फाइनल मैच मे रसूलपुर की एक रन से रोमांचक जीत, अज्जू मैन आप टूर्नामेंट तो शालू बने मैन आफ्द मैच

लोकमित्र ब्यूरो

भरवारी, (कौशाम्बी)। नगर पालिका परिषद भरवारी में केपीएल नाइट टूर्नामेंट खलीलाबाद के फाइनल मैच रसूलपुर बनाम मुंडेरा के बीच खेला गया जिसमे मुंडेरा ने टांस जीत कर पहले रसूलपुर को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया निर्धारित दस ओवर मे एक गेंद शेष रहते रसूलपुर की पूरी टीम 30 रन पर आउट हो गयी जुहैर 7 रन और हैरिष ने 8 रन का योगदान दिया मुंडेरा के तेज तेज गेंदबाज सत्यम ने तीन विकेट झटके तो रबाडा को दो विकेट अजीत व देव को एक एक विकेट मिले रसूलपुर का कोई खिलाडी डट कर बल्लेबाजी नही कर सका और ओवर दर ओवर विकेट गिरते रहे लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंडेरा ने सधी हुई शुरुआत की रविन्दू 7 रन और मंजरेकर 2 रन बना का आउट हुये अज्जू ने 8 रन बनाए बाकी के बल्लेबाज कुछ खास नही कर पाए शुरुआत के चार ओवर तक मुंडेरा का कोई भी बल्लेबाज आउट नही हुआ था लेकिन रनगति बढाने के चक्कर पांच बल्लेबाज दो ओवर मे रन आउट हो गये बाकी बची बहुई कसर रसूलपुर के गेंदबाज शालू ने दो बल्लेबाजो को आउट कर रसूलपुर की वापसी करा दी अंतिम गेंद पर मुंडेरा को तीन रन चहिये थे जीत को लेकिन मात्र दो एन ही बन सके और इसी तरह से रसूलपुर ने केपीएल नाइट टूर्नामेंट का फाइनल खिताब अपने नाम किया बेहतरीन बल्लेबाज राकिब बेहतरीन गेंदबाज तालिब बेहतरीन विकेट कीपर अज्जू द्वितीय बेहतरीन बल्लेबाज मंजरेकर बेहतरीन फिल्डर तरंग व बेहतरीन कैंच का पुरस्कार सद्दाम को दिया गया सांसे धाम देने वाले इस मुकाबले मे हजारो की संख्या मे क्रिकेट प्रेमी दर्शक पहुंचे थे मैदान के चारो तरफ दर्शको से खचाखच मैदान भरा रहा यह मैच देर तक चला विजेता टीम के कप्तान सरवर व उपविजेता कप्तान मुंडेरा कैफ को क्रिकेट सुप्रीमो लईक भाई की तरफ विजेता व उपविजेता ट्राफी दी गयी मैच की मुख्य अतिथि मुस्कान सखी ने नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया सभी खिलाडियों को मोहम्मद अकरम जका व मोहसेदाद अहमद बादशाह प्रधान ने ट्राफी व उपहार देकर सम्मानित किया पूरे टूर्नामेंट की खबरे कवरेज करने पर कमेटी के इंजी0 प्रियांशू श्रीवास्तव के द्वारा पत्रकारो को भी सम्मानित किया व पूरे टूर्नामेंट मे निष्पक्ष अंपायरिंग करने वाले अलीकबीर आफ्ताब अहमद व नावेद को भी कमेटी के द्वारा सम्मानित किया गया स्कोरर वाजिद व कमेंटेटर अरुण गुप्ता भी हुये सम्मानित । इस मौके पर तबरेज अहमद मोहम्मद सलमान असलम सौरभ श्रीवास्तव रमेश मौर्या मोहम्मद वासिफ राजू नौशाद अहमद जमशेद आकिब शारिब सहनवाज फैजी आदि लोग मौजूद रहें।

अधिशासी अधिकारी ने शिवमन्दिर में किया जलाभिषेक

लोकमित्र ब्यूरो

अजुहा, (कौशाम्बी)। महाशिवरात्री पर्व पर बुधवार को नगर पंचायत अजुहा की अधिशासी अधिकारी रश्मि सिंह ने नगर पंचायत अजुहा के गल्ला मंडी में स्थित शिव मंदिर में भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना कर जलाभिषेक किया और आशीर्वाद लिया।

वाहन चेकिंग के दौरान की गई कार्यवाही

कौशाम्बी। जनपद में चलाये जा रहे यातायात से सम्बन्धित अभियान के क्रम में जनपद स्तर पर विभिन्न थानों व यातायात पुलिस द्वारा यातायात नियमों का पालन न करने वालों के विरुद्ध सघन चेकिंग की गई, चेकिंग के दौरान दो-पहिया, चार पहिया वाहनों को चेक किया गया। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 294 वाहनों का ई-चालान किया गया।

सम्पादकीय

मित्रता की नई शुरुआत

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति पद का कार्यभार संभालने के बाद वैश्विक स्तर पर नई शक्ति समीकरण बन रहे हैं। सऊदी अरब की राजधानी रियाद में अमेरिका और रूस के राजनीतिकों के बीच हुई वार्ता दो पूर्व शत्रु देश के दरम्यान मित्रता की नई शुरु आत के संकेत हैं। 2022 में रूस-यूक्रेन संघर्ष के बाद पहली बार अमेरिका और रूस वार्ता की मेज पर आमने-सामने आए हैं। रूस के विदेश मंत्री सग्रेई लावरोव और अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियों ने अपने-अपने देश का प्रतिनिधित्व किया।वार्ता मुख्यतः दो बिंदुओं पर केंद्रित थी। एक, रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्ति की दिशा में आगे कैसे बढ़ा जाए और दूसरे, अमेरिका और उसके बीच आर्थिक सहयोग के रास्ते तलाश जाएं। वार्ता में किसी तरह का प्रतिरोध पैदा नहीं हुआ और दोनों मुद्धों पर परस्पर सहमति के साथ आगे बढने का संकेत भी मिला। आने वाले दिनों में अमेरिका और रूस के शीर्ष नेतृत्व के बीच मुलाकात की संभावना जताई जा रही है। राष्ट्रपति ट्रंप का रूस के संबंध में उठाया गया यह कदम अमेरिका की पुरानी नीति से एकदम अलग है।ट्रंप के पूर्ववर्ती बाइडन प्रशासन का रणनीतिक लक्ष्य था कि रूस को सैनिक दृष्टि से कमजोर किया जाए। यह याद रखना चाहिए कि बाइडेन ने पुतिन को हत्यारा तानाशाह' कहा था और उसके खिलाफ यूक्रेन को भारी सैन्य और वित्तीय मदद पहुंचाई थी। अब स्थिति पूरी तरह बदल गई है। ट्रंप प्रशासन युद्ध के लिए यूक्रेन को दोषी ठहरा रहा है और उसे सुरक्षा गारंटी देने से भी इनकार कर दिया है। हैरत की बात यह है कि यूक्रेन को वार्ता की मेज पर बैठने की भी जगह नहीं दी गई है।वास्तव में यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की खुलकर ट्रंप का विरोध करने की स्थिति में नहीं है। हालांकि वह पर्दे के पीछे अमेरिका के खिलाफ यूरोपीय देशों की लामबंदी का प्रयास कर रहे हैं। अमेरिका के दबाव में यदि युद्ध विराम होता है तो यूक्रेन का करीब एक तिहाई हिस्सा रूस के अधिकार में होगा। यह यूक्रेन के लिए घाटे का सौदा होगा। दरअसल, ट्रंप रूस के साथ अस्थाई रिश्ता बनाना चाहते हैं। सोवियत संघ के विघटन के बाद स्थिति पूरी तरह बदल गई है।ट्रंप रूस को प्रतिद्वंद्वी के रूप में नहीं देखते। लेकिन अमेरिकी राजनीतिक हेनरी किसिंजर का यह चर्चित कथन था कि अमेरिका के साथ दुश्मनी करना खतरनाक है, लेकिन दोस्ती करना जानलेवा है'। क्या पुतिन इस कथन को नजरअंदाज कर सकते हैं?

जर्मनी की नई सरकार के साथ नए संबंध बनाने की भारत को पहल करनी होगी

अशोक भाटिया

जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज आम चुनाव हार गए हैं। उनकी सोशल डेमोक्रेट्स पार्टी 630 सीटों में से सिर्फ 121 सीटें ही जीत पाई है। उसे सिर्फ 16.5त्न वोट ही मिले हैं। चांसलर शोल्ज ने हार स्वीकार कर ली है। उनकी पार्टी चुनावी नतीजों में तीसरे पायदान पर पहुंच गई है।कंजर्वेटिव विपक्षी नेता फ्रेडरिक मर्त्ज की क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन पार्टी के गठबंधन ने 208 सीटों पर जीत दर्ज की है। उसे 28.5त्न वोट हासिल हुए हैं।चुनाव में दूसरी सबसे बड़ी जीत कट्टर दक्षिणपंथी पार्टी को मिली है। इस पार्टी को 151 सीटों पर जीत मिली है। पार्टी को 20.8त्न वोट मिले हैं। दूसरे विश्व युद्ध के बाद पहली बार जर्मनी में किसी कट्टरपंथी दक्षिणपंथी पार्टी ने इतनी सीटें जीती हैं।जर्मनी में बहुमत के लिए 315 सीटें चाहिए, और कोई भी पार्टी अकेले यह आंकड़ा छूती नहीं दिख रही। इसलिए गठबंधन सरकार बनना तय माना जा रहा है।जर्मनी में चुनाव में बहुमत के साथ सत्ता में आने के दो साल बाद सात दशक बीत चुके हैं। कम से कम पिछले साठ वर्षों से, जर्मनी एक निरंतर बहुदलीय गठबंधन सरकार का सामना कर रहा है। इस देश में ऐसा कोई नहीं है जो कहता हो कि स्पष्ट बहुमत स्थिरता है और स्थिरता ही प्रगति है, और अगर ऐसा होता भी तो लोगों ने विश्वास नहीं किया होता। हाल के मध्यावधि चुनावों में भी, मतदाताओं ने %हर किसी को गठबंधन पसंद है% की परंपरा का पालन किया और एक पार्टी को निश्चित बहुमत मिलेगा। नहीं दिया गया। पूरी दुनिया इस चुनाव को देख रही थी। ऐसा इसलिए था क्योंकि अति-प्रतिगामी नाजी-दक्षिणपंथी, धुर-दक्षिणपंथी ने हाल ही में देश में लहरें बनाई हैं, और इसने जर्मनी में एक सरकार की तस्वीर बनाई है, जैसा कि हंगरी और अन्य यूरोपीय देशों में है, जिसने एक हवा बनाई है कि कट्टरपंथी, नस्लवादी, नस्लवादी अल्टरनेटिव फॉर ड्यूशलैंड (एएफडी) पार्टी को वास्तव में बहुमत मिलता है या नहीं। फ्रांस में मैरी ले पेन की धुर दक्षिणपंथी पार्टी की तरह, यह जर्मनी में बढ़ रही थी। फ्रांस की तरह जर्मनी में भी पार्टी का वोट शेयर बढ़ा. लेकिन वह फिर भी सरकार बनाने से दूर रहेंगे। यह सराहनीय है कि जर्मनों ने, फ्रांसीसी की तरह, यह विवेक दिखाया। एएफडी को लगभग 19 प्रतिशत वोट के साथ दूसरा सबसे बड़ा वोट मिला, और क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन (सीडीयू) पार्टी सबसे अधिक, लगभग 29 प्रतिशत वोट के साथ आगे बढ़ी, सीडीयू के फ्रेडरिक मर्ज़ अब नई गठबंधन सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं ङ्क जर्मनी के चांसलर।मर्ज़ एंजेला मर्केल की सीडीयू पार्टी से संबंधित हैं, लेकिन मर्ज़ और मर्केल एक-पार्टी हैं, लेकिन उनका राजनीतिक दर्शन पूरी तरह से समान नहीं है। मर्ज़ आर्थिक विचारों पर मर्केल के साथ संबंध साझा करते हैं लेकिन सांस्कृतिक मुद्दों पर मर्केल से अलग हैं। वह आव्रजन पर मर्केल की तरह उदार नहीं हैं। वह नहीं चाहते कि जर्मनी आप्रवासियों के लिए धर्मशाला बने। देश अप्रवासियों के लिए सभी के लिए एक स्वतंत्र नीति का अनुभव कर रहा है। इसमें बढ़ती बिजली और ईंधन की बढ़ती कीमतें शामिल हैं क्योंकि हम परमाणु ऊर्जा से मुंह मोड़ लेते हैं। इसलिए मर्ज़ विभिन्न नीतियों को लागू करना चाहता है। रूस के बारे में उनकी और मर्केल में जो समानता है, वह है। मर्केल ने अक्सर पुतिन के रूस को घेरा है, और मर्ज़ भी रूस से दूर रहना चाहते हैं। वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के विरोधी भी हैं, जो रूसी राष्ट्रवादी बन गए हैं। वास्तव में, मर्ज़ की अमेरिकी कंपनी में मृत्यु हो गई। वह दुनिया के सबसे शक्तिशाली अमेरिकी वित्तीय संस्थानों में से एक, ब्लैकरॉक के एक वरिष्ठ अधिकारी हैं, लेकिन वह जर्मन हित के मुद्दों पर अमेरिकी नीति के विरोधी हैं और मानते हैं कि ट्रम्प यूरोप समर्थक नहीं हैं। इतना ही नहीं। उन्होंने सबसे पहले जर्मनी को संयुक्त राज्य अमेरिका से दूर ले जाने के बारे में एक बयान दिया और पहली चर्चा परमाणु रक्षा पर ब्रिटिश प्रधान मंत्री कीर स्टारर के साथ हुई। जर्मनी यूरोप की सबसे शक्तिशाली अर्थव्यवस्था है, उसके बाद फ्रांस है। अमेरिकी नहीं। फिलहाल, इंग्लैंड में लेबर पार्टी की सरकार भी अमेरिका से अलग-थलग रहकर काम करती दिख रही है। ब्रिटेन के स्टार्मर और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की तरह मर्ज़ भी यूक्रेन के मुद्दे पर अमेरिका और रूस के सख्त विरोधी हैं. चुनाव परिणामों के बाद, मर्ज़ ने रूस के खिलाफ यूक्रेन और ज़ेलेंस्की के लिए अपना पूर्ण समर्थन घोषित किया। इसका मतलब है कि यूरोप और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच की खाई उस दिशा में अधिक से अधिक बढ़ेगी। यह हाल के चुनाव द्वारा लाया गया सबसे बड़ा बदलाव है। ऐसा लगता है कि मर्ज़ की पार्टी द्वष्ट को सत्ता से बाहर रखने के लिए सत्तारूढ़ सोशल डेमोक्रेटिक यूनियन के साथ हाथ मिला रही है। कोई विकल्प नहीं है। सांस्कृतिक-राजनीतिक मुद्दों पर, सरकार जन-समर्थक नीतियों को अपनाएगी और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर पुराने मार्ग को अपनाएगी। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि जर्मनी, इंग्लैंड और फ्रांस संयुक्त राज्य अमेरिका के वर्तमान विरोध में हैं। ये नतीजे वैश्विक संबंधों में नए समीकरणों के संकेत दे रहे हैं।इससे पहले जर्मनी ने लंबे समय तक आर्थिक दिक्कतों का सामना 2000 के शुरुआती सालों में किया था. तब चांसलर रहे एसपीडी के गेरहार्ड श्रोएडर ने श्रम बाजारों के विवादित और कल्याणकारी सुधारों को लागू किया था जिनका लक्ष्य विकास को बढ़ावा देना था.तब की तरह वर्तमान में भी जर्मनी पर कुछ विशेषज्ञ ÷यूरोप के बीमार आदमी÷ का ठप्पा लगा रहे हैं. जर्मनी का विकास यूरोपीय संघ के दूसरे देशों से फिलहाल कम है. इनमें स्पेन और आयरलैंड जैसे वो देश भी शामिल हैं जिन्हें जर्मन राजनेताओं से अर्थशास्त्र पर व्याख्यान सुनना पड़ता था.विशेष रूप से रक्षा के मुद्दे पर, न केवल जर्मनी; एक पूरे के रूप में यूरोप रक्षा में संयुक्त राज्य अमेरिका के कंधों पर अपने सिर के साथ चुप रहा। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, यूरोप ने रक्षा पर अपने पैरों पर खड़े होने की कोशिश नहीं की। इसलिए यूरोप में विभिन्न अमेरिकी ठिकानों पर लगभग दस लाख अमेरिकी सैनिक तैनात थे, और जर्मनी जैसे देश ने रक्षा तैयारियों के विषय को एक %विकल्प% के रूप में रखा। यह अब बदल जाएगा, खासकर इंग्लैंड और जर्मनी दोनों ने अपने रक्षा खर्च में काफी वृद्धि करने की कसम खाई है। इंग्लैंड को %परमाणु कवर% प्रदान करने का प्रस्ताव दिया गया है। यह एक महत्वपूर्ण बदलाव है। इसका स्पष्ट अर्थ है कि यूरोप अब संयुक्त राज्य अमेरिका को अपना विश्वसनीय मित्र और भागीदार नहीं मानेगा । मर्ज़ ने उसी अर्थ में चुनाव के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका की आलोचना की। अमेरिका की रूस समर्थक, पुतिन समर्थक नीति यूरोप को स्वीकार्य नहीं है। संयुक्त राज्य अमेरिका से इस तरह के अलगाव का अर्थ है आर्थिक और रक्षा मुद्दों पर आत्मनिर्भर बनना। जर्मनी के निवर्तमान चांसलर शुल्त्स ने वास्तव में उस दिशा में कदम उठाना शुरू कर दिया था। जर्मनी हाल के दिनों में चीन के साथ बहुत व्यापार कर रहा है। इसके पीछे यही विचार था। ऐसा लगता है कि कई देशों की नीति है कि वे हर उस चीज को बंद कर दें जो अमेरिका विरोधी है। हालांकि, उस दिशा में अपने प्रयासों में, सरकार घरेलू आर्थिक और सामाजिक मुद्दों को संतुलित नहीं कर सकी, अपना बहुमत खो दिया, जिसके परिणामस्वरूप मध्यावधि चुनाव हुए।शायद ही कोई ऐसा महीना गुजरा हो, जिसमें उदार अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में संकट की स्थिति की घोषणा न की गई हो। 2016 में ट्रम्प प्रशासन की शुरुआत के बाद से इन घोषणाओं आवृत्ति और तीव्रता में वृद्धि हुई हैं; और वास्तव में, उदाहरण के लिए, यूक्रेन पर रूस के आक्रमण, चीन के अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में विस्तार और अनैतिक प्रभाव, पेरिस समझौते से अमेरिका का बाहर होना, अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य निश्चित रूप से गहरे संरचनात्मक बदलावों से गुजर रहा है। घरेलू तौर पर, बढ़ते (पश्चिमी) राष्ट्रवाद और अंदरुनी स्थिति की ओर देखने की सामान्य प्रवृत्ति संभावित वैश्विक चुनौतियों के लिए सहयोग जुटाने की क्षमता के मामले में अंतरराष्ट्रीय माहौल को पूरी तरह से बदल देती है। इस प्रकार, वैश्विक संस्थानों को खतरे में देखते हुए वैश्विक सहयोग के साथ, छोटे बहुपक्षीय मंचों जैसे साझेदारी के अन्य रूप और अधिक महत्वपूर्ण हो जाते हैं, लेकिन इसके अतिरिक्त, अन्य रणनीतिक द्विपक्षीय संबंधों को भी बनाए जाने की आवश्यकता है, जिसके तहत गठबंधन थोड़ा लचीला हो सकता है। मेरा मानना है कि यह एक यथार्थवादी परिदृश्य है, जिसके भीतर भारत-जर्मनी संबंधों को भविष्य की दिशा देने के लिए निर्धारित किया जाएगा और शासनिक दृष्टिकोण से भी दोनों देशों ने पिछले कुछ वर्षों में पहले से कही अधिक इसपर ध्यान आकर्षित किया है। यह वास्तव में लगभग आम बात है कि पिछले दो-तीन वर्षों में भारत-जर्मन संबंधों में सुधार देखने को मिला है, हम इस संदर्भ में अंतर-सरकारी परामर्श का संदर्भ ले सकते हैं जो अभी हाल ही में पांचवीं बार नई दिल्ली में राष्ट्र-से-राष्ट्र सहयोग की मजबूत सिद्धांतिक नींव में आयोजित हुए हैं। ये परामर्श शामिल किए गए क्षेत्र-विशेष और लक्षित किए गए विशेष कारकों के संदर्भ में व्यापक हैं। इसके अतिरिक्त 30 अलग-अलग द्विपक्षीय परामर्श और संवाद हुए हैं जो विश्वास और उम्मीदों को स्थिरता देने में मदद करते हैं, उदाहरण के लिए ऊर्जा दक्षता पर जर्मन-भारत संगोष्ठी और जी-4 में भारत और जर्मनी का निकट सहयोग जहां दोनों राष्ट्र संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के विस्तार सहित बहुपक्षीय प्रणाली को मजबूत करने तथा संयुक्त राष्ट्र के सुधार लाने के लक्ष्य के साथ मिलकर सहयोग करते हैं।1 दिल्ली में 1 नवंबर को 14 नए समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिसमें पहली भारत-जर्मनी वाणिज्यिदूतीय वार्ता, दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों के बीच नियमित बातचीत सहित, दोनों देशों के दोनों राष्ट्रीय फुटबॉल संघों के बीच सहयोग जैसे कई ÷लचीले÷ मुद्दों भी शामिल हैं।2 इससे पहले 2019 में, भारत जर्मनी की बहुपक्षवाद हेतु गठबंधन की पहल में शामिल हो गया है। भारत के साथ आर्थिक संबंध तेज हो गए हैं और भारतीय बाजार के खुलने से जर्मन निर्यात और विदेशी निवेश में लगातार वृद्धि हुई है, जिसने अब जर्मनी यूरोप में भारत का प्राथमिक व्यापारिक भागीदार बन गया है और इस दिशा में और आगे बढ़ सकता है ।**वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार ,लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार**

सरोकार

चन्द्रशेखर आजाद- क्रांति का तेजोमय सूर्य

हर साल 27 फरवरी को भारत की पावन धरती एक ऐसे ओजस्वी सपूत को श्रद्धा के फूल अर्पित करती है, जिसने अपने अनुपम शौर्य और असीम बलिदान से स्वाधीनता की अमिट गाथा रची। चन्द्रशेखर आजाद–यह नाम न केवल एक व्यक्तित्व, अपितु एक प्रचंड ज्वाला का प्रतीक है, जिसने अंग्रेजी हुकूमत के अंधेरे साम्राज्य को अपने तेज से भस्म करने का संकल्प लिया था। वे एक ऐसे क्रांतिवीर थे, जिनके हृदय में देशप्रेम की अग्नि धधकती थी और जिनके अद्भुत साहस ने नन्हे भारत के करोड़ों मन में स्वतंत्रता का स्वप्न जागृत किया। उनकी पुण्यतिथि हमें उस तेजोमय जीवन की स्मृति में झुकने और उनके अधूरे संकल्पों को पूर्ण करने का आह्वान करती है।चन्द्रशेखर आजाद का जन्म 23 जुलाई 1906 को मध्य प्रदेश के भाबरा (अब अलीराजपुर जिला) में हुआ। उनके पिता पंडित सीताराम तिवारी और माता जगरानी देवी एक साधारण परिवार से थे, पर उनकी रगों में देशभक्ति का लहू दौड़ता था। नन्ही उम्र से ही चन्द्रशेखर के हृदय में स्वतंत्रता की आग धधक रही थी। उनकी माँ उन्हें एक निर्भीक और छोटा सिपाही बनाना चाहती थीं, और यह माँ की वह पवित्र आकांक्षा थी जो उनके जीवन में साक्षात् रूप ले चुकी थी। संस्कृत पाठशाला में प्रारंभिक शिक्षा पाने वाले चन्द्रशेखर की असली दीक्षा तब हुई, जब देश की गुलामी की जंजीरों ने उनके अंतर्मन को झकझोर दिया।1919 के जलियांवाला बाग नरसंहार की वीभत्स घटना ने चन्द्रशेखर आज़ाद के हृदय में क्रांति की ज्वाला प्रज्वलित कर दी। मासूम आँखों ने जब निर्दोष भारतीयों की निर्मम हत्या का वह भयावह दृश्य देखा, तो उनका कोमल मन आक्रोश की अग्नि में तपकर फौलाद बन गया। मात्र 13 वर्ष की अल्पायु में ही वे महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन के अग्रदूत बन गए। 1921 में जब उन्हें अंग्रेज़ों ने गिरफ्तार किया और मजिस्ट्रेट ने उनका नाम पूछा, तो उन्होंने गर्व से अपना परिचय दिया– ÷आज़ाद!÷ पिता का नाम पूछे जाने पर उनका गर्जन हुआ– ÷स्वतंत्रता!÷ और घर?– ÷जेलखाना!÷ यह कोई साधारण उत्तर नहीं, बल्कि दासता की बेड़ियों को तोड़ने की हुंकार थी। वह ऐतिहासिक क्षण, जब उनके ओजस्वी शब्द गूंजे, उनके जीवन की दिशा और दशा निर्धारित कर गया। उसी दिन उन्होंने अपने अंतर्मन में यह अमिट संकल्प कर लिया कि वे इस मातृभूमि को कभी गुलामी के अभिशाप में जकड़ने नहीं देंगे।

असहयोग आंदोलन के मंद पड़ते ही चन्द्रशेखर आज़ाद की प्रचंड ऊर्जा ने क्रांति की राह पकड़ ली। अब वे अहिंसा से आगे बढ़कर सशस्त्र संग्राम के पथिक बन चुके थे। उनका संघर्ष किसी व्यक्तिगत विद्रोह का नहीं, बल्कि राष्ट्र को पराधीनता की बेड़ियों से मुक्त कराने का था। उन्होंने हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन की मशाल को अपने हाथों में थामा, जिसके परमवीर सेनापति रामप्रसाद बिस्मिल जैसे अद्वितीय योद्धा थे। 1925 का काकोरी कांड उनके शौर्य, संगठन कौशल और अदम्य साहस का जीवंत प्रमाण बन गया। इस ऐतिहासिक घटना में क्रांतिकारियों ने ब्रिटिश खजाने पर धावा बोलकर न केवल हथियारों का जखीरा जुटाया, बल्कि साम्राज्यवाद की नींव तक हिला दी।

भले ही इस संग्राम में बिस्मिल और उनके अनेक वीर साथियों को फांसी पर लटका दिया गया, लेकिन आज़ाद अपनी चतुराई और अद्वितीय रणकौशल से अंग्रेज़ी सरकार के लिए एक अबूझ पहेली बने रहे। वे कभी किसी के हाथ नहीं आए, और हर प्रयास के बावजूद ब्रिटिश सरकार उनकी छाया तक नहीं पकड़ सकी। उनका संकल्प अटूट था– ÷हम जीते जी कभी गिरफ़्तार नहीं होंगे !हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन की क्रांतिकारी ज्वाला को और अधिक प्रचंड बनाते हुए चन्द्रशेखर आज़ाद ने संगठन को नए विचार और ऊर्जा से सिंचित किया। उन्होंने इसे केवल एक विद्रोही आंदोलन तक सीमित नहीं रखा, बल्कि एक सशक्त विचारधारा का रूप देते हुए हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी की नींव रखी। उनका उद्देश्य मात्र ब्रिटिश शासन को उखाड़ फेंकना नहीं था, बल्कि एक न्यायसंगत, शोषणमुक्त और समाजवादी भारत की स्थापना करना था। आज़ाद का सपना था– एक ऐसा हिंदुस्तान, जहां समानता, स्वतंत्रता और क्रांति की गूंज हो। उन्होंने भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु जैसे क्रांतिपुत्रों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर मातृभूमि की आज़ादी के लिए संघर्ष किया। उनकी रणनीति, उनका अद्वितीय नेतृत्व और अपराजेय साहस स्वतंत्रता संग्राम को एक नए, प्रखर और संगठित स्वरूप में ढाल रहा था। वे केवल एक योद्धा नहीं, बल्कि क्रांति के मार्गदर्शक थे, जिनकी सोच और संकल्प ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के स्वर्णिम अध्यायों की रचना की।चन्द्रशेखर आज़ाद का व्यक्तित्व शौर्य, पराक्रम और अदम्य साहस की सजीव प्रतिमूर्ति था। उनकी घनी मूंछें, तेजस्वी मुखमंडल और चमकती आंखें उनकी क्रांतिकारी आभा को और प्रखर बना देती थीं। वे केवल विचारों से नहीं, बल्कि अपने बलशाली व्यक्तित्व और लौह-संकल्प से भी विरोधियों के मन में भय उत्पन्न कर देते थे। निशानेबाजी में वे अद्वितीय थे–उनकी बंदूक से निकली हर गोली अंग्रेज़ी हुकूमत के दिल में दहशत भर देती थी। अपने साथियों को वे रणकौशल और युद्धनीति का प्रशिक्षण देते, जिससे उनकी टोली अजेय बन गई। उनकी योजनाएँ इतनी कुशल होतीं कि ब्रिटिश सरकार उन्हें पकड़ने के लिए अनेक षड्यंत्र रचती रही, मगर वे हर बार उनकी पकड़ से परे रहे। 1928 में जब लाला लाजपत राय की शहादत ने समूचे देश को क्रोध की ज्वाला में झोंक दिया, तब सांडर्स वध में आज़ाद की भूमिका ब्रिटिश शासन के लिए एक प्रचंड प्रहार थी। यह केवल प्रतिशोध नहीं, बल्कि अन्याय के विरुद्ध युद्ध का बिगुल था। आज़ाद का संपूर्ण जीवन साहस और रोमांच की पराकाष्ठा था। वे ब्रिटिश पुलिस को चकमा देकर हर शहर, हर गली में क्रांति की मशाल जलाते रहे। उनकी सबसे बड़ी शक्ति थी–अडिग संकल्प और अविचल हौसला। उन्होंने प्रण लिया था कि वे कभी भी जीते-जी अंग्रेजों के हाथ नहीं आएंगे– और इस वचन को उन्होंने अपने अंतिम क्षण तक निभाया।27 फरवरी 1931–यह दिन भारतीय इतिहास में त्याग, शौर्य और बलिदान की अमरगाथा के रूप में अंकित है। इलाहाबाद के अल्फ्रेड पार्क (अब चन्द्रशेखर आज़ाद पार्क) में जब आज़ाद अपने एक साथी के साथ भविष्य की क्रांतिकारी रणनीति बना रहे थे, तभी किसी विश्वासघाती ने उनके होने की खबर अंग्रेज़ों तक पहुँचा दी। पलक झपकते ही पूरा पार्क अंग्रेज़ी पुलिस से घिर गया, लेकिन आज़ाद डरने वालों में नहीं थे–वे सिंह की भांति गरजे और मोर्चा संभाल लिया। उन्होंने अकेले ही पूरे ब्रिटिश पुलिस बल से लोहा लिया।

राशिफल

मेष	आज का दिन ठीक-ठाक रहेगा। आज आप परिवारवालों के साथ समय बिताने की पूरी कोशिश करेंगे। घर का वातावरण खुशनुमा बना रहेगा। छोटे बच्चों को बड़ा सरप्राइज भी मिल सकता है। कुछ लोग आपके किसी काम में मदद के लिए आगे आ सकते हैं। पैसों को लेकर आपकी समस्या दूर होगी।
वृष	आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज का दिन यात्रा में बीत सकता है। ये यात्रा ऑफिस के किसी काम से संबंधित हो सकती है। आप कुछ मस्ती के मूड में रहेंगे। आपका मन प्रसन्न रहेगा। आप किसी ट्रेडिशनल चीज के प्रति आकर्षित हो सकते हैं। बच्चे किसी ड्राइंग प्रतियोगिता में भाग लेंगे।
मिथुन	आज का दिन उत्तम रहने वाला है। आज आपका रुझान अध्यात्म की तरफ रहेगा। आप किसी धार्मिक कार्यक्रम के आयोजन की योजना बना सकते हैं। आप अपने काम में पूरा आनंद लेंगे। आप कार्यस्थल पर कुछ बदलाव कर सकते हैं, इससे आपको काफी अच्छा लगेगा। परिवार में सब कुछ अच्छा बना रहेगा। करीबी रिश्तेदार आपको अच्छी खबर देगा।
कर्क	आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहेगा। किसी जरूरी चीज को खरीदने में आपके पैसे खर्च हो सकते हैं। इस राशि के जो लेखक हैं, उनकी किसी कविता की प्रशंसा हो सकती है। आपको किसी संस्था के द्वारा सम्मानित भी किया जा सकता है। माता-पिता का आशीर्वाद आपको मंजिल तक पहुंचाने में मदद करेगा।
सिंह	आज का दिन शानदार रहेगा। ऑफिस में आपको ऐसा काम दिया जा सकता है, जो आपको बहुत अच्छा लगेगा। आपसे किसी मामले में एक्सपर्ट के तौर पर सलाह ली जा सकती है। नौकरी में प्रमोशन के साथ ही इनकम बढ़ने के योग बने हुए हैं। छात्र अपने कुछ विषयों को लेकर अधिक रुचि दिखायेंगे। अपनों की मदद के लिए आप हमेशा तैयार रहेंगे।
कन्या	आज का दिन आपके लिए फायदेमंद साबित होगा। पहले किए गए किसी काम से आज अच्छा मुनाफा होगा। लोग आपके काम की तारीफ करेंगे। आप खुद भी अपने काम को लेकर संतुष्ट रहेंगे। जीवनसाथी के साथ बाहर डिनर करने जाने का प्लान बनाएंगे। स्पोर्ट्स से जुड़े लोग किसी नई एक्टिविटी में भाग लेंगे, जहां उनका प्रदर्शन अच्छा रहेगा।
तुला	आज का दिन आपके लिए अच्छा है। ऑफिस में आपको सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा, जिससे आपके काम समय पर पूरे होंगे। आपके सकारात्मक विचार आज लोगों को प्रभावित करेगा, लोग आपसे जुड़ेंगे। स्टूडेंट्स पढ़ाई को लेकर कुछ बदलाव करेंगे। अपने कठिन विषयों को समझने के लिए किसी की मदद ले सकते हैं।
वश्चिक	आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज का दिन जीवन में किसी नई खुशी का संकेत लायेगा। जीवनसाथी से आपको बड़ी खुशखबरी मिलेगी। परिवार के बाकी लोग भी काफी खुश नजर आयेंगे। रिश्तें और काम के बीच तालमेल बना रहेगा। आर्थिक रूप से आज आप मजबूत रहेंगे। इंजीनियर्स को किसी कॉन्ट्रैक्ट से बड़ा फायदा होगा।
धनु	आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। आप जो भी काम हाथ में लेंगे, वो समय से पूरा करने में सफल होंगे। आज बिजनेस में काम की गति बनी रहेगी। आप खुद को रिलेक्स फील करेंगे। मन ही मन किसी बात को लेकर खुश रहेंगे। इस राशि के जो लोग अविवाहित हैं, उन्हें किसी शादी समारोह में अपना लाइफ पार्टनर मिल सकता है।
मकर	आज का दिन जीवन में अहम मोड़ लाने वाला है। आपको अपने करियर में बड़ा फैसला लेना पड़ सकता है। ध्यान रहे जो भी करें, सोच-समझ कर करें। अगर आप नौकरी कर रहे हैं, तो अचानक आपको किसी काम के लिए बाहर जाना पड़ेगा। किसी नये बिजनेस की शुरुआत के लिए लोन लेने के बारे में विचार करेंगे।
कुम्भ	आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आपका नजदीकी मित्र आपसे मिलने आयेगा। आप उनके साथ कही घूमने का प्लान बनाएंगे। छात्रों के पढ़ाई में आ रही रुकावटें किसी की मदद से दूर होंगी। आपको नतीजों की ज्यादा फिक्र ना करते हुए अपने काम पर ध्यान देने की जरूरत है। बड़े-बुजुर्ग आपको खास सलाह देंगे जो आपके लिए कारगर रहेंगी।
मीन	आज आपका दिन शानदार रहेगा। लोग आपकी बातों पर पूरा ध्यान देंगे। आज ऑफिस के काम के लिए यात्रा की योजना बन सकती है। पैसों की उलझी हुई स्थितियों का समाधान आज निकल जाएगा। आज आपके रोजमर्रा के काम पूरे हो सकते हैं। आपको किस्मत का साथ मिलेगा। कार्यस्थल पर आपके व्यवहार की तारीफ होगी।

लोकमित्र का रंग कवियों के संग

विदुर घर साग

गजब का स्वाद है, विदुर जी के साग
जैसे है सखी देवन्ती की, गीतों का राग
आत्मा तृप्त हो जाती है, साग खा कर
जैसे मोरनी का मोर नाचता है झुमकर
जैसे कागा लेके आता है स्वर्ग से संदेश
साग स्वाद लगता ऐसे, जैसे भारत देश
विदुर का साग,माता के स्तन पान जैसे
निर्धन लोग पाते हैं, राजा से दान जैसे
बड़े बुजुर्गों से मिलती है, जैसे सम्मान
श्रीगुरु देते हैं आशीष हो, जैसे कल्याण
विदुर घर साग हंसकर,खाए थे भगवन
साग खाकर किएँ, विदुरजी का सम्मान
तीर्थ में तीर्थ है, जैसे महाकुंभ में स्नान
विदुर जी का साग जैसे,जगत कल्याण
खाएगे वही पुण्य आत्मा, विदुर घर साग
विदुर घर साग का होना चाहिए भाग्य।

श्रीमती देवन्ती देवी चंद्रवंशी
धनबाद झारखंड

आस्था

विश्वास की सुदृढ़ होती आस्था
बिन बुलाए जमावड़ा
न कोई पाती न ई-मेल
न ही पीले चावल
न करबद्ध निवेदन
न विनम्र प्रार्थना
त्रिवेणी संगम की डुबकी पर है स्व की आस्था
भेद-विभेद से मुक्त होती आस्था
मन में अदृश्य के प्रति रूझान कहलाती आस्था
विश्व में सर्वशक्तिमान का झंडा फहराती आस्था
मेरी आस्था आपकी आस्था
हम सबकी आस्था
जन-मन का सैलाब है आस्था
अगला जन्म बेहतर हो
पाप धो पुण्य कमाने में
हैं हम सबकी आस्था
संकल्प ले
हमारी निरझणियों का
यूं ही कल-कल बहता स्वच्छ
विमल नीर बनाये रखने में आस्था
तभी संतति करेगी सनातनी परंपरा पर आस्था
गौरवान्वित होगी पीढ़ी दर पीढ़ी
चलने वाली आस्था।

दीप्ति श्रीवास्तव
लखनऊ

मैं धरती हूं

मैं धरती हूं मैं अंबर हूं,
मैं भू गर्भ में बसा समंदर हूं।
मन कोमल मेरा पंखुड़ियों सा,
कठिनाइयों में मैं ही धुरंधर हूं।
निज गोद में मैंने पृथ्वी पर
कई संस्कृतियों को पाला है,
कोई बना हिंदू और मुसलमा,
कोई बना धर्म रखवाला है।
प्रेम में मैं ही मीरा हूं,
क्रोध में मैं रणधीरा हूं।
अपने आंचल की छांव में
मैं ही पूरी पृथ्वी रखती हूं,
पृथ्वी के हर कण कण में
मैं वायु बनकर बहती हूं।
हर रूप में मैं ही कष्ट सहूं,
हर कष्ट में मौन मैं रहती हूं।
अश्रु मेरे है ये झरने,
मैं ही नदियों में बहती हूं।

अंतिमा अग्निहोत्री
फतेहपुर (उप्र)

महाशिवरात्रि पर मंदिरों में गूंजा हर-हर महादेव

● लाखों भक्तों ने भगवान भोलेनाथ का किया पूजन

लोकमित्र ब्यूरो

प्रतापगढ़। महाशिवरात्रि का पर्व बुधवार को जिले भर में श्रद्धा, विश्वास एवं भक्ति भाव के साथ मनाया गया। लाखों श्रद्धालुओं ने बाबा बेलखरनाथ धाम, भयहरणनाथ धाम, घुइसरनाथ धाम मंदिर के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों के भी शिव मंदिरों में पूजा-अर्चना तथा जलाभिषेक किया। मंगलवार से ही कांवरियों का जत्था गंगा जल के साथ अपने प्रिय मंदिरों में पहुंचने लगा था। वहां बुधवार को भोर से ही बोल बम के साथ जलाभिषेक शुरू कर दिया।

महाशिवरात्रि पर शिवालयों में जहां श्रद्धालुओं के जयकारे लग रहे थे, वहीं घंटे घड़ियाल की गूंज ने मंदिर परिसर को भक्तिमय बना दिया।इन मंदिरों के परिसरों में महोत्सव भी मनाए गए। वहां विभिन्न विभागों की ओर से पंडाल तथा प्रदर्शनी भी लगाई गई थी। पुलिस के जवानों के अलावा स्वयं सेवी संस्थाओं ने भी दिल खोलकर अपने सेवा भाव से श्रृद्धालुओं की मदद की। आज सुबह से ही हर हर महादेव,बोल बम के जयकारों के साथ श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। मिट्टी एवं ताम्रपात्रों में श्रद्धालुओं ने गंगा जल, पवित्र नदियों के जल के साथ ही मंदिरों के पास उपलब्ध जल को शिवलिंगों पर चढ़ाया। लोगों ने जौ,बेर,बौर, बेलपत्र, पुष्प के साथ भोलेनाथ को जलाभिषेक किया। इसके लिए पूरे दिन भर श्रद्धालु मनौतियां भी मांगते रहे।शिव मंदिरों में ओम् नमः शिवाय का अखंड पाठ होता रहा। वहीं शिव मंदिरों में आयोजित महोत्सव में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। मुख्यालय स्थित मां बेल्हा देवी धाम में भी श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ी। बेल्हा देवी मंदिर एवं परिसर स्थित शिव मंदिर में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। मेले की व्यवस्था के लिए पुलिस के जवान भी मुस्तैद रहे।उधर बाबा बेलखरनाथ धाम के लिए दीवानगंज से ही श्रद्धालुओं की कतार लगी रही। मेले में चिकित्सा, पानी एवं पुलिस की भी व्यवस्था की गई थी।इसी प्रकार बाबा बेलखरनाथ धाम, बाबा घुइसरनाथ धाम में भी श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। कालाकांकर एवं मानिकपुर से पैदल गंगा जल लेकर आए श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। इसी तरह जिले भर में स्थित अन्य शिव मंदिरों में भी जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही।

शिवाला महोत्सव में स्वास्थ्य परीक्षण के साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

लोकमित्र ब्यूरो

प्रतापगढ़। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर नगर क्षेत्र के पूरे ईश्वरनाथ स्थित पौराणिक शिवाला मंदिर पर चल रहे दो दिवसीय सातवां शिवाला महोत्सव के दूसरे और तीसरे सत्र में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मंगलवार को दूसरे सत्र में देर शाम से शुरू हुई मनोहारी झांकियां देर रात तक चलती रहीं। उक्त मनोहारी झांकियां को देखने के लिए भारी संख्या में लोगों की भीड़ रही। इसी कड़ी में दूसरे दिवस के प्रथम सत्र में आईडीए के चिकित्सको द्वारा दंत परीक्षण एवं दवा वितरण किया गया। वहीं सदुरु नेत्र औषधालय के द्वारा नेत्र परीक्षण एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयुष्मान कार्ड बनाने के साथ मेडिकल मोबाइल यूनिट की टीम का सराहनीय योगदान रहा। इसी कड़ी महोत्सव में कृषि विभाग द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें किसानों को खेती-बाड़ी के विषय में जानकारी दी गई। वहीं एनवाईके के कलाकारों द्वारा विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस बीच महोत्सव पहुंचे भाजपा जिला अध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव, नगर अध्यक्ष आलोक गर्ग व अन्य अतिथियों का आयोजक मंडल द्वारा सम्मान किया गया। इस मौके पर पंडित शिवनायक शुक्ल की स्मृति में अवकाश प्राप्त पुलिस उपनिरीक्षक रवीन्द्र नाथ शुक्ल के सहयोग से निःशुल्क चश्मे का वितरण भाजपा जिला अध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव द्वारा किया गया। इसी के साथ कार्यक्रम में सराहनीय योगदान देने वाले चिकित्सक टीम को सम्मान पत्र प्रदान करके सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि शिवाला महोत्सव अपने में एक अनोखा है। यहां पर आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से जरूरतमंदो की जिस प्रकार मदद की जा रही है वह सराहनीय है। उन्होंने आयुष्मान कार्ड पर चर्चा करते हुए सरकार की योजना बताते हुए कहा कि महाकुंभ में जहां निःशुल्क नेत्र शिविर लगा था, वहीं शिवाला महोत्सव में नेत्र परीक्षण के साथ निःशुल्क चश्मा वितरण करके महाकुंभ जैसा माहौल स्थापित किया गया है। महोत्सव के आयोजक परमानंद मिश्र व संयोजक शिवेश शुक्ल ने सभी आगंतुकों एवं अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन सीएम शुक्ला ने किया। इस मौके पर डां सुधाकर सिंह, राजेंद्र उपाध्याय, प्रतिमा, अवकाश प्राप्त एएसपी शशिकांत शुक्ल, वरुण ओझा एडवोकेट,प्रत्यूष पाण्डेय,अमन, राजमणि,गुरूमणि, अतुल शुक्ल आदि रहे।

शिव बारात में जमकर उड़े अबीर-गुलाल

कुंडा प्रतापगढ़। बिहार इलाके के पटवारा बारौं गांव में कामेश्वर महादेव मंदिर का निर्माण कराया गया है। यहां प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा के लिए शिव बारात निकाली गई। शिव बारात में भजनों से क्षेत्र का माहौल भक्तिमय हो गया। पटवारा बारौं गांव में नवनिर्मित शिव मंदिर में प्रतिमाओं की प्राण-प्रतिष्ठा के पहले शिव बारात निकाली गई। शिव बारात लेकर युवा डीजे के धुन पर थिरकते, अबीर गुलाल उड़ाते पटाखे फोड़ते हुए चल रहे थे। शिव बारात छतार, हनुमत धाम, संतोषी माता मंदिर, पूरे शिव भीख मंदिर, चामुंडा देवी मंदिर होते हुए वापस मंदिर पर पहुंची। आचार्य हेरम्ब तिवारी के वैदिक मंत्रों के बीच मंदिर में शिव परिवार की प्राण प्रतिष्ठा हुई। इस दौरान पूरा इलाका हर-हर महादेव के जयकारे से गूंजता रहा। इस मौके पर संयोजक राम बरन त्रिपाठी, शिवाकान्त, चिन्तामणि, अम्बरीश, चन्द्र प्रकाश, अरविन्द त्रिपाठी, प्रधान प्रतिनिधि संतोष पांडेय आदि मौजूद रहे।

हर हर बम बम के जयघोष से शिवमय हुआ बेलखरनाथ धाम

● भोर से शुरू हुआ जलाभिषेक, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

(अविनाश जायसवाल)

रखहा प्रतापगढ़। हर हर महादेव, बोल बम का नारा है, बाबा एक सहारा है के जय घोष से बाबा बेलखरनाथ धाम परिसर बुधवार को महाशिवरात्रि पर शिव मय रहा। भोर 2.45 से श्रद्धालुओं की लंबी कतार जलाभिषेक के लिए लग गई । महिला पुरुषों को अलग-अलग कतार में खड़ा करके मंदिर गर्भगृह में प्रवेश दिया गया । फूल, बेलपत्र, अक्षत,समी, धतूर फल, फूल माला से भोलेनाथ का विधि-विधान से पूजन अर्चना किया गया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बेलखरनाथ धाम में मन्दिर सेवा समिति के साथ ही साथ भीड़ बढ़ने पर क्षेत्राधिकारी पट्टी मनोज सिंह रघुवंशी ने मोर्चा संभाला। इस दौरान बारी बारी से लोगों को जलाभिषेक कराया गया। महाशिवरात्रि सकुशल संपन्न कराने के लिए थाना दिलीपपुर, कधंई, रानीगंज, पट्टी, आसपुर देवसरा, सहित एनसीसी कैडेट्स लगाये गये थे ।सेवा समिति द्वारा श्रद्धालुओं से लगातार शांति पूर्ण ढंग से दर्शन पूजन की अपील की जाती रही। एसडीएम पट्टी तनवीर अहमद, बीडीओ राजीव पांडे, एबीडीओ राजू भारती, सीएचसी अधीक्षक डाक्टर आरिफ हुसैन लगातार मेले का भ्रमण करके व्यवस्था में लगें रहे । इस दौरान सेवा समिति के अध्यक्ष शीतला सिंह मदन, मुख्य पुजारी विश्वनाथ गिरि, राम कुमार ओझा, हरि ओम मिश्र, बांके सिंह, मोनू तिवारी, रिंकू सिंह,लाल बिहारी ओझा अजीत ओझा,माता बदल सिंह के साथ एसओ दिलीपपुर शत्रुघ्न वर्मा, बद्री प्रसाद गिरि, संतोष ओझा आदि मौजूद रहे। संचालन राजमणि तिवारी ने किया।

महाशिवरात्रि पर भयहरण नाथ धाम मेले में हुई अपार भीड़

लोकमित्र ब्यूरो

कुंडा प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में 25 वें महाकाल महोत्सव के पुण्य अवसर पर श्रद्धालु भक्तो की अपार भीड़ हुई। सुबह 4 बजे से प्रबन्ध समिति सहित मंदिर व मेला उपसमितियो के पदाधिकारी व पुजारी गण पुलिस व प्रशासन के साथ उत्तम व्यवस्था की। जिसकी सराहना श्रद्धालुओं ने की। लोकपाल व धाम के महासचिव समाज शेखर ने सभी व्यवस्था का जायजा लिया और कार्यकर्ताओ के कार्यो को लेकर उत्साह वर्धन किया। धाम के अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल व कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह के मार्गदर्शन मे सुबह से ही सभी कार्यकर्ता अपनी चुस्त दुरुस्त व्यवस्था में लगे रहे। सुबह 4 बजे से मुख्य पुजारी भोला नाथ तिवारी सहित सभी मंदिरों के पुजारी पूजन करके श्रद्धालुओं के जलाभिषेक व दर्शन हेतु मंदिरों के कपाट खोल दिये। वहीं भयहरण नाथ धाम की प्रबन्ध समिति व नगर पंचायत के नियंत्रण में कंट्रोल रूम व भूला भटका शिविर का संचालन कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र, राजीव नयन मिश्र, मेला समिति के संयोजक कमला कांत मिश्र व सचिव अनिल मिश्र ने प्रमुख भूमिका निभाई। धाम के प्रशासनिक कार्यालय में उप पुलिस अधीक्षक सदर करिश्मा गुप्ता, तहसीलदार सदर सुप्रिया चतुर्वेदी, थानाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह व महासचिव समाज शेखर ने मुख्य कंट्रोल रूम से सभी व्यवस्था को नियंत्रित करते हुए सुव्यवस्थित किया। नगर पंचायत अध्यक्ष मुन्ना यादव ने सभासदो के साथ मेला क्षेत्र में अपनी सतर्क भूमिका निभाई। सफाई कर्मियों ने भी सराहनीय योगदान दिया। मेले व महोत्सव में प्रमुख भूमिका निभाने वालो मे धर्मेंद्र त्रिपाठी, प्रदीप सिंह, संरक्षक देवी प्रसाद मिश्र , अशोक मिश्र, धर्मेंद्र पटेल, मनीराम, शत्रुघ्न सिंह, सुरेंद्र सिंह, भानू सिंह, अजय अग्रहरि, राजू मैनेजर, लालता प्रसाद मिश्र, मतेंद्र कीर्ति आदि ने प्रमुख भूमिका निभाई।

महिला से मारपीट में पति और ननद पर केस दर्ज

लोकमित्र ब्यूरो

कुंडा प्रतापगढ़। कोतवाली क्षेत्र के अघिया गांव निवासी सिदरा फात्मा पुत्री मो. हसीब ने पुलिस को तहरीर दी। बताया कि मो. जावेद से उसका निकाह 2021 में हुआ था, लेकिन अब तलाक हो चुका है। आरोप है कि मो. जावेद मुंबई से लौटा तो उसने 24 फरवरी को अपनी बहन दरकशा के साथ उसे डंडे से मारापीटा। साथ ही जान से मारने की धमकी दी। आरोप है कि उसकी ननद दरकशा अपने नानी के यहां रहती है। आते-जाते धमकी देती है कि भाई के आने पर उसे मरवाएगी। पीड़िता सिदरा फात्मा की तहरीर पर पुलिस ने मो. जावेद और दरकशा के खिलाफ केस दर्ज किया है।

शिवालय में जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की रही लंबी कतार

लोकमित्र ब्यूरो

सुवंशा (प्रतापगढ़)। स्थानीय नगर पंचायत सुवंशा बाजार अंतर्गत महाकालेश्वर मंदिर सोनवर्षा सुवंशा में महाशिवरात्रि पर्व पर जलाभिषेक के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी रही। हर हर महादेव, बोल बम के जयकारों से शिवालय प्रांगण गूंजते रहे।

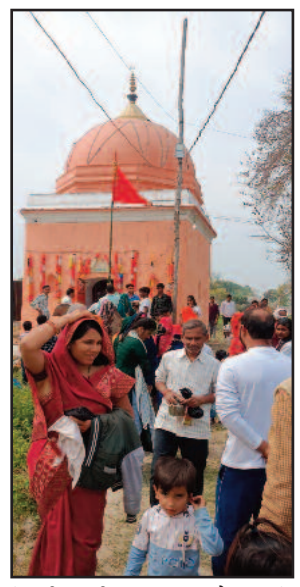

भोलेनाथ को जलाभिषेक करने के लिए श्रद्धालुओं में अति उत्साह दिखा। यह मंदिर बहुत प्राचीन हैं जिसमें लखावरी ईंटों द्वारा शिव मंदिर का निर्माण हुआ है। गांव के पूर्वजों द्वारा यह जानकारी हुई की तालाब, कुआं और शिव मंदिर तीनों एक साथ बने थे। इस समय कुआं की जगह विशाल हनुमान मंदिर बन गया है जो लोगों के श्रद्धा का केंद्र है। इसकी जानकारी वैद्य अनिल मिश्रा ने दी। मंदिर के मुख्य पुजारी एवं व्यवस्थापक बबलू सिंह ने बताया कि बुजुर्गों द्वारा जानकारी हुई है कि यह मंदिर हजारों वर्ष पूर्व का है। भक्तों को कोई दिक्कत न हो इसके लिए प्रमुख रूप से अंगद मौर्या, शशिधर मिश्र, डॉ राहुल त्रिपाठी, संदीप तिवारी, सुनील कुमार पाण्डेय आदि ग्रामवासी लगे थे।

इसी तरह क्षेत्र के बाबा सिद्धिनाथ शिव मंदिर पाली, महमदपुर में महाशिवरात्रि पर्व पर श्रद्धालु भोलेनाथ को जलाभिषेक कर रहे हैं जहां पर औरतों की लंबी कतार देखने को मिली। सुबह से ही भक्तों द्वारा हर हर महादेव, बोल बम का नारा है बाबा एक सहारा है का उद्घोष करते हुए श्रद्धालु जलाभिषेक कर रहे हैं। हर वर्ष महाशिवरात्रि पर विशाल मेले का आयोजन हुआ करता है। यह बहुत पुराना मंदिर है यहां पर श्रद्धालु जलाभिषेक के साथ मेले का लुफ्त उठा रहे हैं। मंदिर का सौंदर्यीकरण होने से श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। यहां पर बहुत दूर-दूर से दर्शनार्थी आए हुए हैं जो देर शाम तक भोलेनाथ का दर्शन और मेले का आनंद लेते रहे। श्रद्धालुओं को कोई दिक्कत ना हो इसके लिए ग्राम प्रधान कौशलेंद्र पाल, मंदिर प्रशासन के प्रमुख सुमित पाण्डेय, अनूप कुमार पाण्डेय, चंदन पाण्डेय, हरिराम तिवारी, धीरज ओझा, विवेक मिश्रा, श्रीराम विश्वकर्मा एवं बहुत से ग्रामवासी जुटे रहे।

आपदा मित्रों ने भीड़ प्रबंधन में सहयोग करके महाकुंभ स्नान को बनाया सफल

लोकमित्र ब्यूरो

प्रतापगढ़। प्रयागराज में आयोजित त्रिवेणी के महाकुंभ को दिव्य,भव्य और हरित कुंभ बनाने में जनपद के आपदा मित्रों ने मेले में बढ़ी भीड़ के प्रबंधन में कुंभ मेला प्रशासन का सहयोग करके एवं महाकुंभ में स्नानार्थियों को सेवा देकर महाकुंभ को सफल बनाने में सरहनीय योगदान दिया। स्वैच्छिक रूप से आपदा मित्रों का दिया गया सहयोग ऐतिहासिक और प्रशंसनीय है।आपदा मित्रों ने लोगों को आपदा से बचाव के साथ ही लोगों को सही स्थान पर पहुंचाने,सुरक्षित रहने और पूरी आस्था और भक्ति के साथ कुंभ स्नान करने में सहयोग प्रदान किया। सुरक्षित स्नान के लिए प्रेरित करने के साथ ही स्नानार्थियों को स्वच्छता अपनाने एवं ग्रीन नमस्तेष् अभिवादन करके विदेशियों सहित सभी लोगों अर्थात पूरी दुनिया को जलवायु संरक्षण का संदेश दिया।

ग्रीन नमस्ते कहने पर लोग मुस्कुरा कर अभिवादन करते और स्वयं ही पेड़ लगाने का संदेश देते थे। आज महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर जारी अमृत स्नान में सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार जहां स्नानार्थियों की संख्या 65 करोड़ पार कर गई, वहीं पिछले मकर संक्रांति से स्वैच्छिक रूप से कुंभ को कामयाब बनाने में आपदा मित्रों ने पूरी निष्ठा और मनोयोग पूर्वक सेवा देकर महाकुंभ को सफल बनाने में अभूतपूर्व सहयोग प्रदान किया है। जनपद के आपदा मित्र नमन कुमार तिवारी,संदीप सरोज और दीप नारायण तिवारी कहते हैं कि महाकुंभ में आना, राष्ट्र प्रेम की भावना से श्रद्धालुओं की अपने आप में एक अलौकिक अनुभूति है। ऐसा अवसर शायद फिर जीवन में नहीं मिलेगा ओर हम सभी बहुत सौभाग्यशाली हैं जो हमें ऐसा पुनीत कार्य करने का अवसर मिला। सभी आपदा मित्रों ने मेला प्रशासन,पुलिस प्रशासन,सभी अधिकारियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया है, जिन्होंने महाकुंभ मेले में सेवा देने में उनका हौसला अफजाई करते रहे हैं।

आपदा मित्रों ने आपदा विशेषज्ञ अनुपम तिवारी को मेले में भेजने और पूरा सहयोग प्रदान करने हेतु विशेष धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त किया है। इस मौके पर दीप नारायण तिवारी,आदर्श मिश्रा,स्वाती रावत,मुस्कान मिश्रा, संदीप कुमार,विजय बहादुर, मनीष पांडेय सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

महेशगंज क्षेत्र के शिवालयों में भी भक्तों की रही भारी भीड़

● नागेश्वर नाथ धाम, मां काली धाम, पटना एवं नायर देवी धाम हीरागंज में भक्तों ने किया जलाभिषेक

लोकमित्र ब्यूरो

कुंडा प्रतापगढ़। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर महेशगंज थाना क्षेत्र के छोटे बड़े शिवालयों में भी क्षेत्रीय भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली। इसमें प्रमुख रूप से नागेश्वर नाथ धाम नरियांवा, मां काली धाम पटना समेत मां नायर देवी धाम स्थित भगवान भोलेनाथ के शिवालयों में सुबह से भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली। जहां पर मेले का भी आयोजन रहा। शिवालयों पर जलचढ़ी के बाद भक्त दुकानों से बेर लैया पट्टी समेत व्रत में खाई जाने वाली तमाम सामग्री खरीदते नजर आए। वहीं अन्य दुकानों पर भी खरीदारी को खासी भीड़ रही। शिवालयों पर भारी भीड़ को देखते हुए महेशगंज थानाध्यक्ष ने पुलिस टीम की तैनाती के साथ ही लगातार खुद भी भ्रमणशील नजर आए। इससे महाशिवरात्रि के मौके पर क्षेत्रीय शिवालयों पर भक्तों की भारी भीड़ के बावजूद स्थिति पूरी तरह से शांतिपूर्ण रही।

भक्तों ने हर हर महादेव का नारा लगाते हुए भगवान शिव को श्रद्धा के साथ जलाभिषेक किया।

मां गंगा के पवित्र जल में राजा भइया ने लगाई आस्था की डुबकी

● गंगाजल से हौदेश्वर महादेव का किया पूजन एवं जलाभिषेक

लोकमित्र ब्यूरो

कुंडा प्रतापगढ़। मां गंगा के तट पर बसे प्राचीन कालीन हौदेश्वर नाथ धाम में महाशिवरात्रि के पूर्व संध्या से ही भारी संख्या में श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया था। महाशिवरात्रि के मौके पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए स्थानीय कुंडा व हथिगवां पुलिस प्रशासन ने शांति व सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने हेतु बेहतरीन इंतजाम किए थे। इस दौरान धाम में महिला पुलिस के साथ ही भारी मात्रा में पुलिस बल की तैनाती रही। बताते चलें कि महाशिवरात्रि की सुबह लगभग 4 बजे ब्रह्म मुहूर्त से ही गंगा स्नान व हौदेस्वर नाथ को जलाभिषेक शुरू हुआ। जो कि खबर लिखे जाने तक अनवरत चलता रहा। जनसत्ता दल लोकतांत्रिक राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व कैबिनेट मंत्री कुंडा विधायक कुंवर रघुराज प्रताप सिंह राजा भइया ने अपने समर्थकों के साथ मां गंगा में स्नान करके महादेव का जलाभिषेक किया। इस दौरान हजारों की संख्या में हौदेश्वर नाथ धाम पहुंचे श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान व मा गंगा के पवित्र जल से भगवान भोले नाथ का अभिषेक किया।इस दौरान लंबी लंबी लाइने देखने को मिलीं,तेज धूप व लंबी लाइनों के बावजूद भक्तों में जलाभिषेक करने का उत्साह चरम पर रहा।

इस दौरान हर हर महादेव के नारों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान रहा।बताते चलें कि महाशिवरात्रि के मौके पर हौदेश्वर नाथ धाम में भारी मेला भी लगता है। मेले व जलचढ़ी के लिए भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए हौदेश्वर नाथ धाम समिति ने भी बेहतर इंतजाम किए थे। इसमें खोया पाया केंद्र समेत श्रद्धालुओं की मदद हेतु लगातार बड़े बड़े लाउड स्पीकरों के माध्यम से भक्तों को व्यवस्था के बारे में अवगत कराया जाता रहा।

अज्ञात वाहन ने साइकिल सवार युवक को कुचला, मौत

कुंडा प्रतापगढ़। निमंत्रण से घर लौट रहे युवक को तेज रफ्तार अज्ञात वाहन टक्कर मारकर कुचलते हुए भाग निकला। पुलिस घायल युवक को सीएचसी ले गई, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। नवाबगंज थाना क्षेत्र के मुरस्सापुर गांव निवासी ओम प्रकाश गौतम का 40 वर्षीय बेटा विनय कुमार गौतम 25 फरवरी को शाम सोनामऊ गांव में साइकिल से निमंत्रण गया था। रात करीब 9ः45 बजे वह घर लौट रहा था। प्रयागराज-लखनऊ हाइवे के हरदेवनगर चौराहे पर तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मारकर कुचलते हुए निकल गया, जिससे उसकी मौत हो गई। राहगीरों की सूचना पर यूपी 112 पहुंची और उसे सीएचसी कुंडा ले गई। जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। एसओ धीरेंद्र ठाकुर ने बताया कि मृतक के भाई प्रवेश कुमार गौतम की तहरीर पर केस दर्ज करके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

शिव मंदिर पर आयोजित भंडारे में हजारों भक्तों ने ग्रहण किया प्रसाद

लोकमित्र ब्यूरो

पट्टी प्रतापगढ़। बुधवार को पट्टी क्षेत्र के रायपुर स्थित प्राचीन शिव मंदिर पर महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन भगौतीदीन सेवा संस्थान ट्रस्ट के माध्यम से किया गया इसमें मौजूद हजारों श्रद्धालुओं ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। संस्थान के अध्यक्ष अंकित पाठक ने आए हुए सभी भक्तों और श्रद्धालुओं का स्वागत करते हुए आभार भी प्रकट किया। भगौतीदीन सेवा संस्थान ट्रस्ट धार्मिक तथा सामाजिक क्षेत्र में लोगों की मदद का कार्य करता है। भगवान भोलेनाथ के आराधना के महापर्व शिवरात्रि पर संस्थान के तत्वावधान में बुधवार को शिवमंदिर परिसर में आयोजित भंडारे में क्षेत्र के आए हुए हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान संस्थान के अध्यक्ष अंकित पाठक ने कहा कि मानवता की सेवा करना हर व्यक्ति का कर्तव्य है। संस्थान के माध्यम से यह पुनीत कार्य किया जा रहा है । भगवान भोलेनाथ सभी भक्तों का दुख हर लेते हैं । संस्थान का उद्देश्य भी लोगों की तकलीफ और दुख कम करना है । इस दौरान क्षेत्र के आए हुए हजारों लोगों का स्वागत करते हुए उन्होंने उनके प्रति आभार प्रकट किया और कहा कि हर वर्ष महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर भंडारे का आयोजन होता रहेगा। इस अवसर पर कृष्ण कुमार पाठक, नंदलाल, क्षेत्र पंचायत सदस्य अरुण कुमार पाठक, राजकुमार, कमलापति जायसवाल, शुभम, राहुल, रवि दुबे, विकास, विवेक पाठक, संजू सिंह समेत तमाम शिव भक्त एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सड़क हादसों में वृद्ध समेत सात घायल

कुंडा प्रतापगढ़। उन्नाव के बवलिया गांव निवासी 85 वर्षीय सिद्धू परिजनों संग दवा लेने के लिए मनगढ़ जा रहे थे। सड़क पार करते समय अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल हो गए।महेशगंज थाना क्षेत्र के मियां का पुरवा मसवन गांव निवासी बाबूलाल की 32 वर्षीय पत्नी सुनीता देवी वाहन की टक्कर से घायल हो गई। हथिगवां थाना क्षेत्र के बलीपुर मोहद्दीनगर गांव निवासी कमलेश पटेल का 6 वर्षीय बेटा आदित्य पटेल घर के सामने खेल रहा था।

उसी समय अज्ञात वाहन वाहन की चपेट में आने से घायल हो गया।

अन्य हादसों में क्षेत्र के फूलताली गांव निवासी 50 वर्षीय फूलचन्द, हरीपुर टिकरिया गांव निवासी हरीओम प्रजापति, बल्दी का पुरवा बरई गांव निवासी अमरनाथ सोनकर, संग्रामगढ़ के कुसुवापुर गांव निवासी सूरज की 28 वर्षीय पत्नी शिवानी घायल हो गई।

आसपास के लोगों ने एंबुलेंस से घायलों को सीएचसी भेजा। प्राथमिक उपचार के बाद भी मासूम आदित्य पटेल और सिद्धू की हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने एम्स रायबरेली रेफर कर दिया।

महाशिवरात्रि पर हर हर महादेव के नारों से गूंजे क्षेत्रीय शिवालय

● बिहारेश्वर नाथ धाम,रामेश्वर नाथ धाम समेत क्षेत्रीय शिवालयों में भक्तों ने किया जलाभिषेक

लोकमित्र ब्यूरो

बिहार प्रतापगढ़। महाशिवरात्रि के अवसर पर बिहार बाजार समेत बाघराय थाना क्षेत्र के तमाम शिवालयों में श्रद्धालु हर हर महादेव के नारे लगाते हुए पूरे दिन जलाभिषेक करते रहे। इस मौके पर बाघराय थाना क्षेत्र के बिहार बाजार रामदासपट्टी में स्थित प्राचीन मंदिर बिहारेश्वर नाथ धाम में बुधवार को महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर बाबा भोलेनाथ के श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ा। वहीं हर हर महादेव के नारे लगाते हुए श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। ॐ नमः शिवाय का जाप भी करते रहे। बाबा भोलेनाथ को जल चढ़ाने के लिए भक्तो का दिनभर ताता लगा रहा। बताते चलें कि बिहारेश्वर नाथ धाम मंदिर पर श्रद्धालुओं का मेला देखते हुए बाघराय पुलिस प्रशासन भी इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार के नेतृत्व में पूरी तरह से मुस्तैद नजर आई। महाशिवरात्रि पर्व के मद्देनजर बिहारेश्वर नाथ मंदिर में दिन भर जलाभिषेक का कार्यक्रम प्रशासन की निगरानी में शांति पूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ। इसके अतिरिक्त बाघराय थाना क्षेत्र के मुझेढी स्थित शिवालय पर पंचमहुआ प्रधान प्रतिनिधि के सौजन्य से एक टैंकर गंगाजल से शिवजी का अभिषेक किया गया। बताते चलें कि पंचमहुआ प्रधान प्रतिनिधि रवि यादव के सौजन्य से प्रतिवर्ष महाशिवरात्रि के मौके पर एक टैंकर गंगाजल से मुझेढी स्थित शिवालय पर शिव जी का अभिषेक किया जाता रहा है। इस दौरान मुझेढी शिवालय पर भी हजारों की संख्या में भक्तों की भारी भीड़ जलचढ़ी के लिए उपस्थित रही। इसी क्रम में फूल पुर राम स्थित रामेश्वर महादेव मंदिर,देवगल पुर स्थित देवगल नाथ धाम कमासिन बाजार स्थित बंटेश्वर नाथ, बाघराय बाजार स्थित शिवालय, मां चामुण्डा देवी धाम समेत लगभग सभी शिवालयों पर भक्तों की खासी भीड़ शिव जी को जल,बिल्वपत्र, भांग,धतूर, जौ,आम के बौर,आदि चीजों के साथ अभिषेक करते रहे। इन सब के बीच फूलपुर रामा स्थित रामेश्वर नाथ धाम पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी धूम रही।इसमें लोक संगीत बिरहा,आदि कार्यक्रमों में भक्तों की खासी भीड़ व उत्साह दिखा।इस दौरान रामेश्वर नाथ धाम की समिति द्वारा धाम में आने वाले भक्तों के लिए फलहार व केसर दूध की भी व्यवस्था की गई।इसके साथ ही बाघराय इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार के नेतृत्व में बाघराय पुलिस लगभग सभी शिवालयों पर पूरी मुस्तैदी के साथ डटी रही। इससे खबर लिखे जाने तक शांति पूर्ण ढंग से पूरे क्षेत्र में जलचढ़ी का कार्यक्रम सफल रहा।

कांग्रेसियों ने पार्टी सचिव के निधन पर जताई शोक- संवेदना

प्रतापगढ़। जिला कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान सचिव व पूर्व लेखा परीक्षा अधिकारी अवध राज यादव जी के आकस्मिक निधन की सूचना पर निवर्तमान कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ.नीरज त्रिपाठी साथियों के साथ उनके आवास पर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त करके श्रद्धांजलि अर्पित किया।इस अवसर पर डॉ0नीरज त्रिपाठी ने राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी व सीएलपी लीडर आराधना मिश्रा मोना से उनके बेटे अनुराग यादव से फोन द्वारा बात कराया स नेता द्वय ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि अवध राज यादव जी हमारे पारिवारिक सदस्य थे। उनका इतनी जल्दी छोड़कर जाना दुखद है, दुख की इस घड़ी में मैं परिवार के साथ हूं स जहां भी जरूरत पड़ेगी मैं और मोना साथ रहेंगे।जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ.नीरज त्रिपाठी की अध्यक्षता में शोक सभा का आयोजन किया गया, जिसमे मौजूद कांग्रेसजनों ने दो मिनट का मौन रख कर दिवंगत आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की।इस दौरान वेदान्त तिवारी, कांग्रेस सेवादल के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रेम शंकर द्विवेदी, कांग्रेस सेवादल के जिला अध्यक्ष महेंद्र शुक्ला, एन एस यू आई के जिला अध्यक्ष शुभम मिश्रा, उपाध्यक्ष इन्द्रानंद तिवारी, राम रतन तिवारी, यूथ कांग्रेस के प्रदेश सचिव मोहम्मद हुजैफ़ जिला सचिव सुरेश मिश्रा, अब्दुल रहमान, राम धन यादव, नूर आलम आदि उपस्थित रहे ।

मौसी के घर जाने को निकली किशोरी लापता

लोकमित्र ब्यूरो

कुंडा प्रतापगढ़। मानिकपुर थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला ने पुलिस को तहरीर दी। उसकी 16 वर्षीय बेटी पांच फरवरी को 3ः30 बजे घर से मौसी के घर जाने को कहकर कपड़े आदि लेकर निकली, लेकिन वह रास्ते से ही लापता हो गई। वह न तो घर लौटी और न ही मौसी के घर पहुंची। काफी खोजबीन के बाद भी बेटी का सुराग नहीं लगा। पीड़िता मां की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच शुरू की है।

मेला बाद खुलेगी सिग्नल केबल अग्निकांड की फाइल

● दिल्ली तक पहुंची सिग्नल कांड की आंच
● सीनियर डीएसटी ने कहा, मामले की जांच होगी

लोकमित्र ब्यूरो

प्रतापगढ़। कुंभ मेला सकुशल निपटने के बाद रेलवे के सिग्नल विभाग के स्टोर में हुए कथित अग्निकांड की फाइल खुलेगी और दोषियों पर कार्रवाई भी होगी। इस अग्निकांड की आंच अब दिल्ली पहुंच गई है। अगर सचमुच ऐसा हुआ तो कईयों की गर्दन फंसेगी। हालांकि अभी तो मामले की लीपापोती कर उसकी फाइल को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। इससे लोग आराम से चौन की बंशी बजा रहे हैं। रिपोर्ट में सच उजागिर न होने पाए इसके लिए स्थानीय स्तर पर लोगों की जेब भी गर्म की गई।

बता दें कि गत 14 जनवरी की सुबह टेलीफोन विभाग के खण्ड अभियंता के आवास में कथित रूप से आग लग गई। जिसमें सिग्नल विभाग की रखी कीमती केबल भी कथित रूप से जली होना बताया गया। सिग्नल विभाग के अधिकारियों का कहना था कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी थी। जबकि आग को बुझाने गए दमकल विभाग के अधिकारी का बयान था कि आग बिजली से नहीं लगी है। बल्कि बाहर से लगाई गई थी। इस अग्निकांड की आड़ में कॉपर की केबल का दो बंडल जो कि करीब एक किलोमीटर लंबा था। जिसकी कीमत करीब छह लाख रुपए बताई जाती है उसका भी जलना अफसरों द्वारा बताया गया। जबकि कर्मचारी जलने की बात झुठला रहे हैं। चर्चा है कि केबल को गायब कर दिया गया उसके बाद आग लगाई गई। हालांकि सिग्नल के खण्ड अभियंता एसपी पांडे द्वारा बताया गया कि शॉर्ट सर्किट से आग लगी। जिसमें काफी सामान जल गया।

इसकी ज्वाइंट रिपोर्ट भी बनाकर लखनऊ मंडल कार्यालय भेज दी गई। एक महीने से अधिक का वक्त बीत चुका है लेकिन अभी तक लखनऊ के अफसरों ने फाइल खोलने की जरूरत नहीं समझी। इस बारे में वरिष्ठ मंडलीय सिग्नल अभियंता अमित कुमार मीना से बात हुई तो उन्होंने कहा कि अब इस मामले की जांच होगी। जो भी दोषी होगा कार्रवाई की जाएगी।

रंजिशन घर में घुसकर मारपीट और फायरिंग

लोकमित्र ब्यूरो

कुंडा प्रतापगढ़। बाघराय में दो पक्षों में रंजिश के चलते एक पक्ष ने भोर में धावा बोलकर मारपीट की। घर में घुसकर तोड़फोड़ और दहशत फैलाने को हवाई फायरिंग की। पुलिस पहुंची तो मामला शांत हुआ। जबकि पुलिस फायरिंग से इनकार कर रही है। बाघराय थाना क्षेत्र के कमोलीबीरभानपुर गांव निवासी सूरज और दीपक के बीच रंजिश चल रही है। उसी मामले को लेकर मंगलवार को भोर में सूरज के घर विपक्षी आ गए। आरोप है कि घर के कमरों में घुसकर आरोपियों ने तोड़फोड़ की। मारपीट के साथ दहशत फैलाने को हवाई फायरिंग भी की। शोर सुनकर ग्रामीण दौड़े तो हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकले। पीड़ित ने मामले में कई लोगों को नामजद करते हुए कुछ अज्ञात के खिलाफ तहरीर दी है। एसओ प्रदीप कुमार ने कहा कि वर्चस्व को लेकर दो पक्षों में मारपीट हुई है, फायरिंग नहीं हुई है। पुलिस मौके पर तैनात है और गांव में शांति है। तहरीर के आधार पर जांच करके कार्रवाई की जा रही है।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

कुंडा प्रतापगढ़। संग्रामगढ़ थाना क्षेत्र के टिकरिया भिटारी गांव निवासी धर्मेंद्र कुमार सोनकर के खिलाफ मानिकपुर थाने में युवती को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म की नामजद रिपोर्ट दर्ज है। घटना के बाद से फरार आरोपी धर्मेंद्र सोनकर को दरोगा संतोष कुमार यादव ने बुधवार को चौरही मोड़ के पास से गिरफ्तार कर लिया तथा न्यायालय में प्रस्तुत किया।

दागी छवि वाले को रेलवे ने बना दिया सुपरवाइजर

● मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ रेलवे स्टेशन पर तैनात है कर्मी
● मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक के यहां हैं तैनात सुपरवाइजर

लोकमित्र ब्यूरो

प्रतापगढ़। रेलवे ने दागी छवि वाले व्यक्ति को सुपरवाइजर बना दिया है। मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक उसको अपने यहां सुपरवाइजर बनाकर ड्यूटी ले रहे हैं। बिना चरित्र प्रमाण पत्र लिए उसको यह जिम्मेदारी सीएचआई ने कैसे दे दी है। लखनऊ से प्रकाशित एक न्यूज पेपर में सुपरवाइजर की खबर छपी है। जो सोशल मीडिया पर वायरल है। जिसकी स्टेशन पर जोर शोर से चर्चा हो रही है।

खबर छपी है कि उक्त सुपरवाइजर अपराधी किस्म का है। उसके ऊपर अम्बेडकरनगर और सुल्तानपुर में मुकदमे दर्ज हैं।

उसका चरित्र जांचे बिना मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक ने उसे सुपरवाइजर बना दिया है। उस पर यह भी आरोप है कि वह महिला कर्मियों के साथ अच्छा बर्ताव नहीं करता है। इसकी जानकारी होते हुए भी सीएचआई शैलेंद्र कुमार उसके खिलाफएक्शन लेने के बजाय बचाव करते नजर आए।

उनसे जब इस बारे में पूछा गया तो पहले उन्होंने कहा कि सुपरवाइजर से चरित्र प्रमाण पत्र मांगा गया। उसके बाद कहते हैं कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है। अफसर जानें। सुपरवाइजर रेलवे के क्वार्टर में कब्जा किए है। जिसको देखने वाला कोई नहीं है। प्रतापगढ़ किसी न किसी मामले को लेकर सुर्खियों में बना रहता है। इसके पहले सिग्नल विभाग का केबल कांड हुआ।

उसके बाद जूनियर स्टेशन मास्टर को स्टेशन अधीक्षक बनाने का मामला जोर शोर से सुर्खियों में है। दोनों ही मामले में अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब सुपरवाइजर का मामला सामने है। मजे की बात यह है कि जो भी मामले सामने आए उसमें ऊपर बैठे अफसर लीपापोती कर देते हैं। जिससे नीचे वाले को कोई सबक नहीं मिलता है। परिणामस्वरूप वह फिर से कोई नया कांड करने की फिराक में रहता है।

कन्या भोज के बाद भंडारे में श्रद्धालुओं ने छका प्रसाद

बांदा। महाशिवरात्रि पर्व के मौके पर शहर के कंचन पुरवा स्थित काली देवी मंदिर में बुधवार को कन्या भोज और भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। आयोजक भाजपा नेता श्याममोहन धुरिया ने महाशिवरात्रि पर्व की सभी को बधाई दी। महाशिवरात्रि के पर्व पर आयोजित भंडारे में सबसे पहले कन्याओं को भोज कराया गया। इसके बाद भाजपा नेता ने सभी को उपहार दिए। भंडारे का शुभारंभ होने पर मोहल्लावासियों के अलावा शहर के विभिन्न इलाकों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने जगत माता का दर्शन किया और भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे में पहुंचने वाले शिवभक्तों को ठंडई का वितरण भी किया गया।

सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ बनी रही। इस दौरान इस दौरान रोहित द्विवेदी, बालेंद्र तिवारी, पंकज शुक्ला, बलवीर सिंह, सुरेश चंद पांडे, राजा सिंह, कुलदीप सिंह, योगेश धुरिया, रोहित धुरिया, विवेकराज मिश्र, राजकुमार पाठक, श्याम अग्निहोत्री, कुलदीप श्रीवास, विक्की, सच्चू आशू समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

सड़क हादसों में चार लोग घायल

लोकमित्र ब्यूरो

कुंडा प्रतापगढ़। गोंडा के डुमरियाडीह गांव निवासी जगदम्बा सिंह का 24 वर्षीय बेटा सुखराम सिंह चालक है। सोमवार को गाड़ी लेकर जाते समय अज्ञात वाहन से टकराने से घायल हो गया। अन्य हादसों में मानिकपुर थाना क्षेत्र के बरगदहा गांव निवासी 32 वर्षीय दीपू तिवारी, नवाबगंज थाना क्षेत्र के किशुनदासपुर गांव निवासी 23 वर्षीय पंकज पाल, महुवातर गांव निवासी 25 वर्षीय अमरजीत पटेल घायल हो गए। आसपास के लोगों ने एंबुलेंस से सभी को सीएचसी भेजा।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि **Md. Tapseer Ahmed S/O Hajrat Ali** और **Mohd. Tafseer S/O Hajrat Ali** दोनो नाम मेरे ही हैं। मुझको मेरे सही नाम **Mohd. Tafseer S/O Hajrat Ali** के नाम से जाना व पहचाना जाये।

Mohd. Tafseer
S/O Hajrat Ali
निवासी ग्राम व पोस्ट यहियापुर
थाना दिलीपपुर
जनपद प्रतापगढ़

पांच साल बाद भी नहीं पूरी हो सकी पेयजल की परियोजना

जल जीवन मिशन भ्रष्टाचार की भेट चढ़ा- डॉ आरके वर्मा

लोकमित्र ब्यूरो

प्रतापगढ़। जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत हर घर हर नल योजना के तहत गांवों में बनाई गई पेयजल पानी की टंकियों का निर्माण आधी अधूरी हुई है। पानी की सप्लाई के लिए बिछाई गई पाइपलाइन भी मानक के विपरीत है। 9 किलोग्राम प्रति सेंटीमीटर क्षमता वाली पाइप का प्रयोग होना चाहिए।

जिससे पानी के प्रेशर से किंतु ग्रामीण क्षेत्रों में हल्की पाइप का प्रयोग किया जा रहा है, जिससे पानी के प्रेशर से पाइप भी फट जाएगी। इतना ही नहीं पाइपलाइन बिछाते समय गांव की सड़क, खडंजा मार्ग भी ध्वस्त कर दिया गया है। जिससे आवागमन में असुविधा हो रही है।

यह बातें रानीगंज के विधायक डॉक्टर आरके वर्मा ने विधानसभा के बजट सत्र में बताई। उन्होंने कहा कि 2001 में भी ब्लॉक गौरा के भीट गांव में, व वर्ष 2017 में कनेवरा पूरे खुशहाली गांव में बनी की पानी की टंकी के द्वारा पानी की सप्लाई पूरी तरह से विफल है। कहीं मोटर चोरी हो गई है तो कहीं पाइप लाइन ध्वस्त हो गई है।

जिससे पानी की सप्लाई बंद हो गई है। इसके अलावा जिले के सदर ब्लॉक के विक्रमपुर, पूरेरायजू, मांधाता ब्लॉक के ढेरहना, परसरामपुर, पूरे सुखदेव, रामपुर मुस्तर्का, मिश्रपुर तरौल, सरायमुरार सिंह, ब्लॉक गौरा में मसौली, शाहपुर, सुरवांमिश्रपुर, नरायनपुरकला, पटहटिया, बेहदौल, गौरा नईकोट सहित दो दर्जन से अधिक गांव में या तो पानी की टैंक पूरा का काम पूरा नहीं हुआ या पाइपलाइन बिछाने का कार्य आधी अधूरी पड़ी है। जिससे परियोजना पूरी नहीं हो पा रही है। बड़े ठेकेदार पैसों की बंदर बांट कर, छोटे ठेकेदारों से काम करवा रहे हैं। जिससे काम की गुणवत्ता भी ठीक नहीं है और काम भी अधूरा पड़ा हुआ है।

छत से गिरकर वृद्ध जख्मी

लोकमित्र ब्यूरो

कुंडा प्रतापगढ़। नवाबगंज थाना क्षेत्र के लाल सिंह का पुरवा कालाकांकर गांव निवासी 90 वर्षीय राम जियावन घर की छत पर बैठे थे। उठे तो अचानक असंतुलित होकर नीचे गिर गए। इससे गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों ने उन्हें सीएचसी ले जाकर भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने रेफर कर दिया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक घायल, केस दर्ज

कुंडा प्रतापगढ़। कोतवाली क्षेत्र के सलेमपुर ददौरा गांव निवासी मीना देवी पत्नी मदन सरोज ने हथिगवां पुलिस को तहरीर दी। उसका 18 वर्षीय बेटा साहिल सरोज 21 फरवरी को फार्म जमा करने नंदन महाविद्यालय बिसहिया गया था। वहां से लौटते समय जैसे ही वह महरुपुर टोल प्लाजा के पास पहुंचा। तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने साहिल की बाइक में टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गया।

घर में घुसकर युवती से किया दुष्कर्म

कुंडा प्रतापगढ़। महेशगंज थाना क्षेत्र के एक गांव के व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर दी। आरोप है कि 23 फरवरी की आधी रात को गांव का ही एक युवक उसके घर में घुस गया। साथ ही घर में सो रही उसकी बेटी के साथ दुष्कर्म किया। बेटी के शोर मचाने पर जब लोग दौड़े तो आरोपी भाग निकला। पीड़ित ने मामले की नामजद तहरीर पुलिस को दी है। पुलिस मामले की जांच करके कार्रवाई की बात कह रही है।

घर में घुसकर किशोरी से दुष्कर्म, पर मुकदमा दर्ज

कुंडा प्रतापगढ़। महेशगंज क्षेत्र के पुरमई सुल्तानपुर गांव मे 23 फरवरी की रात गाँव का प्रदीप पाल पुत्र लल्लू पाल पड़ोसी के घर में घुसकर उसकी बेटी के साथ जबरन दुष्कर्म करने लगा। बेटी द्वारा शोर मचाने पर युवक भाग निकला। पीड़िता के पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपित युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है । मामले मे थानाध्यक्ष मुकेश कुमार सिंह का कहना है कि मुकदमा दर्ज करके जाँच की जा रही है।

मारपीट में युवती समेत दो घायल

कुंडा प्रतापगढ़। कोतवाली क्षेत्र के दिलेरगंज गांव निवासी छोटेलाल के 38 वर्षीय बेटे ओम प्रकाश को गांव के ही कुछ लोगों ने रंजिश में मारपीट करके घायल कर दिया। कोतवाली क्षेत्र के अघिया गांव निवासी हसीब की 22 वर्षीय बेटी फिदरा फातिमा को गांव के ही कुछ लोगों ने मारपीट करके घायल कर दिया। परिजनों ने घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया और आरोपियों के खिलाफ नामजद तहरीर दी है।

9452526750, 9839665450,8565970115
दैनिक लोकमित्र
121, विवेक नगर प्रतापगढ़
सम्मन प्रकाशन दर 1000 रू0 एक नाम तक अतिरिक्त प्रति व्यक्ति 10.00 रूपया पैनल विज्ञापन 5 से.मी. प्रति कालम 500/–प्रतिमाह
प्रथम पृष्ठ पर 100% अतिरिक्त
E-mail-lokmitra2005@gmail.com
प्रकाशक,मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी संतोष भगवन द्वारा रामा मुद्रणालय, विवेक नगर, प्रतापगढ़ से मुद्रित एवं लोकमित्र कार्यालय पल्टन बाजार प्रतापगढ़ से प्रकाशित
8738029050 सम्पादकः संतोष भगवन

महाशिवरात्रि के अवसर पर शिवभक्तों ने किया जलाभिषेक

लोकमित्र ब्यूरो

चित्रकूट – महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर जिले भर के शिवालय और मठ-मंदिरों में हर-हर महादेव के जयकारे गूंजते रहे। तीर्थक्षेत्र में भी मत्तगजेंद्रनाथ मंदिर में आस्थावानों का तांता लगा रहा। इस दौरान भगवान शिव को जलाभिषेक करने वालों की भीड़ उमड़ी।महाशिवरात्रि पर्व पर जिलाधिकारी ने सपरिवार मतगजेंद्रनाथ महराज की पूजा-अर्चना की। साथ ही महाशिवरात्रि पर्व को सकुशल संपन्न कराए जाने के दृष्टिगत डीएम ने संपूर्ण मेला क्षेत्र का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने मेला क्षेत्र में लगे जोनल और सेक्टर मजिस्ट्रेट को निर्देश दिए कि मेले में आने-वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की कोई असुविधा नहीं होनी चाहिए। अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को निर्देशित किया गया कि रामघाट और परिक्रमा मार्ग की निरंतर साफ-सफाई कराई जाए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। इस मौके पर अपर जिला अधिकारी वित्त एवं राजस्व उमेश चंद्र निगम, उपजिलाधिकारी कर्वी पूजा साहू, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका कर्वी लालजी यादव सहित सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।फाल्गुन मास की कृष्ण पक्ष त्रयोदशी के दिन महाशिवरात्रि के पर्व पर लोगों द्वारा व्रत रखकर बड़े हर्षोल्लास के साथ अर्धनारीश्वर भगवान शिव की पूजा अर्चना वैदिक काल से होती चली आ रही है। इसी परम्परा का निर्वाह आज भी लोग श्रद्धा भाव से करते चले आ रहे हैं। महाशिवरात्रि पर कर्वी के शिवभक्तों ने परम्परागत तरीके से भव्य शिव बारात निकाली। शहर के धतुरहा चौराहे से भगवान भोलेनाथ की बारात झांकी के साथ निकाली गई। शोभा यात्रा का नगर में कई स्थानों पर शिवभक्तों ने स्वागत किया। इस मौके पर रमेश धतुरहा, जितेन्द्र धतुरहा, ओम केशरवानी, शनि धतुरहा आदि ने व्यवस्थाओं का संचालन किया। गांधी गंज में व्यापारी नेता विष्णु गुप्ता ने शिव बारात में शामिल शिवभक्तों का स्वागत ठंडई पिलाकर किया। इस मौके पर मनोज वर्मा, शैलेन्द्र गुप्ता, रोहित गुप्ता, राहुल गुप्ता आदि मौजूद रहे।

ग्रामोदय के कुलगुरु ने महाशिवरात्रि पर किया रुद्राभिषेक

चित्रकूट- महाशिवरात्रि पर्व के अवसर ग्रामोदय पहाड़ी में स्थित शिव मंदिर में शिव परिवार की स्थापना की गई। कुलगुरु प्रो भरत मिश्रा नें सपत्निक वैदिक मन्त्रोंचरण के बीच ग्रामोदय विश्वविद्यालय परिवार की ओर से रुद्राभिषेक किया।इस अवसर ग्रामोदय विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं नें भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर हवन-आरती की। इसके बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण भी किया गया। इस मौके पर डॉ वीरेंद्र उपाध्याय, डॉ अनिल अग्रवाल, इं. सीपी बस्तानी, विद्यानंद चतुर्वेदी, डॉ कमलेश थापक संयोजक सहित ग्रामोदय के शिक्षक, विद्यार्थी आदि

धर्मनगरी में शाही यात्रा निकालकर संतों ने किया स्नान

चित्रकूट ब्यूरो- महाशिवरात्रि के अवसर पर एवं महाकुंभ के पुण्यतम सुयोग पर धर्मनगरी के संत-महात्माओं ने गाजे-बाजे के साथ रथ-बग्घी में सिंहासनारूढ़ होकर शाही यात्रा निकालते हुए रामघाट में मंदाकिनी-गंगा में अमृत शाही स्नान कर मत्तगजेन्द्रनाथ की पूजन-अर्चन की।महात्मा गाँधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय परिसर से निकाली गई शाही यात्रा का कुलगुरु प्रो भरत मिश्रा, डीआरआई के संगठन सचिव अभय महाजन सहित अनेकों गणमान्य नागरिकों ने स्वागत कर संत-महंतो का पुष्पों से स्वागत कर आशीर्वाद लिया। शाही यात्रा के रामघाट पहुंचने पर संत-महंतों ने मंदाकिनी में स्नान कर पूजा-अर्चना की।

विरक्त संत मण्डल के आयोजन एवं मां मंदाकिनी सेवा ट्रस्ट के संयोजन में आयोजित इस धार्मिक आयोजन में विभिन्न अखाड़े, मठ-मंदिरों के लगभग 600 संत, महंत, नागा साधू, महात्मा शाही यात्रा व स्नान में सम्मिलित हुए। जिनमें महंत सनकादिक ब्रम्हचारी महराज, सीताशरण दास महराज, रामहृदय दास महराज, गोविंददास महराज, बलराम दास महराज, रामप्यारे दास महराज, प्रेमनारायण दास, पागल बाबा, दिनेश दास, रामबली दास, माधवदास महराज, रामप्रिय दास, रामकुमार दास, राघव दास, बालकदास महराज, रामदास, नागा नरसिंह दास, मोहनदास, मनोज दास, अजयदास आदि मौजूद रहे। मीडिया प्रमुख अर्चन ने बताया कि शाही स्नान के बाद नगर परिषद पार्क में संतों द्वारा विशाल सभा का आयोजन किया गया। जिसमें संतों द्वारा मंदाकिनी में शाही स्नान परंपरा के विकास तथा चित्रकूटधाम के आध्यात्मिक, धार्मिक विकास पर विचार-विमर्श किया गया।

नफरत की राजनीति कर रही है भाजपा- भइयालाल

लोकमित्र ब्यूरो

मऊ, चित्रकूट- समाजवादी पार्टी द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत पीडीए जन चौपाल का आयोजन मानिकपुर विधानसभा की मऊ नगर पंचायत के बौसडा मजरा में तथा गाम नौबस्ता में किया गया।चौपाल में पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष व प्रदेश सचिव भइयालाल यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व ने सदैव बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर का सम्मान किया है। बाबा साहब किसी एक जाति के नेता नही थे, उन्होंने सभी जातियों का ख्याल था।

भाजपा सरकार में बैठे लोग बाबा साहब के सविधान को पंसद नहीं करते है, बाबा साहब का संविधान न होता तो पिछड़ी जातियों, दलित समाज, आदिवासी, अल्पसख्यक समाज और गरीब के बेटे कभी भी किसी बड़े पदों पर नहीं पहुंचते, इसलिए सविधान की रक्षा करने के लिए बाबा साहब के सम्मान को बचाने के लिए पीडीए के लोगों को एक जुट होना होगा और अपने हक और अधिकार को बचाना होगा। नफरत की सीढ़ी से सत्ता के शिखर में पहुंचने वाली भाजपा सरकार पिछडों,

दलितों अल्पसंख्यको की हितैषी नहीं है।इस मौके पर उदयभान सिह पटेल, सचिन रस्तोगी, सच्चिदानन्द, रामे मिलन वाजपेयी, पंकज यादव, राजेश यादव, बालगोविन्द निषाद, दिनेश पटेल, अखिलेश पटेल, दिनेश निषाद आदि मौजूद रहे।

सदर विधायक ने सदन में उठाएं मुद्दे

चित्रकूट ब्यूरो-उत्तर प्रदेश की विधानसभा के प्रथम सत्र के प्रथम मंगलवार को चित्रकूट विधायक अनिल प्रधान ने विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्माण के लिए दी जाने वाली धनराशि को बढ़ाने, मनरेगा में कार्यदिवसों की संख्या 90 से बढ़ाकर 120 दिन करने का मुद्दा उठाया।सदर विधायक ने कहा कि डबल इंजन की सरकार को प्रधानमंत्री आवास योजना की लागत अथवा आर्थिक मदद वर्तमान समय में महंगाई को देखते हुए लोहिया आवास की भांति कम से कम पांच लाख प्रति आवास करना चाहिए। जिससे कम से कम गरीब का घर दो कमरों का बन सके। उन्होंने कहा कि मनरेगा में 90 दिन कार्यदिवस मजदूरी की जगह सरकार 120 दिन मजदूरी देनी चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री से जनपद चित्रकूट के विकास खण्ड पहाड़ी में फायर स्टेशन की स्थापना, ग्राम पंचायत चिल्लीमल में राजकीय इंटर कॉलिज की स्थापना के लिए प्रश्न किए।

मंडलायुक्त ने किया सिद्धपुर गांव के सचिवालय का लोकार्पण

लोकमित्र ब्यूरो

चित्रकूट –सदर तहसील क्षेत्र की सिद्धपुर ग्राम पंचायत में चित्रकूट धाम मंडल बांदा आयुक्त अजीत कुमार की अध्यक्षता में 'गांव की समस्या गांव में समाधान' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मंडलायुक्त ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुनते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश दिए। इस दौरान मंडलायुक्त व जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय ग्राम स्वरोजगार अभियान योजना के अंतर्गत 22 लाख रुपये की लागत से बने ग्राम सचिवालय/पंचायत भवन का लोकार्पण किया।मंडलाआयुक्त ने जिला समाज कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया कि सभी पात्र लाभार्थियों को वृद्धा एवं विधवा पेंशन मिलनी चाहिए, इसमें कोई भी छूटने न पाए। उन्होंने दिव्यांग विभाग द्वारा संचालित यूडीआईडी कार्ड के बारे में जानकारी ली। जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देशित किया कि खाद्यान्न का समय से वितरण करना सुनिश्चित करें तथा खाद्यान्न में किसी प्रकार की मिलावट नहीं होनी चाहिए। परियोजना निदेशक को निर्देशित किया कि प्रधानमंत्री आवास योजना का सही से सर्वे कराए तथा इसमें अपात्रों को लाभ न मिलने पाए। जिला कार्यक्रम अधिकारी को पोषाहार का समय से वितरण कराते हुए फील्ड में भी विजिट करने के निर्देश दिए। मनरेगा अंतर्गत कार्य करने वाले मजदूरों के जॉब कार्ड की जानकारी लेते हुए मंडलायुक्त ने समय से भुगतान करने के निर्देश दिए। उन्होंने जन चौपाल में प्राप्त प्रार्थना पत्रों के सम्बन्ध में अधिकारियों को शासन की मंशानुरूप त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। कहा कि सभी अध्यापक व डॉक्टर समय से स्कूल व अस्पताल पहुंचे। उन्होंने बिजली पानी पर विशेष ध्यान देने को निर्देशित किया। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने कहा कि जन चौपाल में जो समस्याएं प्राप्त हुई है, उसका सम्बन्धित अधिकारी गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करना सुनिश्चित करें।इस मौके पर संयुक्त विकास आयुक्त चित्रकूट धाम मंडल बांदा अरविंद कुमार, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व उमेश चंद्र निगम, उप जिलाधिकारी कर्वी पूजा साहू, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ भूपेश द्विवेदी, डीसी एनआरएलएम ओपी मिश्रा, डीसी मनरेगा धर्मजीत सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी इंद्र नारायण सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह भदौरिया, ग्राम प्रधान रामकिंकर सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारी व ग्रामीण मौजूद रहे।

नानाजी की पुण्यतिथि पर दूसरे दिन सम्पन्न हुए विविध कार्यक्रम

लोकमित्र ब्यूरो

मऊ, चित्रकूट-भारतरत्न राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख की 15वीं पुण्यतिथि पर आयोजित किए गए तीन दिवसीय कार्यक्रमों की श्रंखला में बुधवार को दीनदयाल परिसर में राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी का आयोजन किया गया।गोष्ठी में आधुनिक विज्ञान एवं स्थानीय स्वदेशी ज्ञान का एकीकरण, जनजातीय समुदायों के सतत विकास का मार्ग, बुन्देलखण्ड एवं बघेलखण्ड क्षेत्र में रसायन मुक्त प्राकृतिक खेती की संभावनाएं, ग्रामों के स्वावलंबन में किसान उत्पादक संगठन की भूमिका, महिला सशक्तिकरण एवं स्वावलम्बन के लिए ग्रामीण स्तर पर स्वरोजगार के अवसर, औषधीय पौधों एवं सुरक्षित पेयजल की उत्तम स्वास्थ्य में भूमिका विषय पर देशभर के विविध क्षेत्रों से आए विद्वजनों ने विचार व्यक्त किए।जिसमें केंद्रीय विश्वविद्यालय इंफाल के कुलपति डॉ अनुपम मिश्रा ने कहा कि मानव जीवन में भोजन एक महत्वपूर्ण अंग है। कहा कि कब क्या खाना है, कौन सी दवा देना है, गर्भवती को गर्भावस्था में कौन सा भोजन करना है आदि का जनजाति समुदायों को अच्छा ज्ञान होता है, जिसको विज्ञान से जोड़ने की आवश्यकता है। केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय इंफाल के लोकेश कुमार मिश्रा ने कहा कि सारे सतत विकास लक्ष्यों की पूर्ति के साथ खाद्य प्रणाली की विविधता को बनाए रखा जाए। प्रमुख अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम हैदराबाद गिरीश कुबेर ने कहा कि परंपराएं आज भी जिंदा है, नई फसल की बुवाई एवं पैदा होने पर खेत की पूजा हो, वही आनंद का उत्सव है। विकास करने वालों को पता होना चाहिए कि जनजाति की अस्मिता को ध्यान देना है। यह सामूहिक जीवन जीने वाले लोग हैं। निदेशक कृषि तकनीकी अनुप्रयोग एवं अनुसन्धान संस्थान कानुपर डॉ शांतनु कुमार दुबे ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए टीएसपी उपयोजना शुरु की गई है। जिसके अंतर्गत उच्च गुणवत्तायुक्त बीज, उद्योग, पशुपालन, मछली पालन एवं गृह उद्योग को स्थापित किया गया है, जिसका लाभ लेकर किसान विकास के मार्ग पर अग्रसर हैं। मध्य प्रदेश के जनजातीय प्रकोष्ठ अध्यक्ष दीपक खांडेकर ने अनुसूचित जनजाति के हितार्थ योजनाओं एवं उसके उपयोग के बारे में विस्तार से बताया। कहा कि सरकार द्वारा जनजातियों के विकास के लिए बहुत सारी योजनाएं चलाई जा रही है, जिसका लाभ सभी को लेना चाहिए।

संगोष्ठी में 350 महिलाओं ने किया प्रतिभाग

लोकमित्र ब्यूरो

चित्रकूट –दीनदयाल परिसर में कौशल विकास एवें उद्यमशीलता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित तथा दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा संचालित जन शिक्षण संस्थान चित्रकूट द्वारा एक दिवसीय संगोष्ठी महिला सशक्तिकरण एवं स्वालंबन हेतु ग्रामीण स्तर पर रोजगार का आयोजन किया गया। जिसमें जन शिक्षण संस्थान द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं स्वावलम्बी बनाने के लिए किए जा रहे कार्यों एवं उसके सकारात्मक परिणामों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।कार्यक्रम में मध्य प्रदेश शासन की पूर्व मंत्री ऊषा ठाकुर ने कहा कि प्रत्येक महिला को स्वावलंबी होना नितांत आवश्यक है। आप सभी मातृशक्तियाँ अपनी स्वयं की सामर्थ को पहचानिए। ईश्वर ने सबसे ज्यादा विश्वास मातृशक्ति पर किया है। हमारी जिम्मेदारी 2047 के स्वर्णिम भारत के निर्माण में अग्रणी है। हम भारतीय संस्कृति के पुजारी हैं सनातन संस्कारों एवं विचारों का समावेश स्वयं एवं परिवारों में करें। मातृशक्ति परमात्मा की प्रतिनिधि है। संतुलित आहार का प्रशिक्षण न होने से आज स्वास्थ्य खराब हो रहे हैं। प्रो इंदिरा सरंगथेम ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं की सामाजिक आर्थिक अवसरों में बढोत्तरी एवं आजीविका, अधिकारों और लचीलेपन को सुरक्षित करने की दिशा में प्रगति को गति देना ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य है। प्राध्यापक एवं अध्यक्ष परिधान डिजाइनिंग विभाग डॉ अनुपमा मिश्रा ने कहा कि हम जो कार्य करते हैं वह हमारा कौशल है।

समाज मे महिलाओं को सशक्त बनाने हेतु उनको अतिरिक्त आय कैसे अर्जित हो जिससे वे सशक्त बनें इसके लिए हमे प्रयास करने होंगे। आप स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कच्चे माल की प्रोसेसिंग करके उससे अतिरिक्त आय अर्जित कर सकते हैं। डॉ तनुषा अप्पा ने कहा कि महिला सशक्तीकरण के लिए सबसे कारगर उपाय है उन्हें आर्थिक मजबूती देना। जब वे आर्थिक रूप से स्वतंत्र होंगी तो वे अपने विचारों को मजबूरी से रख पाएंगी। नागपुर से अनुजा ताई परचुरे ने कहा कि आप सभी के अंदर अपार ऊर्जा विद्यमान है आवश्यकता सिर्फ उसे सकारात्मक दिशा में लगाकर आगे बढ़ने की, सफलता आपके कदम चूमेगी। इस संगोष्ठी में जिले की लगभग 350 महिलाओं ने प्रतिभाग किया।इस मौके पर प्राध्यापक केंद्रीय विश्वविद्यालय इंफाल डॉ नर्मदा हीदांगमयूम, प्रो इंदिरा सरंगथेम, आईआईटी रुड़की डॉ आशीष पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

दीनदयाल शोध संस्थान के कोषाध्यक्ष वसंत पंडित ने कहा कि वन धन योजना एवं स्वदेशी ज्ञान का एकीकरण बहुत ही आवश्यक है और इसकी समझ भी होनी चाहिए।इस मौके पर प्रमुख सचिव मध्यप्रदेश शासन उमाकांत उमराव सहित आदि लोग मौजूद रहे।

ग्राम समाज की जमीन से दबंगों का कब्जा हटवाने की गुहार

लोकमित्र ब्यूरो

चित्रकूट- सदर तहसील स्थित ग्राम पंचायत अकबरपुर में ग्राम समाज की भूमि पर हो रहे अवैध निर्माण को लेकर उपजिलाधिकारी के आदेशों की अनदेखी की जा रही है। दो दिन पहले ही उपजिलाधिकारी ने राजस्व निरीक्षक और थाना प्रभारी को इस अवैध निर्माण को तत्काल रोकने के लिए निर्देशित किया था, लेकिन इसके बावजूद कार्रवाई नहीं की गई है। यह मामला अब गंभीर रूप लेता जा रहा है, क्योंकि लगातार अवैध निर्माण का कार्य जारी है, और ग्राम पंचायत सदस्य अश्विनी कुमार ने एसडीएम से शीघ्र कार्रवाई की मांग की है।

ग्राम पंचायत अकबरपुर के भरतकूप कस्बे मे स्थित गाटा संख्या 820, जो श्रेणी 6 आबादी की ग्राम समाज की भूमि है, पर दबंगों द्वारा अवैध कब्जा किया जा रहा है। यह भूमि राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे स्थित होने के कारण अत्यधिक मूल्यवान मानी जाती है। इस भूमि का उपयोग ग्रामवासियों के कल्याण के लिए सुरक्षित रखा जाना चाहिए, लेकिन असामाजिक तत्वों द्वारा इस दबाव में लाकर कब्जा करने की साजिश की जा रही है। ग्राम पंचायत सदस्य अश्विनी कुमार ने एसडीएम को इस संदर्भ में आवेदन देकर अवैध कब्जे को तत्काल समाप्त करने की अपील की है। उनका कहना है कि यह भूमि ग्रामवासियों के लिए महत्वपूर्ण है और इसे असामाजिक तत्वों और दबंगों के कब्जे से मुक्त कराना बहुत जरूरी है। इस मामले में ग्राम प्रधान के पति की संलिप्तता भी सामने आई है। आरोप है कि ग्राम प्रधान के पति द्वारा इस अवैध कब्जे को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे मामला और भी गंभीर हो गया है। ग्राम पंचायत सदस्य ने राजस्व निरीक्षक और हल्का लेखपाल से पेमाइश करवा कर दबंगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। अश्विनी कुमार ने कहा कि यह मामला केवल ग्राम समाज की संपत्ति से जुड़ा नहीं है, बल्कि यह गांववासियों के अधिकारों का उल्लंघन भी है। यदि इस मामले पर ध्यान नहीं दिया गया, तो इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। उन्होंने प्रशासन से दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की अपील की है ताकि ग्राम समाज की भूमि को दबंगों के कब्जे से मुक्त किया जा सके और यह भूमि ग्रामवासियों के कल्याण के लिए सुरक्षित रहे। अब देखना यह है कि प्रशासन इस मामले में कब कार्रवाई करेगा और ग्राम समाज की भूमि को दबंगों के कब्जे से मुक्त कराएगा।

तीन लोगो ने जहर खाया

बांदा। शहर के मर्दन नाका निवासी 28 वर्षीय मजीना पत्नी मरगूब ने घरेलू किसी बात से नाराज होकर जहरीला पदार्थ खा लिया। इसी तहर हमीरपुर जिला के इचौली गांव निवासी 17 वर्षीय स्वतंत्र पुत्र छोटे ने पिता की डांट से नाराज होकर जहरीला पदार्थ खा लिया। शहर के पाहरा गांव निवासी 50 वर्षीय रामबहोरी पुत्र भोला ने मंगलवार की शाम घरेलू कलह से तंग आकर जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर घरवालो को पता चला।

महाशिवरात्रि पर शिव भक्ति में डूबा रहा समूचा जनपद

लोकमित्र ब्यूरो

मौरजापुर। महाशिवरात्रि पर्व पर पूरे जनपद में शिवालयों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गयी और विभिन्न तरह के आयोजन किए गए। कहीं कीर्तन, कहीं रामचरित मानस पाठ, कहीं भव्य मेला, कहीं शिव बारात और कई स्थानों पर तो भव्य भजन संध्या के आयोजन हुए।

शिव भक्ति के रंग में लोग इतने डूबे रहे कि मंदिरों के अतिरिक्त तमाम स्थानों पर ठंडई और भंग के आयोजन हुए और बड़ी संख्या में शिव भक्तों ने ये पेय शिवजी का प्रिय आहार मानकर प्रसाद के रूप में ग्रहण किये और परिवारों में भी प्रसाद का वितरण हुआ।

प्रातःकाल स्नान और पूजन से प्रारम्भ हुआ ये पर्व सायंकाल शिव बारातों के आयोजन से समाप्त हुआ जिसमें पूरे प्रशासन के पसीने छूट गए किन्तु अंत भला तो सब भला और मस्ती का त्योहार शिव बारातों के समापन और प्रसाद वितरण से समाप्त हुआ। स्थानीय निकायों ने शिव मन्दिरों पर साफ़ सफाई की व्यवस्था चुस्त दुरुस्त कर रखी थी तो प्रशासन इतना चौकन्ना रहा कि कहीं से कोई समस्या नहीं आयी। शिव बारातों में महिलाओं की अच्छी भागीदारी, अनुपम झाकियों की लंबी श्रृंखला, स्थान स्थान पर स्वागत और स्वागत द्वारों ने नगरवासियों का मन मोहा।

घोष प्रदर्शन के साथ संघ ने मनाया घोष दिवस

लोकमित्र ब्यूरो

मौरजापुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्वावधान में अखिल भारतीय घोष दिवस/ महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर स्वयंसेवकों ने बाबा भोलेनाथ के समक्ष घोष वादन किया।

नगर के पंसारी टोला स्थित श्री आनन्देश्वर महादेव जी के मन्दिर पर स्वयंसेवकों एवं संघ कार्यकर्ताओं ने मिलन कुमार के निर्देशन में घोष वादन कर अखिल भारतीय घोष दिवस मनाया।

उक्त अवसर पर पूर्ण गणवेश में घोषवादन के समय वादकों ने आनक (साइड ड्रम), त्रिभुज (ट्रायंगल) वंशी (बांसुरी) शंख (बिगुल) और प्रणव (बॉस ड्रम) के साथ किरण, उदय, श्रीराम, सोनभद्र, मेवाड़, श्रीनिवास, जन्मभूमि, राजश्री, भूप, शिवरंजनी, तिलंग और मीरा सहित 15 से ज्यादा रचनाओं का वादन किया। कार्यक्रम का समापन अभिषेक, बजरंगी, रामेश्वर गुड्डू द्वारा प्रसाद वितरण से हुआ।

इस अवसर पर विन्ध्याचल शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य रामे मिलन, संघ के नगर प्रचारके राजेन्द्र, विभाग घोष प्रमुख नीलेश, सह जिला कार्यवाह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ नीरज, जिलो घोष प्रमुख सौमित्र बाजपेयी, निलेश, शिवमे , माधवेश, अंबर, अखिलेशे सोनी, शुभम, शुभमे गुप्ता, विशाल, पवने , राज, ओमी , उमंग सहित बड़ी संख्या में घोष प्रशंसक उपस्थित रहे।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी संतोष भगवन द्वारा रामा मुद्राणालय विवेक नगर, प्रतापगढ़ से मुद्रित व लोकमित्र कार्यालय आजाद नगर(निकट बड़ा शिवाला), मंझनपुर कौशाम्बी से प्रकाशित
सम्पादकः कृष्णानन्द त्रिपाठी

केडी मालवीय विद्या मंदिर में आयोजित हुआ वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव 2025

लोकमित्र ब्यूरो

रायबरेली। शहर की ख्याति प्राप्त शिक्षण संस्था के0डी0मालवीय विद्या मंदिर में वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव 2025 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, राणा बेनी माधव जिला चिकित्सालय के वरिष्ठ फिजिशियन और हार्ट स्पेशलिस्ट डा0 सलीम रहे। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र छात्राओं द्वारा कक्षावार सांस्कृतिक, रोचक, मनोरंजक, ज्ञानवर्धक और देशभक्ति तथा तकनीकी से ओत प्रोत प्रस्तुतियां दी। स्व0 बाबू अमरेश चंद्र श्रीवास्तव जी के तैल चित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। सर्वप्रथम गणेश वंदना तथा नर्सरी के बच्चों आज की पार्टी थीम पर, एल0के0जी0 वेलकम सॉन्ग, यूकेजी के बच्चों ने - ''पापा कहते हैं...'', कक्षा एक के बच्चों ने मां मैशअप थीम पर प्रस्तुति देकर मन मोह लिया। सोशल मीडिया के

दुष्प्रभाव, दादा-दादी, मां पापा भाई बहन के रिश्तों पर विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत कर खूब तालियां बटोरी। शैक्षिक सत्र 2023-24 के मेधावियों को और 100 प्रतिशत उपस्थिति के लिए छात्रछात्राओं को पुरस्कृत किया गया। प्रत्येक कार्यक्रम में प्रतिभागी को प्रतिभाग के लिए पुरस्कृत किया गया। शहर के नामचीन अधिवक्ता आशु श्रीवास्तव और बिरला ओपन माइंड्स स्कूल के डायरेक्टर वैभव श्रीवास्तव को विद्यालय मंच पर सम्मानित किया गया। प्रत्येक शिक्षक, कर्मचारी, को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि द्वारा अपने उद्बोधन में कड़ी मेहनत पर बल देते हुए बच्चो से अपील किया कि राष्ट्र हित में कार्य करे और आगे बढ़े।उपस्थित अतिथियों ने विद्यालय के प्रयासों की भूरी भूरी प्रशंसा की, साथ साथ उन्होंने कहा कि विद्यालय बहुत ही अपग्रेडेड है जब जब मैं आता हूं कुछ न कुछ नया मिलता है, जो कि प्रशंसनीय है। विद्यालय प्राचार्य श्री मनोज बाजपेई ने स्वागत भाषण दिया और विद्यालय की प्रगति रिपोर्ट सबके सामने पेश की। मुख्य अतिथि द्वारा छात्रछात्राओं को पुरस्कार वितरण किया गया। मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह और अंग वस्त्र प्रबंधक अनिमेष श्रीवास्तव एडवोकेट द्वारा देकर सम्मानित किया गया। भव्य कार्यक्रम में संचालन शिक्षिका सुश्री दीक्षा सिंह और कक्षा 8 के छात्र नैतिक तिवारी एवं छात्रा कु0 अक्शा मंसूरी कक्षा 8 द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। समारोह में मुख्य रूप से अनवर पठान, आशु श्रीवास्तव, मनोज सोनकर, मो0फारुक, वैभव श्रीवास्तव समेत तमाम समाजसेवी और विद्यालय के सम्मानित अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल आयोजन श्रीमती रजतिमा श्रीवास्तव, ज्योति अवस्थी, शालिनी श्रीवास्तव, निधि शर्मा, फूल जहां, शक्ति श्रीवास्तव,स्नेहा सोनी, शबनूर, अपूर्वा यादव, प्रतीक्षा सिंह, नैंसी कसौधन, महजबी खान, सदफ, सपना रस्तोगी, वंदना पाल,नीतू श्रीवास्तव, सपना त्रिवेदी, नेहा खान ,साक्षी, वेद प्रकाश, साहिल श्रीवास्तव, नंदलाल, संजय अवस्थी, भगवानदीन, रविंदर, अरविंद कुमार आदि के सहयोग से संपन्न हुआ।

महाशिवरात्रि के अवसर पर जिले भर के शिव मंदिरों में हुआ जलाभिषेक!

शहर के चंदापुर कोठी शिवमंदिर सहित जिले भर में लगा रहा भक्तों का तांता

लोकमित्र ब्यूरो

रायबरेली। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर जिले भर के शिव मंदिरों में जहाँ जलाभिषेक हुआ वहीं कई स्थानों पर भंडारे का आयोजन भी सम्पन्न हुआ।इसी क्रम में बताते चलें कि शहर के सुप्रसिद्ध जगमोहनेश्वर शिवमंदिर चंदापुर कोठी में सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा,यहाँ दूर-दूर से आये महिला,पुरुष,बच्चे तथा बुजुर्गों तक ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करते हुए अपनी मन्नतें मांगी। शहर के डिग्री कॉलेज चौराहा स्थित शिवमोहनेश्वर पहलवान बीर बाबा शिवमंदिर में भी सुबह तड़के से शिव भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली,इसी प्रकार शहर के फायर स्टेशन के अंदर स्थित शिवमंदिर,खोयामंडी के निकट स्थित शिवमंदिर के साथ ही शहर के अन्य शिवमंदिरों में आये भक्तों ने जलाभिषेक करते हुए भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना की। लालगंज क्षेत्र के अतिप्राचीन मशहूर बाल्हेश्वर मंदिर में भगवान भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए सुबह से ही भक्तों का हुजूम उमड़ा रहा,यहाँ भी दूर-दराज से आये भक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक करते हुए अपनी मन्नतें मांगी वहीं हरचंदपुर स्थित प्रचीन अचलेश्वर मंदिर में सुबह से ही शिवभक्तों का भारी भीड़ रही,यहाँ भी दूर-दराज से आये भक्तों ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। महराजगंज क्षेत्र स्थित चंदापुर भवन प्रांगण स्थित मशहूर शिवमंदिर में आसपास के क्षेत्र से आये श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करते हुए पूजा-अर्चना किया।

भँवरेश्वर धाम में हजारों शिव भक्तों ने किया जलाभिषेक!

बताते चलें बछरावां थाना क्षेत्र के सुदौली स्थित भँवरेश्वर शिव मंदिर में सुबह से ही भक्तों का जमावड़ा शुरू हो गया था,जो कि देर शाम तक चलता रहा।बता दें कि भँवरेश्वर मंदिर का अपना एक अलग ही महत्व है।बता दें कि मंदिर में भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना के साथ ही मंदिर परिसर में लगने वाले विशाल मेले में दूर-दूर से पधारे लोगों ने हर्षोल्लास के साथ खरीदारी भी की है।

महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर भक्तों ने शिवालियों पर भोलेनाथ का किया जलाभिषेक और रुद्राभिषेक

सलोन रायबरेली। सलोन नगर समेत ग्रामीण क्षेत्रो में महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर भक्तों ने शिवालियों पर भगवान भोलेनाथ का दुग्धाभिषेक जलाभिषेक और रुद्राभिषेक किया।जगह-जगह शिवालय बम-बम भोले के जयकारों से गुंजायमान रहे।धार्मिक मान्यता के अनुसार फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को भगवान शिव और मां पार्वती का विवाह हुआ था।इसलिए प्रतिवर्ष महाशिवरात्रि के रूप में पर्व को धूमधाम से मनाने की परमपरा है।बुधवार को क्षेत्र के मटका गांव में स्थित अतिप्राचीन झारखंडेश्वर शिव मंदिर पर जलाभिषेक के भक्तों की लंबी कतार देर रात से लगनी शुरू हो गई थी।इस दौरान शिव भक्तों ने पूरे दिन दूध, दही, शहद और गन्ने के रस इत्यादि से भगवान भोलेनाथ का अभिषेक किया। इसी के साथ भोले का प्रिय भांग, धतूरा बेलपत्र उन्हें अर्पण कर भक्तों ने मनोकामना भी मांगी। सलोन नगर से लेकर ग्रामीण आंचलों तक के शिवालय हर हर महादेव के जयघोष से गुंजायमान रहे। घरों में भी भक्तों ने विधि विधान से रुद्राभिषेक किया। भूत भावन भगवान भोलेनाथ की आराधना में लीन भक्तों के गगन भेदी जयघोष से वातावरण शिवमय रहा।

महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर बाबा बाल्हेश्वर मंदिर में उमड़ा भक्तों का सैलाब

लोकमित्र ब्यूरो

लालगंज रायबरेली। महाशिवरात्रि के अवसर पर बाबा बाल्हेश्वर मंदिर में भगवान शंकर के जलाभिषेक के लिए भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। लाखों की संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे और बाबा बाल्हेश्वर की पूजा-अर्चना की।मंदिर परिसर में लगे मेले में लोगों ने जमकर लुत्फ उठाया। विभिन्न प्रकार की दुकानें और स्टॉल लगाए गए थे, जिनमें पूजा सामग्री, प्रसाद, और अन्य धार्मिक वस्तुओं की खरीदारी की जा रही थी।भक्तों ने मंदिर में जलाभिषेक किया और बाबा बाल्हेश्वर शिवलिंग का जल, दूध, फूल और अन्य पवित्र पदार्थों से अभिषेक किया। मंदिर को विशेष रूप से सजाया गया था। श्री जन कल्याण समिति के तत्वाधान में पूजा-अर्चना के अलावा, मंदिर में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए थे।

मंदिर की व्यवस्था देख रहे अखिलेश पांडे ,पंडित झिलमिल जी महाराज ,अनुज अवस्थी ,अतुल मिश्रा ,प्रदीप तिवारी, राम शंकर तिवारी ,राजेंद्र प्रसाद तिवारी, सूर्य प्रसाद ,पूर्व प्रधान उमेश सिंह ,पूर्व प्रधान राज किशोर सिंह बघेल, चंदन त्रिवेदी आदि ने बताया कि बैसवारे का बाल्हेश्वर महादेव मंदिर ऐतिहासिक पवित्र धाम है जहां मत्था टेंकने से श्रद्धालुओं कीमुरादे पूरी होती है। जन कल्याण समिति के उपाध्यक्ष अशोक कुमार बाजपेई औरपंडित झिलमिल जी महाराज ने बताया कि इस बार श्रृंगार पूजा में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में हरचंदपुर विधानसभा के पूर्व विधायक राकेश सिंह शिरकत करेंगे। उल्लेखनीय है कि बाल्हेश्वर मंदिर के बाबत भक्त गणो का कहना है कि लगभग पांच सौ साल पहले मंदिर स्थल के अगल बगल जंगल था। बाल्हेश्वर गांव व समीपवर्ती गांवों के लोग उस स्थल को मवेशियों के चारागाह के रूप में इस्तेमाल करते थे।प्रचलित किंवदंती है कि बाल्हेमऊ गांव के तिवारी परिवार की गाय एक चरवाहे के रेवड़ के साथ जंगल में चरने जाया करती थी। अचानक गाय ने दूध देना बंद कर दिया।गृहस्वामी ने अनुमान लगाया कि चरवाहा चोरी से दूध निकाल लेता है। रंगे हांथों चोरी का खुलासा करने के लिए एक दिन वह जंगल की झाड़ियों में छिप कर बैठ गया। उसने देखा कि गाय एक झाड़ी में चली गई और वहां लेट गई। उसके धन से दूध की धार बनकर बह रही है और दूध उस स्थान पर भूमि में बने एक छेद में जा रहा है।उसी रात गाय के स्वामी को बाल्हेश्वर महादेव के दर्शन हुए मैं यहां हूं, मूर्ति के पूजन हेतु एक मंदिर की स्थापना कराओ। दूसरे दिन वह अपने परिवार के साथ स्वप्न की सच्चाई जानने के लिए उसी झाड़ी में गया। वहां खुदाई करने पर शिवलिंग निकला। पंडित झिलमिल जी महाराज बताते हैं कि मंदिर के गुम्बद पर स्थापित त्रिशूल दिन भर सूर्य की गति के साथ-साथ अपने स्थान पर घूमता है। सनातन श्रृद्धा, भक्ति व विश्वास के प्रतीक इस मंदिर में गैर जनपदों से भी लोग पूजन अर्चन को आते हैं। मेले और मंदिर की व्यवस्था में क्षेत्राधिकारी अनिल कुमार सिंह, प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह, उपनिरीक्षक रविंद्र कुमार, एस एस आई नरेंद्र सिंह सेंगर सहित राजस्व विभाग व पुलिस का भारी भरकम बंदोबस्त रहा।

बी0टी0एम0सी0 एक्ट बोधगया अधिनियम 1949 को रद्द किये जाने के लिए व गैर बौद्धों द्वारा बौद्धों का उत्पीडन किये जाने के विरोध में रोष व्यक्त

लोकमित्र ब्यूरो

रायबरेली। जनपद के समस्त अम्बेडकरवादी, बहुजनवादी, समतावादी, संविधान पसंद, बौद्ध धम्म से जुड़े विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारीगण एवं धम्म उपासक, उपासिकाओं के संयुक्त तत्वाधान में बिहार प्रांत (प्रदेश) बोधगया में स्थित महाबोधी महाबिहार/बौद्धगया मंदिर को गैर बौद्धों (एक विशेष समुदाय) से मुक्ति देशवापी आंदोलन के समर्थन में एवं बी0टी0एम0सी0 एक्ट बोधगया अधिनियम 1949 को रद्द किये जाने के लिए व गैर बौद्धों द्वारा बौद्धों का उत्पीडन किये जाने के विरोध में बौद्ध भिक्खु कमलशील, भन्ते धम्मपाल जी के नेतृत्व में जिलाधिकारी आवास स्थित बुद्ध प्रतिमा से अस्पताल चौराहा होते हुए डॉ0 अम्बेडकर प्रतिमा तक शांति धम्म पथ मार्च-जनआक्रोश प्रदर्शन कर रोष व्यक्त कर उक्त मांगों को लेकर देश के महामहिम राष्ट्रपति महोदय, मा0

प्रधानमंत्री महोदय, बिहार प्रदेश के महामहिम राज्यपाल महोदय, मा0 मुख्यमंत्री महोदय को सम्बोधित मांग-पत्र द्वारा जिलाधिकारी के माध्यम से नगर मजिस्ट्रेट महोदय को सौंपा गया ज्ञापन कार्यक्रम का संचालन धम्म उपासक राजेश कुरील नें किया। नेतृत्व कर रहे भन्ते कमलशील, भन्ते धम्मपाल नें कहा कि बौद्धगया तथागत् बुद्ध की ज्ञानस्थली है जो देश और विदेश में बौद्धों का आस्था का केन्द्र है और यूनेस्को की विश्वधरोहर स्थल है जो सन् 1949 में महाबोधी महाबिहार, बोधगया मंदिर को संचालित करने के लिए बी0टी0एम0सी0 एक्ट बोधगया अधिनियम 1949 के तहत शासित है जो लाखों बौद्ध समुदाय के अधिकारों सम्मान एवं भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 व 26 का उल्लंघन करता है भारतीय बौद्ध उपासक संघ के खुशीराम रावत नें कहा बी0टी0एम0सी0 एक्ट के साहरे बौद्धगया मंदिर में गैर बौद्धों द्वारा महाबोधी महाबिहार के ऐतिहासिक बौद्ध धार्मिक महत्व को नजर अंदाज कर बौद्धगया मंदिर में आये श्रद्धालुओं से कर्मकाण्ड के नाम अवैध उगाही का धंधा चालू कर और दान के पैसे का दुरूपयोग कर इस अन्यायपूर्ण व्यवस्था एवं महाबिहार बोधगया मंदिर के सचिव बौद्धों को उनके सबसे पवित्र स्थल का प्रबंधन करने के अधिकार से वंचित कर दिया और बौद्धगया मंदिर को कब्जा करने की नियत से गैर बौद्धों एक विशेष समुदाय महन्तों की मनमानी से देश और अन्तर्राष्ट्रीय बौद्धों में एक आक्रोश व्याप्त है।प्रदर्शन में शामिल धम्म उपासक इं0 एस0के0 आर्या, चन्दन सोनकर, एम0एल0 गौतम, विमल किशोर सबरा, रोहित चौधरी, हनुमान अम्बेडकर, सी0एल0 कनौजिया, आर0एस0 कटियार, डॉ0 राधेश्याम निर्मल, डी0डी0 कुशवाहा, दीपक मौर्या, राजेन्द्र बौद्ध, राम प्रसाद बौद्ध नें कहा कि महाबोधी के बौद्ध भिक्खुओं द्वारा महाबोधी महाबिहार बौद्धगया मंदिर को गैर बौद्धों से मुक्ति का आंदोलन (आमरण अंशन) चलाया जा रहा है जिससे वहां पर बैठे बौद्ध भिक्खुओं व धम्म उपासक उपासिकाओं का स्वास्थ्य खराब हो रहा है और केन्द्र व राज्य सरकार उक्त प्रकरण का संज्ञान न लेकर उक्त मांगों का कोई निराकरण नहीं किया गया है जिससे देश के धम्म उपासक उपासिकाओं में रोष व्याप्त है।प्रदर्शन में शामिल राम सेवक बौद्ध, राम लखन गौतम, डा0 जे0के0 भारत, कृपाशंकर, सुरेश कुमार, अनिल कांत, आशाराम रावत, उपेन्द्र कुमार, नरेन्द्र बौद्ध, विनीत साहू, चरण सिंह गौतम, राम निहोर गौतम, रोहित वर्मा, डा0 ईश्वर चन्द्र, मास्टर राम भरोसे, मास्टर राम औतार गौतम, संतलाल मौर्या, हरिकेश कित्याफ, राजेन्द्र गौतम आदि सैकडों धम्म उपासक नें आक्रोश व्यक्त करते हुए बौद्धगया मंदिर मुक्ति के आंदोलन के समर्थन में देश की महामहिम राष्ट्रपति महोदय, मा0 प्रधानमंत्री, बिहार प्रदेश के महामहिम राज्यपाल, मा0 मुख्यमंत्री महोदय से बी0टी0एम0सी0 एक्ट बोधगया अधिनियम 1949 को निरस्त कर गैर बौद्धों से बौद्धगया मंदिर को मुक्त कराकर महाबोधी महाबिहार बोधगया मंदिर बौद्धों (बौद्ध भिक्खुओं) से संचालित कराये जाने एवं तथागत् बुद्ध की ज्ञानस्थली महाबोधी महाबिहार पवित्र स्थल को बचाये जाने की मांग किया।

रेल कोच आधुनिकेश्वर धाम शिव मंदिर में हुआ रुद्राभिषेक कार्यक्रम

लोकमित्र ब्यूरो

लालगंज रायबरेली। बुधवार को जहां लालगंज क्षेत्र के प्रत्येक शिव धाम में महाशिवरात्रि पर्व बड़े धूमधाम से मनाया गया, वहीं लालगंज नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि दीपेंद्र गुप्ता रेल कोच फैक्ट्री के आधुनिकेश्वर धाम शिव मंदिर में पूजा अर्चना के बाद रुद्राभिषेक पूजन में शामिल हुए। एमसीएफ की मेंस कांग्रेस यूनियन के महामंत्री मनोज ओझा के नेतृत्व में कई वर्षों से आधुनिकेश्वर शिव मंदिर में महाशिवरात्रि व अन्य धार्मिक कार्यों पर पूजा पाठ के कार्यक्रम आयोजित होते हैं। बुधवार को आयोजित महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर जहां हजारों रेल कोच कर्मियों ने मंदिर पहुंच कर जलाभिषेक किया ,वहीं रुद्राभिषेक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। आज गुरुवार को विशाल भंडारे का भी आयोजन है। रेल कोच कारखाने के शिव मंदिर की भी अपार महिमा है।

प्रशासन की सख्त निगरानी में हुआ जलाभिषेक,शिव बारात निकालने की नही मिली अनुमति

लोकमित्र ब्यूरो

सलोन रायबरेली। यहां हिंदूओ को अपने धार्मिक समागम आयोजित करने की इजाजत नही है।कुछ वैसा ही माहौल सलोन क्षेत्र में प्रशासनिक अफसरों ने बना दिया है।ऐसे ही आरोप नगर के हिन्दू कार्यकर्ताओं द्वारा लगाए जा रहे है।शिवभक्तों ने आरोप लगाया है कि महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर शिव बारात निकालना तो दूर की बात है।केसरिया ध्वज, शंख, वध्य यंत्र जलाभिषेक में लेकर चलने पर सजा मुकर्रर की गई है।बुधवार को शिवरात्रि पर्व पर पुलिस प्रशासन की निगरानी में मात्र नौ शिव भक्तों ने विभिन्न मंदिरो में जाकर जलाभिषेक किया है।इस दौरान पूरा प्रशासनिक अमला शिवभक्तों को चारों ओर से घेरकर एक एक मंदिर लेकर जा रहा था।शिव भक्तों ने बताया कि उपजिलाधिकारी द्वारा दिये गए आदेशो के मुताबिक शिव बारात की अनुमति न देकर उन्हें जलाभिषेक की अनुमति दी गई थी।

अधिकारियों ने अपने केबिन में बुलाकर धमकाया: नागार्जुन गुप्ता

इस दौरान शिव भक्त नागार्जुन गुप्ता ने प्रेस नोट जारी कर प्रशासन के विरुद्ध नाराजगी जाहिर की है।उन्होंने कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों ने कई वर्षो से हिंदुओ की भवनाओं को कुचला है।उनके तुगलगी फरमान के चलते हिंदू समाज के लोगों को धार्मिक आयोजन की छूट नहीं है।उन्होंने कहा कि उन्हें शिवरात्रि की पूर्व संध्या पर अधिकारियों ने अपने केबिन में बुलाकर धमकाया है।नागार्जुन ने कहा कि उन्होंने एक प्रार्थना पत्र उच्च अधिकारियों को दिया है।जिसमे कहा गया है कि शिवरात्रि के पर्व को क्षेत्र में खुलकर नहीं मनाया जा सकता है।क्या सलोन उन्ही में से एक है।

कोर कमेटी की बैठक में नागार्जुन गुप्ता जी नही आये थे।इसलिए दूसरे दिन बुलाकर पूर्व आदेशो का हवाला देकर कार्यक्रम निश्चित किया गया था।केबिन में बुलाकर धमकाना ये सब आरोप बिल्कुल गलत लगा रहे है।रही बात केशरिया ध्वज और घण्टा वध्य यंत्र की तो इसके लिए कोई मनाही नही थी। बल्कि जलाभिषेक में ढोल मंगाकर कार्यक्रम कराया गया था।सिर्फ डीजे के लिए रोक थी।

चन्द्र प्रकाश
एसडीएम सलोन रायबरेली

जलाभिषेक में नागार्जुन प्रसाद गुप्ता, सुनील साहू, गौरव रस्तोगी समेत नौ लोगो ने प्रशासन की सख्त निगरानी में जलाभिषेक किया है।

एम्स रायबरेली ने दुर्लभ न्यूरोलॉजिकल विकार से पीड़ित बच्चे का सफलतापूर्वक किया गया इलाज

लोकमित्र ब्यूरो

रायबरेली। चिकित्सा विशेषज्ञता और समर्पण के एक उल्लेखनीय प्रदर्शन में, एम्स रायबरेली के बाल रोग विभाग ने लंबी और गंभीर बीमारी के बाद गुलियन-बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) से पीड़ित एक छोटे बच्चे का सफलतापूर्वक इलाज करके उसे छुट्टी दे दी है। 29 सितंबर, 2024 को मुंशीगंज निवासी भव्यांश नामक एक बच्चे को दोनों निचले अंगों में अचानक कमजोरी के साथ एम्स रायबरेली में भर्ती कराया गया था। कुछ ही घंटों में बच्चे को पूर्ण पक्षाघात हो गया और वह स्वतंत्र रूप से सांस लेने में असमर्थ था। मामले की गंभीरता को समझते हुए, मेडिकल टीम ने तुरंत उसे बाल चिकित्सा गहन चिकित्सा इकाई (पीआईसीयू) में स्थानांतरित कर दिया और उसे वेंटिलेटर पर रखा। डॉ नमिता मिश्रा,

एसोसिएट प्रोफेसर जिनके अधीन बच्चे का इलाज किया गया था, के अनुसार, गुलियन-बैरे सिंड्रोम एक दुर्लभ न्यूरोलॉजिकल विकार है, जिसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली शरीर की अपनी नसों को हानिकारक के रूप में पहचानती है और उन पर हमला करती है भव्यांश को पूर्ण पक्षाघात और गंभीर निमोनिया हो गया था, जिसके कारण वह 2 महीने से अधिक समय तक वेंटिलेटर पर रहा और 5 महीने तक अस्पताल में रहने के बाद उसे छुट्टी मिल सकी। डॉ. नमिता ने आगे बताया कि बच्चे को कई तरह के उपचार दिए गए, जिनमें अंतःशिरा इम्युनोग्लोबुलिन, रक्त विनिमय, ट्रेकियोस्टोमी, पैरेंट्रल पोषण और लंबे समय तक वेंटिलेशन शामिल हैं। ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग के सहयोग से, रक्त से हानिकारक एंटीबॉडी को हटाने के लिए प्लास्मफेरेसिस किया गया। ईएनटी विभाग ने ट्रेकियोस्टोमी की, जिससे बच्चे की सांस लेने में मदद मिली। बीमारी के कारण, बच्चा लंबे समय तक खा नहीं सकता था। कुल पैरेंट्रल पोषण और नासोगैस्ट्रिक ट्यूब फीडिंग के साथ उसका पोषण बनाए रखा गया। बाल चिकित्सा सर्जरी और शारीरिक और चिकित्सा पुनर्वास विभागों ने भी आवश्यकतानुसार पर्याप्त सहायता प्रदान की धीरे-धीरे उसकी ताकत वापस आ गई और आखिरकार उसे वेंटिलेटर से हटा दिया गया। एक लंबी और चुनौतीपूर्ण लड़ाई के बाद, उसकी हालत में उल्लेखनीय सुधार के साथ उसे एम्स रायबरेली से सफलतापूर्वक छुट्टी दे दी गई। मुख्यमंत्री राहत कोष के तहत इलाज के लिए वित्तीय सहायता दी गई, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि बच्चे को बिना किसी वित्तीय बाधा के सर्वोत्तम संभव देखभाल मिले। भव्यांश का सफल स्वास्थ्य लाभ एम्स रायबरेली में उन्नत चिकित्सा विशेषज्ञता और टीम वर्क का प्रमाण है।

गायत्री शक्तिपीठ परिसर में स्थित प्रज्ञेश्वर महाकाल मन्दिर में जलाभिषेक के निमित्त उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़

लोकमित्र ब्यूरो

रायबरेली। जय महाकाल के उद्घोष के साथ आज महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर गायत्री शक्तिपीठ रायबरेली परिसर में स्थित प्रज्ञेश्वर महाकाल मन्दिर में प्रातः काल 6 बजे से जलाभिषेक के निमित्त श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पडी। मन्दिर के प्रवेश द्वार पर श्रद्धालुओं को भगवान भोलेनाथ को अर्पित करने की बेल-पत्रादि की सुन्दर व्यवस्था थी। प्रातःकाल 6 बजे से ऊं नमः शिवाय का जप भारी संख्या मे उपस्थित भाई

बहनों द्वारा किया प्रारम्भ हुआ जो 10 बजे समाप्त हुआ। सुबह 7:30 से गायत्री यज्ञ, गायत्री मंत्र व महामृत्युंजय मंत्र के साथ प्रारंभ हुआ। देर दोपहर तक प्रसाद व दुग्धाम्बु पेय का वितरण चलता रहा। व्यवस्था बनाने में जिला समन्वयक वीबी सिंह, आरसी श्रीवास्तव ट्रस्टी, हरिकांत शर्मा, साहित्य विस्तार, अशोक तिवारी, राम औतार, राम सिंह, कमल बाजपेयी, जयशंकर सिंह, एसपी सिंह, श्रीमती कृष्णा सिंह, कल्पना, श्रीमती मीना सिंह व कृतन्जय मौजूद रहे। यज्ञादि व ऊं नमः शिवाय का समापन, आरती प्रधान आचार्य लक्ष्यमेश्वर मिश्र द्वारा सम्पन्न कराया गया। उक्त जानकारी डा0 भगवानदीन मीडिया प्रभारी ने दी।

डीएम व एसपी द्वारा महाशिवरात्रि के दृष्टिगत शिवमंदिरों का किया गया निरीक्षण

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर व पुलिस अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह ने महाशिवरात्रि के दृष्टिगत सदर क्षेत्रांतर्गत प्राचीन जगमोहनेश्वर मन्दिर चंदापुर व आस्तीक मंदिर परिसर लालूपुर का भ्रमण कर सुरक्षा, पार्किंग, साफ-सफाई, बैरिकेटिंग तथा अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा मन्दिर में पूजा अर्चना भी की

गई। निरीक्षण के समय जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि मन्दिर परिसर व उसके आस-पास साफ-सफाई की व्यवस्था, पार्किंग, प्रकाश, सुरक्षा की समुचित व्यवस्था बनाए रखना सुनिश्चित किया जाए, जिससे आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कोई समस्या उत्पन्न न हो। निरीक्षण के समय नगर मजिस्ट्रेट राम अवतार, तहसीलदार सदर प्रज्ञा द्विवेदी सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

परमार्थ निकेतन में ''द शिवा फेस्टिवल'' का आयोजन

सभी कलाकारों को परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती और साध्वी भगवती सरस्वती का सान्निध्य और आशीर्वाद प्राप्त हुआ

लोकमित्र ब्यूरो

नैनी(प्रयागराज)। परमार्थ निकेतन शिविर, महाकुम्भ प्रयागराज में महाशिवरात्रि के अवसर पर एक अनूठा और दिव्य 'द शिवा फेस्टिवल' का आयोजन किया, जिसमें 108 कलाकारों ने भगवान शिव के अद्भुत स्वरूपों को कैनवस पर उतारा। इस आयोजन में 108 शिवजी के नाम, 108 कलाकार, 108 कैनवस और 108 मिनटों के साथ महादेव को एक अभूतपूर्व भावाजंलि अर्पित की।

इस समारोह में कला के विभिन्न रूपों के दर्शन हुये। कलाकारों ने भगवान शिव के विभिन रूपों को अपने कैनवास पर उतारा। इन कलाकारों की मेहनत और भक्ति ने परमार्थ निकेतन शिवरात्रि महोत्सव को एक नई ऊंचाई पर पहुंचाया। कला और भक्ति का ये अनोखा संगम एक दिव्य अनुभव है, जो हर दर्शक को भगवान शिव के साथ आत्मिक जुड़ाव का अहसास दिलाता है।''द शिवा फेस्टिवल'' का मुख्य उद्देश्य भगवान शिव की महिमा का गुणनानुवाद करना तथा भारतीय कला और संस्कृति को बढ़ावा देना है। इस आयोजन में भगवान शिव के 108 नामों का विशेष महत्व है, जिससे शिव जी की असीम शक्ति और भक्ति के दर्शन हुये। कलाकारों ने भगवान शिव के विभिन्न रूपों को अपनी कला के माध्यम से जीवन्त किया और शिव के प्रति अपनी भक्ति और श्रद्धा व्यक्त की।कुम्भ प्रयागराज, परमार्थ निकेतन, मिनिस्ट्री ऑफ कल्चर, पतंजलि न्यूट्रीला, ललित कला अकादेमी आदि कई संस्थाओं के संयुक्त तत्वावधान में इस महोत्सव को आयोजित किया गया। आयोजकों का उद्देश्य इस फेस्टिवल के माध्यम से भगवान शिव के अद्भुत रूपों और उनकी शक्ति को कला के माध्यम से प्रस्तुत करना है। इस आयोजन में 108 कलाकारों ने अपनी कला का अद्वितीय प्रदर्शन किया। प्रत्येक कलाकार ने भगवान शिव के एक या एक से अधिक रूपों को अपने कैनवस पर जीवंत किया। उन्होंने आदियोगी, नटराज, महाकाल, भोलानाथ, रूद्र, शिव शंकर, आदि को अपने कैनवस पर बनाया।

सभी कलाकारों को परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी और साध्वी भगवती सरस्वती जी का आशीर्वाद प्राप्त हुआ। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने इस अवसर पर कहा, ÷भगवान शिव के स्वरूप और उनकी भक्ति के प्रति यह श्रद्धांजलि एक अनूठी पहल है। यह आयोजन सभी के लिए एक दिव्य अनुभव है।

साध्वी भगवती सरस्वती जी ने कहा, कुम्भ अपने आप में आर्ट है। यहां कुम्भ में हम जो भी देख रहे हैं वह प्रभु का आर्ट ही है। ÷भगवान शिव की भक्ति का वास्तविक रूप यही है कि हम उनके संदेशों को अपने जीवन में धारण करे। इस कला उत्सव के माध्यम से कलाकारों ने भगवान शिव के रूपों को चित्रित कर उनके अद्वितीय अस्तित्व और महत्व को समझने का युवा पीढ़ी को अवसर दिया है।÷

श्री शांतनु गुप्ता जी ने कहा कि ''द शिवा फेस्टिवल'' पूज्य स्वामी जी के आशीर्वाद से आयोजित एक अद्भुत और अनोखा आयोजन है। जिसने भगवान शिव के प्रति श्रद्धा और कला के माध्यम से कलाकारों ने भक्ति को एक नई ऊंचाई दी। यह आयोजन महाशिवरात्रि के इस पवित्र अवसर पर भगवान शिव को एक दिव्य श्रद्धांजलि अर्पित करने का एक छोटा सा प्रयास है। इस आयोजन में जो कला और श्रद्धा का संगम हुआ, वह न केवल इस समय के लिए, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणा बना रहेगा।

नेत्र कुंभ में नेत्रदान किया गया

लोकमित्र ब्यूरो

फूलपुर। दो समाजसेवियों ने नेत्रदान शिविर का आयोजन किया। बताते चले कि धर्मेंद्र सिंह और कमलेश पटेल ने नेत्र कुंभ में नेत्रदान किया है। इस अवसर पर, उन्होंने कहा कि यह उनके लिए एक गर्व का पल है और वे इसे अपने जीवन का एक महत्वपूर्ण कदम मानते हैं।

धर्मेंद्र सिंह ने कहा, ÷जिससे हम तो भले ना रहे इस पृथ्वी पर, मगर हमारी आंखें किसी गरीब असहाय को मदद करेगी।÷ उन्होंने कहा कि नेत्रदान करने से उन्हें एक नई दिशा मिली है और वे इसे अपने जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा मानते हैं।

कमलेश पटेल ने कहा, ÷नेत्रदान करने से हमें एक नई जिम्मेदारी मिली है और हमें लगता है कि हम किसी की जिंदगी में बदलाव ला सकते हैं।÷ उन्होंने कहा कि यह उनके लिए एक गर्व का पल है और वे इसे अपने जीवन का एक महत्वपूर्ण कदम मानते हैं। उन्होंने कहा कि नेत्रदान करने से हम किसी की जिंदगी में बदलाव ला सकते हैं और यह एक बहुत बड़ा कदम है।

भगवान शिव की महाकृपा प्राप्ति का दिवस है महाशिवरात्रि- ब्रम्हचारी गिरीश

नैनी(प्रयागराज)। वेद विद्या मार्तण्ड ब्रह्मचारी गिरीश जी ने वैदिक विद्वानों के एक समूह को सम्बोधित करते हुए कहा कि ÷आज महाशिवरात्रि का दिवस देवाधिदेव महादेव भूतभावन भगवान् शिव शंकर जी की महाकृपा प्राप्ति का दिवस है. सभी शिव भक्तजन भगवान शिव का निकट के मंदिरों में जाकर अभिषेक करें. आसपास मंदिर न हो तो अपने घर में ही वैदिक योग्य कर्मकांडी विद्वान को आमंत्रित करके अभिषेक करें. यह भी संभव न हो तो भवातीत ध्यान करते हुए अपनी

चेतना में ध्यानावस्था में ही शिव जी का मानसिक अभिषेक करें. भगवान शिव अनंत कृपा और शांति प्रदान करने वाले देवता हैं. इनका वास भावातीत चेतना में है, हर मानव की चतुर्थ चेतना में है. ÷शिवम् शान्तं अद्वैतं चतुर्थं मन्यन्ते सा आत्मा स विज्ञेयः÷ आपके मनोभाव में ही तो शिव जी का वास है. ÷भावोहि विद्यते देवा÷. और शिव जी तो अत्यंत सरल सहज, कृपा और दया के सागर हैं, वे तो स्मरण मात्र से भक्ति के समस्त फलों और पुण्यों के दाता हैं. आज का एक दिन शिव भक्ति में, शिव जी की आराधना में लगाइये और अपने मानव जीवन को धन्य कीजिये.

महाशिवरात्रि पर मनकामेश्वर मंदिर लालापुर में उमड़ा जनसैलाब

थानाध्यक्ष लालापुर ने सम्पन्न कराया महाशिवरात्रि का सकुशल मेला

लोकमित्र ब्यूरो

लालापुर (प्रयागराज)। मनकामेश्वर मंदिर लालापुर में सुबह से भोले के भक्तों का रेला उमड़ पड़ा।शाम तक यह सिलसिला चलता रहा। पुलिस प्रशासन का मानना है कि लगभग लाखों भक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर पूजा अर्चना किया। मानव जीवन के कल्याण के लिए भगवान शिव के निराकार से साकार रूप में आने की रात्रि को महाशिवरात्रि कहा जाता है। हिन्दू धर्म में महाशिवरात्रि का विशेष महत्व है। इस दिन भगवान शिव की पूजा करने से सभी प्रकार की मनोकामनाएं पूरी होती है। ऐसा माना जाता है विधि पूर्वक व्रत और पूजा करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं और अपने भक्तों को आशीर्वाद प्रदान करते हैं।

थानाध्यक्ष लालापुर मेले की सम्भाली कमान - थानाध्यक्ष लालापुर अजय कुमार मिश्र मय पुलिस बल के साथ भोर से ही मेले की कमान संभाले थे। मेले के चारों तरफ चप्पे-चप्पे पर पुलिस की पैनी नजर बनी हुई थी। मेले में कोई सरारती व्यक्ति नजर नहीं आया। थानाध्यक्ष लालापुर कभी गर्भगृह मौजूद तो कभी नीचे आकर श्रद्धालुओं को दर्शन के लाइन लगवा रहे थे।भोर से ही लगातार लाउडस्पीकर से भक्तों का हौसला बुलंद करते हुए कहते रहे कि आप सभी श्रद्धालु धक्का मुक्की न करें सभी श्रद्धालुओं को दर्शन कराया जायेगा कोई भी श्रद्धालु बिना दर्शन किये वापस नहीं जायेगा।

ग्राम प्रधान मेले में भोर से मौजूद रहे ग्राम प्रधान भटपुरा लालापुर शंकर लाल पाण्डेय अपने कार्यकर्ताओं के साथ भोर से ही मौजूद रहे। महाशिवरात्रि का मेला सुचारू रूप से सम्पन्न कराया

महाकुम्भ प्रयागराज संगम नगरी से लगभग 45 किलोमीटर सुदूरवर्ती दक्षिण पश्चिम छोर पर लालापुर भटपुरा गांव में बसे मनकामेश्वर मंदिर में बाबा भूतेश्वर भगवान भोलेनाथ का शिवलिंग अद्भुत संगम है। यमुना नदी के किनारे पहाड़ की चोटी पर विराजमान भगवान शिव का दर्शन पूजन करने के लिए दूर-दूर से भक्त आते हैं और अपनी मनोकामना पूर्ण करते हैं कहा जाता है कि भगवान राम ने वन गमन के समय मनकामेश्वर धाम लालापुर में शिव लिंग की स्थापना की थी।

इस वर्ष बुधवार को महाशिवरात्रि होने के कारण भोर से ही मनकामेश्वर धाम में भक्तों की भारी भीड़ रही। मौसम बहुत ही सुहावना होने के कारण मनकामेश्वर मेले में लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं का जनसैलाब भगवान भोलेनाथ अवागढ़ दानी भूतेश नाथ के दर्शन के लिए उत्साहित था।भोर से ही शिव भक्तों ने हर हर महादेव का जयकारा लगाते हुए भगवान भोलेनाथ का दर्शन कर अपने परिवार की मंगलकामना के लिए पूजा-अर्चना की। मनकामेश्वर मंदिर लालापुर क्षेत्र का इकलौता प्राचीन मंदिर है। जहां महाशिवरात्रि पर्व पर प्रयागराज , कौशाम्बी, चित्रकूट, फतेहपुर ,प्रतापगढ़, मध्यप्रदेश सहित कई जिलों से आयें लाखों श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया। मनकामेश्वर धाम के पुजारी रुद्रेश मिश्रा व ननकऊ पंडित बताया कि महाशिवरात्रि का व्रत करने वाले साधक को मोक्ष की प्राप्ति होती है। जगत में रहते हुए मनुष्य का कल्याण करने वाला व्रत है।इस व्रत को रखने से साधक के सभी दुखों पीड़ाओं का अन्त तो होता ही है साथ ही मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। शिव के साधना से धन धान्य ,सुख सौभाग्य और समृद्धि की कमी कभी नहीं होती। भक्ति और भाव से स्वतःके लिए तो करना चाहिए साथ ही जगत के कल्याण के लिए भगवान आषुतोष की आराधना करनी चाहिए। मनसा --- वाचा.... कर्मणा हमें शिव की आराधना करनी चाहिए। भगवान भोलेनाथ नीलकण्ठ है विश्वास नाथ है। महाशिवरात्रि के दिन लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं को देखते हुए दर्शनार्थियों की सुरक्षा व्यवस्था के लिए मनकामेश्वर धाम मेले में मौजूद एसीपी सन्त लाल सरोज, थानाध्यक्ष लालापुर अजय कुमार मिश्र, वरिष्ठ उपनिरीक्षक इन्द्रेश सिंह,उ.नि.राम नगीना यादव,हे.का.अरुण यादव का.राहुल सिंह,किशन गुप्ता, जोगेन्द्र वैश्य,उदय भान म.का.रोशनी,साबित्री नर्सिंग होम के डायरेक्टर सूरज तिवारी, प्रधान शंकर लाल पाण्डेय, अध्यक्ष रमाशंकर तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार वीरेन्द्र पाण्डेय मंदिर व्यवस्थापक माखन पाण्डेय, मंदिर महन्त पंडित ननकाऊ तिवारी, हरी कुश द्विवेदी,राजा पंडित शिव पूजन उपाध्याय सहित तमाम क्षेत्रीय श्रद्धालु उपस्थित रहे।

फुटेश्वर नाथ धाम पर भक्तों का लगा रहा तांता

लोकमित्र ब्यूरो

बहरिया। विकास खण्ड बहरिया क्षेत्र के सारीपट्टी गांव में स्थित फुटेश्वर नाथ धाम पर शिव भक्तों का सुबह से ही लगा रहा तांता । यह बहुत ही प्राचीन मन्दिर की श्रेणी में आता है । मन्दिर में दूर-दराज से आये हुये महिला पुरुष भक्तों ने कतार बद्ध तरीके से जलाभिषेक किया । वही श्रद्धालुओं ने अपनी-अपनी मन्यतों के अनुसार पताका और प्रसाद चढ़ाये । मन्दिर परिसर में भव्य मेला भी लगा रहा । उक्त मेले में आये हुये भक्तों ने अपने जरुरत के सामानों की खरीदारी किया । उक्त मेले में गुब्बारे, खिलौने, गुड़हिया जलेबी तथा सौन्दर्य सम्बंधी सामानों की दुकाने लगी रही है । सुरक्षा की दृष्टि से प्रशासन मेले में मुस्तैद रही । इस मौके पर ग्राम प्रधान आशुतोष यादव,डां जेके पटेल, समाजसेवी दिलीप केसरवानी, अनिल कुमार पटेल सुधांशु मौर्या,पंकज गुप्ता, विनोद यादव वा अभयराज पटेल बाल कलाकार समेत काफी श्रद्धालुओं की भीड़ रही। इसी प्रकार बहरिया ब्लाक परिसर में स्थित शिव मन्दिर पर भी भक्तों की लगी रही भीड़ ।

मंदिर के पुजारी अजय कुमार मिश्रा ने आये हुये श्रद्धालुओं से शिव मन्दिर में जलाभिषेक कराया। ब्लाक परिसर में मेला भी लगा रहा । दर्शन करने आये हुये श्रद्धालुओं ने मेले का भी लुफ्त उठाया साथ ही साथ अपने जरुरत के अनुसार खरीदारी भी किया । ब्लाक परिसर में भी सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस लगी रही इसी क्रम में क्षेत्र में स्थित सभी शिववालयों पर भक्तों की भीड़ लगी रही । सारंगपुर में स्थित शिव मन्दिर में भी श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक एवं शिव जी के दर्शन किये ।

मन्दिर के संस्थापक बाबा गुरु दीन गौतम ने भजन कीर्तन के साथ भण्डारे का भी आयोजन किया । दर्शन करने आये हुये श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया । इस मौके पर शिव बहादुर गौतम,शिव शंकर,जय शंकर,देव शंकर , ऋषभ वा आदित्य समेत काफी श्रद्धालु लोग रहे ।

न्यूज डायरी

महाशिवरात्रि पर मंदिरों की हुई सजावट, लगे भव्य मेले

लोकमित्र ब्यूरो

फूलपुर। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर फूलपुर क्षेत्र की समस्त शिव मंदिरों पर पूजे गए भगवान शिव जो हर जगह मौजूद है चाहे मानसरोवर हो या कैलाश पर्वत, फूलपुर नगर पंचायत के बानगी बाजार के प्राचीन शिव मंदिर पर जहां श्रद्धालुओं ने पूजन अर्चन किया वहीं मैलहन और कोडापुर तथा साधु की कुटिया पर बने भव्य शिव मंदिर पर भी भक्तों ने भगवान शिव की अर्चना की। वही महिलाओं बच्चों द्वारा शिव मंदिरों पर जल चढ़ाने की होड़ लगी रही। यदि देखा जाए तो ग्रामीण क्षेत्र के अधिकांश गांवों में शिव मंदिर स्थापित है जिस पर श्रद्धालु गण छोटे बड़े तथा महिलाएं नये-नये परिधानों में भगवान की मूर्ति पर जल चढ़ाते नजर आए।

क्षेत्र की अधिकांश मंदिरों पर साधु की कुटिया, कोडापुर लिलहट,वरना बाजार, भंभई,मैलहन मेहंदीपुर कोनार आदि में शिव मंदिर पर मेले का आयोजन हुआ और श्रद्धालु भक्त सुबह से देर शाम तक

जलाभिषेक करते देखे गए। जगह-जगह कीर्तन भजन का आयोजन भी किया गया जो पूरी रात तक चलता रहा।

सडक मरम्मत को विधायक ने लिखा प्रमुख सचिव को पत्र

लोकमित्र ब्यूरो

होलागढ़ (प्रयागराज)। विधान सभा फाफामऊ के भाजपा विधायक गुरु प्रसाद मौर्य ने प्रयागराज और प्रतापगढ़ दो जनपद को जोड़ने वाली मुख्य सडक दहियावां से शकरदहा मार्ग की हालत बद से बदतर है। सड़क के बीच में दर्जनों गड्ढे बन गए हैं। आये दिन दुर्घटना भी होती रहती है। ऐसे में श्रृंगवेरपुर ब्लाक स्थित दहियावां से काशीपुर मार्ग का मरम्मत कराया जाना जनहित में अति आवश्यक है। फिलहाल विधायक के इस पत्र से लोगों में खुशी की लहर है।

दुर्घटना में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

लोकमित्र ब्यूरो

बहरिया । स्थानीय थाना क्षेत्र के पतुलुकी निवासी नन्दू पुत्र हीरालाल उम्र 48 वर्ष अपने पोते लवकुश उर्फ शुभम के साथ गांव मे ही 14 फरवरी को तेरहवीं के निमंत्रण में दो पहिया वाहन से जा रहे थे तभी फूलपुर की तरफ से तेजगति से आ रही दो पहिया वाहन ने जोरदार टक्कर मार दिया जिसे से नंदू और उसके पोते को गंभीर चोटें आई इलाज के दौरान नंदू की मंगलवार की मौत हो गई घटना की लिखित तहरीर मृतक के छोटे भाई सुख ई राम ने बहरिया पुलिस को दी सूचना पाकर मौके पर पहुंचे सिकंदरा चौकी प्रभारी रवि कटियार ने शव को कब्जे में लेते हुये शव को पोस्टमार्टम हाउस भेजा दिया बहरिया पुलिस ने वादी की तहरीर पर दो पहिया अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुये मामले की जांच शुरू कर दिया है।

राष्ट्र उन्नति एवम देश कल्याण हेतु नंगे पांव कर रहे पद यात्रा

नारीबारी (प्रयागराज)। देश कल्याण की भावना को लिए हुए नंगे पाँव तिरंगा लिए राष्ट्रहित में भारत परिक्रमा कर पेट्रियोट चीफ ऑफ चेम्पियन शिवकरन सिंह नारीबारी पहुंचे महाकुंभ में सामिल होने कि बात कही।

उत्तर प्रदेश जिला फतेहपुर जो पावन वीर बलिदानी दोआबा अमर सूरमाओं की धरती कहलाती हैं ब्लाक देवमई थाना औंग अन्तर्गत गाँम खरौली के निवासी हैं जो 25 मार्च 2022 से राष्ट्र का कीर्तमान तिरंगा सर्वशक्तिमान महाशक्ती ध्वजा हाँथ में लिए अकेले नंगे पाँव उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान,हरियाणा, चण्डीगढ़, हिमाँचल प्रदेश,नीलम घाटी श्री चण्डी मचेल चाईना बार्डर 30 नम्बर 2022 जम्मू-कश्मीर

पहुँच समाज से राष्ट्र की सीमाओं तक तैनात बेल्ट फोर्सेस जवानों की सुरक्षा

सलामती की दैवीय प्रार्थना माँ चण्डी मचेल मन्दिर में कर तिरंगा महाशक्ती ध्वजा चढ़ा रामेश्वरम कन्याकुमारी नया ध्वजा लेकर चले कटरा जम्मू श्री माता वैष्णों देवी होते हुए पंजाब, दिल्ली, बिहार, झारखण्ड,छत्तिसगढ़

बंगाल, उड़ीसा, आंध्रा प्रदेश, तमिलनाडु, रामेश्वरम होते 27 अक्टूबर 2024 कन्याकुमारी रॉक मेमोरियल श्री स्वामी विवेकानंद केन्द्रम पहुँच राष्ट्र उन्नति भारतवर्ष के कल्याण हेतू पूजन प्रार्थना कर बैंगलुरू कर्नाटक,पुनःआंध्रा प्रदेश तेलंगाना,महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश,संगम नगरी प्रयागराज होते। जिला फतेहपुर वापसी ग्राम खरौली 21,000 किलो मीटर पदयात्रा कर पूज्य आदर्शों द्वारा कुलपूजित श्री माता वैष्णों देवी नकटा रौली सिद्ध शक्ती पीठ मन्दिर में हवन यज्ञ जागरण कर 7 अक्टूबर 2009 के सत्रह वर्षों बाद पैरों में पदवेश धारण कर वाहन संसाधन का प्रयोग कर भारत की प्रथम नागरिक के ग्राम उड़ीसा जगन्नाथपुरी क्षेत्र में जाकर यह राष्ट्रहित विशाल पदयात्रा का समापन करेंगे द्य

राष्ट्रीय सैन्यरक्षक संयुक्त कल्याण पदयात्रा स्वयंआत्म माँ भगवती भगवान प्रेरित सबके साथ न्याय हो पावन उद्देश्य बताया कि भारत माता को अनन्तम परमवैभव के उच्च स्वर्णिम सिंहासन पर विराजमान करना, नवयुवाओं को दुर्व्यसनों की प्रवृत्ति से मुक्त बना राष्ट्रहित में सहयोग करने का साहस भरना,मातृभूमी के अमर वीर बलिदानियों को सच्ची श्रद्धांजलि देने के रुप में वृक्षारोपण करना,राष्ट्र की सुरक्षा में तैनात जल थल वायु सेनाओं के लिए दैवीय सुरक्षा मिलने की प्रर्थना करना

,सनातन संस्कृति का उत्कर्ष बढाने के लिए लोगों के बीच में बैठक करके जन जागरण करना।

पिकअप की टक्कर से अंडा कारोबारी की मौत

तरांव गांव से अंडा लेकर लौटते समय हुआ हादसा

लोकमित्र ब्यूरो

कोरांव (प्रयागराज)। कोरांव थाना क्षेत्र के तराव गांव में मेजा कोरांव मुख्य मार्ग पर पिकअप की टक्कर से अंडा व्यवसाई की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद पहुंची पुलिस ने बाइक सवार अंडा व्यवसाई को सीएचसी कोरांव लेकर गई जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पंचनामा की कार्रवाई कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के मुताबिक बाबूलाल कुशवाहा (55) पुत्र रघुनायक निवासी उल्दा थाना कोरांव गांव में अंडे की दुकान चलाता था। बुधवार को सायं 5ः30 बजे के करीब तरांव गांव में अंडा लेने गया हुआ था। वह अंडा लेकर लौट रहा था कि तरांव गांव में ही बचपन पब्लिक स्कूल के पास एक अनियंत्रित पिकअप ने उसे जोरदार

टक्कर मार दी। हादसे में अंडा व्यवसाई बाबूलाल बुरी तरह से घायल हो गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक बाबूलाल के दो पुत्र अनिल, प्रियांशु व पत्नी प्रभावती देवी का रो-रो कर बुरा हाल हो गया। मृतक बाबूलाल के भाई भाई लाल की मौत छः महीने पहले बिजली करंट से हो गई थी। हादसे को लेकर पारिवारिक जनों का रो-रो कर बुरा हाल था।

महाशिवरात्रि पर चांदनी किन्नर की अगुआई में कोरांव में निकली शिव बारात

कोरांव(प्रयागराज)। यमुनापार के नगर पंचायत कोराव में चांदनी किन्नर की अगुवाई में कोरांव कस्बे में शिव बारात का आयोजन किया गया। सैकड़ों की संख्या में उपस्थित किन्नरों ने नगर में घूम-घूम कर मंदिर में पूजा आरती की। लेडियारी तिमोहानी पर बने मंदिर से होते हुए कोरांव चौराहे से होते हुए संस्कृत पाठशाला मंदिर के प्रांगण में चांदनी किन्नर ने धूमधाम से पूजा अर्चना की। बताते चलें कि नगर में स्थित लगभग सभी मंदिरों में जाकर चांदनी किन्नर ने भगवान शिव का पूजा अर्चन किया और चांदनी ने बताया कि भगवान भोलेनाथ की कृपा हमारे पूरे क्षेत्र पर बनी रहे, हमारे सभी यजमान का कल्याण हो खूब फलें-फूलें और उन्नति के पथ पर अग्रसर हों यही मेरी भगवान भोलेनाथ से प्रार्थना है। इसी क्रम में कोरांव थाने में स्थित शिव मंदिर में उपस्थित होकर चांदनी किन्नर ने धूमधाम के साथ पूजा और आरती किया। थाना अध्यक्ष कोरांव नितिन कुमार शुक्ला ने चांदनी किन्नर को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया और साथ में ही प्रसाद के रूप में सभी बारातियों को फल वितरित किया। शिव बारात में प्रमुख रूप से एडवोकेट गोविंद मिश्रा, महेश पाण्डेय सेमरिहा, कालिका तिवारी कोरांव, सत्यम द्विवेदी सत्या के साथ-साथ संदीप कुमार, मोना किन्नर, राधा किन्नर, आयुषी किन्नर, रिंकी किन्नर, पूजा किन्नर, क्रांति किन्नर, ममता किन्नर, पूनम किन्नर, रोशनी किन्नर, शीला किन्नर, सपना किन्नर, मजन, रुस्तम के अलावा सैकड़ों की संख्या में शिव बाराती मौजूद रहे।

भव्य शिव बारात का आयोजन, श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

खीरी (प्रयागराज)। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर कैलाश सेवा समिति द्वारा खीरी बाजार में भव्य शिव बारात निकाली गई, जिसमें श्रद्धालुओं ने बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ भाग लिया। पूरे बाजार में शिवमय माहौल बन गया और चारों ओर 'हर-हर महादेव' के जयकारे गूंज उठे।शिव बारात की शुरुआत प्राचीन शिव मंदिर से हुई। भगवान शिव की आकर्षक झांकी सजाई गई, जिसमें भगवान शिव, माता पार्वती, नंदी, भूत-प्रेतों की टोलियों का विशेष रूप से मनमोहक रूप देखने को मिला। बारात में बड़ी संख्या में भक्तजन शामिल हुए, जो नाचते-गाते आगे बढ़ रहे थे। बैंड-बाजे, ढोल-नगाड़ों और शिव भजनों की धुन पर

श्रद्धालु झूमते नजर आए। बच्चों और युवाओं में इस बारात को लेकर विशेष उत्साह देखा गया। व्यापारियों और भक्तों द्वारा जगह-जगह प्रसाद वितरण और जलपान की विशेष व्यवस्था की गई।वहीं दूसरी तरफग्रामवासियों द्वारा जगह-जगह शिव बारात का स्वागत किया और फूलों की वर्षा कर श्रद्धालुओं का उत्साह बढ़ाया। कैलाश सेवा समिति प्रमुख राजेश कुमार केसरी (खन्ना)के बताया कि यह आयोजन हर वर्ष बड़े हीधूमधाम से किया जाता है और इसे लेकर लोगों में विशेष आस्था है।शिव बारात का समापन बाजार के प्रमुख शिव मंदिर में हुआ, जहां विधिवत आरती और पूजन किया गया। इसके बाद सभी श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया।

महाकुंभ में 65 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

महाकुंभ नगर(आरएनएस)। तीर्थराज प्रयागराज की धरती पर बीते 13 जनवरी से आयोजित हो रहे दिव्य-भव्य और सांस्कृतिक समागम महाकुंभ ने बुधवार को महाशिवरात्रि के अंतिम स्नान पर्व पर 65 करोड़ का आंकड़ा पार कर कीर्तिमान गढ़ दिया है।महाशिवरात्रि के अंतिम स्नान पर्व पर सुबह आठ बजे तक ही लाखों लोगों ने स्नान कर इस महारिकॉर्ड को स्थापित कर इस महाकुम्भ को संख्या के लिहाज से इतिहास के पन्नों में दर्ज करा दिया। कुम्भ ही नहीं, दुनिया के किसी भी आयोजन में आज तक एक साथ इतनी बड़ी संख्या में लोग नहीं जुटे हैं, जितने 45 दिनों के अंदर प्रयागराज में बनाए गए एक अस्थायी शहर में जुट गए। यह संख्या कई देशों की आबादी से भी कई गुना अधिक है।65 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में सनातन आस्था की पावन डुबकी लगाकर धार्मिक और सांस्कृतिक एकता की अद्वितीय मिसाल कायम कर दी है। 65 करोड़ श्रद्धालुओं के किसी एक स्थान पर जुटने का इतिहास में और कोई उदाहरण नहीं दिखाई देता। सनातन के प्रति श्रद्धालुओं की आस्था, दृढ़ निश्चय और विश्वास का ही यह फल है कि संगम तट पर इतना विशाल जनसमूह 45 दिनों में एकत्र हो गया।यदि इस संख्या की दुनिया भर के देशों की आबादी से तुलना की जाए तो कई देशों की आबादी इसमें समा जाएगी। अमेरिका की दोगुनी से ज्यादा, पाकिस्तान की ढाई गुना से अधिक और रूस की चार गुनी से ज्यादा आबादी के बराबर श्रद्धालु यहां अब तक आ चुके हैं। यही नहीं, जापान की 5 गुनी आबादी, यूके की 10 गुनी से ज्यादा आबादी और फ्रांस की 15 गुनी से ज्यादा आबादी ने यहां आकर त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगा ली है।तीर्थराज प्रयागराज में आयोजित इस महाकुम्भ में संख्या के लिहाज से भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में सनातन धर्म को मानने वाले करोड़ों श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। यदि देश की कुल जनसंख्या से स्नानार्थियों की तुलना की जाए तो इसके अनुसार भी लगभग 50 प्रतिशत भारत ने त्रिवेणी संगम में डुबकी लगा ली है। वहीं अगर सनातन धर्मावलंबियों की बात करें तो देश के 60 प्रतिशत से ज्यादा और दुनिया के करीब 55 प्रतिशत सनातनी श्रद्धालुओं ने पावन स्नान कर लिया है।45 दिन तक चले इस आयोजन में श्रद्धा की डुबकी लगाने के लिए दुनिया भर से श्रद्धालु जुटे हैं। 73 देशों के राजनयिकों के साथ भूटान नरेश नामग्याल वांगचुक समेत तमाम देशों के अतिथि यहां अमृत स्नान करने पहुंचे। यही नहीं, मां जानकी के मायके नेपाल के 50 लाख से अधिक लोग अब तक त्रिवेणी के पवित्र जल में स्नान कर महाकुम्भ के साक्षी बन चुके हैं।इसके अलावा इटली, फ्रांस, यूके, पुर्तगाल, अमेरिका, इजराइल, ईरान, मॉरीशस समेत दुनिया के कोने-कोने से श्रद्धालु यहां पहुंचे हैं। मां गंगा, मां यमुना और अदृश्य मां सरस्वती के पवित्र संगम में श्रद्धा और आस्था से ओत-प्रोत साधु-संतों, श्रद्धालुओं, स्नानार्थियों और गृहस्थों का स्नान अब उस शिखर के भी पार पहुंच गया है, जिसकी महाकुम्भ से पहले ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उम्मीद जताई थी।सीएम योगी ने पहले ही अनुमान जताया था कि इस बार जो भव्य और दिव्य महाकुम्भ का आयोजन हो रहा है वह स्नानार्थियों की संख्या का नया रिकॉर्ड स्थापित करेगा। उन्होंने शुरुआत में ही 45 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना जताई थी। हालांकि, श्रद्धालुओं की संख्या सीएम योगी के अनुमान से भी आगे निकल गई। बीती 11 फरवरी को ही 45 करोड़ श्रद्धालुओं का आंकड़ा पार हो गया, जबकि 22 फरवरी को यह संख्या 60 करोड़ से भी ऊपर पहुंच गई। महाशिवरात्रि पर 65 करोड़ की संख्या पार कर इसने नया कीर्तिमान बना दिया।

सामना में छपी सीएम फडणवीस की तारीफ लिखा फिक्सरों पर कार्रवाई अच्छी बात

मुंबई (आरएनएस)। यूबीटी शिवसेना के मुख पत्र सामना में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की तारीफ की गई है। सामना में लिखा गया कि फडणवीस ने राज्य में शासन को अनुशासन में लाने के लिए कड़े कदम उठाए हैं। पिछले तीन वर्षों में महाराष्ट्र की राजनीति में भ्रष्टाचार फैल गया था, जिससे राज्य का प्रशासन भ्रष्ट हो गया था।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने इस गंदगी को साफ करने का निर्णय लिया और इस कार्य की शुरुआत भी कर दी है।सामना के अनुसार, मुख्यमंत्री फडणवीस ने न केवल भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई की, बल्कि मंत्रियों द्वारा किए जा रहे गलत कामों पर भी कड़ी नजर रखी। मंत्रियों के पीए और ओएसडी (ऑफिशियल सेक्युरिटी डिवीजन) नियुक्त करने के अधिकार को फडणवीस ने छीन लिया।

इससे पहले, शिंदे सरकार के दौरान कई मंत्री अपने निजी सहायकों को नियुक्त कर रहे थे, जो भ्रष्टाचार और दलाली में लिप्त थे। फडणवीस ने ऐसे 16 नामों को नकारा, जो शिंदे सरकार में मंत्री के ओएसडी बनने के लिए भेजे गए थे। ये लोग फिक्सिंग और दलाली में शामिल थे और मुख्यमंत्री ने उन्हें सीधे तौर पर खारिज कर दिया।सामना में यह भी उल्लेख किया गया कि इन 16 नामों में से 12 शिंदे गुट के मंत्रियों द्वारा दिए गए थे। इस पर सवाल उठाया गया कि मंत्रियों को ऐसे लोगों की आवश्यकता क्यों थी, जो भ्रष्टाचार और फिक्सिंग में शामिल हों।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने इन फिक्सरों को नियुक्ति से बाहर कर दिया, जो राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था को साफ और पारदर्शी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था।इसके अलावा, माणिक कोकाटे जैसे कुछ मंत्रियों ने खुलकर स्वीकार किया कि मुख्यमंत्री फडणवीस ने उन्हें चेतावनी दी थी कि वह अच्छा काम करें और भ्रष्टाचार से बचें। फडणवीस का यह कदम राज्य में शासन व्यवस्था को सही दिशा में ले जाने के लिए महत्वपूर्ण है।सामना में लिखा गया कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र में शासन में सुधार लाने के लिए कई कड़े और प्रभावी कदम उठाए हैं और उनकी भूमिका राज्य के प्रशासनिक सुधारों में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

सेबी ने साइबर सुरक्षा में चूक के लिए 'आईसीसीएल' पर लगाया 5.05 करोड़ रुपये का जुर्माना

मुंबई (आरएनएस)। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने मंगलवार को साइबर सुरक्षा और सिस्टम ऑडिट से जुड़े नियमों का पालन करने में विफल रहने के लिए बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) की सहायक कंपनी इंडियन क्लियरिंग कॉरपोरेशन (आईसीसीएल) पर 5.05 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया।सेबी ने दिसंबर 2022 से जुलाई 2023 के बीच आईसीसीएल का निरीक्षण किया और बाद में अक्टूबर 2024 में 'कारण बताओ' नोटिस जारी किया। निष्कर्षों की समीक्षा करने के बाद, बाजार नियामक ने आईसीसीएल के संचालन में कई उल्लंघन पाए। उल्लंघन में एक प्रमुख मुद्दा यह था कि आईसीसीएल ने अपने प्रबंधन या बोर्ड की किसी भी टिप्पणी के बिना सेबी को अपनी नेटवर्क ऑडिट रिपोर्ट पेश की।नियमों के अनुसार, ऑडिट रिपोर्ट की पहले मार्केट इंफ्रास्ट्रक्चर संस्थानों के गवर्निंग बोर्ड द्वारा समीक्षा की जानी चाहिए और ऑडिट पूरा होने के एक महीने के भीतर सेबी को पेश करने से पहले उनकी प्रतिक्रिया शामिल की जानी चाहिए। सेबी ने यह भी पाया कि आईसीसीएल ने सॉफ्टवेयर क्लासिफिकेशन सहित आईटी एसेट्स की एक अप-टू-डेट इन्वेंट्री मेंटेन नहीं रखी थी। हालांकि, आईसीसीएल ने साल में दो बार साइबर ऑडिट किया, लेकिन इन ऑडिट में उठाए गए मुद्दों को समय पर हल नहीं किया गया।

एक और बड़ा उल्लंघन आईसीसीएल की आपदा रिकवरी सिस्टम से जुड़ा था।सेबी के दिशा-निर्देशों के अनुसार प्राइमरी डेटा सेंटर (पीडीसी) और आपदा रिकवरी साइट (डीआरएस) के बीच वन-टू-वन मैच की जरूरत होती है, लेकिन आईसीसीएल यह सुनिश्चित करने में विफल रहा। सेबी के अर्ध-न्यायिक प्राधिकरण, जी रामर ने आदेश जारी करते समय मार्केट इंफ्रास्ट्रक्चर संस्थानों पर डॉ. बिमल जालान समिति की 2010 की रिपोर्ट का हवाला दिया। नियामक ने आईसीसीएल को 45 दिनों के भीतर जुर्माना भरने का निर्देश दिया।

महाकुंभ से लौटते समय सड़क हादसे का शिकार हुई राज्यसभा सांसद महुआ माजी, परिवार के चार लोग भी घायल

रांची (आरएनएस)। झारखंड से जेएमएम की राज्यसभा सांसद महुआ माजी, उनके पुत्र सोमवित माजी, बहू कृति श्रीवास्तव माजी और ड्राइवर भूपेंद्र बास्के एक सड़क हादसे में घायल हो गए हैं। सांसद प्रयागराज में कुंभ स्नान के बाद अपनी स्कॉर्पियो से रांची लौट रही थीं। यह हादसा झारखंड के लातेहार सदर थाना क्षेत्र में हुआ। सभी घायलों को इलाज के लिए रांची के ऑर्किड हॉस्पिटल में दाखिल कराया गया है। सभी की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।बताया गया कि हादसा बुधवार को तड़के पौने चार बजे तब हुआ, जब गाड़ी चला रहे सांसद के पुत्र सोमवित माजी को झपकी आ गई और उन्होंने लातेहार में होटवाग नामक जगह पर एनएच-75 के पास खड़े एक ट्रक को टक्कर मार दी। सांसद ड्राइविंग सीट के ठीक पीछे बैठी थीं।

राष्ट्रपति मुर्मू, उपराष्ट्रपति धनखड़ और पीएम मोदी ने देशवासियों को दी महाशिवरात्रि की बधाई

नई दिल्ली (आरएनएस)। देशभर में आज महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जा रहा है। इस बीच, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ समेत कई नेताओं ने देशवासियों को महाशिवरात्रि की बधाई दी।राष्ट्रपति के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर लिखा, मैं सभी देशवासियों को महाशिवरात्रि के पावन पर्व की हार्दिक बधाई देती हूं। मेरी प्रार्थना है कि हम सब पर देवाधिदेव महादेव की कृपा बनी रहे तथा हमारा देश निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता रहे। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भी देशवासियों को महाशिवरात्रि की बधाई दी। उन्होंने एक्स पर लिखा, महाशिवरात्रि के इस पावन अवसर पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। आत्म-चिंतन और आध्यात्मिक जागरूकता का प्रतीक यह पावन पर्व हमें ज्ञान, धैर्य और करुणा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। मेरी कामना है कि सम्पूर्ण सृष्टि पर भगवान शिव की कृपा बनी रहे और उनके आशीष से हमारा राष्ट्र प्रगति और समृद्धि के पथ पर अग्रसर हो। हर हर महादेव।पीएम मोदी ने एक्स अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया। उन्होंने लिखा, सभी देशवासियों को भगवान भोलेनाथ को समर्पित पावन पर्व महाशिवरात्रि की असीम शुभकामनाएं।

यह दिव्य अवसर आप सभी के लिए सुख-समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य लेकर आए, साथ ही विकसित भारत के संकल्प को सुदृढ़ करे, यही कामना है। हर-हर महादेव !वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर लिखा, महाशिवरात्रि के पावन पर्व की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। शिव और शक्ति के मिलन का यह पर्व अध्यात्म, आत्मचिंतन और आस्था का महापर्व है।

देवाधिदेव महादेव से सभी के कल्याण की कामना करता हूं। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने महाशिवरात्रि की बधाई दी।

उन्होंने कहा, समस्त देशवासियों को महाशिवरात्रि के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं। भगवान महादेव से देश की खुशहाली एवं समृद्धि की प्रार्थना करता हूं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी देशवासियों को महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं दी। राहुल गांधी ने अपने एक्स अकाउंट पर एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, सभी को महाशिवरात्रि के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं! शिवशक्ति की कृपा आप सब पर हमेशा बनी रहे। हर हर महादेव।इसके अलावा सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा, सभी को महाशिवरात्रि की सर्वकल्याणकारी शुभकामनाएं! उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाशिवरात्रि के पर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, त्रिभुवनपति भगवान शिव की आराधना और उपासना को समर्पित पावन महापर्व महाशिवरात्रि की सभी श्रद्धालुओं एवं प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं। देवाधिदेव महादेव और माता पार्वती की कृपा से सभी का कल्याण हो, सम्पूर्ण सृष्टि का उद्धार हो।

नीतीश कुमार करेंगे कैबिनेट का विस्तार मंत्री दिलीप जायसवाल का इस्तीफा

पटना (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भागलपुर रैली और बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से सीएम नीतीश कुमार की मुलाकात के बाद बिहार में कैबिनेट विस्तार को लेकर हलचल तेज हो चली है. बीते दिन सीएम और नड्डा की बैठक में संभावित नामों पर चर्चा की गई. नड्डा से मुलाकात के बाद मंत्रिमंडल विस्तार पर सहमति बन गई. कैबिनेट विस्तार बुधवार शाम 4 बजे होगा. इस बीच बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है.मौजूदा समय में बिहार सरकार में कुल 30 मंत्री हैं, जिनमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और दो उपमुख्यमंत्री शामिल हैं. बिहार विधानसभा की संरचना को देखते हुए, कैबिनेट में अधिकतम 36 मंत्री हो सकते हैं. इसका मतलब यह है कि अभी भी छह पद खाली हैं, जिन्हें नए मंत्रियों से भरा जा सकता है. सूत्रों के मुताबिक तारकिशोर प्रसाद, संजय सरावगी, राजू यादव और अवधेश पटेल शपथ ले सकते हैं.बीजेपी कोटे से कुल 5 मंत्रियों को कैबिनेट में जगह दी जा सकती है. साथ ही एक-दो लोगों को मंत्रिमंडल से हटाया भी जा सकता है. पार्टी नेताओं के अनुसार 30 सदस्यीय बिहार मंत्रिमंडल में बीजेपी कोटे से दो उपमुख्यमंत्री सहित कुल 15 मंत्री हैं.बिहार भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने मंत्री पद से इस्तीफा देने पर कहा, मैं राजस्व मंत्री पद से इस्तीफा देने जा रहा हूं। एक व्यक्ति एक पद बीजेपी का ये सिद्धांत हैं और मैं अपने आपको सौभाग्यशाली मानता हूं कि केंद्रीय नेतृत्व, पूरे बीजेपी का बागडोर और जिम्मेदारी मुझ पर विश्वास रखती है इसलिए मैं आज इस्तीफा दे रहा हूं। मंत्रिमंडल का जो ये विस्तार है वो मुख्यमंत्री का विशेष क्षेत्राधिकार होता है तो वही से पता चलेगा...मैं सम्राट चौधरी के यहां जा रहा हूं जहां पर बैठक है।

दिल्ली -मेरठ एक्सप्रेस वे पर कार ने पांच कांवड़ियों को कुचला, दो सगे भाइयों समेत तीन की मौत, दो गंभीर

गाजियाबाद,(हि.स.)। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस वे पर मंगलवार की रात भोजपुर थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार कार ने मोटरसाइकिलों पर आ रहे पांच कावड़ियों को कुचल दिया। हादसे में हरियाणा के दो सगे भाइयों समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हैं। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है।डीसीपी ग्रामीण एसएन तिवारी ने बताया कि यह घटना मंगलवार और बुधवार की रात्रि करीब एक बजे हुई। फरीदाबाद के महमूदपुर गांव निवासी राहुल ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह अपने चचेरे भाइयों देवेंद्र, हरेंद्र और अन्य साथियों के साथ कांवड़ लेने हरिद्वार गए थे। सभी रात्रि में दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे से लौट रहे थे। जब उनकी बाइकें सड़क किनारे रुक गई।

काशी में भव्य नजारा, मंगला आरती के बाद निकली अखाड़ों की शोभायात्रा

वाराणसी,(हि.स.)। महाशिवरात्रि पर्व पर बुधवार को धर्म नगरी काशी में बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का अपार जनसैलाब उमड़ पड़ा है। इस बार करीब 25 लाख भक्तों के धाम में पहुंचने की संभावना जताई जा रही है, जो पिछले सभी रिकॉर्ड्स को पार कर रहा है। आधी रात से ही मंदिर के बाहर 3 किलोमीटर लंबी कतारें लगी हैं। बाबा विश्वनाथ लगातार 46 घंटे से अधिक समय तक भक्तों को दर्शन देंगे। इस ऐतिहासिक आयोजन को सुव्यवस्थित बनाने में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार व्यवस्थाओं पर नजर बनाए हुए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर उच्चाधिकारी लगातार क्षेत्र का दौरा कर हालात का जायजा लेते दिखे।महाशिवरात्रि का यह उत्सव काशी में उस समय और भी खास हो गया, जब महाकुम्भ का पलट प्रवाह यहां देखने को मिला। कुम्भ और महाशिवरात्रि का यह संयोग वर्षों बाद बना है, जिसने श्रद्धालुओं की संख्या को अभूतपूर्व स्तर पर पहुंचा दिया है। मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर मंदिर न्यास और जिला प्रशासन ने इस अपार जनसमूह को संभालने के लिए पुख्ता इंतजाम किए हैं। काशी विश्वनाथ धाम परिक्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद करने के लिए पुलिस, अर्धसैनिक बल, एटीएस कमांडो और एसटीएफ की तैनाती की गयी है। उच्चाधिकारी लगातार क्षेत्र का दौरा कर हालात का जायजा ले रहे हैं।काशी में महाशिवरात्रि पर अखाड़ों की शोभायात्रा भी इस बार भव्यता के साथ निकली। जूना अखाड़े के नागा साधु त्रिशूल, तलवार और गदा लेकर हर-हर महादेव के उद्घोष के साथ बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए निकले। पेशवाई का स्वागत फूलों की वर्षा और माल्यार्पण के साथ किया गया। मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर काशी विश्वनाथ धाम के गेट नंबर चार पर मंडलायुक्त कौशलराज शर्मा और पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल, जिलाधिकारी एस राजलिंगम सहित आला अधिकारियों ने नागा साधुओं का अभिनंदन किया।श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए वीआईपी और प्रोटोकॉल को निरस्त कर दिया गया है, ताकि हर भक्त को बाबा के दर्शन का समान अवसर मिले।

आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगा महाकुम्भ- प्रशांत कुमार

महाकुम्भनगर,(हि.स.)। उत्तर प्रदेश के शिव मंदिरों में भक्तों का पूरे दिन रेला लगा हुआ है। भक्त भगवान भोलेनाथ की पूजा–अर्चना कर रहें है। प्रयागराज महाकुम्भ महाशिवरात्रि के अन्तिम स्नान पर्व के साथ सम्पन्न हुआ। विश्व के सबसे बड़े सनातन धर्म के महापर्व में 45 दिनों में 65 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रयागराज के पावन त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाई। यह बात बुधवार को प्रदेश के डीजीपी प्रशांत कुमार ने कहा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर हमने भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा और तकनीकों का एक अभूतपूर्व मॉडल पेश किया है। हमने भीड़ प्रबंधन और निगरानी के लिए विश्व स्तरीय तकनीकों और एआई का प्रयोग किया। सभी एजेंसियों से हमें जो सहयोग मिला, उससे हमें अभूतपूर्व तरीके से प्रदर्शन करने में मदद मिली। अयोध्या, वाराणसी और विंध्यवासिनी देवी जैसे धार्मिक स्थलों पर प्रयागराज के दर्शन करने के बाद पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ी। महाकुंभ बिना किसी बड़ी त्रासदी के संपन्न हो गया। हमने रेलवे के साथ मिलकर काम किया और हमें पूरा विश्वास था और जैसा कि मैंने पहले कहा, यह हमारे लिए चुनौती नहीं बल्कि अवसर है। हमारे कर्मियों ने 45 दिनों तक जमीन पर काम किया और उससे पहले दो महीने तक प्रशिक्षण लिया। हमने कई उदाहरण पेश किए जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेंगे। हमारी सुरक्षा व्यवस्था कुछ और दिनों तक बनी रहेगी जब तक कि हम अपने सभी उपकरण नष्ट नहीं कर देते। व्यक्तिगत रूप से, यह गर्व की बात है और एक अविस्मरणीय अनुभव है।

संतों ने हमेशा समाज को दिखाई सही राहः राष्ट्रपति मुर्मु

छतरपुर/भोपाल, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि भारतीय परंपरा में संतों ने सदियों अपने कर्म और वाणी से जन मानस को राह दिखाई है। सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठाई है। अंधविश्वास के बारे में लोगों को जागरूक किया है। चाहे गुरुनानक हों, रविदास हों या संत कबीर दास हों, मीराबाई हों या संत तुकाराम, सभी ने समाज को सही राह दिखाई है।राष्ट्रपति ने यह बातें बुधवार को महाशिवरात्रि के अवसर पर मध्य प्रदेश के एक दिवसीय प्रवास पर छतरपुर जिले में स्थित बागेश्वर धाम में आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि सभी जोड़ों को बधाई देती हूं। सभी को सुखमय जीवन की शुभकामनाएं। आपको विवाह सूत्र में बांधने वाले बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री को धन्यवाद देती हूं। राष्ट्रपति ने कहा कि विवाहित जोड़ों को स्वावलंबी बनाने के लिए गृहस्थी के सामान के साथ-साथ जीवनयापन के लिए आटा चक्की और सिलाई मशीन भी दी जा रही है। सभी महिलाओं से कहना चाहूंगी कि आप आत्मनिर्भर बनने का प्रयास करें। जब आप सफल होंगी तभी हमारा समाज और देश सफल होगा। हमने एक विकसित देश बनाने का लक्ष्य रखा है।दरअसल, बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के नेतृत्व में महाशिवरात्रि के अवसर पर बागेश्वर धाम में देश के विभिन्न राज्यों की 251 बेसहारा कन्याओं का विवाह किया जा रहा है। इस सामूहिक विवाह महोत्सव में शामिल होने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु बुधवार को बागेश्वर धाम पहुंची है। यहां पं. धीरेंद्र शास्त्री ने राष्ट्रपति को हनुमान यंत्र भेंट किया। कार्यक्रम में राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी मौजूद रहे।

शीघ्रता से करें जन समस्याओं का समाधान, बदमाशों को सिखाएं कानूनी सबक - मुख्यमंत्री

● हर किसी को मिलेगी इलाज में मदद
● बच्चों से ठिठोली कर सीएम योगी ने दिया आशीर्वाद

गोरखपुर,(हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विश्व के सबसे बड़े आयोजन प्रयागराज महाकुंभ के आखिरी स्नान पर्व (महाशिव रात्रि) पर आज तड़के से ही ऑनलाइन निगरानी करते रहे। साथ ही देवाधिदेव महादेव की आराधना के इस विशेष पर्व पर आनुष्ठानिक व्यस्तता के बावजूद उन्होंने बुधवार सुबह जनता दर्शन में आए लोगों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन समस्याओं का समाधान शीघ्रता से किया जाए। आमजन को सताने, धमकाने और संपत्ति कब्जा करने वाले बदमाशों को कानूनी सबक सिखाया जाए। इसमें किसी भी तरह की शिथिलता या लापरवाही नहीं होनी चाहिए। हर समस्या का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और संतुष्टिपरक होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता की हर पीड़ा का निवारण सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है।जनता दर्शन में गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक सीएम योगी खुद पहुंचे। एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि सरकार किसी के साथ अन्याय नहीं होने देगी। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित निस्तारण का निर्देश देने के साथ मुख्यमंत्री ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने अधिकारियों को यह भी हिदायत दी कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए।राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को उन्होंने पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी नाइंसाफी नहीं होनी चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी मदद की जाए।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में गुरु गोरखनाथ का दर्शन करने आए बच्चों पर खूब प्यार-दुलार बरसाया। उन्होंने इन बच्चों से खूब बातें की, हंसी-ठिठोली के बीच उनकी पढ़ाई के बारे में जानकारी ली और फिर चॉकलेट गिफ्ट करते हुए उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया। सुबह सीएम योगी ने गोरखनाथ मंदिर में गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन किया

ऑस्कर योग केन्द्र ने स्नेहधरा वृद्धाश्रम में आयोजित किया महाकुंभ स्नान

लोकमित्र ब्यूरो

लखनऊ। ऑस्कर योग सांई कृपा सेवा संस्थान - ऑस्कर योग केन्द्र की ओर से बुधवार 26 फरवरी को जानकीपुरम के 316-सरस्वतीपुरम स्थित स्नेहधरा वृद्धाश्रम में निवास कर रहे वृद्धजनों के लिए महाकुंभ के पवित्र जल से स्नान करवाने की निःशुल्क व्यवस्था की गई। इसके लिए महाकुंभ के संगम से लाए गए पावन जल को विभिन्न ड्रमों में मिलाया गया। उस जल से स्नान कर वृद्धजनों ने अपनी आस्था को अखंड बनाए रखते हुए महा शिवरात्रि के पावन पर्व के दिन, पुण्य अर्जित किया।

इस अवसर पर स्नेहधरा वृद्धाश्रम की डायरेक्टर और सृजन फाउण्डेशन की उपाध्यक्षा अर्चना सक्सेना ने स्नेहधरा वृद्धाश्रम परिसर में महाकुंभ के पावन जल से वृद्धजनों के लिए स्नान की सुविधा देने के लिए ऑस्कर योग केन्द्र के संयोजक गणेश शंकर पवार के प्रयासों की प्रशंसा की। समारोह में उपस्थित सृजन फाउण्डेशन के अध्यक्ष अमित सक्सेना ने कहा कि इस प्रयास से निश्चित रूप से उन वृद्धजनों को लाभ मिला जो अधिक उम्र के कारण महाकुंभ में स्नान करने नहीं जा सके।

ऑस्कर योग केन्द्र की संचालिका सुमन पवार ने बताया कि उनका केंद्र बीते दस वर्षों से योग के क्षेत्र में जनजागृति ला रहा है। योग से रोगोपचार के लिए वह निःशुल्क योग शिविर भी आयोजित कर रही हैं। इसके लिए हेल्प लाइन 8081056414 पर वॉट्सऐप से संपर्क किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि विशेष रूप से महिलाओं को इस अभियान के माध्यम से लाभांवित किया जा रहा है। इसके साथ ही लोगों को आस्था से जोड़ने के लिए बीते पन्द्रह वर्षों से गणेशोत्सव का आयोजन हीवेट रोड पर करवाया जा रहा है। विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से पर्यावरण और गौरक्षा के प्रति भी लोगों को जागृत किया जा रहा है। उन्होंने स्नेहधरा वृद्धाश्रम द्वारा वृद्धजनों को दी जा रही सुविधाओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि इसके संयोजक ऐसे सुपुत्र और सुपुत्री हैं।

विदेशी श्रद्धालुओं ने साझा किए अनुभव, महाकुम्भ को बताया अद्भुत और अविस्मरणीय अनुभव

लोकमित्र ब्यूरो

लखनऊ। महाकुम्भ 2025 अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है और महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर त्रिवेणी संगम में देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। लंदन, ब्राजील, मैक्सिको और अमेरिका समेत दुनिया के कई अन्य देशों से आए श्रद्धालुओं ने गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम में पवित्र स्नान किया और भारतीय संस्कृति की गहराई को करीब से महसूस किया। इन विदेशी श्रद्धालुओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए इसे जीवन का अविस्मरणीय पल बताया। उल्लेखनीय है कि 13 जनवरी से 26 फरवरी के मध्य आयोजित किए गए महाकुम्भ 2025 ने विश्व भर से करोड़ों श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित किया। विदेशी भक्तों के अनुभव इस बात का प्रमाण हैं कि महाकुम्भ न केवल एक धार्मिक आयोजन है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति और आतिथ्य का वैश्विक मंच भी बन गया है।

यह जीवन में एक बार का अवसर लंदन से आईं एक श्रद्धालु ने भावुक होकर कहा, यहां आकर मुझे बहुत खुशी और शांति मिली। भीड़ का माहौल अनुभव करने लायक है, यह अद्भुत है। आज हर कोई उत्सव मना रहा है, यह मेरे पिछले दिनों से भी ज्यादा खास लग रहा है। मैंने इसे जीवन में एक बार मिलने वाला मौका समझा और अपनी सारी योजनाएं रद कर यहां आ गई। यह मेरे लिए इतना महत्वपूर्ण था।÷ उन्होंने आगे कहा, ÷यहां के लोग बहुत स्वागत करने वाले और दोस्ताना हैं। मैं भारतीय संस्कृति और रोजमर्रा की होने वाली पूजा-अर्चना के महत्व के बारे में बहुत कुछ सीख रही हूं। यह देखना भी खूबसूरत है कि लोग गंगा का जल अपने परिवार के उन सदस्यों के लिए ले जा रहे हैं जो यहां नहीं आ सके। मैंने महाकुम्भ के बारे में सोशल मीडिया और दोस्तों से जाना।

हम इसे अपने देश में दिखाना चाहते हैं

ब्राजील से आईं डेनियल ने उत्साह से कहा, ÷यह एक अद्भुत और अविस्मरणीय अनुभव है। हम बहुत दूर से आए हैं और इसे अपने लोगों और देश को दिखाने के लिए उत्साहित हैं। पूरा कुम्भ मेला कमाल का है। लोग बहुत दोस्ताना और स्वागत करने वाले हैं। डेनियल ने बताया कि उन्हें महाकुम्भ के बारे में अपने बॉस से पता चला, जो 12 साल पहले कुम्भ मेले को कवर कर चुके थे। उन्होंने कहा, यह मेरा पहला अनुभव था और यह शानदार रहा। ब्राजील से ही आए काको बार्सेलोस ने कहा, हम लोगों के साथ यहां होने के लिए लंबा सफर तय करके आए हैं। यह इतिहास का सबसे बड़ा मानव समागम है। यहां लोगों की भावनाएं बहुत प्रबल हैं। भारतीय लोगों की मुस्कान अद्भुत है। उनके शब्दों में भारतीय आतिथ्य और आध्यात्मिक ऊर्जा की गहरी छाप झलकती है।

मैक्सिको और अमेरिका से आए एक समूह ने भी त्रिवेणी संगम में स्नान किया। समूह की एक सदस्य एना ने कहा, ÷मैं अपने समुदाय के एक समूह के साथ यहां आई हूं। हमारे ग्रुप में मैक्सिको, कोलंबिया और इटली के लोग शामिल हैं। इतनी भक्ति को देखकर वाह जैसा अहसास हो रहा है। हमने यहां लोगों की दयालुता देखी। हर कोई बहुत स्वागत करने वाला है।

महाशिवरात्रि पर काशी में भव्य नजारा, मंगला आरती के बाद निकली अखाड़ों की शोभायात्रा

महाकुम्भ के पलट प्रवाह से काशी में इस साल महाशिवरात्रि पर सर्वाधिक हुई भक्तों की संख्या

लोकमित्र ब्यूरो

लखनऊ। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर काशी में बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का अपार जनसैलाब उमड़ पड़ा है। इस बार करीब 25 लाख भक्तों के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है, जो पिछले सभी रिकॉर्ड्स को पार कर रहा है। आधी रात से ही मंदिर के बाहर 3 किलोमीटर लंबी कतारें लगी हैं और बाबा विश्वनाथ लगातार 46 घंटे तक भक्तों को दर्शन देंगे। इस ऐतिहासिक आयोजन को सुव्यवस्थित बनाने में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार व्यवस्थाओं पर नजर बनाए हुए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर उच्चाधिकारी लगातार क्षेत्र का दौरा कर हालात का जायजा लेते दिखे।

महाशिवरात्रि का यह उत्सव काशी में उस समय और भी खास हो गया, जब महाकुम्भ का पलट प्रवाह यहां देखने को मिला। कुम्भ और महाशिवरात्रि का यह संयोग वर्षों बाद बना है, जिसने श्रद्धालुओं की संख्या को अभूतपूर्व स्तर पर पहुंचा दिया है। सीएम योगी के निर्देश पर मंदिर न्यास और जिला प्रशासन ने इस अपार जनसमूह को संभालने के लिए पुख्ता इंतजाम किए हैं। काशी विश्वनाथ धाम परिक्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद करने के लिए पुलिस, अर्धसैनिक बल, एटीएस कमांडो और एसटीएफ तैनात हैं। उच्चाधिकारी लगातार क्षेत्र का दौरा कर हालात का जायजा ले रहे हैं।

साधु-संतों और श्रद्धालुओं की अगवानी के लिए खड़े रहे अफसर काशी में महाशिवरात्रि पर अखाड़ों की शोभायात्रा भी इस बार भव्यता के साथ निकली। जूना अखाड़े के नागा साधु त्रिशूल, तलवार और गदा लेकर हर-हर महादेव के उद्घोष के साथ बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए निकले। पेशवाई का स्वागत फूलों की वर्षा और माल्यार्पण के साथ किया गया। सीएम योगी के निर्देश पर काशी विश्वनाथ धाम के गेट नंबर चार पर मंडलायुक्त कौशलराज शर्मा और पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल, जिलाधिकारी एस राजलिंगम सहित आला अधिकारियों ने नागा साधुओं का अभिनंदन किया।

महाकुंभ 2025: महाशिवरात्रि के पुण्य स्नान की मॉनिटरिंग कर रहे सीएम योगी

लोकमित्र ब्यूरो

लखनऊ। गोरखनाथ मंदिर स्थित स्थित नियंत्रण कक्ष से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पुण्य स्नान की मॉनिटरिंग कर रहे हैं और अधिकारियों को जरूरी निर्देश दे रहे हैं। महाकुंभ के अंतिम मुख्य स्नान पर श्रद्धालु भारी तादाद में जुटे हैं।

महाशिवरात्रि के अवसर पर महाकुंभ में पवित्र अनुष्ठान में भाग लेने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री कार्यालय के आधिकारिक एक्स हैंडल ने एक पोस्ट में लिखा, ÷मुख्यमंत्री योगी नाथ जी महाराज आज महाकुंभ-2025, प्रयागराज में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर पवित्र स्नान पर्व की व्यवस्थाओं का गोरखनाथ मंदिर स्थित कंट्रोल रूम से निरंतर निरीक्षण कर रहे हैं। इससे पहले सीएम योगी ने महाशिवरात्रि के अवसर पर श्रद्धालुओं को हार्दिक बधाई दी।सीएम योगी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, ÷महाकुंभ-2025, प्रयागराज में भगवान भोलेनाथ की उपासना को समर्पित महाशिवरात्रि के पावन स्नान पर्व पर आज त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाने हेतु पधारे सभी पूज्य साधु-संतों, कल्पवासियों एवं श्रद्धालुओं का हार्दिक अभिनंदन! त्रिभुवनपति भगवान शिव और पुण्य सलिला माँ गंगा सभी का कल्याण करें, यही प्रार्थना है। हर हर महादेव!

महाशिवरात्रि के दिन महाकुंभ के अंतिम पवित्र स्नान के लिए संगम पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। 26 फरवरी 2025 तक महाकुंभ 2025 में 40 लाख से अधिक तीर्थयात्री आ चुके हैं। अकेले इस खास दिन पर 25.64 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने पवित्र स्नान में हिस्सा लिया और अब तक पवित्र नदियों में स्नान करने वाले तीर्थयात्रियों की कुल संख्या 64.77 करोड़ तक पहुंच गई है। बड़ी संख्या में लोगों के आने के बावजूद, उत्तर प्रदेश सरकार ने सीएम योगी की निरंतर निगरानी के साथ यह सुनिश्चित किया है कि यह आयोजन सुचारू रूप से चले। तीर्थयात्रियों ने भी व्यवस्थाओं की प्रशंसा की है, जो इतने बड़े पैमाने पर आयोजित होने वाले आयोजन के प्रबंधन के लिए सरकार के प्रयासों को दर्शाता है।

डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने भंडारे का किया शुभारंभ

लोकमित्र ब्यूरो

लखनऊ। मोहनलालगंज के श्री काशीश्वर शिवालय में महाशिवरात्रि का पर्व धूमधाम से मनाया गया। बुधवार को शिव-पार्वती की पूजा-अर्चना के बाद भव्य बारात निकाली गई। सैकड़ों श्रद्धालुओं ने डीजे पर भक्तिमय धुनों के साथ नगर भ्रमण किया। मंदिर के पुजारी रमाकांत गिरि के अनुसार, महाशिवरात्रि से पहले सोमवार को हल्दी-मेंहदी और मंगलवार को संगीत कार्यक्रम का आयोजन हुआ। बुधवार सुबह पूजा के बाद पालकी में शिव-पार्वती की मूर्ति के साथ विशाल जुलूस निकला। यह जुलूस मुख्य बाजार, राधास्वामी आश्रम और फुलवरिया मोड होते हुए शिवालय वापस पहुंचा। मंदिर में देर शाम तक जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती रही। कालेबीर बाबा मंदिर के द्वादश ज्योतिर्लिंग मंदिर में मंगलवार को रुद्राभिषेक हुआ। बुधवार को डिप्टी

सीएम बृजेश पाठक ने दर्शन कर भंडारे की शुरुआत की। यूपीएल फैक्ट्री के शिवालय पर भी पूजन के बाद भंडारे का आयोजन किया गया। इस मौके पर जीएन श्रीवास्तव, अरुण द्विवेदी और अशीष गुप्ता मौजूद रहे। गनियार गांव में देशपाल सिंह और सुरेश सिंह द्वारा रामचरितमानस का अखंड पाठ कर भंडारे का आयोजन किया गया। पुरसेनी गांव में राजेंद्र यादव और राजेश यादव ने रामचरितमानस के अखंड पाठ के बाद भंडारे का आयोजन किया। मऊ गांव में नितुल शर्मा ने जनसहयोग से नए मंदिर में शिव मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा कराई और विशाल भंडारे का आयोजन किया। इन

सत्ता के अहंकार में भाजपा राजनीतिक शिष्टाचार विहीन हो गई: अखिलेश

लोकमित्र ब्यूरो

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार में भावनात्मक संवेदना नहीं है। सत्ता के अहंकार में भाजपा राजनीतिक शिष्टाचार विहीन हो गई है। अब तो हद हो गई है कि महाकुम्भ भगदड़ में मरने वाले लोगों के परिवारों को भी नहीं छोड़ा जा रहा है। पीड़ित और दुखी परिवारों की मदद करने के बजाय अपमानित किया जा रहा है।

अखिलेश यादव ने बुधवार को जारी एक बयान में कहा कि लोकतंत्र में जनता जनार्दन होती है। जनता सरकार चुनती है। उन्होंने कहा कि इस सरकार ने किसानों, नौजवानों, महिलाओं, व्यापारियों विपक्षी दलों के नेताओं व हर किसी को अपमानित और बदनाम करने का अभियान चलाया। लोकतंत्र की सरकार तानाशाह नहीं हो सकती है, लेकिन भाजपा सरकार का व्यवहार

तानाशाही है। राजनीतिक विरोधियों को प्रताड़ित और परेशान किया जा रहा है। भाजपा राज में लोगों को स्वतंत्र रूप से बोलने और लिखने का अधिकार नहीं रह गया है। समाजवादी पार्टी के कई लोगों के साथ द्वेषभाव से कार्रवाई की गई। भाजपा सरकार में अन्याय, अत्याचार चरम पर है। किसी को न्याय नहीं मिल रहा है।

अखिलेश यादव ने कहा कि दोषपूर्ण जीएसटी ने व्यापार और व्यापारियों को तबाह कर दिया है। भाजपा सरकार छापे डलवा कर व्यापारियों के साथ अत्याचार कर रही है। भाजपा सरकार की कार्य प्रणाली से व्यापारियों में भारी आक्रोश है। इस सरकार की जीरो पावर्टी योजना धोखा है। सरकार किसानों, नौजवानों, व्यापारियों, गरीबों हर वर्ग को झूठे सपने दिखाकर ठगने के लिए नई-नई तरीके खोजा करती है। भाजपा सरकार ने जनता की आस्था को व्यापार बना दिया है।

अखिलेश यादव ने कहा कि दान, पुण्य, सेवा के कुम्भ को कारोबार बना दिया। उनके लिए कुम्भ तीन लाख करोड़ का कारोबार बन गया है। समाजवादी सरकार ने 2013 में भव्य और शानदार कुम्भ का आयोजन किया था। हावर्ड विश्वविद्यालय की टीम ने उसका अध्ययन किया था, उस पर शोध किया। उस कुम्भ के प्रबंधन और व्यवस्थाओं की सराहना की। कुम्भ में स्नान के लिए अभी बड़ी संख्या में लोग रह गए हैं। इसलिए इसका आयोजन एक महीना और बढ़ाया जाना चाहिए। अभी भी बुजुर्ग अमृत स्नान से वंचित रह गए।

जनहित में बिजली के निजीकरण के प्रस्ताव को निरस्त करने की मांग

लखनऊ में शक्तिभवन पर विरोध सभा की जाएगी

लोकमित्र ब्यूरो

लखनऊ। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश की लखनऊ में हुयी बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार बिजली के निजीकरण की जारी प्रक्रिया के विरोध में बिजली कर्मी ध्यानाकर्षण कार्यक्रम जारी रखेंगे। ध्यानाकर्षण कार्यक्रमों के क्रम में 27 फरवरी, 28 फरवरी और 01 मार्च को प्रदेश भर में विरोध सभायें की जाएंगी।

03 मार्च को ट्रांजैक्शन कन्सल्टेंट नियुक्त करने हेतु बिड खोलने के विरोध में बिजली कर्मी समस्त जनपदों और परियोजना मुख्यालयों पर भोजनावकाश के दौरान विरोध सभा करेंगे। राजधानी लखनऊ में शक्तिभवन पर विरोध सभा की जाएगी।लखनऊ की विरोध सभा में लखनऊ स्थित समस्त कार्यालयों के बिजली कर्मी सम्मिलित होंगे।

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति संयोजक शैलेन्द्र दुबे के अनुसार 04 मार्च, 05 मार्च, 06 मार्च एवं 07 मार्च को प्रदेश भर में जन-जागरण हेतु विरोध सभाओं का क्रम जारी रहेगा। 08 मार्च, 2025 को लखनऊ में संघर्ष समिति के सभी घटक श्रम संघों, सेवा संगठनों के केन्द्रीय पदाधिकारियों एवं समस्त जनपदों, परियोजनाओं के संयोजक, सहसंयोजक की बैठक होगी जिसमें निजीकरण के विरोध में।अगले चरण के कार्यक्रम घोषित किये जायेंगे। संघर्ष समिति ने मुख्यमंत्री पर अपना पूर्ण विश्वास जताते हुए उनसे अनुरोध किया है कि व्यापक जनहित में बिजली के निजीकरण के प्रस्ताव को निरस्त किया जाए जिससे बिजली कर्मी प्रदेश की जनता को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने में लग रहे।

मुख्यमंत्री से ऊर्जा क्षेत्र में निजीकरण मसले पर हस्तक्षेप की मांग

गर्मी में डिमांड 33000 मेगावाट जाने की संभावना, पावर सेक्टर में उथल-पुथल ऐसा क्यों?

लोकमित्र ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में जहां एक तरफ निजीकरण के सवाल पर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री विधानसभा में बोल रहे हैं कि वह जो भी कर रहे हैं वह प्रदेश के उपभोक्ताओं को 24 घंटे बिजली देने के लिए कर रहे है। जबकि मार्च आते ही गर्मी शुरू होते ही अधिकतम डिमांड 32500 मेगावाट से लेकर 33000 मेगावाट जाने वाली है।

दूसरी तरफ निजीकरण से नाराज जनवरी और फरवरी के महीने में उत्तर प्रदेश में 8 मुख्य अभियंता और 3 अधीक्षण अभियंताओं ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) ले लिया हैं उत्तर प्रदेश के पावर सेक्टर में क्या हो रहा है ?

वास्तव में उपभोक्ता परिषद को अपने प्रदेश के 3 करोड़ 45 लाख विद्युत उपभोक्ताओं के लिए अब यह चिंता

हो रही है कि वास्तव में इस गर्मी में प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं को क्या सुचारू रूप से बिजली आपूर्ति हो पाएगी या नहीं। क्योंकि वर्तमान में प्रदेश का ऊर्जा सेक्टर बहुत ही विषम परिस्थितियों से गुजर रहा है। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने कहा वर्तमान में जिस प्रकार से ऊर्जा सेक्टर में उथल-पुथल चल रही है। मुख्य अभियंता स्तर के अधिकारी नौकरी छोड़कर भाग रहे हैं । इसके पीछे का कारण क्या है। इसके लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री को तत्काल स्वयं हस्तक्षेप करते हुए एक उच्च स्तरीय समीक्षा करना चाहिए की कहां पर मामला गड़बड़ हो रहा है। उपभोक्ता परिषद अध्यक्ष ने कहा 35 साल से ज्यादा की नौकरी करने वाले वरिष्ठ अभियंता गर्मी के पहले वीआरएस ले रहे हैं इस पर भी सोचना पड़ेगा।उपभोक्ता परिषद अध्यक्ष ने कहा इस बार उत्तर प्रदेश में देश की अधिकतम डिमांड जा सकती है। इसको देखते हुए वर्तमान में सभी बिजली कंपनियों मे मार्च के महीने में सुधार रूपी सभी कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जा चुका होता है। लेकिन इस बार परिस्थितियों काफी डिफ्रेंट है। सभी को पता है कि जून 2024 में उत्तर प्रदेश में अधिकतम डिमांड 30618 मेगावाट पहुंच चुकी है। ऐसे में पुराने वर्षों पर आकलन किया जाए तो 2500 से 3000 मेगावाट डिमांड इस बार अधिकतम बढ़ती है। ऐसे में सभी स्तर पर बिना व्यापक सुधार कार्यक्रम और रणनीति के प्रदेश के ऊर्जा सेक्टर को गर्मी में सुचार विद्युत आपूर्ति करना मुश्किल होगा।

अभिजात मिश्रा को विप्र फाउंडेशन उत्तर प्रदेश की कमान

लोकमित्र ब्यूरो

लखनऊ। सामाजिक समरसता के प्रबल पक्षधर, जुझारु नेता अभिजात मिश्रा को ब्राह्मण समाज के देश के सबसे बड़े संगठन विप्र फाउंडेशन का उत्तर प्रदेश रीजन का अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। कोलकाता स्थित केसर कुँज मुख्यालय से राष्ट्रीय संगठन महामंत्री ष्ट डॉ सुनील शर्मा ने बताया कि उत्तर प्रदेश में विभिन्न सामाजिक-राजनैतिक आंदोलनों के प्रणेता अभिजात मिश्रा ब्राह्मण समाज के एक प्रमुख एवं चर्चित चेहरे हैं। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने प्रदेश स्तरीय ब्राह्मण सम्मेलन के आयोजन के लिए ब्राह्मण समाज के जिन प्रबुद्ध जनों को दायित्व सौंपा था उनमें अभिजात मिश्रा भी शामिल थे।

विप्र फाउंडेशन के संस्थापक सुशील ओझा ने नव-नियुक्त अध्यक्ष अभिजात मिश्रा के मनोनयन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में एक करोड़ विप्रजनों को विप्र फाउंडेशन संगठन से जोड़ने का लक्ष्य है। उन्हें पूर्ण विश्वास है कि अभिजात मिश्रा संगठन के बैनर तले समाजजनों को एकजुट करने में न केवल सफल रहेंगे, बल्कि ब्राह्मण समाज के सर्वांगीण विकास संबंधी रोड मैप के क्रियान्वयन जैसे कार्यों को कुशलता से धरातल पर परिलक्षित कर सकेंगे।

ओझा ने बताया कि विप्र फाउंडेशन के लिये संगठन की दृष्टि से यह एक महत्वपूर्ण कालखण्ड है। गृह मंत्री अमित शाह ने अरुणाचल प्रदेश के परशुराम कुण्ड पर भगवान परशुराम की 54 फीट ऊंची जिस विशाल मूर्ति स्थापना हेतु शिला पूजन किया था उसका तथा जयपुर में नव निर्मित श्री परशुराम ज्ञानपीठ जैसे वृहद् प्रकल्प का लोकार्पण इसी वर्ष होना है। विप्र फाउंडेशन की राष्ट्रीय सचिव डॉ रुचि चतुर्वेदी ने कहा कि प्रदेश में ब्राह्मण समाज की एक बड़ी जनसंख्या है।

शिक्षक भर्ती में हुआ आरक्षण का उल्लंघन: तनुज पुनिया

कांग्रेस का दांव, सीएम योगी पर लगाए आरोप

लोकमित्र ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2018 में हुई 69000 शिक्षकों की भर्ती के मामले में कांग्रेस पार्टी ने यूपी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया ने रिपोर्ट का हवाला देते हुए भर्ती में आरक्षित वर्ग के लोगों को वंचित करने का गंभीर आरोप लगाया है।उन्होंने कहा, सरकार जानबूझकर एससी-एसटी,ओबीसी वर्ग के अभ्यर्थियों को नौकरियों से वंचित करना चाहती है, जो बाबा साहब के संविधान में दिए गए आरक्षण का उल्लंघन है। कांग्रेस ने इस मामले की न्यायिक जांच की मांग की है। मीडिया से मुखातिब कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया ने प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में 2018 से मामला चल रहा है। 69000 शिक्षकों की भर्ती की गई थी, सूत्रों के सहारे एक नया घोटाला सामने आया है।

इसमें 69000 शिक्षकों की भर्ती होनी थी, इस भर्ती में 18,500 आरक्षित सीटों पर एससी-एसटी,ओबीसी वर्ग के लोगों को नौकरी मिलनी थी, लेकिन इसमें से केवल 2,637 सीटों पर ही आरक्षण लागू किया गया।कांग्रेस सांसद ने कहा कि आरक्षित सीटों में बची 15,863 सीटों पर अनारक्षित वर्ग के लोगों को नौकरी दे दी गई। यह फैसला संविधान

में दिए गए आरक्षण पर हमला है और सामाजिक न्याय के खिलाफहै। यह संविधान में बाबा साहेब द्वारा दी गई आरक्षण व्यवस्था के खिलाफहै और हमारे समाज को कमजोर करने का प्रयास है।

दलित समाज, अनुसूचित जनजाति समाज और ओबीसी समाज के लोगों को नौकरियों से वंचित किया जा रहा है और उन्हें बेरोजगार रखा जा रहा है इस मामले की न्यायिक जांच होनी चाहिए। 18500 रिक्त आरक्षित सीटों को एससी-एसटी,ओबीसी वर्ग के योग्य उम्मीदवारों से भरा जाना चाहिए तथा इसके लिए आवाज उठाने वालों पर हो रहे अत्याचार और उत्पीड़न को भी रोका जाना चाहिए।

योगी मंत्रिमंडल का विस्तार जल्द, कई मंत्रियों की हो सकती छुट्टी

बीजेपी के नए प्रदेश अध्यक्ष के नाम का भी जल्दी हो सकता ऐलान

लोकमित्र ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ की सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार जल्दी हो सकता है। नए मंत्रिमंडल में फेरबदल भी सम्भव है, कुछ मंत्रियों की छुट्टी हो सकती है, लगभग आधा दर्जन नए चेहरों को शामिल किया जा सकता है। असंतोषजनक प्रदर्शन वाले मंत्रियों की छुट्टी हो सकती है।

फेरबदल में कई मंत्रियों के विभाग बदले जाएंगे।75 पार नेताओं को आराम दिया जाएगा। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का राज्यस्तर से फीडबैक लेने के बाद होमवर्क पूरा है। मंत्रिमंडल में पश्चिमी यूपी की हिस्सेदारी बढ़ेगी।मंत्रिमंडल में नये चेहरों को मौका देने का उद्देश्य कार्यकर्ताओं को 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए संदेश देना है, निष्ठावान कार्यकर्ताओं की अनदेखी नहीं होगी। हाल में सम्पन्न विधानसभा उपचुनाव में भाजपा ने प्रतिष्ठित मिल्कीपुर सीट सहित 10 में आठ सीटों पर जीत दर्ज की थी।

भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा से पहले हो सकती है। पहले अनुमान लगाए जा रहे थे कि दिल्ली विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा के नये अध्यक्ष की घोषणा हो सकती है।भाजपा के जिलाध्यक्षों की सूची भी जल्द ही जारी की जाएगी। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव, महाकुंभ के आयोजन की वजह से प्रक्रिया कुछ धीमी हुई।

जिलाध्यक्षों की सूची जारी होने में कहीं कोई पेंच नहीं है। बहुत जल्द ही जिलाध्यक्षों की सूची जारी होगी। भाजपा का संगठन सर्वव्यापी और सर्वस्पर्शी है।

परिवहन निगम रोड सेफ्टी अवार्ड में अव्वल

महाकुंभ में परिवहन निगम ने यात्रियों को मुहैया कराई बेहतर सेवाये: दयाशंकर

लोकमित्र ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दया शंकर सिंह ने उत्तर प्रदेश परिवहन निगम को रोड सेफ्टी अवार्ड में प्रथम एवं फ्यूल एफिशिएंसी अवार्ड में रनर- अप रहने पर बधाई देते हुए कहा कि परिवहन निगम लगातार बेहतर कार्य कर रहा है और आगे भी मुख्यमंत्री की अपेक्षाओं और संकल्पनाओं पर खरा उतरने का प्रयास करता रहेगा।

उन्होंने परिवहन निगम में कार्यरत सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इसके लिए धन्यवाद भी दिया है। एसोसिएशन ऑफ स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट अंडरटेकिंग एएसआरटीयू द्वारा यह अवार्ड दिया जा रहा है। गत वर्ष परिवहन निगम को तीन श्रेणियां में अवार्ड मिल चुका है।

परिवहन मंत्री ने बताया 6 कैटेगरी में परिवहन निगम द्वारा नॉमिनेशन भेजा गया था जिसमें दो कैटेगरी में परिवहन निगम को अवार्ड की घोषणा हुआ है। महाकुंभ के दौरान परिवहन निगम ने अपनी बेहतर सेवाएं यात्रियों को मुहैया कराई हैं।मेला क्षेत्र में लोगों को मुख्य स्नान पर्वों के दिन एवं उसके एक दिन पूर्व बाद में निशुल्क यात्रा हो या अस्थाई बस स्टेशनों से प्रदेश के प्रत्येक कोने तक श्रद्धालुओं को उनके गंतव्य तक पहुंचाना, दायित्वों का निर्वहन परिवहन निगम ने बेहतर ढंग से किया है। उन्होंने परिवहन निगम को लगभग 550 करोड़ का बजट में प्रावधान किए जाने पर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि बजट का पूरा उपयोग परिवहन निगम द्वारा बस स्टेशनो को अत्याधुनिक बनाने और बस बेड़ों की संख्या में वृद्धि में किया जाएगा। साथ ही उत्तम तकनीकी के इस्तेमाल पर भी जोर दिया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

महिला दरोगा पर हमला

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मड़ियांव स्थित केशव नगर इलाके में किराएदार ने महिला दरोगा पर हमला कर दिया। महिला दरोगा अपने परिचित के घर मिलने आई थी। वहीं पर किराएदार से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। जिसके बाद किराएदार ने हमला कर दिया। महिला दरोगा का नाम मंजुलता श्रीवास्तव बताया जा रहा है। उन्हें इलाज के लिए ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। एसीपी बृज नारायण सिंह ने बताया कि दरोगा मंजुलता गैर जनपद में तैनात हैं। लखनऊ में मड़ियांव इलाके में रहती हैं। वहीं पर पड़ोसी का किराएदार भानु सिंह से विवाद हो रहा था। इस उन्होंने बीचबचाव किया तो आरोपी ने उनके सिर पर हमला कर दिया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया है। मामले में पूछताछ की जा रही है।

शादी तोड़ने के लिए भेजा अश्लील वीडियो

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में सिरफिरे आशिक ने युवती की अश्लील फोटो उसके परिजनों और मंगेतर भेज दी। साथ ही शादी तोड़ने का परिवार वालों पर प्रेशर बना रहा है। परिजनों के विरोध पर जान से मारने की धमकी और अश्लील फोटो-वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दे रहा है। सआदतगंज पुलिस आरोपी के खिलाफएफआईआर दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। सआदतगंज निवासी युवती के भाई ने बताया कि बहन की शादी तय होते ही चिनहट निवासी विशाल गौतम बहन को परेशान करने लगा। बहन की 5 फरवरी को गोद भराई होते ही फोन करके धमकी देने लगा कि बहन की शादी तोड़ दो, वरना उसकी अश्लील वीडियो और फोटो होने वाले बहनोई को भेज देगा। परिजनों ने इज्जत के खातिर कोई कार्रवाई नहीं की और उसको समझाने की कोशिश की। युवती के भाई ने बताया कि 20 फरवरी को विशाल ने फोन पर धमकी देने के बाद बहन के अश्लील फोटो और वीडियो होने वाले बहनोई को भेज दी। साथ ही उन्हें बहन के विषय में गलत जानकारी देकर शादी तुड़वाने की कोशिश भी की। परिवार पर शादी तोड़ने का दबाव बना रहा है। सआदतगंज पुलिस के मुताबिक आरोपी के खिलाफमुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। साक्ष्यों के आधार पर आरोपी के खिलाफकार्रवाई की जाएगी।

हाथी-घोड़े डीजे-डांस के साथ निकली शिव बारात, लगे महादेव के जयकारे

लखनऊ। महाशिवरात्रि पर लखनऊ के शिवालय शिवमय हैं। मंदिरों में सुबह से भक्तों की लाइन लगी है। मनकामेश्वर मंदिर से लेकर सिद्धनाथ, कोतवालेश्वर, महाकाल मंदिर और बड़ज्ञ शिवालय में विशेष पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठान हो रहे हैं। शिव भक्त गंगाजल, बेलपत्र और दूध से बाबा का अभिषेक कर रहे हैं। मनकामेश्वर मंदिर में भक्तों की 2 किलोमीटर से अधिक लाइन लगी है। इधर मोहनलालगंज में श्री काशेश्वर महादेव की बारात निकाली गई। बारात में भक्तों ने हर हर महादेव का जमकर उद्घोष किया। महंत देव्या गिरि ने भोर 2 बजे भगवान शिव का 101 लीटर दूध से अभिषेक किया। इसके बाद भव्य श्रृंगार हुआ। ब्रह्म मुहूर्त में 4 बजे से मंदिर के पट भक्तों के दर्शन के लिए खोल दिए गए। भारी भीड़ को देखते हुए विशेष क्राउड मैनेजमेंट की व्यवस्था की गई है। गर्भगृह में प्रवेश प्रतिबंधित है। जलधारी से जलाभिषेक की सुविधा दी गई है।

प्राचीन शिव मंदिर से निकली भव्य बारात

लखनऊ। लखनऊ के बख्शी का तालाब क्षेत्र स्थित इटौंजा में महाशिवरात्रि के अवसर पर गंगा-जमुनी तहजीब की अनूठी मिसाल देखने को मिली। प्राचीन निगोड़े नाथ शिव मंदिर से भव्य शिव बारात निकाली गई। बुधवार दोपहर को निकली बारात में ऊंट, हाथी और ढोल-नगाड़ों की धुन पर लोग नाचते-गाते नजर आए। बम-बम भोले के जयकारों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो उठा। बारात का रूट अशोक रोड से शुरू होकर बड़ी बाजार स्थित शिवाला तक रहा। वीरेश्वर शिव मंदिर में जलाभिषेक के बाद बारातियों को नाश्ता कराया गया। फिर बारात बड़ी बाजार से चचुआ चौराहे होते हुए निगोड़े नाथ शिव मंदिर पहुंची। सुरक्षा व्यवस्था के लिए एसीपी बीकेटी ऋषभ रुणवाल और इटौंजा थाना प्रभारी मार्कंडेय यादव पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। उपजिलाधिकारी बीकेटी सतीश चंद्र त्रिपाठी भी बारात में शामिल हुए। बीकेटी विधानसभा क्षेत्र के विधायक योगेश शुक्ला और इटौंजा नगर पंचायत के चेयरमैन अवधेश अवस्थी उर्फ कमल सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बारात में शामिल रहे। आयोजक चमन पांडे ने बताया कि यह बारात गंगा-जमुनी तहजीब का प्रतीक है। सभी समुदाय के लोग इसमें भाग लेते हैं। अब तक कभी कोई अप्रिय घटना नहीं हुई है।

मरकज़ी चाँद कमेटी की तमाम मुसलमानों से रमज़ान का चाँद देखने की अपील

लखनऊ। मरकज़ी चाँद कमेटी फरंगी महल के सदर एवं इमाम ईदगाह लखनऊ मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली काज़ी-ए-शहर की अध्यक्षता में कमेटी के सदस्यों की एक अहम् बैठक हुई जिसमें मौलाना ने तमाम मुसलमानों से अपील की कि वह 28 फरवरी 2025 दिन जुमे को रमज़ानुल मुबारक के चाँद देखने का एहतिमाम करें। चाँद देख कर कमेटी के अध्यक्ष को गवाही दें या इस सिलसिले में निम्नलिखित मोबाइल नम्बरों पर सम्पर्क करें: 94150.23970 93359.29670 94151.02947 98393.13602 98899.11119 98391.32548 7376952721 9140427677

किसान को मृत घोषित कर रोक दी थी पेंशन

लखनऊ। लखनऊ के मोहनलालगंज के निगोहा निवासी माता प्रसाद को वृद्धावस्था पेंशन के सहारे अपना गुजारा करना था, लेकिन सरकारी रिकॉर्ड में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। नतीजा यह हुआ कि उनकी पेंशन अचानक बंद हो गई। बेबस माता प्रसाद ने जब कई दफ्तरों के चक्कर काटे और कोई सुनवाई नहीं हुई, तो आखिरकार उन्होंने डीसीपी दक्षिणी से गुहार लगाई। मामला जब समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण के संज्ञान में आया, तो उन्होंने तुरंत समाज कल्याण विभाग के उपनिदेशक को 24 घंटे के भीतर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने माता प्रसाद से संपर्क कर उनकी ई-केवाईसी पूरी करवाई और पेंशन फिर से चालू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी। समाज कल्याण मंत्री ने खुद वीडियो कॉल पर माता प्रसाद से बात कर उन्हें भरोसा दिलाया कि अब मार्च 2025 से उनकी पेंशन नियमित रूप से मिलेगी। मंत्री असीम अरुण ने साफ कहा कि पेंशन बुजुर्गों के जीवन का आधार है, इसे रोकना अपराध से कम नहीं। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि गलत सत्यापन करने वाले कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई होगी ताकि भविष्य में किसी और बुजुर्ग को ऐसी परेशानी न झेलनी पड़े।

थाने के मालखाने से रुपये-जेवर गायब

लखनऊ। कानपुर में गोविंदनगर थाने के मालखाने से 41 लाख रुपये से अधिक की नकदी, जेवर व कई केसों से जुड़े दस्तावेज गायब करने के आरोप में फंसे तत्कालीन हेड मोहर्रिर दिनेश चंद्र तिवारी पर बर्खास्तगी की तलवार लटकने लगी है। डीसीपी क्राइम की प्रारंभिक जांच में दोषी पाए जाने पर जेसीपी मुख्यालय ने वर्तमान में लखनऊ में तैनात तिवारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के लिए लखनऊ पुलिस कमिश्नर को पत्र भेज दिया है। 22 अक्तूबर 2020 से 17 अक्तूबर 2024 तक दिनेश चंद्र तिवारी गोविंदनगर थाने में बतौर हेड मोहर्रिर के पद पर तैनात रहा था। वर्तमान में वह लखनऊ के चौक थाने में दरोगा के पद पर तैनात है। उसके तबादले के बाद मोहर्रिर अजय कुमार को चार्ज दिया गया था। अजय ने चार्ज संभालने के बाद मालखाने में दाखिल माल का मिलान शुरू किया तो 21 मुकदमों से जुड़ी 41.30 लाख रुपये कीमत के जेवर, नकदी और महत्वपूर्ण दस्तावेज गायब मिले।कई बार बुलाने पर तिवारी कानपुर आया, लेकिन गायब सामान की जानकारी नहीं दे सका। इसके बाद से वह बुलाने पर भी नहीं आ रहा था। मामला संज्ञान में आने के बाद थाना प्रभारी प्रदीप कुमार सिंह ने उच्चाधिकारियों को सूचना देने के साथ ही तत्कालीन हेड मोहर्रिर के खिलाफएफआईआर दर्ज कराई थी। सीपी ने मामले की प्रारंभिक जांच डीसीपी क्राइम,साउथ आशीष श्रीवास्तव को दी थी। डीसीपी की प्राथमिक जांच में तत्कालीन हेड मोहर्रिर दोषी पाए गए। ज्वाइंट सीपी विपिन मिश्रा ने पुलिस कमिश्नर लखनऊ को विभागीय कार्रवाई के लिए पत्र भेजा है। तिवारी को नोटिस भेजकर बयान के लिए बुलाया गया है। बयान दर्ज करने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। सूत्रों के अनुसार दिनेश के खिलाफपर्याप्त साक्ष्य हैं। अगर नोटिस के बाद भी बयान देने नहीं पहुंचा तो उसी को आधार बनाकर बर्खास्तगी की कार्रवाई कर दी जाएगी।

रोहतास बिल्डर्स समेत तीन पर धोखाधड़ी का मुकदमा

रीसेल में प्लाट दिलाने के नाम पर 6.19 लाख रुपये धोखाधड़ी का मुकदमा

पीड़ित ने हजरतगंज कोतवाली में कराई रिपोर्ट, पुलिस की जांच शुरू

लोकमित्र ब्यूरो

लखनऊ। रोहतास प्रोजेक्ट लिमिटेड में रीसेल में प्लाट दिलाने के नाम पर वृंदावन कालोनी के रहने वाले राधेश्याम से 6.19 लाख रुपये की ठगी की गई। पीड़ित ने संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध बबलू कुमार से न्याय की गुहार की। इसके बाद रोहतास प्रोजेक्ट के निदेशक समेत तीन के खिलाफ हजरतगंज कोतवाली में धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया।

इंस्पेक्टर हजरतगंज विक्रम सिंह के मुताबिक राधेश्याम ने बताया कि रायपुर छत्तीसगढ़ के रहने वाले घनश्याम विश्वकर्मा ने रोहतास प्रोजेक्ट लिमिटेड के एक प्लाट के रीसेल में बिक्री होने का पता चला। इंदिरानगर सेक्टर 13 के रहने वाले विवेक खुल्लर और उनकी पत्नी नीलम से मुलाकात हुई। पता चला कि उन्होंने 3.76 लाख में रीसेल में एक प्लॉट अगस्त 2017 में खरीदा था। जिसका नामांतरण रोहतास प्रोजेक्ट ने उसी दिन भाई के नाम कर दिया था। शेष 7,42,825 रुपये अदा कर तीन माह में कब्जा देने की बात तय हुई थी। प्लाट के लिए 11.19 लाख देने के बाद भी आरोपियों ने रजिस्ट्री नहीं की। सात साल तक दंपति टाल मटोल करते रहे। रुपयों की मांग की तो गाली-गलौज कर धमकाने लगे।

इसके बाद रोहतास प्रोजेक्ट संपर्क करने की कोशिश की तो पता चला कि हजरतगंज स्थित रोहतास प्रोजेक्ट का आफिस भी बंद हो चुका है। जेसीपी से मुलाकात की। जेसीपी के आदेश पर रोहतास प्रोजेक्ट के निदेशक, विवेक खुल्लर और उनकी पत्नी के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ।

मोहम्मदी मिशन ने बांटा मासिक वजीफा

लोकमित्र ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी में आल इण्डिया मोहम्मदी मिशन ने तालकटोरा स्थित कार्यालय पर मासिक राशि वितरण किया। रमजान से पूर्व संगठन की ओर से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों और विधवा महिलाओं को सहायता राशि दिया गया। संगठन के संरक्षक मुफ्ती इरफान मियां ने बताया कि इस माह 60 परिवारों को वजीफा के रूप में सहायता राशि वितरित की गई। मुफ्ती इरफान मियां फरंगी महली ने कहा कि अल्लाह की इबादत के साथ लोगों की मदद करना हमारा कर्तव्य है। रमजान से पूर्व लोगों को सहयोग राशी बांटी गई। उन्होंने कहा की इस्लाम धर्म ने शिक्षा दिया कि मालदार लोग समाज के गरीब लोगों की सहायता करें। छात्रों की शिक्षा में मदद करना और मरीज को इलाज प्रदान कराना सबसे नेक काम है। संगठन के द्वारा यह सभी काम लगातार किया जा रहा है। कोरोना के बाद से हर महीने 100 से अधिक परिवारों को राशन किट और लखनऊ के विभिन्न क्षेत्रों में मेडिकल कैंप का आयोजन किया जा रहा है। संगठन के अध्यक्ष सैयद इकबाल हाशमी ने कहा कि परेशान यतीम, बेसहारा लोगों की सेवा करना इबादत है। ईश्वर के बंदों की सेवा करना मानवीय नैतिकता का काम है। सेवा का काम करने वालों की हमेशा सराहना होनी चाहिए। मौजूदा समय में लोग विभिन्न समस्याओं से जूझ रहे हैं। इन परिस्थितियों में गरीबों और बेसहारा जरूरतमंदो तक खाने-पीने का सामान पहुंचाना और आर्थिक मदद करना सवाब का काम है। आल इण्डिया मुहम्मदी मिशन की ओर से ये कार्य लगातार किया जा रहा है।

जवाहर भवन इंदिरा भवन कर्मचारी महासंघ का चुनाव आज

लखनऊ। जवाहर भवन इंदिरा भवन कर्मचारी महासंघ का द्विवार्षिक चुनाव में आज मतदान संपन्न होगा। यह जानकारी देते हुए चुनाव अधिकारी डी के मिश्रा ने बताया कि इस चुनाव में लगभग 2600 मतदाता अपने अपने मतों का प्रयोग करेंगे। अध्यक्ष पद पर सतीश कुमार पाण्डेय पहले ही निर्विरोध रूप से निर्वाचित हो चुके हैं। उन्होंने बतया कि संगठन मंत्री,प्रचार मंत्री,कोषाध्यक्ष एवं संप्रेक्षक के लिए भी निर्विरोध चुनाव हो चुका है। अब महामंत्री के एक पद के लिए,उपाध्यक्ष के चार पदो के लिए,मंत्री के पांच पदो के लिए मतदान होगा। महामंत्री पद पर राम कुमार धानुक और सुशील कुमार बच्चा चुनाव मैदान में हैं। उपाध्यक्ष के पद पर आकिल सईद बबलू,अमित खरे,अमित कुमार शुक्ला,संजय कुमार शुक्ला,उमंग निगम एवं विजय कुमार अवस्थी चुनाव मैदान में हैं।जबकि मंत्री पद पर जलिस खान, अभिनव त्रिपाठी,अजय कुमार,हरिओम पाण्डेय,हेमंत कुमार,जगत नारायण सिंह, राकेश कुमार एवं राम बदल दुबे चुनाव मैदान में है।

महाशिवरात्रि पर शिव भोला मंदिर में उमड़ा भक्तों का सैलाब

24 घंटे का अखंड रामचरित मानस पाठ, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

लोकमित्र ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के गोमती नगर स्थित शिव भोला मंदिर में महाशिवरात्रि पर भक्तों की अपार भीड़ उमड़ी। सुबह ब्रह्म मुहूर्त से मंदिर परिसर में जल चढ़ाने के लिए हजारों भक्तों की कतारें लगी रहीं। मंदिर परिसर में विशेष आयोजन किए गए। शुभम, महेश, शिवम् और अंशु द्वारा 24 घंटे का अखंड रामचरितमानस पाठ शुरू किया गया। पाठ के बाद भंडारे का आयोजन होगा। मंदिर के बाहर फूल, मलाई और पूजन सामग्री की दुकानें सजी हुई थीं। पंडित शिवानंद मिश्रा ने बताया कि इस वर्ष सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा किया गया है। पुलिस की विशेष तैनाती की गई है। मंदिर में भक्तों की सुविधा के लिए सफाई कर्मचारियों की भी नियुक्ति की गई है। सती पूजा के लिए आ रहे भक्तों को प्रसाद की भी व्यवस्था की गई है। भक्तों में काफी उत्साह देखा जा रहा है और पिछली बार से इस बार काफी श्रद्धालु जल चढ़ाने पहुंचे हैं। श्रद्धालु शिवम् श्रीवास्तव ने बताया कि वे पहले मनकामेश्वर मंदिर जाते थे। इस बार शिव भोला मंदिर में जल चढ़ाने का अनूठा अनुभव मिला। एक अन्य भक्त राजन शुक्ला ने कहा कि महाशिवरात्रि पर व्रत रखने का विशेष महत्व है। वे भजन संध्या के साथ व्रत रखेंगे। मंदिर परिसर में भक्तों की श्रद्धा और विश्वास से एक आध्यात्मिक माहौल बना हुआ था। लोगों का कहना था कि वे इस पावन दिन का पूरे साल इंतजार करते हैं।

लखनऊ मेट्रो फेज-2 के लिए मिट्टी की जांच शुरू

सरफराजगंज में नमूने लिएय बसंतकुंज से चारबाग तक दौड़ेगी मेट्रो, 12 स्टेशन होंगे

लोकमित्र ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ मेट्रो के ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर (चारबाग से वसंतकुंज) निर्माण के लिए मिट्टी की जांच शुरू हो गई है। इस रूट पर मेट्रो संचालन से करीब 10 लाख लोगों को फायदा होगा। इससे पहले 9 जुलाई 2024 को डीपीआर को दिल्ली से मंजूरी मिल चुकी है। योगी सरकार ने मार्च 2024 में इस प्रोजेक्ट को फाइनल करके केंद्र सरकार को भेजा था। मेट्रो अधिकारियों के मुताबिक पब्लिक स्वॉयल टेस्टिंग के तहत सरफराजगंज में मिट्टी की टेस्टिंग का काम शुरू कर दिया गया है। इसके अलावा टोपोग्राफी (एरियल सर्वे) और यूटिलिटी सर्वे भी कराया जा रहा है। इंवेस्टमेंट बोर्ड (पीआईबी) और केंद्रीय कैबिनेट से मंजूरी मिलते ही निर्माण कार्य शुरू करवा दिया जाएगा। यह लखनऊ मेट्रो का फेज-2 प्रोजेक्ट है। इसकी कुल लंबाई 11.165 किमी है। इसमें कुल 12 स्टेशन होंगे। यह रूट चारबाग से वसंतकुंज तक बनेगा। इसमें 7 भूमिगत मेट्रो स्टेशन होंगे। 6.8 किमी मेट्रो लाइन अंडरग्राउंड बनाई जाएगी। चारबाग से वसंत कुंज रूट पर एलिवेटेड रूट की लंबाई 4.286 किमी होगी। भूमिगत लंबाई 6.879 किमी होगी। जिसमें 7 भूमिगत और 5 एलिवेटेड स्टेशन होंगे। ये कॉरिडोर मौजूदा नार्थ-साउथ कॉरिडोर के चारबाग मेट्रो स्टेशन से जुड़ेगा। चारबाग मेट्रो स्टेशन इंटरचेंज स्टेशन के तौर पर काम करेगा।

11.165 किमी लंबे कॉरिडोर के निर्माण पर लगभग 5,801 करोड़ रुपए खर्च होगा। ईस्ट वेस्ट कॉरिडोर अमीनाबाद,पांडेय गंज, मेडिकल कालेज व चौक जैसे व्यस्त इलाकों को जोड़ेगा। इसे ब्लू लाइन नाम दिया गया है। 23 जून 2026 तक इसका निर्माण पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। पतंगबाजी के कारण आए दिन बंद होने वाली मेट्रो से सबक लेते हुए यूपीएमआरसी सेकेंड फेज में ओवरहेड वायर की जगह थर्ड रेल लाइन बिछाएगा। इसमें ट्रेन के ठीक बगल में एक पटरी चलती है, जिससे करंट जाता है। इससे कोई भी वायर ट्रेन के ऊपर नहीं रहता। इससे ट्रिप होने की समस्या से छुटकारा मिलेगा। वहीं, चारबाग से वसंत कुंज तक लखनऊ मेट्रो का ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर पुराने लखनऊ के अमीनाबाद, चौक जैसी जगहों को कनेक्ट करेगा। यह अपने मार्ग के साथ अन्य भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों को भी जोड़ेगा। यूपी मेट्रो के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार ने कहा कि मेट्रो के ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर को एनपीजीपी से मंजूरी एक बड़ी उपलब्धि है। लखनऊ की शहरी आबादी के लिए यह प्रोजेक्ट बेहद अहम है।

पीजीआई में 89 दिनों के लिए रेजिडेंट डॉक्टरों की भर्ती होगी

लोकमित्र ब्यूरो

लखनऊ। पीजीआई के 23 विभागों में 89 दिनों के लिए जूनियर व सीनियर रेजिडेंट डॉक्टरों की भर्ती होगी। रेडियोथेरेपी विभाग में मेडिकल फिजिक्स रखे जाएंगे। इसके लिए 28 फरवरी को साक्षात्कार होंगे। रेडियोडाग्नोसिस विभाग में 16 व लैब मेडिसिन में तीन जूनियर रेजिडेंट की तैनाती होगी। इससे जांच का इंतजार कम होगा। क्लीनिकल हिमेटोलॉजी में तीन, क्रिटिकल केयर मेडिसिन में सात, सीवीटीएस में दो, फॉरेंसिक मेडिसिन में एक, ऑब्स एंड गाइनी में दो, ऑर्थोपेडिक्स में दो, मैटरनल एंड रीप्रोडक्टिव हेल्थ में एक, माइक्रोबायोलॉजी में एक, न्यूरोसर्जरी में पांच, न्यूक्लीयर मेडिसिन में चार, पैथालॉजी में तीन, पीडियाट्रिक सर्जरी में दो, पीएमआर में एक, प्लास्टिक सर्जरी में एक, ट्रॉमा सर्जरी में छह और यूरोलॉजी में एक पद के लिए विज्ञापन जारी किया गया है। इमरजेंसी मेडिसिन में चार, हेपेटोलॉजी में दो और मेडिकल आंकोलॉजी में दो सीनियर रेजिडेंट का विज्ञापन निकाला गया है। मेडिकल फिजिक्स रेजिडेंट पद पर भी एक नियुक्ति होनी है। साक्षात्कार के लिए अभ्यर्थी को अपने सभी मूल प्रमाणपत्र लेकर आने होंगे। इस संबंध में संस्थान प्रशासन ने दिशानिर्देश जारी कर दिया है। टेलीमेडिसिन स्कूल के भूतल पर साक्षात्कार होंगे।

पीजीआई को 155 नए नर्सिंग ऑफिसर मिले हैं। संस्थान ने भती प्रक्रिया पूरी करने के बाद चयनित अभ्यर्थियों की सूची वेबसाइट पर डाल दी है। चयनित अभ्यर्थियों को तुरंत रिपोर्ट करने को कहा गया है। यह विज्ञापन जून 2024 में निकाला गया था।

महाकुम्भ में आए अंतिम श्रद्धालु के रहने तक पुलिस तैनात रहेगी: डीजीपी

लोकमित्र ब्यूरो

लखनऊ। महाकुम्भ मेला अब समाप्त हो रहा है। अंतिम श्रद्धालु रहने तक यूपी पुलिस मेला स्थल पर तैनात रहेगी। सभी श्रद्धालुओं को उनके गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचाना पुलिस की जिम्मेदारी है। महाकुम्भ शुरू होने से पहले कई तरह की धमकियां मिल रही थी। यूपी पुलिस ने इन सभी बाधाओं को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया।

डीजीपी प्रशांत कुमार ने ये बातें बुधवार को महाकुम्भ के समापन के मौके पर कहीं। उन्होंने कहा कि इस मेले में पुलिस ने भीड़ प्रबन्धन और सुरक्षा में एआई समेत कई आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल कर विश्व स्तरीय मॉडल पेश किया है। ऐसा मॉडल पूरे विश्व में अभी तक नहीं देखा गया है।

डीजीपी ने कहा कि पूरे प्रदेश में महाशिवरात्रि पर लाखों श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना की है। 45 दिन चले महाकुम्भ में 65 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने पवित्र स्नान किया है। प्रयागराज में स्नान करने के बाद लाखों श्रद्धालु अयोध्या, वाराणसी और विंध्यवासिनी देवी जैसे धार्मिक स्थलों पर भी पहुंचे। यहां भी उनकी सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम थे। सुरक्षा के इन उपायों को देख कर सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि विदेशों तक इसकी चर्चा हुई। महाकुम्भ बिना किसी बड़ी त्रासदी के साथ सम्पन्न हुआ। रेलवे पुलिस और आरपीएफ के साथ समन्वय बनाकर काम किया गया। मुख्य स्नान पर हर दिन पांच लाख और अन्य दिनों में तीन लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने रेल से यात्रा की।

डीजीपी ने कहा कि उनके लिए मेले के दौरान सुरक्षा चुनौती नहीं बल्कि एक अवसर था। इस अवसर पर यूपी पुलिस ने अनुकरणीय प्रदर्शन किया, जिसे आने वाले समय में याद रखा जाएगा। यूपी पुलिस 45 दिनों तक मैदान में सक्रिय रही। इससे पहले दो महीने तक अफसरों व कर्मचारियों को कई तरह की ट्रेनिंग दी गई। उन्हें सिखाया गया कि किस तरह से श्रद्धालुओं से अच्छा व्यवहार करना है। इसका परिणाम ही रहा कि बिना शस्त्र का इस्तेमाल किए 45 दिन तक सुरक्षा की जाती रही और सफलतापूर्वक सब कुछ सम्पन्न हुआ। डीजीपी ने कहा कि यूपी पुलिस ने कई ऐसे उदाहरण स्थापित किए हैं जो आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा बनेंगे।

डीजीपी ने कहा कि सुरक्षा व्यवस्थाएं कुछ और दिनों तक बनी रहेंगी। जब तक हम अपने सभी इंतजामों को व्यवस्थित रूप से समेट नहीं लेते है। अंतिम श्रद्धालु को भी सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुंचाना पुलिस की जिम्मेदारी है।

परिवारीजनों की डांट से नाराज युवती ने जान दी

लखनऊ। निगोहां के अहिनवार गांव में परिवारीजनों की डांट से नाराज होकर 20 वर्षीय युवती ने जान दे दी। गांव के शिव राजा सुबह परिवार के साथ खेतों पर काम करने गए थे। उनकी बेटी चांदनी घर पर अकेली थी। कुछ देर बाद पड़ोसियों ने रोशनदान के सहारे दुपट्टे से चांदनी को लटका देखा तो शिव राजा को सूचना दी। वह घर पहुंचे और बेटी को उतारकर अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। गांव में चर्चा है कि चांदनी अकसर किसी से फोन पर बात करती थी। घरवालों ने कई बार उसे रोका था। कुछ दिन से वह चुपके से मोबाइल लेकर बात करने लगी थी। इससे नाराज होकर घरवालों ने मोबाइल तोड़ भी दिया था। सुबह उसे डांटा था। इससे नाराज होकर आत्महत्या कर ली। थानाध्यक्ष अनुज तिवारी ने बताया कि परिवारीजनों की डांट से नाराज होकर आत्महत्या करने की बात सामने आई है।

तेलंगाना विजेता और उत्तर प्रदेश बना उपविजेता

लखनऊ। यूपी ब्लांइड एंड पैरा जूडो एसोसिएशन की देखरेख में आयोजित की जा रही इंडियन बैंक राष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में मेजबान उत्तर प्रदेश ने एक स्वर्ण, तीन रजत और दो कांस्य जीत कर उपविजेता बनने का गौरव हासिल किया। केडी सिंह बाबू स्टेडियम के अटल बिहारी वाजपेई क्रीड़ा संकुल में आयोजित की जा रही प्रतियोगिता में दो स्वर्ण और एक कांस्य जीत कर तेलंगाना की टीम चैंपियन बनी। प्रमुख सचिव दिव्यांगजन सशक्तीकरण सुभाष चंद्र और प्रबंध निदेशक यूपी टूरिज्म ईशा प्रिया ने विजेता और उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को सम्मानित किया। सब जूनियर बालक वर्ग में मध्य प्रदेश के रिंकू गुज्जर और बालिका वर्ग में कर्नाटक की सविता को बेस्ट जूडोका अवार्ड से सम्मानित किया गया।

प्राणायाम करने से दमा व फेफड़ों के रोग से मिलती है निजात

लोकमित्र ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ योग एंड ऑल्टरनेटिव मेडिसिन की ओर से बुधवार को तीन दिवसीय प्राणायाम का दर्शन एवं विज्ञान विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने किया। उन्होंने कहा कि योग जीवन का बहुमूल्य विषय है। वर्तमान में जीवन शैली जनित रोगों के बचाव में योग एवं प्राणायाम की प्रमुख भूमिका है। योग के प्राणायाम का अभ्यास करने से शरीर की शुद्धि और रोग प्रतिरोधक क्षमता में बढ़ोतरी होती है। योग विभाग के समन्वयक डॉ. अमरजीत यादव ने कहा कवि प्राणायाम करने से दमा व फेफड़ों के रोग से निजात मिलती है। गुणवत्तापूर्ण जीवन के लिए प्रतिदिन प्राणायाम का अभ्यास अवश्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कवि प्राणायाम के अभ्यास से रक्त एवं हृदय की कार्य प्रणाली स्वस्थ होती है। जबकि अभ्यास से रक्त दूषित होने से होने वाली बीमारियों का प्रबंध होता है। उन्होंने कार्यशाला के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि तीन दिवसीय इस कार्यशाला में 27 फरवरी को योग विशेषज्ञ कृष्ण कुमार शुक्ला कार्यशाला के प्रथम सत्र सुबह नौ से 10 बजे के मध्य सूर्यभेदी, चंद्रभेदी प्राणायाम का अभ्यास कराएंगे। द्वितीय सत्र 10 से 11 बजे के मध्य किशोर कुमार शुक्ला उज्जायी प्राणायाम का अभ्यास करेंगे तथा कार्यशाला के तृतीय सत्र 11 से 12 बजे के मध्य डॉ. रामनरेश भस्त्रिका प्राणायाम का अभ्यास कराएंगे। 28 फरवरी को योग विशेषज्ञ डॉ. रामकिशोर प्रथम सत्र में सुबह 9 से 10 बजे के मध्य उद्गीत प्राणायाम तथा द्वितीय सत्र में सुबह 10 से 11 बजे तक डॉ. कैलाश कुमार शीतली प्राणायाम का अभ्यास कराएंगे।

हाथी-घोड़े डीजे-डांस के साथ निकली शिव बारात

लखनऊ। महाशिवरात्रि पर लखनऊ के शिवालय शिवमय हैं। मंदिरों में सुबह से भक्तों की लाइन लगी है। मनकामेश्वर मंदिर से लेकर सिद्धनाथ, कोतवालेश्वर, महाकाल मंदिर और बड़ज्ञ शिवालय में विशेष पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठान हो रहे हैं। शिव भक्त गंगाजल, बेलपत्र और दूध से बाबा का अभिषेक कर रहे हैं। मनकामेश्वर मंदिर में भक्तों की 2 किलोमीटर से अधिक लाइन लगी है। इधर मोहनलालगंज में श्री काशेश्वर महादेव की बारात निकाली गई। बारात में भक्तों ने हर हर महादेव का जमकर उद्घोष किया। महंत देव्या गिरि ने भोर 2 बजे भगवान शिव का 101 लीटर दूध से अभिषेक किया। इसके बाद भव्य श्रृंगार हुआ। ब्रह्म मुहूर्त में 4 बजे से मंदिर के पट भक्तों के दर्शन के लिए खोल दिए गए। भारी भीड़ को देखते हुए विशेष क्राउड मैनेजमेंट की व्यवस्था की गई है। गर्भगृह में प्रवेश प्रतिबंधित है। जलधारी से जलाभिषेक की सुविधा दी गई है।

महाशिवरात्रि पर संगम की झांकी में महादेव ने लगायी डुबकी

निराला नगर नर्मदेश्वर मंदिर में 1500 से अधिक भक्तों में वितरित की गई ठंडाई

लोकमित्र ब्यूरो

लखनऊ। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर निराला नगर में चार पीढ़ियों से प्रतिष्ठित नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में महादेव की भव्य झांकी सजायी गई। इसमें तीर्थराज प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ की तर्ज पर बाबा भोलेनाथ को गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम में डुबकी लगाते दर्शाया गया। निराला नगर स्थित नर्मदेश्वर महादेव मंदिर के प्रमुख अभिषेक अग्रवाल ने आचार्यों की उपस्थिति में विधिविधान से बेलपत्र, गंगाजल, दूध, बेर, पुष्प आदि से पूजन-अर्चन किया। वहां दर्शन-पूजन के लिए सुबह पांच बजे से जो भक्तों का आगमन शुरू हुआ वह रात 12 बजे तक जारी रहा। मंदिर परिसर में समस्त पूजन अर्चन आचार्य रमाकांत मिश्र की अगुआई में किये गए वहीं बाबा भोलेनाथ की प्रयागराज के संगम जल में डुबकी लगाती सुंदर झांकी को पवन कुमार ने साकार किया था। इस आयोजन में संजय मिश्रा के दल ने एक से बढ़कर एक भजन सुनाए भक्तों ने भजन शिवजी बिहाने चले पालकी सजाइके, शिव की बारात आई है, शिवनाम जपने की रात आई हैश, श्मेरा भोला है भंडारी जैसे सरस भजनों का, झूमते हुए आनन्द लिया। इस अवसर पर सुभाष सिंह की ओर से ठण्डाई की सेवा दी गई। इस सेवा के चलते 1500 से अधिक भक्तों में ठंडाई और फल प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर के लिए प्रयागराज से संगम जल लाने की सेवा स्वयं अभिषेक अग्रवाल की ओर से दी गई थी।

विधायक संजीव शर्मा नंगे पैर ऐतिहासिक दूधेश्वर नाथ मंदिर पहुंचे

- महाशिवरात्रि पर्व पर भगवान दूधेश्वर का अभिषेक किया
- विधायक संजीव शर्मा ने श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज का लिया आशीर्वाद

लोकमित्र ब्यूरो

गाजियाबाद। भाजपा के महानगर अध्यक्ष व विधायक संजीव शर्मा के कितने बड़े भक्त हैं, शहर की जनता को इसका अंदाजा बुधवार को महाशिवरात्रि पर्व पर लगा। संजीव शर्मा नंगे पैर ही दूधेश्वर चौकी से ऐतिहासिक श्री दूधेश्वर नाथ मठ महादेव मंदिर पहुंचे और भगवान दूधेश्वर की पूजा-अर्चना की व उनका अभिषेक किया। उन्होंने मंदिर के पीठाधीश्वर श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज से भेंटकर उनका आशीर्वाद लिया। विधायक संजीव शर्मा मंदिर में जलाभिषेक के लिए आए श्रद्धालुओं से भी मिले और सभी को महाशिवरात्रि पर्व की बधाई दी व भगवान दूधेश्वर के जयकारें लगाकर श्रद्धालुओं का उत्साह बढाया। विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि भगवान दूधेश्वर बहुत ही दयालु हैं। उनकी पूजा-अर्चना करने से सभी कष्ट दूर होते हैं और सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

आजादी के महान क्रांतिकारी विनायक दामोदर वीर सावरकर को नमन

देव मणि शुक्ल

नोएडा। गाजियाबाद कवि नगर औद्योगिक क्षेत्र परमार्थ सेवा ट्रस्ट के तत्वाधान में आजादी के महान क्रांतिकारी विनायक दामोदर वीर सावरकर जी की पुण्यतिथि पर नमन करते हुए देशभक्ति इस अवसर पर मुख्य अतिथि केंद्रीय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के केंद्रीय अधिकारी आनंद कुमार जी ने बताया कि वीर सावरकर भारत की आजादी के संघर्ष में एक महान ऐतिहासिक क्रांतिकारी थे। वह एक महान वक्ता, विद्वान, विपुल लेखक, इतिहासकार, कवि, दार्शनिक और सामाजिक कार्यकर्ता थे। वीर सावरकर का वास्तविक नाम विनायक दामोदर सावरकर था। वीर सावरकर का जन्म 28 मई 1883 को नासिक के समीप भागपुर गाँव में हुआ था। उनके बड़े भाई गणेश (बाबराव), उनके जीवन की प्रतिष्ठा का एक प्रमुख स्रोत थे। वीर सावरकर बहुत कम उम्र के ही थे, जब उनके पिता दामोदरपंत सावरकर और माता राधाबाई की मृत्यु हो गई थी।

वीर सावरकर की भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में भागीदारी के कारण ब्रिटिश सरकार ने उनसे, उनकी स्नातक स्तर की डिग्री वापस ले ली। जून 1906 में, वीर सावरकर वकील बनने के लिए लंदन चले गए।उन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम पर आधारित '1857 में स्वतंत्रता के भारतीय युद्ध' नामक एक किताब लिखी, जिस पर अंग्रेजों ने रोक लगा दी थी। जब वह लंदन में रह रहे थे, तभी उन्होंने इंग्लैण्ड में भारतीय छात्रों को ब्रिटिश औपनिवेशिक स्वामी के प्रति विद्रोह करने के लिए उत्साहित किया था। उन्होंने भारत की आजादी के संघर्ष में हथियारों का प्रयोग करने का समर्थन किया था।

वीर सावरकर को उनके मुकदमे की जाँच के लिए 13 मार्च 1910 को लंदन से भारत भेजा जा रहा था, हालांकि अभी जहाज फ्रांस के मार्सिलेस में पहुँचा ही था कि वीर सावरकर वहाँ से बचकर भाग निकले, परन्तु फ्रांसीसी पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। उन्हें 24 दिसंबर 1910 को अंडमान में कारावास की सजा सुनाई गई। जेल में पुस्तकालय की स्थापना उनके ही प्रयासों का परिणाम था। उन्होंने जेल में अशिक्षित अपराधियों को शिक्षा देने की कोशिश की। विठ्ठलभाई पटेल, तिलक और गाँधी जैसे महान नेताओं की मांग पर सावरकर को 2 मई 1921 को भारत में वापस भेज दिया गया। वीर सावरकर रत्नागिरि जेल में कैद थे और उसके बाद उन्हें येरवादा जेल में स्थानांतरित कर दिया गया था। इन्होंने रत्नागिरी जेल में ही 'हिंदुत्व' नामक एक पुस्तक भी लिखी थी। उन्हें 6 जनवरी 1924 को जेल से रिहा कर दिया गया, बाद में उन्होंने प्राचीन भारतीय संस्कृति को बनाए रखने और सामाजिक कल्याण की दिशा में काम करने के लिए रत्नागिरी हिंदू महासभा की स्थापना की।

इसके बाद में वह तिलक द्वारा बनाई गई स्वराज पार्टी में शामिल हो गए और हिंदू महासभा रूप में एक अलग राजनीतिक दल की स्थापना की और इसके अध्यक्ष के रूप में चुने गए। इस पार्टी ने पाकिस्तान के गठन का विरोध किया। गाँधी जी के हत्या करने वाले नाथूराम गोडसे भी हिंदू महासभा के सदस्य थे।

महात्मा गांधी हत्या मामले में वीर सावरकर पर भारत सरकार द्वारा आरोप लगाया गया था, परन्तु भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने उन्हें निर्दोष सबित कर दिया था। 26 फरवरी सन् 1966 में 83 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया। इस अवसर पर परमार्थ सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष वी के अग्रवाल, साठ ग्रुप परिवार से राजीव मोहन रवी मोहन राकेश मोहन यश निधि रुचि मोहन दीपक गर्ग हिमांशु गर्ग हितेश गर्ग जतिन गर्ग बसंत मोहन अग्रवाल मयंक मोहन अग्रवाल हेमंत कंसल लोकेश सिंगल अरविंद गुप्ता विश्व ब्रह्मऋषि ब्राह्मण महासभा के पीठाधीश्वर ब्रह्मऋषि विभूति बी के शर्मा हनुमान आदि उपस्थित थे।

शिवरात्रि मेले में मारपीट, किया हमला, आरोपी पुलिस हिरासत में

रायबरेली। ऊँचाहार कोतवली क्षेत्र के फूल बाग में महाशिवरात्रि मेले के दौरान एक दबंग युवक ने बिना किसी कारण के एक व्यक्ति पर हमला कर दिया। किरवाहार निवासी रामू (पिता कमलेश) मेले में बतासा खा रहे थे। इसी दौरान जगतपुर क्षेत्र नेवाड़िहा का एक दबंग युवक वहां आया। उसने बिना किसी विवाद के अपने हाथ में पहने लोहे के कड़े से रामू के सर पर वार कर दिया। हमले से रामू का सर फट गया। हमले के बाद आरोपी मौके से भागने लगा। मौके पर मौजूद पुलिस ने दौड़कर आरोपी को पकड़ लिया और हिरासत में ले लिया। इस घटना से मेले में अफरा-तफरी मच गई। शांतिपूर्वक चल रहे मेले में भगदड़ की स्थिति बन गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घायल रामू को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। मंदिर परिसर में पुलिस और एसएसबी के जवान तैनात किए गए हैं। डलमऊ के एसडीएम रजीत राम गुप्ता स्वयं मौके पर मौजूद रहकर व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं। लालगंज क्षेत्राधिकारी अनिल सिंह भी पुलिस बल के साथ तैनात हैं।

निराश दंपतियों के जीवन में भरते है खुशियॉ: डॉ मनन गुप्ता

लोकमित्र ब्यूरो

गाजियाबाद। दिल्ली आईवीएफ एंड फर्टिलिटी रिसर्च सेंटर के प्रबंध निदेशक डॉक्टर मनन गुप्ता ने एक विशेष भेंट वार्ता में बताया कि दिल्ली आईवीएफ एंड फर्टिलिटी रिसर्च सेंटर विगत कुछ वर्षों से निसंतान दंपतियों के लिए एक जाना -माना तथा लोकप्रिय नाम है।

आईबीएफ अर्थात इन विट्रो फर्टिलिटी के बारे में अवगत करते हुए उन्होंने कहा कि हमारी व्यस्त जीवन शैली, अनियमित खान पान तथा अन्य कई कारणों से विवाहित दंपतियों को संतानहीनता जैसी विषम परिस्थिति का सामना करना पड़ता है। जब तमाम तरह के प्रयास असफल हो जाते हैं तब उनका रुख आईवीएफ सेंटर की तरफ होता है। आईवीएफ सेंटर में कृत्रिम विधि द्वारा शुक्राणुओं को निषेचित कर स्त्री के अंडाशय में डाला जाता है, जिसके उपरांत वह स्वाभाविक रूप से गर्भ धारण कर लेती है तथा निर्धारित समय में शिशु को जन्म देती है। यह पूछे जाने पर की क्या इस प्रक्रिया के साइड इफेक्ट भी होते हैं डॉक्टर मनन गुप्ता ने बताया कि इसके कोई साइड इफेक्ट नहीं होते और स्वाभाविक प्रक्रियाओं से गुजरते हुए महिला अपने बच्चों को जन्म देती है। इसके लिए आईवीएफ सेंटर के प्रशिक्षित डॉक्टर तथा नर्स समय-समय पर महिला की बारीकी से देखभाल करते रहते हैं।

डॉक्टर मनन ने बताया कि दिल्ली आईवीएफ एंड रिसर्च सेंटर ने अपनी गुणवत्ता, सेवा भाव एवं समयबद्धता के कारण कुछ वर्षों के अंदर ही अपार ख्याति अर्जित करने में सफलता हासिल की है तथा यहां आकर हजारों निराश दंपतियों की सूनी गोद भारी है और वे यहां से अपने चेहरों पर मुस्कान और हृदय में संतुष्टि लेकर गए हैं । दिल्ली आईवीएफ एंड रिसर्च सेंटर की पांच शाखाएं राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में तथा जम्मू एंड कश्मीर में कार्यरत है। अति निकट भविष्य में देश के विभिन्न भागों में और भी अनेकों शाखाएं खोलकर निसंतान दंपतियों के निराश जीवन में मुस्कान लाने के लिए वे और उनकी टीम पूरी तरह तत्पर है।

महाकुंभ 2025 एक अद्वितीय उदाहरण बड़े पैमाने पर आयोजनों की सफलता का

लोकमित्र ब्यूरो

गाजियाबाद। फ्लैट ऑनर्स फेडरेशन गाजियाबाद राज नगर एक्सटेंशन इकाई के मीडिया प्रभारी मनोज अग्रवाल का कहना है कि महाकुंभ 2025 की सफलता एक अद्वितीय उदाहरण है कि कैसे बड़े पैमाने पर आयोजनों को सफलतापूर्वक आयोजित किया जा सकता है। इस आयोजन ने न केवल प्रशासन की क्षमता को प्रदर्शित किया, बल्कि यह भी दिखाया कि कैसे पारंपरिक और आधुनिक तरीकों का संयोजन करके बड़े पैमाने पर आयोजनों को सफलतापूर्वक आयोजित किया जा सकता है।

श्री अग्रवाल ने कहा कि हमे अपने पूज्य संतो से सीखना चाहिए कि किस प्रकार से हमारे संतों और अखाड़ों की सेवा भावना और त्याग का एक अद्वितीय उदाहरण था। लाखों श्रद्धालुओं को निःशुल्क भोजन और अन्य सुविधाएं प्रदान करना एक अद्वितीय महान कार्य था। श्री अग्रवाल का कहना था कि महाकुंभ 2025 की सफलता से हमें यह सीखने को मिलता है कि कैसे बड़े पैमाने पर आयोजनों को सफलतापूर्वक आयोजित किया जा सकता है। यह आयोजन एक अद्वितीय उदाहरण है कि कैसे पारंपरिक और आधुनिक तरीकों का संयोजन करके बड़े पैमाने पर आयोजनों को सफलतापूर्वक आयोजित किया जा सकता है।

नेकी का डब्बा फाउंडेशन की 101 दिन की मुहिम आपकी उतरन, किसी की जरूरत

- महाशिवरात्रि के अवसर पर 3000 वस्त्रों का सम्मान जनक वितरण

देव मणि शुक्ल

नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट समाज में जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाने और परोपकार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नेकी का डब्बा फाउंडेशन द्वारा संचालित 101 दिन की मुहिम आपकी उतरन, किसी की जरूरत अपने 87वें दिन पर पहुंच चुकी है। यह अभियान हर वर्ष की तरह इस बार भी 1 दिसंबर 2024 को प्रारंभ हुआ था और अब अपने समापन की ओर अग्रसर है।

महाशिवरात्रि पर विशेष वितरण: 3000 वस्त्र जरूरतमंदों तक पहुंचे- महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर इस अभियान के तहत घरों में काम करने वाली सहायक महिलाओं के बीच लगभग 3000 वस्त्र सम्मानपूर्वक वितरित किए गए। इस पहल का उद्देश्य केवल कपड़ों का वितरण ही नहीं, बल्कि समाज में सहयोग, संवेदनशीलता और परोपकार की भावना को भी सशक्त बनाना है।

अब तक 40,000 से अधिक कपड़ों का वितरण - हजारों परिवारों को लाभ नेकी का डब्बा फाउंडेशन के संस्थापक गिरीश चंद्र शुक्ला ने बताया कि अब तक 40,000 से अधिक कपड़े जरूरतमंदों तक पहुंचाए जा चुके हैं, जिससे हजारों परिवारों को लाभ मिला है। यह अभियान समाजसेवा का एक प्रेरणादायक उदाहरण है और इसका उद्देश्य अधिक से अधिक जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाना है। संस्था के प्रमुख सदस्य सचिन सेंगर ने कहा कि इस पहल में समाज के हर वर्ग के दानदाताओं का सराहनीय सहयोग मिल रहा है, जो यह दर्शाता है कि सामूहिक प्रयासों से बड़े बदलाव संभव हैं। समृद्धि ग्रैंड एवेन्यू और गौर सिटी-1 के दानदाताओं का विशेष योगदान - आज के इस वितरण कार्यक्रम में समृद्धि ग्रैंड एवेन्यू और गौर सिटी-1 के एवेन्यू के दानदाताओं ने विशेष योगदान दिया है। इसके साथ ही प्रशांत शुक्ला और सचिन सेंगर जी का भी उल्लेखनीय योगदान रहा, जिन्होंने इस अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

नेकी का डब्बा फाउंडेशन समाज के सभी नागरिकों से इस मुहिम में भागीदारी की अपील करता है। यदि आपके पास ऐसे वस्त्र हैं जो अब आपके उपयोग में नहीं हैं, तो कृपया उन्हें दान करें। आपका छोटा सा योगदान किसी जरूरतमंद के लिए बड़ी राहत बन सकता है और उनके जीवन में एक नई मुस्कान ला सकता है।

बगैर चालक सड़क पर दौड़ी सिटी बस, मासूम समेत दो की मौत

लोकमित्र ब्यूरो

गाजियाबाद। एक दर्दनाक हादसे में सिटी बस करीब 60-70 मीटर बगैर चालक के सड़क पर दौड़ी। जिसकी चपेट में आने से तीन वर्षीय बच्ची चुनमुन और आशा कार्यकर्ता रेशमा की मौके पर ही मौत हो गई।उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले में नेशनल हाइवे-नौ के मसूरी अंडरपास स्थित स्टैंड पर खड़ी सिटी बस बुधवार की दोपहर करीब ढाई बजे अचानक सड़क पर दौड़ पड़ी। जबकि उसका चालक बस से नीचे खड़ा था। सिटी बस के सामने जो भी आया उसे कुचलती हुई गाड़ी डिवाइडर से टकराकर बंद हो गई। हादसे में मासूम बच्ची समेत दो लोगों की मौद हो गई और चार लोग घायल हो गए।जानकारी के अनुसार, बस करीब 60-70 मीटर बगैर चालक के सड़क पर दौड़ी। जिसकी चपेट में आने से तीन वर्षीय बच्ची चुनमुन पुत्री इकलाख निवासी भदरान डेहरा धौलाना जनपद हापुड़ और आशा कार्यकर्ता रेशमा (27) पत्नी मुस्तफा जाफर कॉलोनी मसूरी की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि मृतक चुनमुन की मां राहिला (32) और बड़ी बहन आयशा (14) व मुस्कीम निवासी कैला भट्ठा नगर कोतवाली और आरिफ निवासी फलीदाबांगर गौतमबुद्धनगर गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। मसूरी थाना पुलिस सिटी बस को कब्जे में ले लिया है।

शांति और दिव्यता की ओर एक नया कदम - ब्रह्मा सो विष्णु का प्रसारण

देव मणि शुक्ल

नोएडा। देश के प्रसिद्ध पीस ऑफ माइंड चैनल पर आज दोपहर 2 बजे एक अद्भुत और प्रेरणादायक संगीतमय जीवनी फिल्म ब्रह्मा सो विष्णु का प्रसारण शुरू हुआ। यह फिल्म हैदराबाद के प्रसिद्ध तेलुगु फिल्म निर्देशक भाई शिवा मुप्पलानेनी द्वारा निर्देशित है, जो ब्रह्मा बाबा (लेख राज) के जीवन और उनके दिव्य कार्यों को दर्शाती है। फिल्म का उद्देश्य दर्शकों को आत्मिक उन्नति और शांति के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करना है। इस फिल्म की प्रेरणा का स्रोत ब्रह्मा बाबा का जीवन रहा है, जिन्होंने अपने समय में भगवान शिव के साक्षात्कार से एक नई दिशा प्राप्त की और संसार में शांति व प्रेम का प्रचार किया। ब्रह्मा बाबा का जीवन सत्य, समर्पण, और सेवा का प्रतीक था, और उन्होंने यह सिद्ध किया कि किसी भी व्यक्ति की जीवन की दिशा को सही मार्ग पर लाया जा सकता है, यदि वह सच्चाई और ईश्वर के प्रति आस्थावान हो।

यह फिल्म ब्रह्मा सो विष्णु दर्शकों को यह सिखाती है कि आत्मिक शांति और दिव्यता प्राप्त करने के लिए सच्चे आत्मज्ञान, तप और सेवा का रास्ता अपनाना चाहिए। ब्रह्मा बाबा का जीवन यह दर्शाता है कि कैसे एक साधारण व्यक्ति अपने जीवन में महान बदलाव ला सकता है और पूरे समाज के लिए आदर्श बन सकता है।

इस फिल्म का उद्घाटन नोएडा सेक्टर 46 की ब्रह्माकुमारी लीना दीदी ने किया। उद्घाटन समारोह में चैनल के चेयरमैन रवि भाई, गीता बहन, लता बहन (शक्ति नगर, दिल्ली), विवेक भाई (माउंट आबू),भाई स्टार कृष्णा, भाई अरुण कुंद्रा और बहन रमा कुंद्रा ने शिरकत की। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक और दिल्ली के पूर्वपरिवहन मंत्री चौधरी देवेंद्र सिंह शोकीन और उनके भाई चौधरी वीरेंद्र सिंह भी मौजूद थे।

सभी उपस्थित व्यक्तियों ने इस फिल्म का आनंद लिया और ब्रह्मा बाबा के जीवन के प्रेरणादायक पहलुओं को अपनाने का संकल्प लिया। यह फिल्म न केवल ब्रह्मा बाबा के जीवन की महिमा का उद्घाटन करती है, बल्कि हर व्यक्ति को यह प्रेरणा देती है कि वह अपने भीतर की दिव्यता को पहचानें और एक आदर्श जीवन जीने के लिए प्रयासरत रहें।

इस फ़िल्म का पुनः प्रसारण गुरुवार 27 फ़रवरी 2025 को सायंकाल आठ बजे पीस ऑफ माइंड चैनल पर होगा।

सुल्तानमल रामलीला कमेटी में बहु प्रतीक्षित कार्यकारिणी के चुनाव का आयोजन

लोकमित्र ब्यूरो

गाजियाबाद। गाजियाबाद की सबसे पुरानी रामलीला कमेटी जितनी यहां के आयोजनों के लिए चर्चा में रहती है उससे कहीं ज्यादा विवादों की वजह से इसकी चर्चा होती है।

दर असल पिछले 6 वर्षों से यहां की कार्यकारिणी गठित करने के लिए कोई चुनाव नहीं संपन्न हुआ, जिसकी वजह से कमेटी में विभिन्न मदों से आने वाले धन का मनमाने तरीके से इस्तेमाल किया जाता रहा। जबकि नियम अनुसार प्रत्येक वर्ष का कार्यकारिणी का चुनाव होना चाहिए तथा पिछली कार्यकारिणी द्वारा अपने कामकाज तथा जमा खर्च का विस्तृत के विषय में आने वाली कार्यकारिणी के सदस्यों को पूर्णतः अवगत करवाया जाना चाहिए। यहां प्राप्त होने वाले धन राशि का बंदरबांट होते रहने की वजह से पिछले 6 वर्षों से लगातार चुनाव को टाला जाता रहा । हद तो तब हो गई जब समिति के कार्यकारी अध्यक्ष के अलावा डिप्टी रजिस्ट्रार ने भी कभी रुचि नहीं दिखाई या फिर यूं कहे कि जानबूझकर यहां की चुनाव प्रक्रिया को लंबे समय तक टाला जाता रहा। लंबी लड़ाई लड़ने के बाद अंत में जब यहां के निवर्तमान सदस्यों द्वारा मामला हाई कोर्ट में पहुंचाया गया तो इस मामले में संज्ञान लेते हुए आगामी 28 फरवरी को चुनाव संपन्न करवाने की तिथि निर्धारित की। अब यह बहु प्रतीक्षित चुनाव आगामी 28 फरवरी को संपन्न होने जा रहे हैं और यह अपेक्षा की जाती है कि आने वाली कार्यकारिणी द्वारा पिछली कार्यकारिणी के सदस्यों के घोटाले को उजागर करने के साथ-साथ अपने कामकाज में पूर्णतया पारदर्शिता दिखाते हुए यहां के सदस्यों तथा आम जनता का भरोसा जीतने की प्रतिबद्धता दिखाई जाएगी।

भाजपा ने किया केंद्रीय बजट संगोष्ठी का आयोजन

लोकमित्र ब्यूरो

साहिबाबाद। भाजपा ने मोहन नगर स्थित आईटीएस कॉलेज के सभागार में केंद्रीय बजट को लेकर संगोष्ठी का आयोजन किया। मुख्य वक्ता के रूप में पहुंचे योगी सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेन्द्र कश्यप ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ कर केंद्रीय बजट पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट विकसित भारत की दिशा तय करने वाला बजट है। 50 लाख 65 हजार करोड़ के बजट से विकसित भारत के संकल्प को निश्चित रूप से नए पंख लगेंगे। केंद्र सरकार ने बजट 2025-2026 में हर नागरिक का ध्यान रखा है। बजट के लक्ष्य में विकसित भारत 2047 का रोड मैप बनाया गया है। देश का बजट बुनियादी और आर्थिक इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने वाला है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार का बजट महिलाओं, किसानों, गरीबों और युवाओं के उज्जवल भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला साबित होगा। नई कर व्यवस्था में 12 लाख रुपये तक की वार्षिक आय पर कोई आयकर स्लैब लागू नहीं होना मध्यम वर्ग को सीधा लाभ देगा। महानगर अध्यक्ष एवं सदर विधायक संजीव शर्मा ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि बजट पूरी तरह से लोक कल्याणकारी है, जिसमें सर्वांगीण विकास की अवधारणा समाहित है। उन्होंने मंचासिन सभी अतिथियों, महानगर पदाधिकारियों, मोर्चा टीम, पार्षद गण, मंडल अध्यक्ष एवं उनकी टीम के संगोष्ठी में पधारने पर आभार जताया। गोष्ठी का संचालन महानगर उपाध्यक्ष रनीता सिंह ने किया। केंद्रीय बजट संगोष्ठी में वक्ता के रूप में महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष मानसिंह गोस्वामी, सरदार एसपी सिंह, बलदेव राज शर्मा, अशोक गोयल, राजेश्वर प्रसाद, अमरदत्त शर्मा, महेश अग्रवाल, बृजेश्वर निम्मी ने भी बजट के खास बिंदुओं पर अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में अन्य मंचासिन पदाधिकारियों में महानगर महामंत्री पप्पू पहलवान, महामंत्री गोपाल अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजक सुशील गौतम, उपाध्यक्ष बॉबी त्यागी, ओबीसी मोर्चा प्रदेश मीडिया प्रभारी सौरभ जायसवाल, महानगर मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी, मंडल अध्यक्ष भूषण सिंह चौहान आदि मौजूद रहे।

अद्वैत पब्लिक स्कूल में स्पोर्ट डे का आयोजन

लोकमित्र ब्यूरो

गाजियाबाद। श्री अद्वैत परिवार फाउंडेशन के तत्वाधान में संचालित अद्वैत पब्लिक स्कूल में स्पोर्ट द1डे का आयोजन किया गया। स्पोर्ट डे में स्कूल के सभी दिव्यांग बच्चों ने भाग लिया और अपनी खेल प्रतिभा से सभी को प्रभावित किया। संस्था की निदेशक निधि देवेश्वर ने दीप प्रज्वलित कर स्पोर्ट डे का शुभारंभ किया। अद्वैत पब्लिक स्कूल के दिव्यांग छात्र-छात्राओं ने फ्लोग रेस, सैक रेस, बुक बैलेंसिंग और रस्साकसी आदि प्रतियोगिताओं में भाग लिया। दिव्यांग छात्र.छात्राओं ने अपने हुनर का प्रदर्शन कर साबित कर दिया कि वह किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है। विजयी छात्र.छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। मनीराम पाठक, श्याम सुंदर साहनी, शेखर यादव, सुनीता, निखत व प्राची भी मौजूद रहे।

संजीव शर्मा के नेतृत्व में केंद्रीय बजट प्रेस वार्ता का आयोजन

लोकमित्र ब्यूरो

गाजियाबाद। भाजपा महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा के नेतृत्व में केंद्रीय बजट प्रेस वार्ता का आयोजन राकेश मार्ग स्थित एक व्यावसायिक प्रतिष्ठान में किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार मंत्री नरेन्द्र कश्यप पहुंचे। प्रेस वार्ता के दौरान महामंत्री पप्पू पहलवान, ओबीसी मोर्चा प्रदेश मीडिया प्रभारी सौरभ जयसवाल, कार्यक्रम संयोजक सुशील गौतम बॉबी त्यागी, महानगर मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी, पार्षद उदित मोहन, मंडल अध्यक्ष वरुण नागर आदि मौजूद रहे। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए मंत्री नरेन्द्र कश्यप ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था सभी प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ाने वाली अर्थव्यवस्था है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं का बजट है।यह भारतीयों के सपनों को पूरा करते हुए विकसित भारत मिशन के लिए लाया गया बजट है। केंद्रीय बजट विकसित भारत की दिशा तय करने वाला बजट है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार का बजट महिलाओं, किसानों, गरीबों और युवाओं के उज्जवल भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला साबित होगा।

नई कर व्यवस्था में 12 लाख रुपये तक की वार्षिक आय पर कोई आयकर स्लैब लागू नहीं होना मध्यम वर्ग को सीधा लाभ देगा। आगे मंत्री नरेन्द्र कश्यप ने कहा कि हर शहर हर गांव और हर घर में उद्यमी तैयार करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री ने मुद्रा लोन के तहत बिना गारंटी वाले ऋण सीमा 10 लाख से बढ़कर 20 लाख कर दिया है,जिससे छोटे कारोबारी,महिलाओं, दलित, पिछड़ों और वंचितों को काफी लाभ होगा। केंद्रीय बजट ने समाज के हर वर्ग को शक्ति प्रदान की है।यह गांव के गरीब किसानों को समृद्धि की राह पर ले जाएगा।गरीबी उन्मूलन और गरीबों के सशक्तिकरण से जुड़ी प्रमुख योजनाओं का उल्लेख करते हुए नरेंद्र कश्यप ने कहा कि बजट प्रधानमंत्री के द्वारा गरीबों के लिए 3 करोड़ घरों और जनजातीय उन्नत ग्राम के साथ 5 करोड़ जनजाति परिवारों की बुनियादी सुविधाओं से जोड़ेगा।

संक्षिप्त खबरें

पांच खोए हुए फोन बरामद, उनके मालिकों को सौंपा

कोठी, बाराबंकी। असन्द्रा पुलिस द्वारा को हैदरगढ़ व असंद्रा थाना क्षेत्र से खोए हुए पांच फोनों को बरामद किया गया। जिनकी शिकायत ष्टश्वढ्ढक्रपोर्टल पर दर्ज हुई थी। इंस्पेक्टर संतोष इंस्पेक्टर असंद्रा जेपी सिंह ने बताया कि बीते दिन धनश्याम यादव निवासी संतोषपुर थाना हैदरगढ बाराबंकी, मोहम्मद नफीस निवासी हटिया सिद्धौर थाना असन्द्रा बाराबंकी, गयासुद्दीन पुत्र फल्कू निवासी असन्द्रा बाजार बाराबंकी, विनोद कुमार पुत्र अनन्त राम निवासी धनौली मिश्रान थाना असन्द्रा बाराबंकी व संदीप कुमार वर्मा निवासी रसूलपुर चौराहा थाना असन्द्रा बाराबंकी द्वारा अपना मोबाइल फोन गुम होने के सम्बन्ध में ष्टश्वढ्ढक्र पोर्टल पर शिकायत दर्ज करायी गयी थी। उपरोक्त शिकायतों पर कार्यवाही करते हुए थाना असन्द्रा पुलिस द्वारा आवेदकों के गुम मोबाइल बरामद करते हुए मंगलवार उन्हें सौंप दियाक गया। खोए हुए मोबाइल फोन पाकर उनके चेहरे एक खिल उठे। बरामदगी टीम प्रभारी निरीक्षक जितेन्द्र प्रताप सिंह, दरोगा चन्द्र प्रकाश यादव, कम्प्यूटर आपरेटर अरूण कुमार यादव, हेड कांस्टेबल भारतलाल शर्मा, महिला सिपाही सीसीटीएनएस मानसी यादव व अंशिका चतुर्वेदी थे।

आश्रम में हुआ सत्संग और भंडारे का आयोजन

अमेठी। सतगुरु कबीर आश्रम मुंशीगंज में शरीर छोड़ चुके संत सत्य नाम मलंग दास उर्फ मंगल दास की पावन स्मृति में सत्संग और भंडारे का आयोजन किया गया। सत्संग में संत कबीर साहब की वाणी और शिक्षाओं पर विस्तार से संवाद हुआ। सत्संग,आरती और भंडारे में संत मलंग दास के सैकड़ों शिष्य, अमेठी, प्रतापगढ़, सुल्तानपुर और रायबरेली से दो दर्जन से अधिक कबीर पंथी साधु संत शामिल हुए। सत्य नाम मलंग दास के शिष्य राम मिलन दास ने अन्य शिष्यों के साथ मिलकर भंडारे का आयोजन किया।1987 में आश्रम की स्थापना हुई ,मुख्य योगदान करने वाले संत मंगल दास के शिष्य पूर्व प्रधान राम सुंदर, पलटूराम , परशुराम, रामबली, दुःखी आदि लोगों ने परिवार के साथ संतों की आरती की। प्रतापगढ़ से आए संत निहारू दास और पनियार के प्रेम दास ने संत कबीर की वाणी पर आधारित सत्संग किया।संत निहारू दास ने सत्यनाम कबीर साहब द्वारा धर्मदास को दी गई शिक्षाओं का उल्लेख किया और कहा कि बिन जाने जो गुरु करही,सो नर भवसागर परही। गुरु सोच समझ कर करना चाहिए। दया, क्षमा,शील, संतोष,सत्य, अहिंसा, सहिष्णुता और अनुशासन के गुर सहित रहस्यवाद को जानने वाला ही गुरु होता है। मानवता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है। माता पिता की सेवा ही सबसे बड़ा पुण्य है।काम, क्रोध,लोभ,मोह ,राग, द्वेष , ईर्ष्या,जलन यही पाप है ,जो एक दिन के गंगा स्नान से दूर नहीं हो सकते। संत अयोध्या दास,संत राम दास, शारदा दास, रामबरन दास, रामदुलार, बामसेफ के जिला संयोजक संजीव भारती ,राम दुलारे, बुद्धि राम, मिश्री लाल, साधू राम, राकेश कुमार, कृष्ण कुमार, सोनू, प्रीतम दास , भोलानाथ, ललित कुमार, रामकुमार आदि मौजूद रहे।

पौराणिक, शिवालय पर जलाभिषेक, भव्य मेला का आयोजन

अमेठी। जिले के अमेठी विधानसभा में स्थित प्राचीन प्रसिद्ध पौराणिक सिद्ध पीठ जागेश्वर नाथ शिवालय पर बेलपत्र,फूल, आम की बौर,जौ की बाली, ईत्र, भस्म, चन्दन, धूप, दीप, अक्षत्र अर्पित कर भगवान भोलेनाथ को मधु, दूध, मधु, गन्ने के रस तथा जलाभिषेक कार्यक्रम भोर से देर शाम चला।मंदिर धाम परिसर मे मुख्य पुजारी केशरी प्रसाद गिरी ने श्रद्धालुओ के लिए शिवालय पर जलाभिषेक करवाए। परिसर मे श्रद्धालुओ ने जलाभिषेक के बाद अन्न दान भी किए। जोगेश्वर नाथ धाम मन्दिर पर भव्य मेला का आयोजन किया गया। एसीसी सीमेंट फैक्ट्री गौरीगंज ने यात्रियो के लिए शेड बनवाये। उत्तर प्रदेश पर्यटन बिभाग ने जोगेश्वर नाथ शिवालय पर प्रबेश द्वार के साथ भवन निर्माण कार्य चल रहा है। मेला परिसर मे श्रद्धालुओ ने गृहस्थी के सामान खरीदे। झूले का लोगो ने आनन्द उठाया। गुड की जलेबी, गुलइया, रामदाना की खूब खरीददारी की। गन्ने की रस की दुकान पर लोगो की भीड रही। गोल गप्पे की दुकान पर भीड रही। साइकिल स्टैंड पर वाहनो को जमा करने की लोगो की भीड रही। साथ ही जिले के मुकुट नाथ मंदिर, देवी पाटन मंदिर, कालिकन धाम, श्रीमत परमहंस आश्रम टीकर माफी, शोभनाथन मंदिर, शिवालय गुडुरी, गोसाईगंज बाजार के शिवालय पर मेला लगा। और शांति रूप से शिवरात्रि का त्योहार संपन्न हुआ।

रामनगर से निकली शिव बारात महादेवा पंहुची

रामनगर। धर्मशाला मंदिर रामनगर से शान्य काल महाशिवरात्रि पर्व पर भगवान शिव की बारात निकाली गई जो महादेवा पहुंची। डीजे पर बजते भगवान शंकर के भजनो पर रंग बिरंगी लाइट के साथ नाचते गाते बारात में शामिल भक्तों ने लोधेश्वर महादेवा पंहुच कर लोधश्वर महादेव को ठंडाई चढ़ा कर प्रसाद वितरण किया। रामनगर कस्बे से होकर निकली शिव बारात में जहां घोड़े की बग्घी पर बैठे भगवान शिव पार्वती लोगों का मन मोह रहे थे तो हनुमान जी महराज भी साथ-साथ नृत्य करते शिव बारात में मगन चल रहे थे।डीजे की बजती भक्ति धुनो पर भक्त नाचते गाते व जयकारे लगाते रामनगर कस्बा होकर तीन किमी दूर पैदल महादेव पहुंचे। सभी ने पूजा अर्चना की। बारातियों में अनुपम पांडेय, रम्मू गुप्ता ,जैकी गुप्ता ,अखिल पांडेय,प्रफुल्ल कुमार

भोर से जलाभिषेक करने पहुँचने लगे श्रद्धालु

बम बम भोले के जयकारों से माहौल हुआ शिवमय

लोकमित्र ब्यूरो

निन्दूरा संवाददाता। विकास खण्ड निन्दूरा क्षेत्र में शिवरात्रि के अवसर पर भोर से ही श्रद्धालु भोलेनाथ का जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक कर उन्हें बेलपत्र, भांग, दूध, धतूरा, आदि का भोग लगाते दिखाई दिए। शिवालयों में जलाभिषेक के लिए शिव भक्तों की लंबी कतारें और बम बम भोले के जयकारे से माहौल शिवमय हो गया। क्षेत्र के पंचमुखी शिव मंदिर टिकैतगंज, अंबेश्वर महादेव मंदिर अंबरपुर बहरौली ,प्रज्ञेश्वर महादेव मंदिर बड्डुपुर भगौली तीर्थ सहित तमाम शिव मंदिरो में पूजा-अर्चना, जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक के लिए शिवभक्त कई घंटे से लाइन में खड़े होकर इंतजार करते दिखे।भक्तो द्वारा बेलपत्र, धतूरा, भांग, जल, दूध आदि चढ़ाकर भगवान शिव की पूजा-अर्चना की। भगौली स्थित प्रसिद्ध प्रसन्नाथ महादेव के मंदिर में सुबह से ही सैकड़ों भक्तो ने लाइन में लगकर दर्शन किए।बताते चले कि भगौली तीर्थ को लोग छोटे महादेवा भी कहते हैं।यह मंदिर बाराबंकी शहर से सुदूर 40 किमी जिले के बॉर्डर पर भगौली गांव में स्थित है। ऐसा बताया जाता है कि अज्ञातवास के दौरान पांडव यहाँ विश्राम किए थे, बाराबंकी को बराह वन कहा जाता था और यहाँ घने और विशाल जंगल थे। वर्षों तक पांडव यहाँ छुपे रहे। ऐसा माना जाता है कि यहां खेत में जुताई करते समय हल एक पत्थर से टकरा गया था।जब और अधिक खुदाई कराई गई तो एक विशाल भूलिंग निकला ।लोगो ने तब से ही पूजा अर्चना शुरू कर दी। शिवालयों में श्रद्धालुओं की अधिक भीड़ को देखते हुए पुलिस और सेवादार व्यवस्था बनाने में जुटे रहे।शिवालयों में महामृत्युंजय मंत्र के पाठ किए जा किए गए। शिवलिंग का भव्य श्रृंगार और आरती की गई।

निकाली गई शोभायात्रा: क्षेत्र के कस्बा टिकैतगंज में शिवरात्रि के उपलक्ष्य में कस्बा स्थित बाबा परमहंस कुटी से शिव बारात निकाली गई। जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। शोभायात्रा में भगवान शिव और माता पार्वती की झांकी से सुसज्जित रथ के साथ सैकड़ों श्रद्धालु भगवान शिव और माता पार्वती की स्तुति में नाचते-गाते और नारे लगाते हुए उत्सवी माहौल बना रहे थे।

इससे पहले इससे पहले 51 पार्थिव शिवलिंगों का पूरे विधि विधान और मंत्र उच्चारण के साथ रुद्राभिषेक किया गया। सुरक्षा के दृष्टिगत कुर्सी पुलिस फोर्स के साथ पीएसी बल भी मौजूद रहा। इस मौके प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार सिंह चौकी इंचार्ज श्रीकांत मिश्रा विजय गुप्ता रमाकांत वाजपेई पवन कुमार शर्मा आदि मौजूद रहे।

महाशिवरात्रि पर्व, पर डीएम-एसपी रहे भ्रमणशील, मंदिरों का किया निरीक्षण

लोकमित्र ब्यूरो

अमेठी। जिले में महाशिवरात्रि पर्व के दृष्टिगत शांति, सुरक्षा व कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए भ्रमण के दौरान जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक द्वारा थानाक्षेत्र भाले सुल्तान शहीद स्मारक अन्तर्गत दण्डेश्वर नाथ धाम मंदिर कोछित व श्री प्राचीन सोमनाथ शिव मंदिर पिण्डारा का स्थलीय निरीक्षण किया गया एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान डीएम व एसपी ने मंदिर में पूजा अर्चना की तथा जलाभिषेक कर जनपद वासियों के सुख समृद्धि की कामना किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने श्री दण्डेश्वर नाथ धाम मंदिर में मेले की सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया गया, श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो इसके लिये ड्यूटी पर तैनात अधि0/कर्म0गण को सतर्कतापूर्वक ड्यूटी करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये साथ-साथ मेला प्रबन्धन समिति के पदाधिकारियों से वार्ता की गयी। इस दौरान उपजिलाधिकारी मुसाफिरखाना पंकज कुमार व अन्य अधि0/कर्म0गण मौजूद रहे। इसके अलावा आज महाशिवरात्रि पर्व के दृष्टिगत अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अर्पित गुप्ता तथा अपर पुलिस अधीक्षक हरेंद्र कुमार द्वारा थाना गौरीगंज अंतर्गत श्री दुर्गन भवानी मंदिर का निरीक्षण किया गया तथा मेला प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों से वार्ता कर संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

महाशिवरात्रि पर्व पर निकाली गई विशाल शोभायात्रा

बांगरमऊ, उन्नाव। महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर आज बुधवार को कस्बा गंज मुरादाबाद के प्रमुख मार्गों पर परम्परागत विशाल शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में डेढ़ दर्जन आकर्षक झांकियों व आधा दर्जन डीजे पर सैकड़ो भक्त नाचते - गाते श्रद्धालु शामिल हुए। यात्रा के दौरान भक्तों द्वारा प्रसाद वितरित किया गया। प्रतिवर्ष की भांति नगर के ब्लाक कार्यालय के निकट स्थित नर्मदेश्वर पत्थर वाला शिवाला से शिव शोभायात्रा प्रारम्भ हुई। क्षेत्रीय विधायक श्रीकांत कटियार ने यात्रा की अगुवाई की। यात्रा में नंदी पर सवार भगवान शिव पार्वती की आकर्षक झांकी ,हनुमान, राम सीता, गणेश, लक्ष्मी, कुबेर आदि देवी-देवताओं की कुल 13 आकर्षक झांकियां शामिल थीं। शोभायात्रा नगर के मोहल्ला मिश्राना, अहिराना, मुख्य हरदोई उन्नाव मार्ग, लुधियाना, गढ़ी, खत्रियाना, बड़ी बाजार, गढ़ी आदि मोहल्लों में भ्रमण करती हुई नियत स्थल पर समाप्त हुई।

वन विभाग की टीम ने किया जाँच, नहीं मिले शेर-तेंदुए के पग चिन्ह

लोकमित्र ब्यूरो

निन्दूरा संवाददाता। कुर्सी कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार को तेंदुआ व शेर को लेकर वायरल हुए वीडियो को लेकर अखबारों में प्रमुखता से बुधवार को प्रकाशित हुई खबरों को संज्ञान लेते हुए वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच कर पड़ताल की लेकिन शेर व तेंदुए के पग चिन्ह नहीं मिले क्षेत्राधिकार ने बताया डाक फैमिली के पग चिन्ह मिले हैं लोगों को जागरूक किया गया। कुर्सी कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मीर नगर बनौगा मंगलवार को शेर के वायरल वीडियो के पड़ताल हेतु प्रभागीय वनाधिकारी आकाशदीप बधावन के पर्यवेक्षण में क्षेत्रीय वन क्षेत्राधिकारी मयंक सिंह द्वारा मौके का निरीक्षण किया गया तथा मौके से पगमार्क लिए गए। मानव वन्य जीव संघर्ष रोकने के लिए देवां रेंज वन विभाग की टीम द्वारा स्थानीय ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है। अभी तक मिले पगमार्क डॉग फैमिली के ही है। उसे मौके पर क्षेत्राधिकार मयंक सिंह मनोज कुमार यादव प्रशांत कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

हर हर बम बम के जयघोष के साथ महा शिवरात्रि पर्व पर लाखों श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

सुरक्षा व्यवस्था के रहे व्यापक बंदोबस्त

लोकमित्र ब्यूरो

रामनगर। बम बम भोले की गूंज से लोधेश्वर महादेव मंदिर गुंजायमान रहा। महाशिव रात्रि पर्व पर करीब तीन लाख श्रद्धालुओ ने जलाभिषेक किया। प्रशासनिक अधिकारी मंदिर स्थल सहित मेले में डटे रहे।दिन भर मंदिर में जलाभिषेक करने का क्रम चलता रहा। महाशिव रात्रि पर्व पर हर हर बम बम कहते लाखो शिव भक्त महादेवा मंदिर पंहुचे जो अपने आराध्य लोधेश्वर महादेव पर जलाभिषेक के बाद प्रसन्न नजर आए। बस, कार, बुलेरो, मैजिक सहित हजारों मोटरसायकिलों से उन्नाव, कानपुर, कानपुर देहात, उरई, लखनऊ आदि जिलों से शिव भक्तो के जत्थे मंगलवार रात ही महादेवा आकर रुक गए थे। मेला परिसर शिव भक्तो से गुलजार हो रहा था। रात मे ही भक्त लोटे में जल, बेल पत्र, धतूरा, अक्षत, बेर, फूल आदि पूजन सामग्री लेकर लाइन में लग गए थे।

अनवरत खुले रहे कपाट: महादेवा मंदिर के कपाट अनवरत खुले रहे लेकिन आए शिव भक्तो द्वारा रात बारह बजे बाद ही शुभ मुहूर्त में मंदिर की तरफ प्रस्थान शुरु हुआ और कुछ ही घंटे म होल्डप एरिया भर गया।कतार से जाकर जब भक्त मंदिर के अंदर पंहुंचते और बम भोले बोल कर लोधेश्वर महादेव का जलाभिषेक करते तो मन मुदित हो जा रहा था। बारी बारी सभी भक्तो को पुलिस दर्शन पूजन करा रही थी।मंदिर के अंदर महिला व पुरुष सिपाही लगे थे जो अंदर भक्तो को पूजा करवाने में जुटे थे।मंदिर के अंदर पूजा अर्चना कराने में पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। एस डी एम पवन कुमार,आनंद त्रिपाठी, सी ओ सौरभ श्रीवास्तव, तहसीलदार भूपेंद्र विक्रम सिंह, कोतवाल अजय त्रिपाठी, ए ई अजीत पटेल, बीडीओ जितेंद्र कुमार, देवेंद्र सिंह आदि अधिकारी रात भर मेले में डटे रहे।

बगैर परमिट काटे प्रतिबंधित पेड़, मुकदमा दर्ज

हरख रेंजर प्रदीप सिंह ने बताया कि 8 फरवरी को बगैर सूचना व परमिट के कोठी थाना क्षेत्र के रामापुर गांव में प्रतिबंध पेड़ों की कटान की सूचना मिली

लोकमित्र ब्यूरो

कोठी, बाराबंकी। हरख रेंज के कोठी थाना क्षेत्र अंतर्गत रामापुर गांव में बगैर परमिट के काटे गए। प्रतिबंधित आम व जामुन पेड़ों के मामले में मंगलवार रात वनरक्षक ने ठेकेदार के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है। इस कार्रवाई से क्षेत्रीय वन माफियों में हड़कंप मचा हुआ है। हरख रेंजर प्रदीप सिंह ने बताया कि 8 फरवरी को बगैर सूचना व परमिट के कोठी थाना क्षेत्र के रामापुर गांव में प्रतिबंध पेड़ों की कटान की सूचना मिली। इसकी जांच क्षेत्रीय वन दरोगा सचिन कुमार पटेल व वनरक्षक अनिल कुमार तिवारी द्वारा की गई। जिसमे प्रतिबंधित चार आम व तीन जामुन के पेड़ों काटने की पुष्टि हुई। मौके से कटान स्थल से ठूठ पाए गए। लेकिन इसकी लकड़ी ठेकेदार द्वारा उठाकर बिक्री कर दी गई। इसकी कटान क्षेत्र के मकनीपुरवा मजरे शाहपुर गांव निवासी ठेकेदार अलीम पुत्र फरखू द्वारा काटा जाना पाया गया। उससे जुर्माने की कार्रवाई के लिए अस्वस्थ किया गया। मगर ठेकेदारों द्वारा विभागीय कार्रवाई में सहयोग नहीं किया गया। ऐसे में मंगलवार की देररात वनरक्षक अनिल कुमार तिवारी की तहरीर पर कोठी इंस्पेक्टर संतोष कुमार सिंह ने मुकदमा दर्ज किया है। रेंजर श्री सिंह ने बताया कि ठेकेदार के विरुद्ध उप्र ग्रामीण एवं पर्वतीय क्षेत्रों में वृक्षों का संरक्षण अधिनियम 1976 (4 व 10) व उप्र ट्रांजिट ऑफ टिम्बर एंड अदर फारेस्ट प्रोड्यूस रुल्स 1978 (3 व 28) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

धूमधाम से बनाया गया महाशिवरात्रि का पर्व

लोकमित्र ब्यूरो

मसौली बाराबंकी। महाशिवरात्रि का पर्व मसौली क्षेत्र में धूमधाम से मनाया गया। शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं का सुबह से ही जलाभिषेक के लिए तांता लगा रहा।

क्षेत्र के कस्बा मसौली स्थित बाजार एव ग्राम सिसवारा स्थित डिगम्बरनाथ शिवमंदिर पर शिवभक्तों ने मंदिरों में शिवलिंग पर जलाभिषेक किया और पूजा-अर्चना की। तथा जगह जगह ओम नमः शिवाय का जाप किया गया। तथा शिवमंदिरों मे पूर्णाहूति एव विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। मसौली चौराहा पर शिवभक्तों को प्रसाद का वितरण किया। कस्बा बड़ागाँव स्थित प्रेमश्वर महादेव मंदिर पर विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ो शिवभक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। इसी क्रम मे कस्बा शहाबपुर में स्थानीय कलाकारों द्वारा विभिन्न झांकियां बना कर शिव बारात तापेश्वरी माता मंदिर से निकाली गयी जो कस्बे के विभिन्न मार्गों पर भ्रमण करते हुए निब्ही मंदिर हनुमान मंदिर होते हुए सोहन सदन शशी भुर्जी के प्रतिष्ठान पर पहुंची जहां पर ब्रजराज गुप्ता, सोनू , सुधीर, प्रवीण वर्मा, गुड्डू गुप्ता, लवकुश अंश गुप्ता वंश गुप्ता के द्वार पर आयोजित भण्डारे मे छोला चावल पूड़ी सब्जी बून्दी खीर आदि का प्रसाद ग्रहण किया शिवभक्तों के जयकारे से पूरा इलाका शिवभक्ति मे लीन हो गया। सुरक्षा व्यवस्था में प्रभारी निरीक्षक यशकांत सिंह उपनिरीक्षक अभय गुप्ता,उमेश प्रसाद व दिवान लवकुश सिंह कांस्टेबल अंकित सचान विवेक सिंह प्रियांशू यादव विकास यादव रत्नेश पांडे नौमिनाथ आदि शिव बारात की निगरानी करते रहे। इस मौके पर भाजपा नेता मनोज श्रीवास्तव,राम प्रकाश श्रीवास्तव, विष्णु कुमार श्रीवास्तव, सूरज सिंह, रौहन सोनी आदि के साथ भारी संख्या में भक्त गण मौजूद रहे।

महा शिवरात्रि पर शिव मन्दिरों पर उमड़ा आस्था का जनशैलाब

पाटन उन्नाव। शिवरात्रि के महापर्व पर क्षेत्र के अंतर्गत स्थित शिव मंदिरों में सुबह से ही आस्था का सैलाब देखने को मिला। श्रद्धालु सुबह से ही शिव मंदिर में पहुंचकर शिव की आराधना पूंजा की। कई स्थानों पर मूर्ति स्थापना का भी कार्यक्रम हुआ। इस मौके पर ग्राम मानपुर मजरे मनिकापुर व रिसालखेड़ा में शिव भोले सहित पार्वती, नदी, गणेश व हनुमान जी सहित पंचदेव की मूर्ति स्थापना की गई। मूर्ति स्थापना से पूर्व धूमधाम से शिव बारात निकाली गई। ग्राम विजयी खेड़ा में मुनेश्वर महादेव मंदिर, पनहन स्थित अचलेश्वर महादेव मंदिर, बिहार स्थित नर्मदेश्वर मंदिर, खरही रामपुर स्थित गौरी शंकर महादेव मंदिर, कस्बा पाटन स्थित सहस्त्र लिंगेश्वर महादेव मंदिर,बीघापुर में गोदावलेश्वर मंदिरों में श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक कर चंदन, अक्षत, रोली, धतूरा ,भांग, दूध, जनेऊ, बेलपत्र, पुंगी फल आदि देवाधिदेव को समर्पित कर पूंजा अर्चना कर मनोवांछित फल की कामना की।

जगह जगह शिव भक्तो के लिए चलाए गए भंडारे

महादेवा आए शिव भक्तो की सेवा मे जुटे रहे लोग

लोकमित्र ब्यूरो

रामनगर। महादेवा आए श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न स्थानों पर भंडारे चलाए गए। जगह जगह पूड़ी सब्जी चावल छोले हलूवा चाय बिस्कुट फलाहार प्रसाद का वितरण किया गया।

ब्लॉक मुख्यालय रामनगर पर प्रधान संघ के जिलाध्यक्ष रामकुमार मिश्र के साथ ब्लॉक अध्यक्ष सभाजीत सिंह महामंत्री चंद्रमौलि मिश्रा उपाध्यक्ष सुधाकर वर्मा विवेक सिंह अंकज यादव वीरेंद्र रावत शिवम मिश्रा राजमल वर्मा ,संजय कुमार ब्रजेश शर्मा आदि श्रद्धालुओं में पूड़ी सब्जी बूंदी के प्रसाद का वितरण किया जा रहा था जिसका उद्घाटन पूर्व सांसद उपेंद्र सिंह रावत,पूर्व विधायक शरद अवस्थी ने किया।

बीडीओ जितेंद्र कुमार मौजूद रहे। बीएसए संतोष कुमार देव पांडेय के निर्देशन में चलाए जा रहे भंडारे में बी ई ओ संजय शुक्ला शिक्षक दीपक वर्मा नितेश त्रिपाठी रामप्रताप लोधी दिवाकर अवस्थी रोशन तिवारी द्वारा छोले चावल के प्रसाद का वितरण किया जा रहा था। बुढ़वल चौराहे पर बिहिप बजरंग दल द्वारा चलाए जा रहे तीन दिवसीय चिकित्सा एवं सेवा शिविर में विहिप के जिला मंत्री राहुल कुमार वर्मा प्रचार प्रसार प्रमुख सुमित्रा प्रसाद प्रखंड उपाध्यक्ष रमाकांत डॉ सुमन आशुतोष दुबे रामतेज व गोविंदा राजपूत द्वारा महादेवा आने वाले श्रद्धालुओं में चाय बिस्किट पानी वितरण किया जा रहा था। कस्बे के नेत्र चिकित्सक डॉ बालमुकुंद मौर्य व पारिजात स्कूल के प्रबंधक श्री नारायण उपाध्याय द्वारा चलाए जा रहे भंडारे में छोले चावल पूड़ी चाय का वितरण किया जा रहा था। नाथ कुटी महादेवा पर शिक्षक विजय प्रताप सिंह द्वारा चलाए जा रहे भंडारे में साधु संतों व श्रद्धालुओं में महंत बाबा रामनाथ शिष्या माया सिंह सेगर द्वारा फलाहार प्रसाद का वितरण किया जा रहा था। इसी क्रम में कानपुर देहात के राहुल दीक्षित व लोकेश द्वारा पूड़ी सब्जी व खीर प्रसाद का वितरण किया जा रहा था। जियो टंकी पर विनोद मिश्रा,अवधेश मिश्रा,अभिशेक मिश्रा ने ब्रत वाला भंडारा कराया।

गेस्टहाउस में झूले से गिरकर पाँच वर्षीय बालक की मौत

पिता ने गेस्टहाउस मालिक पर लापरवाही का आरोप लगा पुलिस को दी तहरीर

लोकमित्र संवाद

बांगरमऊ, उन्नाव। एक पांच वर्षीय बालक अपने पिता के साथ रिश्तेदार के मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने नगर के गेस्ट हाउस आया था। जहां बीती रात झूला झूलते समय बच्चा अचानक झूले से नीचे गिर पड़ा और बेहोश हो गया। परिजनों द्वारा स्थानीय सीएचसी ले जाने पर चिकित्सक ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। पिता ने गेस्ट हाउस मालिक पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए पुलिस को शिकायती पत्र सौंपकर कार्यवाही की मांग उठाई है। जिला हरदोई के थाना कासिमपुर अंतर्गत ग्राम औरामऊ निवासी श्रवण बीते मंगलवार को अपने पुत्र रिषभ 5 वर्ष को साथ लेकर नगर के उन्नाव मार्ग स्थित एक गेस्ट हाउस में आयोजित रिश्तेदार की कन्या के विवाह संस्कार में शामिल होने आया था। बच्चा रिषभ गेस्ट हाउस के परिसर लगे चेनदार झूले पर अन्य बच्चों के साथ झूलने लगा। तभी रिषभ अचानक झूले से नीचे गिर गया और बेहोश हो गया। यह देखकर पिता सहित अन्य रिश्तेदार दौड़े और आनन फानन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही परिजनों में चीख पुकार मच गई। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल भेज दिया।मृतक के पिता ने गेस्ट हाउस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्यवाही की मांग की है। कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक अवनीश कुमार सिंह ने बताया कि घटना की तहरीर मिली है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर विधिक कार्यवाही की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 126 जोडों का विवाह सम्पन्न कराया गया

बांगरमऊ,उन्नाव। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत गंज मुरादाबाद ब्लॉक क्षेत्र स्थित एक अतिथि गृह में कुल 126 जोड़ों के विवाह संस्कार कराए गए। समारोह में क्षेत्रीय विधायक ने वर-वधू को आशीर्वाद प्रदान किया। ब्लाक क्षेत्र स्थित एक अतिथिगृह में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में बांगरमऊ क्षेत्र के 54, गंजमुरादाबाद क्षेत्र के 39 व फतेहपुर चौरासी क्षेत्र के 31 तथा नगर पंचायत कुरसठ के 2 सहित कुल 126 वर और कन्या की शादी कराई गई। समारोह में विधायक श्रीकांत कटियार, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि विवेक सिंह पटेल ,बीडीओ निशा सागर विश्वकर्मा व पूर्व जिला पंचायत सदस्य रावेंद्र सिंह आदि सहित सभी ब्लाक कर्मी शामिल रहे।

महाशिवरात्रि पर गंगा घाटों पर उमड़ा आस्था का सैलाब

शुक्लागंज नगर। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर, शुक्लागंज नगर के गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही आस्थावान लोग गंगा में डुबकी लगाने के लिए पहुंचने लगे थे। नगर के प्रमुख घाटों, जैसे बालूघाट, मोनू पंडा घाट, रेलवे पुल के नीचे, शिव पंडा घाट, पक्का घाटा और जाजमऊ चंदन घाट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव के प्रति अपनी गहरी आस्था और श्रद्धा का प्रदर्शन करते हुए गंगा में पवित्र स्नान किया। इस दौरान, ष्हर हर महादेवष् और ष्जय शिव शंकरष् के जयकारों से पूरा वातावरण गुंजायमान हो रहा था। दोपहर तक श्रद्धालु लगातार गंगा तट पर पहुंचते रहे, जिससे घाटों पर मेले जैसा दृश्य बन गया। इस अवसर पर, नगर के विभिन्न मंदिरों में भी विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने शिवलिंग पर जलाभिषेक किया और भगवान शिव से अपने परिवार और समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। महाशिवरात्रि का यह पर्व, भगवान शिव के प्रति लोगों की अटूट श्रद्धा और भक्ति का प्रतीक है। इस दिन, लोग अपने पापों का प्रायश्चित करते हैं और भगवान शिव से आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। श्रद्धालुओं के उत्साह और आस्था ने इस पर्व को और भी विशेष बना दिया।

महाशिवरात्रि पर निकली भव्य शिव बारात

शुक्लागंज, उन्नाव। महाशिवरात्रि के पर्व पर, शुक्लागंज नगर में भगवान शिव की भव्य बारात धूमधाम से निकाली गई। शिव शोभा यात्रा समिति के तत्वावधान में आयोजित इस यात्रा में भारी संख्या में श्रद्धालु नाचते-गाते शामिल हुए। पूरे नगर में भक्तिमय माहौल छाया रहा। दोपहर 2 बजे मरहला चौराहा स्थित हनुमान मंदिर, पोनी रोड दयानंद सरस्वती इंटर कॉलेज, नेहरू नगर, आदर्श नगर में पूजन-अर्चन के बाद यात्रा का शुभारंभ हुआ। भव्य रथों पर राधा-कृष्ण, भगवान शिव, गणेश, हनुमान आदि की सुंदर झांकियां निकाली गईं। शिव शोभा यात्रा समिति ने पहली बार नगर में इतनी भव्य शिव बारात का आयोजन किया। इसके अलावा, कामाख्या मंदिर समिति और अन्य भक्तजनों ने भी राजमार्ग से शोभा यात्रा निकाली। मराहाला चौराहा स्थित हनुमान मंदिर से दोपहर 2 बजे के बाद पूजन अर्चन के साथ यात्रा का शुभारंभ हुआ। राधाकृष्ण, शिव शंकर, गणेश और हनुमान आदि की मनमोहक झांकियां रथों पर सजाई गई थीं। पुलिस की मौजूदगी में यात्रा राजमार्ग से होते हुए श्री दुर्गा मंदिर और फिर सुभाष नगर समिति संयोजक के आवास पर समाप्त हुई। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने भगवान शिव की आरती उतारी और पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया। शिव बारात यात्रा में सदर विधायक पंकज गुप्ता, संयोजक वीरेंद्र शुक्ला, पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि संदीप पांडेय, रमेश तिवारी, सूर्य कुमार वाजपेयी, अभिषेक तिवारी, मिंटू निषाद, दिलीप शुक्ला सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। वहीं महाशिवरात्रि पर नगर के तमाम मंदिरों में भोर से ही शिवभक्तों का तांता लगा रहा। शिवभक्तों ने कहा कि महाशिवरात्रि का पर्व उनके लिए विशेष महत्व रखता है और इस दिन भगवान शिव की पूजा करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। मंदिरों के आसपास सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे, ताकि भक्तों को किसी तरह की परेशानी न हो। इस पावन पर्व पर शहर के सभी मंदिरों में भक्ति और उत्साह का अनोखा माहौल देखने को मिला।

बारात में युवकों के बीच मारपीट,पुलिस ने वीडियो से की आरोपियों की पहचान

हरदोई। पाली कस्बे में एक बारात के दौरान युवकों के बीच मारपीट की घटना सामने आई है। यह घटना बरगद चौराहे के पास हुई। बारात के दौरान कुछ युवकों के बीच विवाद शुरू हुआ। विवाद बढ़ने पर युवक आपस में भिड़ गए और मारपीट शुरू हो गई। घटना के दौरान मौजूद लोगों ने इसका वीडियो बना लिया। वीडियो सामने आने के बाद स्थानीय प्रशासन हरकत में आया। पाली थाना अध्यक्ष ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। वीडियो की जांच के बाद आरोपियों की पहचान कर ली गई है। पुलिस जल्द ही आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। पुलिस ने कार्रवाई का दिया आश्वासन इस घटना से स्थानीय लोगों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। लोगों का कहना है कि इस तरह की घटनाओं से सामाजिक माहौल खराब होता है। पुलिस प्रशासन ने भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने का आश्वासन दिया है।

छात्रों को 2 गोल्ड और 1 ब्रॉन्ज मेडल, एसपी ने दिया प्रशस्ति पत्र

हरदोई। लखनऊ के मिनी इनडोर स्टेडियम में आयोजित 7वीं ओपन राष्ट्रीय जूनियर ताइक्वांडो चौंपियनशिप में सेठ एम. आर. जयपुरिया स्कूल हरदोई के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। स्कूल के छात्र अथर्व शुक्ला और हर्ष कुमार ने गोल्ड मेडल जीता। प्रत्यूष प्रताप सिंह ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। इन छात्रों ने पहले जिला स्तर पर सफलता प्राप्त की और फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। हरदोई के पुलिस अधीक्षक ने इन प्रतिभाशाली छात्रों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या लीना सिंह ने सभी विजेताओं को बधाई दी और भविष्य में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। डायरेक्टर शिखर अग्रवाल ने कहा कि छात्रों के समग्र विकास के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। अभिभावकों ने इस उपलब्धि को हरदोई जिले के लिए गौरव का क्षण बताया।

महाशिवरात्रि पर शिवालयों में उमड़े श्रद्धालु, सुबह से शाम तक चला रुद्राभिषेक

हरदोई। माधौगंज में महाशिवरात्रि पर्व पर शिवालयों में भक्तों की भारी भीड़ देखी गई। श्रद्धालुओं ने हर हर महादेव के जयकारों और वेदमंत्रोच्चार के साथ पूजन-अर्चन किया। बुधवार की सुबह से ही कस्बे के बड़े मंदिर में भक्तों का आना शुरू हो गया। श्रद्धालुओं ने बेल पत्र, बेर, गन्ना, भांग, धतूरा और फूल के साथ जल, शहद और दूध का अभिषेक किया। नगर के लोगों ने परिवार सहित ऐतिहासिक पौराणिक बड़े मंदिर में पूजन-अर्चन किया। शहर के अन्य प्रमुख मंदिरों में भी भक्तों की भीड़ रही। इनमें शिवलिया मंदिर, शंकरदयाल मंदिर, बूढ़े बाबा मंदिर, फूलमती मंदिर और चौराहे पर स्थित मंदिर शामिल हैं। शाम को मंदिरों में भजन के साथ जागरण का आयोजन किया गया।ग्रामीण क्षेत्र में भी श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। रुदामऊ के जख्ख देवी मंदिर, दौलतयारपुर और कुरसठ के शिवालयों में रुद्राभिषेक हुआ। सर्वेश्वरानंद आश्रम में अखंड रामायण पाठ के साथ पूजन-अर्चन किया गया। इस अवसर पर ब्रह्मचारी सुमगनानंद और वैरागमती ने संतों को वस्त्रदान किया।

मढ़िया घाट पुल निर्माण का सांसद ने किया दौरा

हरदोई। सांसद जयप्रकाश रावत ने आज मढ़िया घाट पर निर्माणाधीन पुल का निरीक्षण किया। इस दौरान संबंधित अधिकारी, क्षेत्र के प्रधान, बीडीसी और गणमान्य लोग मौजूद रहे। सांसद रावत ने पुल निर्माण की बारीकी से जांच की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। यह पुल स्थानीय लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग थी। अब यह काफी प्रयासों के बाद साकार हो रही है। पुल बनने से क्षेत्र के लोगों को कई लाभ मिलेंगे। पारस बाबा के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को अब कोई परेशानी नहीं होगी। साथ ही, सीतापुर और लखीमपुर जाने के लिए अब नाव का सहारा नहीं लेना पड़ेगा। लोग सीधे पुल से आवागमन कर सकेंगे।

बाघ के हमले में गंभीर व्यक्ति से मिले भाजपा नेता रवि गुप्ता

लोकमित्र ब्यूरो

लखीमपुर-खीरी। जनपद खीरी मे टाइगर से लगातार हमलो ने भयानक रूप धारण कर लिया है। पलिया क्षेत्र के ग्राम सेमरी पुरवा निवासी आशाराम पुत्र राम दयाल जिसको बाघ ने अचानक हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। पलिया सरकारी अस्पताल एवं लखीमपुर से लखनऊ रेफर किए गए उक्त व्यक्ति जो की इलाज करा कर आज पलिया वापस लौटे अब घायल की हालत खतरे से बाहर है। पलिया पहुंचने पर भाजपा नेता रवि गुप्ता उक्त घायल व्यक्ति व उसके परिजनों से मिले।

हर संभव मदद का दिया आश्वासनः रवि गुप्ता ने कहा परेशानी की घड़ी में वह आशाराम व उसके परिवार के साथ हैं। उनसे जो मदद बनेगी वह करेंगे साथ ही रवि गुप्ता ने यह भी बताया कि पलिया क्षेत्र निवासी प्रत्येक व्यक्ति उनका परिवारीजन है सुख दुख में वह सदैव उनके साथ खड़े रहेंगे।

घायल व्यक्ति को देखने के लिए लोगों का तांता लग गया। पत्नी पर हमला करने वाले बाघ को पति व गाँव वालों ने उतारा मौत के घाट ग्राम फुलवरिया में बाघ ने एक महिला पर हमला करते हुये महिला की गर्दन तोड़ दी थी जिसको बचाते हुये आक्रोषित पति व गाँव वालों मिलकर बाघ को मौत के घाट उतार दिया। घटना दुधवा टाइगर रिजर्व के फुल्वरिया गांव के सुबह करीब तीन बजे के आसपास घटित हुई थी।

फुलवरिया गांव में घुसी बाघिन ने महिला के साथ दो अन्य व्यक्तियों को घायल कर दिया था। जिससे बाघिन को गांव वालों ने गांव के अंदर ही घेरा और बाघिन पर हमला बोल दिया।हमले में जख्मी बाघिन काफी देर तक गांव में ही पड़ी रही, उसके बाद में बाघिन की जान चली गयी।गांव वालों ने दो घण्टे तक वन विभाग के लोगों को बाघिन के पास तक नहीं जाने दिया और रास्ते को रोक कर रखा। पुलिस की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद वन विभाग बाघिन के शव को कब्जे में ले सका।

कोतवाली के आसपास घूम रही थी बाघिनः सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार बाघिन पलिया कोतवाली के आसपास घूम रही थी घूमते घूमते फुलवरिया पहुँच जहां पर रतनलाल की पत्नी पर हमला कर दिया शेर के जानलेवा हमले से अपनी पत्नी को बचाने के चक्कर में पति व गाँव वालों ने मिलकर शेर को ही मार दिया।

जुए में एक लाख रुपए हारा कचौड़ी विक्रेता, लगाया फंदा

लोकमित्र ब्यूरो

हरदोई। जिले के पचदेवरा थाना क्षेत्र के जमालपुर गांव में एक दुखद घटना सामने आई। दिल्ली से लौटे 26 वर्षीय कचौड़ी विक्रेता सचित ने अपने घर में फंदा लगाकर जान दे दी। सचित दिल्ली में कचौड़ी बेचकर अपना गुजारा करता था। वह मंगलवार को अपने गांव वापस आया था। परिवार के अनुसार, वह दिल्ली में जुआ खेलने के दौरान एक लाख रुपए हार गया था। इस कारण वह काफी परेशान था। वह किसी से बात भी नहीं कर रहा था।पांच भाइयों में सबसे बड़े सचित ने अपने कमरे में मफलर से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पीछे 10 महीने का बेटा है। घटना से उसकी पत्नी राधा और परिजन गहरे शोक में हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रभारी निरीक्षक अब्दुल जब्बार खां के अनुसार मामले की जांच की जा रही है। परिवार ने इस मामले में किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महाशिवरात्रि में दर्शन के लिए उमड़े भक्त, शिवमय हुआ छोटी काशी

- जगह जगह गूंज रहा शिवोहम-शिवोहम, दूल्हे की तरह सजने को तैयार तीनों लोकों के स्वामी
- शिव मंदिर व भूतनाथ मंदिर में गूंजा ऊं नम-शिवाय, ब्रह्ममुहूर्त से ही बजने लगे घंटे
- गोला पुलिस प्रशासन अलर्ट, गोला कोतवाल सहित भारी पुलिस बल से शिवालयों की सुरक्षा की निगरानी कर रहा है।

लोकमित्र ब्यूरो

गोला गोकरणनाथ खीरी। महाशिवरात्रि पर्व पर गोला गोकरणनाथ छोटी काशी मे कस्बा सहित गांव तक शिवालयों में बड़ी संख्या में उमड़े श्रद्धालुओं ने बम-बम भोले के जयनाद के साथ जलाभिषेक कर रहे हैं। इस दौरान कस्बे के शिव मंदिर व भूतनाथ मंदिर मे शिव भक्तों ने बेलपत्र के साथ दूध, शहद, हल्दी आदि पवित्र सामग्रियां अर्पित कर जल का अभिषेक किया। शिवरात्रि पर्व पर जगह-जगह मंदिरों को सजाया गया है। ब्रह्ममुहूर्त से ही शिवालयों में घंटे-घड़ियाल बजने लगे थे। इसके बाद दिन भर भक्तों का तांता लगा रहेगा। शिवालयों में ऊं नम-शिवाय मंत्र के स्वर गुंजायमान रहा। महाशिवरात्रि के महापर्व पर हर-हर बमबम के जयकारों से गूंज उठा छोटा काशी हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ जय भोले जय भोले के जयकारों की आवाज से छोटी काशी को गुंजायमान करते हुए लंबी लंबी कतारों में भगवान भोलेनाथ के दर्शन एवं जलाभिषेक करने के लिए शिव मंदिर पर उमड़ पड़ी।

महाशिवरात्रि के महापर्व को पर गोला एसडीएम विनोद कुमार गुप्ता, सी ओ सदर रमेश तिवारी, तहसीलदार गोला सुखवीर सिंह, प्रभारी निरीक्षक गोला चंद्रशेखर सिंह,क्राइम इंस्पेक्टर रविन्द्र पांडेय एवं नायब तहसीलदार गोला सर्वेश यादव,नायब तहसीलदार भानु प्रताप सिंह पुलिस के पूरे अमले के साथ शिव मंदिर पर निर्देश देते रहे और आए हुए श्रद्धालुओं की सुरक्षा की दृष्टि से गोला पुलिस प्रशासन कोने कोने पर बनाये हुए है अपनी पैनी नज़र, गोला प्रशासन पूरी तरह चौकस रहा। वहीं एसडीएम पलिया रत्नाकर मिश्रा, तहसीलदार निघासन भीमचंद, श्रद्धालुओं को दर्शन कराने एवं व्यवस्थाओं को सुचार रूप से चलाने में जुटे रहे।

बम-बम भोले, हर-हर महादेव जयकारे गूंज उठा सिद्धेश्वर

लोकमित्र ब्यूरो

सिद्धौर। महाशिवरात्रि पर्व पर बुधवार भोर से ही नगर पंचायत सिद्धौर स्थित प्राचीन व ऐतिहासिक सिद्धेश्वर महादेव मंदिर में श्रद्धालुओं का जलाभिषेक के लिए ताता लग गया। क्जैदपुर सिद्धौर मार्ग से मंदिर की सीढ़ियों तक महिला व पुरुष शिवभक्तों द्वारा शिवलिंग पर जलाभिषेक को अपनी बारी के इंतजार में घंटों लाइन में खड़े रहे। वह शिवलिंग पर गंगाजल, बेलपत्र, भांग व धतूरा आदि का चढ़वा चढ़ाकर मन्नत मांगी। उमड़ी भीड़ को देखकर पुलिस चौकी इंचार्ज की देखरेख में पुलिस बल भी तैनात रहा।

मंदिर की सीढ़ियों पर खड़े रहे शिवभक्तः नगर पंचायत सिद्धौर के सिद्धेश्वर वार्ड स्थित प्राचीन व एतिहासिक के सिद्धेश्वर महादेव की शिवलिंग को पांडवों कालीन बताया जाता है। महाशिवरात्रि और सावन में श्रद्धालुओं खासकर भीड़ रहती है। महाशिवरात्रि पर बुधवार भोर करीब चार बजे से ही श्रद्धालुओं भीड़ का जलाभिषेक का कार्यक्रम शुरू हुआ। देर शाम तक चलता रहा। जैदपुर सिद्धौर मार्ग से मंदिर की सीढ़ियों तक महिला और पुरुष भक्तों भीड़ थी।

श्रद्धालुओं ने चढ़ावा चढ़ायाः हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने शिवलिंग पर गंगाजल, धतूरा, बेलपत्र, गन्ना, दूध, दही, शहद, चंदन, भस्म, नारियल, फल, फूल, मेवा, मिष्ठान, अक्षत व अमीर-गुलाल आदि का चढ़ना चढ़कर मन्नत की। बम-बम भोले, ओम नमः शिवाय, हर-हर महादेव की जयकारे से वातावरण भक्तिमय हो उठा।

मंदिर परिसर में हुए भंडारेः स्थानीय लोगों ने भंडारे का आयोजन किया। जिसमे आदर्श क्लिनिक एंड डायग्नोस्टिक सेंटर व पश्चिम कटरा निवासी अभिषेक कुमार उर्फ पिंटू यादव ने परिवार के साथ केला, अंगूर व संतरा आदि फल श्रद्धालुओं में वितरित किया। उधर, सिद्धेश्वर महादेव मंदिर कमेटी द्वारा भंडारा में पूड़ी सब्जी बांटी गई। श्रद्धालु घर व मंदिरों में भी ओम नमः शिवाय के जाप कर भंडारे आयोजित किया

एक सप्ताह बाद भी जानलेवा हमले का आरोपी पुलिस की पहुँच से दूर

- 75 वर्षीय बुजुर्ग महिला पर किया था हमला
- खीरी की बहादुर पुलिस को नही मिलता आरोपी

लोकमित्र ब्यूरो

धौरहरा-खीरी। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में बीतें दिनों बुजुर्ग महिला के घर में घुसकर 18 फरवरी को जानलेवा हमले के दो आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने 20 फरवरी में मामला दर्ज करते हुए एक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। प्राप्त विवरण के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के ग्राम टेकीकुण्डा तेजनपुरवा-निवासी 75 वर्षीय बुजुर्ग महिला मरजीना के घर 18 फरवरी को घुसकर जानलेवा हमले के दो आरोपियों के खिलाफ बहादुर पुलिस ने 20 फरवरी को मुकदमा दर्ज करते हुए एक आरोपी को जेल भेज दिया था।लेकिन तभी से मुकदमे में वांछित दूसरा आरोपी कोतवाली की बहादुर पुलिस से दूर है। जबकि घटना को लगभग एक सप्ताह होने को है।

गोविन्द शुगर मिल द्वारा मंत्रोच्चार के साथ 15023 प्रजाति की कराई गयी बुवाई

लोकमित्र ब्यूरो

रमियाबेहड़-खीरी। ब्लॉक क्षेत्र के गांव सूजईकुंडा में प्रगतिशील किसान मोहन त्रिवेदी के खेत में 15023 प्रजाति के डेमो प्लॉट की बुवाई विधिवत् मंत्रोच्चार के साथ जुवारी ग्रुप की गोविंद शुगर मिल ऐरा के गन्ना प्रबंधक यादवेंद्र प्रताप राव के दिशा निर्देशन में किया गया, गन्ना प्रबंधक ने बताया बताया की डेमो प्लांट से किसान की कमाई दोगुनी करने का चीनी मिल का लक्ष्य है पिछले वर्ष चीनी मिल ने अपने क्षेत्र में लगभग 55 डेमो प्लांट लगवाए थे जिसकी उपज 500 से 700 कुंतल प्रति एकड़ के प्राप्त किया गया था, इस बार चीनी मिल अपने पूरे क्षेत्र में 200 डेमो प्लांट लगाने का लक्ष्य रखा हुआ है गन्ना प्रबंधक द्वारा बताया गया की हमारे क्षेत्र में प्रत्येक गांव स्तर पर डेमो प्लांट लगाने का प्रस्ताव है चीनी मिल जब तक मिल क्षेत्र गन्ना पूरा समाप्त नहीं होगा तब तक अनावरत चलती रहेगी, चीनी मिल का भुगतान भी किसानों के खाते में समय से दिया जा रहा है चीनी मिलद्वारा किसानों को सब्सिडी दर पर कृषि यंत्रों का वितरण किया जा रहा है जिसमें ट्रेंच ओपनर पावर स्प्रेयर रिग पीट डिगर तथा पीढ़ी प्रबंधन हेतु आईएमडी मशीन 25 पर्सेंट छूट पर किसानों को उपलब्ध कराया जा रहा है किसान बंधुओ से अपील है कि अपना गन्ना सप्लाई

चीनी मिल को ही करें और अपना बेसिक कोटा मजबूत करें,गन्ने की बुवाई भूमि शोधन ड्रायकॉटडेरमा कलर से बीज शोधन ट्रेन की विधि से कराई गई ।इस अवसर पर प्रगतिशील किसान देवाशीष त्रिवेदी कुंदन, रियाज, मोनू, जोनल इंचार्ज बृजेश अवस्थी राहुल पाठक, सरवन यादव समेत अन्य उपस्थित रहे।

बिना अनुमति शीशम के पेड़ काटने वाले ठेकेदार पर केस दर्ज

रायबरेली। डलमऊ में वन विभाग ने अवैध रूप से पेड़ काटने के मामले में कड़ी कार्रवाई की है। लालगंज कोतवाली क्षेत्र के खरगपुर सौताना गांव में नहर किनारे तीन शीशम के हरे-भरे पेड़ों को अवैध रूप से काटने का मामला सामने आया। जांच में पता चला कि गांव के कुछ लोगों ने ये पेड़ ठेकेदार मनोज सिंह को बेच दिए थे। ठेकेदार ने बिना किसी वैध अनुमति के इन पेड़ों को काट दिया।

जब वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची, तो वहां केवल कटे हुए पेड़ों के ठूंठ मिले। मीडिया में खबर प्रकाशित होने के बाद वन विभाग ने तत्काल कार्रवाई की। विभाग ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। लालगंज कोतवाली के इंस्पेक्टर संजय कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी ठेकेदार के खिलाफ वन संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि जल्द ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शिवरात्रि के उपलक्ष्य में निकाली गई भोले बाबा की बारात

लोकमित्र ब्यूरो

धौरहरा-खीरी। तहसील क्षेत्र में महाशिवरात्रि त्योहार को देखते हुए प्रशासनिक अफसरों व पुलिस प्रशासन द्वारा सभी स्थानों पर भारी संख्या में पुलिस बल की मौजूदगी रही।

इस दौरान भोलेनाथ के भक्तों द्वारा जलाभिषेक किया गया व शिव मंदिर से शिव बारात निकलकर कस्बे की सड़कों पर भ्रमणशील रहकर मंदिर परिसर में समापन हुआ इस दौरान पुलिस व प्रशासनिक अफसरों की मौजूदगी रही।

क्षेत्र में महाशिवरात्रि पर्व को देखते हुए अफसरों के निर्देशन में लीला नाथ शिव मंदिर कफारा में उप निरीक्षक अजय कुमार सिंह,शिव मंदिर नरैनाबाबा मे मोहन सिंह, नागेश्वर महादेव मंदिर धौरहरा में बीरेंद्र सिंह, जालिम नगर घाट शिव मंदिर रुद्र प्रकाश पाण्डेय व विभा यादव, जगंली नाथ शिव मंदिर खमरिया पुलिस व हनुमान मंदिर सेमरिया में ईसानगर पुलिस बल सुबह से तैनात रहा। इस दौरान धौरहरा कस्बे के नागेश्वर महादेव मंदिर परिसर से शिव बारात भक्तों द्वारा निकाली गई। इस दौरान सुरक्षा की द्रष्टि से प्रभारी निरीक्षक ईसानगर देवेन्द्र गंगवार व धौरहरा प्रभारी निरीक्षक सुरेश मिश्रा, उप निरीक्षक अरविंद तिवारी, विनोद द्विवेदी, विलियम कौशिक, विभा यादव, अपने दल बल के साथ मौजूद रहे।

शिवरात्रि पर कानपुर के मंदिरों में उमड़े भक्त

- इस दौरान सुरक्षा बेहद बड़े इंतजाम रखे गए थे

सुनील बाजपेई

कानपुर। शिवरात्रि के पावन पर्व पर आज यहां मंगलवार को शिव मंदिरों में भोले भंडारी भगवान शिव के भक्त उमड़ पड़ेढ़ बम बम भोले के जयकारों के बीच उन्होंने मंदिरों में अपनी पूजा अर्चना की। इस दौरान सुरक्षा बेहद बड़े इंतजाम रखे गए थे। सुरक्षा की विशेष व्यवस्था यहां के प्रमुख परमट शिवराजपुर के खेरेश्वर, शिव मंदिर, जाजमऊ सिद्धनाथ मंदिर समेत जिले के अन्य सभी ऐतिहासिक शिव मंदिरों में भी और जाजमऊ के सिद्धनाथ मंदिर समेत अन्य सभी शिव मंदिरों में भी की गई थी।

इसमें इस दौरान भगवान शिव के दर्शन पूजन अर्चन के लिए भक्तों की भीड़ रात2ः00 बजे से ही परमट मंदिर में जुट गई थी। इनमें सर्वाधिक भीड़ युवाओं की भी रही, जिनमें युवतियों की संख्या भी काफी दिखाई पड़ी। इस दौरान उनमें शिव के दर्शन को लेकर जमकर धक्का-मुक्की भी हुई। कई बार ऐसी भी नौबत आई जब पुलिस को भी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कड़ी मेहनत से जूझना पड़ा। इसी तरह से चकेरी के प्रसिद्ध श्री सिद्धनाथ मंदिर में भी भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। यहां भी लोगों ने पूजन अर्चन के साथ लोगों ने भगवान शिव का दुग्ध अभिषेक किया। इस दौरान पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी घूम घूम कर मंदिरों में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते रहे। आज शिवरात्रि पर जिन शिव मंदिरों में सर्वाधिक भीड़ हुई उनमें से शिवराजपुर के खेरेश्वर शिव मंदिर भी शामिल रहा। जगत जननी मां जगदंबा और बाबा भोलेनाथ के अनन्य भक्त समाज सेवी हंसपुरम के ठाकुर एसके सिंह के मुताबिक इस मंदिर में भगवान शिव का रुद्राभिषेक भी हर तरह की मनोकामनाएं अवश्य ही पूरी करता है।

संक्षिप्त खबरें

महाशिवरात्रि पर्व पर बामदेवेश्वर पर्वत में उमड़े शिवभक्त, किया रुद्राभिषेक

बांदा। महाशिवरात्रि पर्व पर बुधवार को भोर होते ही हजारों की संख्या में श्रद्धालु बामदेवेश्वर पर्वत पहुंचे। गुफा के अंदर विराजमान शिवलिंग का दूध-दही, घी, शहद और शर्करा से रुद्राभिषेक किया। भगवान को अति प्रिय बेल पत्र और धतूरा के फल चढ़ाकर आरती उतारी। शिव मंदिर में श्रद्धालुओं की जबरदस्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए जहां स्वयंसेवकों ने व्यवस्था संभाली, वहीं मंदिर परिसर में तैनात किए गए पुलिस कर्मियों ने श्रद्धालुओं पर पैनी निगाह बनाए रखी। सुरक्षा के लिहाज से सीसीटीवी कैमरों को भी लगाया गया था। इन कैमरों से निगहबानी की जाती रही। देर शाम को बामदेवेश्वर शिव मंदिर में महाआरती का आयोजन किया गया। वहां मौजूद श्रद्धालुओं को प्रसाद भी वितरित किया गया। पूरे जिले में महाशिवरात्रि का पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया। शहर और यूपी-एमपी के लाखों श्रद्धालुओं की असीम श्रद्धा का केंद्र बामदेवेश्वर शिव मंदिर में बुधवार की सुबह से ही श्रद्धालुओं का रेला पहुंचने लगा। जैसे-जैसे उजाला हुआ, वैसे-वैसे शिवभक्तों की भीड़ बढ़ती चली गई। मंदिर के प्रवेश द्वार से लेकर काफी दूर तक श्रद्धालुओं की लंबी लाइनें लगी रहीं। शिव मंदिर में गुफा के अंदर पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं को तीन से चार घंटे तक लाइन में लगे रहकर खड़ा रहना पड़ा। गुफा के अंदर विराजमान शिवलिंग के समीप पहुंचने पर श्रद्धालुओं ने दूध, दही, घी, शर्करा और गंगाजल से भगवान शिव का अभिषेक किया। शिव को अतिप्रिय धतूरा और बेलपत्र श्रद्धालुओं ने अर्पित करते हुए भगवान शिव की विधिवत पूजा-अर्चना की। सुरक्षा के लिहाज से शिव मंदिर में जहां स्वयंसेवकों ने व्यवस्था संभाले रखी, वहीं शिव मंदिर में पुलिस कर्मियों को भी तैनात किया गया था। इसके साथ ही एक दर्जन से अधिक सीसीटीवी कैमरों के जरिए शिवभक्तों की निगरानी की गई। मंदिर आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को प्रसाद का वितरण भी किया गया। देर शाम को बामदेवेश्वर शिव मंदिर में भगवान शिव की महाआरती का आयोजन हुआ। इस मौके पर मौजूद श्रद्धालुओं को प्रसाद का वितरण किया गया। मंदिर के पुजारी पुत्तन महाराज और मंदिर कमेटी के अध्यक्ष वीर दीक्षित के मुताबिक एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का पूजन-अर्चन और जलाभिषेक किया। इधर, नरैनी में गुढ़ाकला गांव में बागै नदी किनारे स्थित भगवान शिव के मंदिर में हजारे श्रद्धालुओं ने पहुंचकर फूल, बेलपत्ती चढ़ाकर पूजा अर्चना किया। गुढ़ाकला गांव समाजसेवी राजबली सिंह द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया। सैकड़ों लोगों ने पहुंचकर भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे के दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि हरिश्चंद्र सोनकर, पीयूष गर्ग, रवि मिश्रा, लालू यादव, संतोष यादव ग्राम प्रधान, पूर्व ब्लाक प्रमुख अवधेश सिंह, सहित आदि मौजूद रहे। तिंदवारी में बुधवार को पपरेंदा मार्ग स्थित हनुमान मंदिर बिजली पावर हाउस में विराजमान शंकर भगवान की मूर्ति पर जल अभिषेक कर अखंड रामायण पाठ की शुरुआत की गई। पपरेंदा मार्ग पर नगर पंचायत प्रतिनिधि रमेशचंद्र साहू, सूरज साहू , विकास साहू ,श्याम गुप्ता, संतोष पंसारी ओर से विशाल भंडारा किया गया। सैकड़ों लोगों के प्रसाद ग्रहण किया। इसके अलावा गजनी गांव में महाशिवरात्रि को लेकर कामता प्रसाद गुप्ता की ओर से आयोजित भंडारा में सबसे अधिक भीड़ उमड़ी। यहां अखंड कीर्तन का आयोजन किया गया। गिरवां में भूतेश्वर महादेव शिव मंदिर में सुबह से ही महाशिवरात्रि पर्व पर श्रद्धालु पहुंचे और पूजन-अर्चन किया। सुरक्षा के लिहाज से पुलिस तैनात रही। अतर्रा में सिद्धपीठ गौरा बाबा धाम मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। श्रद्धालु शिवलिंग पर जल, दूध, बेलपत्र, धतूरा और शमी अर्पित कर भगवान शिव की आराधना में लीन दिखे। मंदिर परिसर में स्थित बारह ज्योतिर्लिंग शिव मंदिर में भी भक्तों की भीड़ रही। मंदिर के महंत पुरुषोत्तम दास महाराज ने सभी भक्तों को आशीर्वाद दिया और प्रसाद वितरण किया गया।

महाशिवरात्रि पर मढ़ीदाई मंदिर और शिवालयों में रही श्रद्धालुओं की भीड़

बबेरू। महाशिवरात्रि पर्व पर सिद्ध पीठ मां मढीदाई में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ रही। मां मढ़ीदाई में श्रद्धालु भगवान शंकर की मूर्ति पर जलाभिषेक कर हवन पूजन वेल बेलपत्र घतुरा पुष्प दूध दही व अन्य सामग्री चढ़ाकर पूजा अर्चना किया। कस्बे के आम चौराहा अद्धभुत शिव मंदिर सुन्दर कुआ शिव मन्दिर में भी श्रद्धालुओं की भीड़ रही। इसी तरह कस्बे के शिवालयों देवालयों में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ रही श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना किया क्षेत्र में भी देवालयों और शिवालयों में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ रही। आम चौराहे में स्टाल लगाकर कांवरिया संघ द्वारा श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया और ठंडाई पिलाई जिसमे कवारिया संघ के लोग लगे रहे। इसके अलावा बांदा रोड नाग बाबा के स्थान से भगवान शंकर की बरात डीजे व झांकियों के साथ निकाली गई। उदयानंद महाराज द्वारा अद्भुत शिव मंदिर आम चौराहे पर पूजा अर्चना आरती करके कमासिन रोड मां मढ़ीदाई मन्दिर होते हुए कस्बे के विभिन्न रोड से होकर नाग बाबा के स्थान पर समापन हो गया। जगह जगह पर बरात का स्वागत किया गया मरका रोड राम जानकी शिव मंदिर भूषण थोक में भगवान शंकर की झांकी निकाली गई जो कस्बे के विभिन्न मार्गो से होते हुये शिव मंदिर में समापन हो गया तमाम श्रद्धालु डीजे के साथ थिरकते रहे और बांदा रोड स्थित पहाडी महादेव मंदिर मे श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना कर प्रसाद चढ़ाया। उधर, कस्बे के गायत्री शक्तिपीठ बबेरू में पांच कुंडीय यज्ञ कन्या भोज व भण्डारा का समापन हुआ शक्तिपीठ शांतिकुंज के परिव्राजक राम सजीवन साहू एवं उनकी पत्नी सुदामा साहू द्वारा यज्ञ कासंचालन किया गया और महाशिवरात्रि पर्व पर प्रकाश डाला और नगर के पुरुष व महिलाओं ने यज्ञ में भागीदारी की।

राम राज्याभिषेक के साथ रामलीला का हुआ समापन

बबेरू। बजरंग रामलीला समिति की ओर से ग्राम पंचायत मुरवल में पांच दिवसीय श्रीराम लीला का मंचन हुआ। राम राज्याभिषेक की लीला के साथ ही समापन हुआ। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में दर्शक मौजूद रहे। मुरवल गांव मे आयोजित रामलीला के अंतिम और पांचवे दिन रामलीला का शुभारम्भ विभीषण की शरणागत की लीला के साथ हुआ इसमें श्रीराम ने विभीषण का लंकाधीश के रूप मे राज्यतिलक किया इसी के साथ साथ अगद रावण संवाद लक्ष्मण शक्ति रामेश्वर की स्थापना कुम्भ करण व रावण बघ व श्रीराम का राज्याभिषेक की मनोहरी लीलाएं संपन्न हुईं। इस दौरान चन्द्रपाल वर्मा, नरेंद्र सिंह तोमर, अनिल सिह, रामपाल, अरविन्द आदि मौजूद रहे।

नगर निगम अयोध्याः भंडारे के नाम पर हो रही कमीशनखोरी?

महापौर पीआरओ के क्यूआर कोड पर भंडारे के नाम पर भेजे गए 10 हजार

लोकमित्र ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या नगर निगम के एक जूनियर इंजीनियर (जेई) पर ठेकेदार के मैनेजर ने 8 लाख रुपये लेने का गंभीर आरोप लगाया है। इस मामले में मैनेजर ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को शिकायती पत्र भेजकर निष्पक्ष जांच की मांग की है। शिकायती पत्र में विराट कॉन्ट्रेक्शन के मैनेजर सतेंद्र यादव ने यह आरोप लगाया है।

वर्क ऑर्डर और बिल भुगतान के लिए मांगी गई रिश्वत?

आरोप है कि नगर निगम के जेई अरुण सिंह ने वर्क ऑर्डर दिलवाने और भुगतान के लिए बिल पास कराने के नाम पर 8 लाख रुपये लिए। इस मामले में एक वायरल वीडियो भी सामने आया है, जिसमें कथित रूप से जेई द्वारा भेजे गए क्यूआर कोड और बैंक खाते का खुलासा हुआ है।

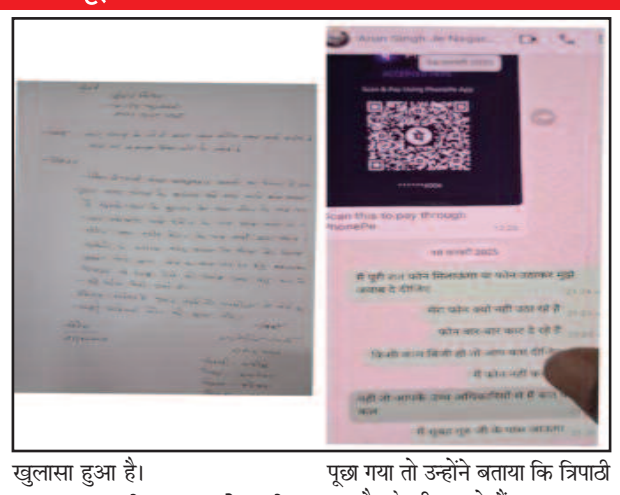

क्यूआर कोड महापौर के पीआरओ के नाम!

वायरल वीडियो में दिखाए गए क्यूआर कोड की जब जांच की गई तो वह किसी अखिलेश त्रिपाठी के नाम पर था। जब जेई से इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने बताया कि त्रिपाठी महापौर के पीआरओ हैं।

भंडारे के नाम पर ली गई रकम?

जेई से जब उस क्यूआर कोड पर भेजे गए 10,000 रुपये के बारे में पूछा गया तो उन्होंने सफाई दी कि यह रकम महापौर द्वारा भंडारे में सहयोग के लिए मांगी गई थी, जिसे ठेकेदार ने भेजा था।

जेई ने आरोपों को बताया निराधार

हालांकि, नगर निगम के जेई अरुण सिंह ने इन आरोपों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। उनका कहना है कि जिसका कुल काम ही 8 लाख रुपये का नहीं है, वह इतनी बड़ी रकम रिश्वत के तौर पर कैसे देगा?

मामला उजागर होते ही नगर निगम में हड़कंप

यह मामला मीडिया में आते ही नगर निगम के अफसरों में हड़कंप मच गया है। इस घटना ने जेई से लेकर महापौर तक को सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया है। अब देखना यह होगा कि नगर निगम प्रशासन इस मामले में क्या कार्रवाई करता है।

महाशिवरात्रि पर्व पर भोलेनाथ का रुद्राभिषेक पूजन हवन कर प्राप्त किया आशीर्वाद

अयोध्या। भगवान भोलेनाथ के प्रमुख उत्सव महाशिवरात्रि के पावन पर्व एवं योग पर उनके भक्तों ने भोलेनाथ की असीम कृपा और आशीर्वाद और पुण्य लाभ प्राप्त करने के लिए रुद्राभिषेक अयोध्या धाम के प्रमुख विद्वान आचार्यो के सानिध्य में विधि विधान से संपन्न कराया।इस अवसर पर श्री राघवाश्रम अयोध्या में महाशिवरात्रि के महापर्व पर आश्रम के व्यवस्थापक श्री राघवेन्द्र पाण्डेय जी ने भूत भावन भगवान भोलेनाथ जी का दिव्य रुद्राभिषेक सह आचार्य हेमंत जी महाराज, विघ्नेश पाण्डेय जी एवं यशवर्धन जी द्वारा संपन्न किया गया है।

अविविः स्वर्ण जयंती की अध्यक्षता करेंगी राज्यपाल आनन्दीबेन और मुख्य अतिथि राज्यमंत्री रजनी तिवारी

लोकमित्र ब्यूरो

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल के कुशल मार्ग-दर्शन में विश्वविद्यालय स्थापना के 50 वर्ष पूरे होने पर 04 मार्च को स्वर्ण जयंती वर्ष मनायेगा। कुलपति द्वारा गठित 23 समितियां स्वर्ण जयंती समारोह का भव्य बनाने में जुटी हुई है जिसे लेकर विश्वविद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रमों, खेल, साहित्य, योग प्रतियोगिताओं का आयोजन हो रहा है। इस समारोह की अध्यक्षता प्रदेश की राज्यपाल और कुलाधिपति श्रीमती आनंदी बेन पटेल करेंगी। मुख्य अतिथि प्रदेश की उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी होंगी। समारोह को भव्य बनाने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से अंतिम रूप दिया जा रहा है। स्वर्ण जयंती स्थापना दिवस समारोह विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद प्रेक्षागृह में प्रातः 10:30 बजे से आयोजित होगी। इस समारोह में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजित होंगे। विजेता छात्र छात्राओं को मुख्य अतिथि और राज्यपाल की ओर से प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया जायेगा। इसके अलावा उत्कृष्ट योगदान करने वाले प्रतिभागियों को भी सम्मानित किया जाएगा। मीडिया प्रभारी डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि स्वर्ण जयंती स्थापना दिवस समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

आर्य समाज जमुनिया बाग में मनाया गया ऋषि बोधोत्सव पर्व

लोकमित्र ब्यूरो

अयोध्या। आर्य समाज जमुनिया बाग चौक अयोध्या के प्रांगण में महाशिवरात्रि के अवसर पर ऋषि बोधोत्सव पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इसी दिन आर्य समाज के संस्थापक ऋषि दयानंद सरस्वती को सच्चे शिव का बोध हुआ था, जिसे आर्य समाज में ऋषि बोधोत्सव पर्व के रूप में मनाया जाता है। कार्यक्रम की शुरुआत 23 फरवरी रविवार को आर्य समाज की यज्ञशाला में बृहद हवन-पूजन यज्ञ से हुई, जिसमें निश्शुल्क गुरुकुल महाविद्यालय अयोध्या के पूज्य आचार्य एवं ब्रह्मचारियों द्वारा वैदिक मंत्रों के माध्यम से वैदिक यज्ञ, हवन, पूजन और उपदेश कार्यक्रम का आयोजन किया गया।यह चार दिवसीय कार्यक्रम विभिन्न प्रदेशों से आए ओजस्वी विद्वानों द्वारा जीवनोपयोगी वैदिक उपदेशों की अमृत वर्षा से समृद्ध हुआ। आर्य समाज कोलकाता से पधारे प्रसिद्ध भजनोपदेशक कैलाश कर्मठ, लखनऊ से पधारे प्रसिद्ध उपदेशक दीनानाथ शास्त्री, और पश्चिम बंगाल से आए प्रसिद्ध भजनोपदेशक विनोद दधीचि ने अपने अमृत वचनों से श्रोताओं को भाव विभोर किया।

आर्य समाज जमुनिया बाग द्वारा संचालित पंडित माता प्रसाद त्रिपाठी राजकरण वैदिक पाठशाला इंटर कॉलेज और आर्य कन्या इंटर कॉलेज अयोध्या के छात्रों, शिक्षकों और समाज के गणमान्य नागरिकों ने इस यज्ञ हवन में भाग लिया। कार्यक्रम में छात्रों द्वारा भजन, गीत, वैदिक समूह नृत्य, लोकगीत, नाटक और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण आर्य कन्या इंटर कॉलेज की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत होली लोक नृत्य और राजकरण वैदिक इंटर कॉलेज के छात्रों द्वारा प्रस्तुत सच्चे शिव की खोज नाटक रहा।

सांस्कृतिक कार्यक्रम का समापन वैदिक मंत्रोच्चार और शांति पाठ के साथ हुआ। कार्यक्रम के बाद प्रांगण में प्रीति भोज का आयोजन हुआ, जिसमें समाज के गणमान्य नागरिकों और दर्शकों ने भोजन/प्रसाद ग्रहण किया।इस अवसर पर आर्य समाज जमुनिया बाग के प्रधान श्री हिमांशु त्रिपाठी और आर्य स्त्री समाज की पदाधिकारियों ने कार्यक्रम की सराहना की। उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं को उत्साहवर्धन करते हुए पुरस्कार प्रदान किए और कार्यक्रम के सफल आयोजन में सभी का धन्यवाद किया। समारोह में विद्यालय परिवार के समस्त शिक्षक, आनन्द शुक्ला, विजेंद्र सिंह, अंकुर तिवारी, प्रेम , शिक्षिकाएं, कर्मचारी, विद्यार्थी, दर्शक और समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

59 वीं पुण्यतिथि पर सावरकर को हिंदू महासभा ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

लोकमित्र ब्यूरो

अयोध्या। हिंदुत्व के परम उपासक भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानी उच्च कोटि के राजनेता लेखक कवि अधिवक्ता स्वतंत्र वीर विनायक दामोदर सावरकर की 59 वीं पुण्यतिथि हिंदू महासभा की ओर से राष्ट्रीय प्रवक्ता अधिवक्ता मनीष पांडेय के नेतृत्व में सर्वप्रथम सावरकर की प्रतिमा को जल से धोकर स्वच्छ करते हुए पुष्पराज चौराहा स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि प्रदान की गई, इस अवसर पर हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अधिवक्ता मनीष पांडेय ने कहा कि देश के असंख्य स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई में केवल कुछ मोर्चा ही जीते, परंतु संपूर्ण युद्ध जो मात्र सावरकर ने जीता है, इसलिए सावरकर अजेय हैं ,अमिट हैं ,और अमर है, त्याग और तपस्या की प्रतिमूर्ति रहे विनायक दामोदर सावरकर हमेशा से हिंदू समाज के प्रेरणास्रोत बने रहेंगे, सावरकर के अद्भुत शौर्य और भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में उनके अमूल्य योगदान को देखते हुए, शीघ्र ही भारत सरकार को उन्हें भारत रत्न की उपाधि से विभूषित करना चाहिए, इसके साथ ही साथ भारतीय मुद्रा पर उनके चित्र का अंकन भी करना चाहिए,राष्ट्र ऋषि विनायक दामोदर सावरकर का उद्घोष आवाहन व चेतावनी हमारा पाथेय बनकर अहर्निश कर्मशील रहने का शंखनाद कर रही है, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के एक अप्रतिम योद्धा के रूप में सावरकर नौजवानों के प्रेरणा स्त्रोत बने रहेंगे, सावरकर के सपनों को आकांक्षाओं और योजनाओं को कार्य रूप में परिणित करने के लिए हम हिंदू प्रतिबद्ध व समर्पित है पुण्यतिथि के अवसर पर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करने वाले लोग प्रमुख लोगों में अधिवक्ता आदर्श मिश्र, अधिवक्ता पवन यादव, संतोष सिंह ,मीरा सिंह ,धर्मेंद्र चौरसिया, हिंदू महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष महंत रामलोचन शरण शास्त्री राजन बाबा हिंदू महासभा मीडिया प्रभारी हीरामणि पांडेय, हिंदू महासभा के जिला उपाध्यक्ष रविंद्र तिवारी, चंद्रहास दीक्षित,सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

पंचकोसी परिक्रमा मार्ग चौड़ीकरण में प्रशासन पर दोहरे व्यवहार का आरोप

लोकमित्र ब्यूरो

अयोध्या। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री रामचंद्र की नगरी अयोध्या में विकास कार्यो की रफ्तार तेज है, जिनमें से एक प्रमुख कार्य पंचकोसी परिक्रमा मार्ग का चौड़ीकरण है। इस चौड़ीकरण के तहत उन दुकानों और मकानों को मुआवजा दिया जा रहा है, जो चौड़ीकरण के दायरे में आ रहे हैं। हालांकि, इस प्रक्रिया में प्रशासन पर दोहरे व्यवहार के आरोप भी लग रहे हैं।पंचकोसी परिक्रमा मार्ग में मुआवजा वितरण के दौरान दो मामलों में घोटाले का आरोप सामने आया है। पहला मामला अमरजीत कौर का है, जिन्होंने जिला प्रशासन और संबंधित जेई पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि, ÷हालांकि मेरा मुकदमा चल रहा था, फिर भी उस समय के वर्तमान एडीएम प्रशासन अमित सिंह ने मुझे आश्वासन दिया था, लेकिन मुआवजा होल्ड न करते हुए मेरे विपक्षियों कुलजीत सिंह, गुरजीत सिंह और बलजीत सिंह के खातों में मुआवजा राशि दे दी गई।÷वहीं, चक्रतीर्थ मोहल्ले के विनोद कुमार पांडेय ने भी प्रशासन पर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि उनका मकान भी पंचकोसी परिक्रमा मार्ग के चौड़ीकरण के दायरे में आ रहा है, लेकिन प्रशासन ने उनके मुआवजे को होल्ड कर दिया, जबकि उनका मामला भी न्यायालय में विचाराधीन है। पांडेय का कहना है कि, ÷जब मेरे विपक्षियों को मुआवजा दिया जा सकता है, तो मुझे क्यों नहीं?÷

अमरजीत कौर ने इस पर आरोप लगाया कि जिला प्रशासन और जेई के बीच मिलीभगत से उनके मामले में पक्षपाती व्यवहार किया जा रहा है, जिससे उनके और विनोद कुमार पांडेय के साथ अन्याय हो रहा है।

इस मामले में गंभीर सवाल उठते हैं कि क्यों एक व्यक्ति को मुकदमे के हवाले से मुआवजा नहीं दिया जाता, जबकि दूसरे को उसी स्थिति में मुआवजा दे दिया जाता है। इससे प्रशासन की कार्यशैली पर संदेह उत्पन्न होता है।

अब इस मामले में दोनों पीड़ितों ने माननीय उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय का रुख करने का निर्णय लिया है। उनका कहना है कि इस मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए।

बदौसा में निकाली गई शिव बारात, डीजे की धुन पर थिरके शिव भक्त

बदौसा। कस्बे में महाशिवरात्रि के अवसर पर गाजे बजे के साथ, भगवान भोलेनाथ की बारात निकली गई। भगवान श्रीराम सीता, हनुमान और राधा कृष्ण की भव्य झांकी निकाली गई। जगह जगह जलपान की व्यवस्था रही, थानाध्यक्ष सुभाष वर्मा अपने पुलिस बल के साथ मुस्तैद रहे। केपी शास्त्री महाविद्यालय परिसर में आर्केस्ट्रा का कार्यक्रम आयोजित हुआ। बुधवार को कस्बे में गतवर्षो की भांति पुरानी बाजार शिव मंदिर से भगवान शंकर की बारात निकली गई। कस्बे में बांदा रोड, स्टेशन रोड, हड़हा रोड, पुरानी बाजार, निजामी नगर होते हुए। हनुमान मंदिर के पास बरात का समापन किया। केपी शास्त्री महाविद्यालय परिसर में शिव बारात का स्वागत एवं भव्य झांकी के साथ आर्केस्ट्रा हुआ। शिव बरात में जिले के व्यापारी नेता चारु चंद्र खरे, कमलेश गुप्ता, प्रेम गुप्ता बांदा, कस्बे के डॉ रामसूजन त्रिपाठी पूर्व प्राचार्य संस्कृत महाविद्याय गौशाला, उदित नारायण द्विवेदी, नवीन जैन अखलेश यादव, रमाशंकर गुप्ता, हरिओम बाजपेई, रविशंकर वामरे, अभिषेक सोनी, अभिषेक गुप्ता, अंशु गुप्ता, शिवप्रसाद उर्फ शिवा, शैलेन्द्र कुशवाहा, विजय यादव नगर अध्यक्ष भारतीय उद्योग व्यापार मंडल, धर्मेंद्र सिंह खटीक महामंत्री भाजपा अनुसूचित मोर्चा, हरिशंकर दुवे, ऋषिकेश दुवे, अभिषेक सोनी, रज्जू गुप्ता, हरिओम सोनकर, रज्जू वर्मा, बरछा(ब) प्रधान विनोद गांधी, सन्तोष कुशवाहा, कन्हैया श्रीवास्तव, भैरम सोनी, रजनी रैकवार, मीना रैकवार, टिंकू गुप्ता, अतुल गुप्ता सहित सैकड़ों नर नारी मौजूद रहे।

रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ चौकी खुलने पर तैनात होंगे 26 पुलिस कर्मी

पूर्वी रेलवे क्रासिंग संख्या 93 से गेट संख्या 105 (दर्शन नगर) तक निभाएंगे ड्यूटी

लोकमित्र ब्यूरो

गोसाईगंज(अयोध्या)। लखनऊ-बाराबंकी-शाहगंज-जौनपुर रेलखंड स्थित अयोध्या धाम के प्रथम प्रवेश द्वार व सरयू तट से सटे प्रसिद्ध सिद्ध पीठ संत श्रृंगी ऋषि के पावन स्थलीय क्षेत्र एवं जनपद की प्रमुख व्यावसायिक नगर गोसाईगंज रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ चौकी खुलने के आसार नजर आने लगे हैं।गोसाईगंज नगर पंचायत की सभासद एवं श्री सीता राम जी विराजमान मंदिर सेवा ट्रस्ट कस्बा दिलासीगंज की सदस्य श्रीमती आरती जयसवाल के पत्र को संज्ञान में लेकर उत्तर रेलवे लखनऊ में तैनात रेलवे सुरक्षा बल के वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त देवांश शुक्ला ने इस संबंध में अकबरपुर रेलवे स्टेशन पर तैनात आरपीएफ प्रभारी गुरु शरण गौतम से रिपोर्ट मांगी है।वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त देवांश शुक्ला को भेजे गए पत्र में श्री गौतम ने गोसाईगंज रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ चौकी खोलने पर 1 एसआई,1 एएसआई, 6 हेड कांस्टेबल,18 कांस्टेबल (कुल 26) सुरक्षा कर्मियों की जरूरत होने की बात बताई है।मालूम हो कि बीते दिनों सभासद श्रीमती जायसवाल ने रेलमंत्री,महाप्रबंधक सहित रेलवे के जिम्मेदार अधिकारियों को पत्र भेजकर बताया था कि गोसाईगंज स्टेशन से प्रतिदिन बीसो किमी0 चौ तरफा परिधि के रेल यात्री हावड़ा, जम्मूतवी, गया,वाराणसी,मुरादाबाद, लखनऊ,कानपुर,इटावा,सूरत गाजियाबाद,सहारन पुर, अहमदाबाद,नासिक , शाहजहांपुर,बरेली,गया,गोमो,फीरोजपुर,बर्धमान, लुधियाना, मुंबई, दिल्ली, चेन्नई सहित अन्य नामी गिरामी रेलवे स्टेशन तक यात्रा करते हैं।अयोध्या धाम में राम जन्म भूमि मंदिर बनने के बाद यात्रियों की संख्या बढ़ी हुई है। वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त लखनऊ को अपने कार्यालय द्वारा भेजे गए पत्र के पत्रांक-रे0सु0ब0/ट्रांसफर-पोस्टिंग/अकबरपुर/ 2024 के द्वारा प्रभारी श्री गौतम ने दर्शाया है कि वर्तमान में अकबरपुर पोस्ट पर 22 स्टाफ की अपेक्षा 17 स्टाफ कार्यरत हैं। हमारा कार्य क्षेत्र अकबरपुर से मालीपुर 18.59 किमी0,अकबरपुर से टांडा 16.89 किमी0 तथा अकबरपुर से बिलहर घाट 37.23 किमी0 था। लेकिन बीते 3 माह पूर्व उनका कार्य क्षेत्र बिलहर घाट से दर्शन नगर आउटर तक 11.15 किमी0 और बढ़ा दिया गया।अकबरपुर पोस्ट का दायरा 3 दिशाओं में है। जिसके अंतर्गत 8 रेलवे स्टेशन, 44 मैंड गेट, एवं 5 अनाधिकृत/अनमैंड लेबल क्रॉसिंग गेट होने के कारण कार्य क्षेत्र 83.86 किमी0 होता है।गोसाईगंज स्टेशन को डबलिंग के बाद इसे बड़े स्टेशन के रूप में विस्तारित किया जा रहा है।यहा से अप/डाउन साइड की 5 दर्जन गाड़ियां गुजरती है,जिसमें अप/डाउन साइड की डेढ़ दर्जन से अधिक गाड़ियों का ठहराव होने के कारण 3 प्लेटफॉर्म वाले इस स्टेशन से एक हजार यात्री प्रति दिन जहां यात्रा करते हैं वहीं आरक्षित/अनारक्षित टिकटों की बिक्री भी प्रतिदिन लाखों में होती है।आर0पी0एफ चौकी न होने के कारण यात्रियों में जहां असुरक्षा की भावना बनी रहती हैं वही स्टेशन के पूर्वी/पश्चिमी सिरे स्थित रेल बैरियर पर छोटे बड़े वाहनों के दबाव से यात्री ट्रेनें भी रेल बैरियर बंद न होने के कारण आउटर पर अपना सिग्नल लाल देखकर खड़ी हो जाती है।उन्होंने लिखा है कि रेलवे सुरक्षा बल अकबरपुर के क्षेत्राधिकार में 5 हैवी ट्रैफिक वाले गेट संख्या 75/82/93/94/96 पर आए दिन भीड़ भाड़ को नियंत्रित करने के लिए स्टाफ को अक्सर भेजा जाता है। गोसाईगंज रेलवे स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था अकबरपुर में तैनात आरपीएफ के हवाले होने के कारण हैवी रेस्ट ट्रॉफिक (॥ऋ्ञ),आए दिन ट्रेनों पर होने वाली पत्थर बाजी, यात्री सामानों की चोरी की घटनाओं पर जहां अंकुश नहीं लग पाता है वहीं चौकी न होने के कारण आए दिन रेल कर्मियों से यात्रियों का किसी न किसी प्रकरण को लेकर विवाद होता रहता है।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर शिवगढ़ धाम में पर्याप्त इंतजाम- रवि वर्मा

महाशिवरात्रि पर दुल्हन की तरह सजाया गया शिवगढ़ धाम मंदिर

बलरामपुर। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर पचपेड़वा नगर में स्थित प्राचीन शिवगढ़ धाम मंदिर पर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की परेशानी ना हो इसके लिए नगर पंचायत अध्यक्ष रवि वर्मा ने एक सप्ताह से पूर्व साफ सफाई रंगाई पुताई चूना छिड़काव सहित श्रद्धालुओं को पेयजल की व्यवस्था में कोई कमी नहीं छोड़ी। जलाभिषेक से लेकर रात्रि पहर तक स्ट्रीट लाइट व अन्य सुरक्षा के इंतजाम व्यापक पैमाने पर कर रखा।

नगर पंचायत अध्यक्ष रवि वर्मा ने स्वयं परिजनों के साथ प्राचीन शिवगढ़ धाम मंदिर में भोलेनाथ के दरबार पहुंचकर जलाभिषेक करते हुए सुरक्षा एवं अन्य संसाधनों का जायजा लिया उन्होंने नगर पंचायत कर्मियों को परिसर में मुस्तैद रहने के लिए निर्देशित किया है।

मंदिर के साफ सफाई एवं अन्य संसाधनों की व्यवस्था में नगर पंचायत अध्यक्ष का एक सप्ताह पूर्व से ही तैयारी करके व्यवस्था में जुटे रहे। इस दौरान वरिष्ठ समाजसेवी संतोष भगत ,वरिष्ठ भाजपा नेता रामशरण गुप्ता बाबूलाल कौशल हनुमान गिरि ,बाबा संतोष मोदनवाल, रमन चंदेल सहित भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक करते हुए नगर पंचायत अध्यक्ष के सुरक्षा व्यवस्था एवं संसाधनों की उपलब्धता की सराहना की है।

पांडेश्वर नाथ धाम में भक्तों ने किया जलाभिषेक

थरवई । पांडेश्वर नाथ धाम पण्डिला महादेव मंदिर में महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर लाखो श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया। भक्तों ने गंगा जल, दूध, बेलपत्र, धतूरा और भांग चढ़ाकर भोलेनाथ की विधि विधान से पूजा-अर्चना की। मंदिर परिसर में ÷हर-हर महादेव÷ के जयकारों से भक्तिमय माहौल बना रहा।इस वर्ष महाकुंभ 2025 को ध्यान में रखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। पुलिस,ने बैरिकेडिंग और ट्रैफिक नियंत्रण की व्यवस्था की गई, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। भोर से ही भक्तों की लंबी कतारें मंदिर के बाहर देखने को मिलीं।महाशिवरात्रि पर क्षेत्र में जगह-जगह जागरण और भजन-कीर्तन के साथ भक्तों ने पूरी रात भगवान शिव का स्मरण किया। यह पर्व श्रद्धा, आस्था और भक्ति का अद्भुत संगम बना रहा। जगह-जगह भंडारे का आयोजन किया गया

6 वर्षीय बेटी इकरा के मोतियाबिंद का हुआ सफल ऑपरेशन

दोनों आंखों में मोतियाबिंद होने से न के बराबर रही रोशनी

➪ऑपरेशन के बाद आंखों की रोशनी वापस आने पर इकरा के खुशी का नहीं रहा ठिकाना

बलरामपुर। देवीपाटन मंडल में पहली बार 6 वर्षीय बच्ची को मोतियाबिंद होने पर सफल ऑपरेशन किया गया है। यह ऑपरेशन देवीपाटन नेत्र चिकित्सालय के वरिष्ठ सर्जन एवं विट्रो रेटीना विशेषज्ञ डॉक्टर के ए द्विवेदी ने किया है।

वरिष्ठ नेत्र सर्जन ने बताया कि रमवापुर गांव निवासी मोहम्मद फरियाद की 6 वर्षीय इकरा को मोतियाबिंद होने से आंख की रोशनी खत्म हो रही थी। इससे बेटी का भविष्य खराब होने की आशंका माता-पिता को काफी परेशान कर रखा था। परिजनों ने बेटी कैलाश के लिए देवीपाटन नेत्र चिकित्सालय में चिकित्सक डॉक्टर के ए द्विवेदी से संपर्क किया स्थिति काफी जटिल

होने पर उन्होंने इलाज शुरू किया। बीते दिन 6 वर्षीय बेटी का मोतियाबिंद का सफल ऑपरेशन डॉ के ए द्विवेदी ने किया। बेटी की आंख की रोशनी वापस आने पर परिजनों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। वरिष्ठ नेत्र सर्जन ने बताया कि इस लड़की को बचपन से ही दोनों आंख में मोतियाबिंद होने से दिखाई नहीं पड़ती थी रोशनी मात्र 20 प्रतिशत थी परिजन काफी परेशान थे। एक आंख का ऑपरेशन मोतियाबिंद का सफल रहा है बेटी को एक आंख में पूरी तरह से रोशनी वापस आ गईहै। दूसरी आंख का ऑपरेशन थोड़े समय बाद किया जाएगा। बेटी की आंख की रोशनी वापस आने पर माता-पिता की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। बेटी के समस्या से परिजन काफी परेशान थे। अब परिजनों को बेटी की दोनों आंख की रोशनी वापस आने की पूरी उम्मीद दिख रही है।

रक्तदान करने से शरीर में किसी भी तरह की कमजोरी नहीं होती-डॉ.आरके मिश्रा

सुल्तानपुर। शियाने हैदर-ए-कर्रार वेलफेयर एसोसिएशन की तरफ से 26 फ़रवरी को माह- ए-रमज़ान को देखते हुवे किया रक्तदान, शियान-ए-हैदर-ए-कर्रार वेलफेयर एसोशिएशन की तरफ से रकतदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें संस्था के युवाओ ने रक्तदान किया, रक्तादान करने वालों में अली रज़ा. एडवोकेट हाई कोर्ट ताहिर अब्बास. अली नवाज़. जैनुल आबदीन. नज़र अब्बास. मौलना फ़क़ी हैदर. फ़रमान हैदर. अली अब्बास. इस मौके पर शियाने हैदर ए कर्रार वेलफेयर एसोसिएशन प्रदेश अध्यक्ष अलमदार हुसैन डाक्टर मोहतशम रज़ा.फज़ल रिज़वी मो. मेहंदी सफ़दर अब्बास. अकबर रज़ा. इमरान. नायब हैदर. ज़फ़र हसनैन. दिलशाद हुसैन हैदर नक़वी संस्था के तमाम नौजवान मौजूद रहे। संस्था द्वारा समाज के जरूरतमंदो के लिए किए जा रहे कार्यो की सराहना करते हुए जनपद

के गणमान्य लोगों ने प्रशंसा करते हुए कहाकि शियाने हैदरे कर्रार वेलफेयर एसोशिएशन पिछले लंबे समय से शिक्षा के क्षेत्र में,आर्थिक रूप से कमजोरों के उत्थान के क्षेत्र में बहुत काम किया है, और लगातार अपनी संस्था द्वारा समाज के हितार्थ किये जाने वाले कार्यों की गति बढ़ाई जा रही है जो सराहना योग्य है। वही प्रभारी ब्लडबैंक डॉ.आरके मिश्रा ने संस्था के जिम्मेदारो का उत्साह बढ़ाते हुए कहाकि आपसभी का काम बेहद प्रशंसनीय है,वही डॉ.मिश्र ने रक्तदानियों का हौसला बढाते हुए कहाकि रक्तदान करने से शरीर में किसी भी प्रकार की कमजोरी नही होती,हर स्वस्थ्य ब्यक्ति को रक्तदान करना चाहिए।

आपसी समन्वय से 75 साल से वंचित रास्ते को मुख्य मार्ग से जोड़ा गया

सुल्तानपुर/करौंदीकला। बांगर खुर्द व भटौता तुलसी पट्टी के मध्य चौड़ा रास्ता बनाकर लगभग पचहत्तर साल से रास्ते से वंचित ठकुरइया और हरिजन बस्ती को मुख्य मार्ग से जोड़ा गया। बताते चले कि ग्राम सभा भटौता तुलसी पट्टी की दो बस्ती ठकुरइया और हरिजन बस्ती के रास्ते को दबंगों द्वारा अतिक्रमित कर लिया गया है। जो अभी तक खाली नहीं कराया जा सका है। लगभग पचहत्तर वर्ष से ग्राम सभा भटौता तुलसी पट्टी के दोनों पुरवे ठकुरइया, डड़वा हरिजन बस्ती और बांगर खुर्द के लगभग 1000 की आबादी रास्ते से वंचित थी। ग्राम सभा बांगर खुर्द व भटौता तुलसी पट्टी की प्रधान और राजेश विश्वकर्मा और इंजी भानु प्रताप सिंह की पहल पर दोनों गांव के संभ्रांत लोगों की एक समन्वय समिति बना कर जमीन धारकों से रास्ता निर्माण के लिखित समझौते के बाद लेखपाल फुलगेन यादव की मौजूदगी में रास्ते निर्माण कराया गया है। जिसको बनवाने में इंजी भानुप्रताप

सिंह अपने पास से लगभग दो लाख रुपया व्यक्तिगत रूप से खर्च किए। दूसरी तरफ बांगरखुर्द के निवासियों द्वारा रास्ते के लिए अपने स्वयं की जमीन देते हुए देख बांगर खुर्द के प्रधान प्रतिनिधि राजेश विश्वकर्मा ने कहा कि इस मार्ग पर सोलिंग का कार्य मेरे द्वारा कराया जाएगा जिस पर दोनों गांवों की समन्वय समिति और भटौता तुलसी पट्टी के निर्माण समिति के अध्यक्ष इंजी भानु प्रताप सिंह पक्की सड़क से बार्डर से लेकर विजय चौबे, ठकुरैया, डड़वा बस्ती बार्डर तक सोलिंग कार्य नाम का प्रस्ताव पास कर सर्वसम्मति से राजेश विश्वकर्मा को दिया। समझौते के समय सत्यनारायण चौबे, झिनकू चौबे, विजय चौबे, रमा शंकर चौबे, रमेश शर्मा राम उजागिर पूर्व प्रधान बांगर, पंचम, राकेश मिश्रा पूर्व प्रधान बांगर खुर्द, रविन्द्र उपाध्यक्ष पूर्व प्रधान, संतलाल पूर्व प्रधान, लालमणि पूर्व बीसीसी, बबलू सिंह, रघुनाथ सिंह, चंदन सिंह, सरदार सिंह, लोली सिंह, माता सिंह, शिव शंकर, नन्हेलाल, राधेकृष्ण, सिकंदर,

क्या कहते हैं ग्रामीण.....

हमारी बस्ती के लोग रास्ते की उम्मीद छोड़ चुके थे लेकिन इंजी भानु प्रताप और राजेश विश्वकर्मा के सहयोग से जो रास्ता बना वह असंभव था। भानु प्रताप के अथक प्रयास से हम लोगों को पीढ़ियों से बंद रास्ता खुल तो नहीं पाया एक दूसरा रास्ता मिल गया। इस रास्ते के लिए अपनी सारी व्यक्तिगत जमीन बांगर खुर्द के लोगों ने दिया है। हम सभी उनके इस त्याग के लिए धन्यवाद देते हैं।

बशिष्ठ, राहुल, लालजी, रमेश यादव, ननकऊ यादव, महेंद्र उपाध्याय, राम अचल पाल, राहुल पाल, धर्मराज विजय, सिंह, भूपेन्द्र यादव, सतेंद्र मिश्र, महेंद्र हरिजन, सहेंद्र हरिजन, राजन, नेवासा, रघुबर, लल्लू, डल्लू, विवेक, लखन प्रजापति, दशरथ प्रजापति, हरिशंकर तिवारी, दीनानाथ तिवारी, शिव शंकर, हनुमान, देवनाथ, विजय प्रताप आदि उपस्थित रहे।

विशाल भंडारे का हुआ आयोजन

नैनी (प्रयागराज)। महाकुंभ प्रयागराज में त्रिवेणी स्नान के लिए उमड़ी भीड़ को देखते हुए छिवकी स्टेशन के समीप स्थित बी.आर चैरिटेबल ऑर्गेनाइजेशन के तत्वाधान में बृजराज सिंह गर्ल्स डिग्री कॉलेज के प्रांगण में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जहां पर महाकुंभ श्रद्धालुओं के लिए ठहरने और खाने की व्यवस्था की गई थी। संस्था के इस कार्य को देखते हुए स्थानीय लोग भी बढ़- चढ़कर सहयोग प्रदान किया। बी.आर चैरिटेबल ऑर्गेनाइजेशन ट्रस्ट की ओर से श्रद्धालुओं के लिए चाय, बिस्किट, चावल, कढ़ी और पोहा वितरित किया गया। विजय सिंह ने बताया, कि महाकुंभ में श्रद्धालुओं को कोई परेशानी ना हो, इसके लिए उनके ठहरने व खाने की व्यवस्था की गई थी। इस अवसर पर श्यामा देवी, सौम्या, दर्शन सचान, प्रेमपाल सिंह, कृष्ण सिंह पटेल, रंजन सिंह, मधु सिंह, काजल कुशवाहा, कृष्ण कुमार यादव, संगम लाल, अमन सिंह, शिव शंकर पटेल मौजूद रहे।

लाखों बकाया पर कोर्ट के निर्देश पर बड़ी कार्यवाही

टीम ने पहुँच कर मकान पर नोटिस किया चस्पा

सुल्तानपुर। बैंक से लिए गए लोन न चुकाने पर जिला न्यायालय के निर्देश पर पंहुची टीम ने शहर कोतवाली के दरियापुर मे एक मकान पर कुर्की का नोटिस चस्पा करवाया ।

लगभग 30 वर्ष पहले लिए गये ऋण के समय पर भुगतान न होने के चलते लाखों रुपये का बकाया होने के बाद बैंक से चले मुकदमे मे जिला न्यायालय के फैसले के बाद यह नोटिस जारी हुआ है।

मिली जानकारी के अनुसार शहर के दरियापुर निवासी स्व काली प्रसाद श्रीवास्तव ने अपने मकान 574 पर लगभग तीस वर्ष पूर्व बैंक से कुछ ऋण की गारन्टी ली थी समय से लोन की अदायगी न होने के कारण बैंक ने वसूली का नोटिस भेजा था जिसके खिलाफ काली प्रसाद श्रीवास्तव ने न्यायालय का सहारा लिया था वर्षो चले मुकदमे मे न्यायालय ने बैंक के पक्ष मे फैसला सुनाया मुकदमे के दौरान काळी प्रसाद की मृत्यु हो गयी। अब न्यायालय ने संपत्ति के वारिसान शांति देवी व ओम प्रकाश को वसूली का नोटिस भेजा है।यहाँ अधिवक्ता अतुल शुक्ल ने बताया न्यायालय के आदेश पर यह नोटिस चस्पा किया गया है पक्षकारो को न्यायालय मे पेश होने की सूचना फोन द्वारा दी गयी है।

शराब के पैसे नहीं मिलने मानसिक विक्षिप्त युवक चढ़ा मोबाइल टावर पर, 6 घंटे बाद नीचे उतारा

लोकमित्र ब्यूरो

सीतापुर। महमूदाबाद कोतवाली क्षेत्र में एक अजीब मामला सामने आया। पैतेपुर पुलिस चौकी के गांव केदारपुर में एक मानसिक रूप से विक्षिप्त युवक ने मोबाइल टावर पर चढ़कर हंगामा मचा दिया। 36 वर्षीय अनिल पुत्र राम तीरथ शराब का आदी है। सुबह करीब 9 बजे शराब के लिए पैसे नहीं मिलने पर उसने गांव में स्थित मोबाइल टावर पर चढ़कर ड्रामा शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

चौकी प्रभारी दिनेश कुमार सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने युवक को समझाने का प्रयास किया। सुरक्षा को ध्यान में

रखते हुए टावर के चारों ओर जाल भी लगवाया गया। लगभग 6 घंटे की मशक्कत के बाद युवक स्वयं ही नीचे उतर आया।

युवक को कड़ी मशक्कत से नीचे उतरवाया गया-

पहले पीपल के पेड़ पर चढ़ चुका चौकी प्रभारी के अनुसार, अनिल के माता-पिता की कई वर्ष पहले मौत हो चुकी है। वह अकेला रहता है। यह पहली बार नहीं है जब उसने ऐसी हरकत की है। इससे पहले भी वह कोतवाली परिसर में स्थित पीपल के पेड़ पर चढ़ चुका है।

दो दिवसीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का भव्य समापन

सुल्तानपुर। खेल केवल शारीरिक गतिविधि नहीं, बल्कि युवाओं को जीवन में हार से न डरने का सुनहरा संदेश भी देता है। यह विचार चंदन सिंह ने ताजखानपुर बहादुरपुर में आयोजित दो दिवसीय महिला एवं पुरुष वॉलीबॉल प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले के दौरान व्यक्त किए।प्रतियोगिता का आयोजन स्व. नसीर खान, वेद प्रकाश चैंपियन और सईद सुल्तानपुरी की याद में किया गया। फाइनल मुकाबला सुल्तानपुर स्टेडियम एवं सोनबरसा खेल मैदान में संपन्न हुआ। इस अवसर पर अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और आयोजन समिति के सरवर भाई, वदूद भाई, जिशान भाई को सफल आयोजन के लिए

शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में एस.एन. सिंह, राम शिरोमणि वर्मा, मुनेन्द्र मिश्रा चंदन, अतुल सिंह, कुलदीप वर्मा, अमित सिंह, अमन सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। समारोह के दौरान वक्ताओं ने कहा कि ऐसे आयोजन जिले में खेल प्रतिभाओं को निखारने और नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। समापन अवसर पर विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कृत किया गया।

बिजली चोरी का भंडाफोड़, संलिप्त दो कर्मचारी निलंबित

मीटर रीडर बर्खास्त, एसडीओ और जेई की भूमिका की जांच शुरू

सुल्तानपुर। विद्युत कर्मियों और उपभोक्ताओं के एक बड़े गठजोड़ का खुलासा हुआ है। प्रकरण में विद्युत कर्मियों की संलिप्तता सामने आने पर दो को निलंबित करने के साथ ही मीटर रीडर को बर्खास्त कर दिया गया है। अधीक्षण अभियंता ने एसडीओ और जेई की भूमिका की भी जांच के निर्देश दिए हैं।

विद्युत कर्मी राजस्व को लंबे समय से चूना लगा रहे हैं।उपभोक्ताओं से मिलीभगत के चलते विभाग को हानि पहुंचाते हुए अपनी जेब गर्म करते चले आ रहे हैं। विद्युत परीक्षण खंड के अधिशासी अभियंता अवधेश कुमार की एक कार्रवाई में मामले का भंडाफोड़ हुआ तो कई चौंकाने वाले तथ्य प्रकाश में आए। शहर के खैराबाद मोहल्ले की उपभोक्ता श्रीमती रईसा बानो जिनका कनेक्शन नंबर 21761933है। इनके मीटर में 14784 यूनिट रीडिंग बैलेंस थी। मीटर रीडर अनूप यादव ने इनका मीटर आईडीएफ कर दिया। दूसरा मामला भी इसी क्षेत्र का है। जहां के उपभोक्ता मोहम्मद शाहिद का कनेक्शन नंबर 1486602476 है। इनका मीटर बीते 14 नवंबर को टीजीटू ने आईडीएफ किया और आनन- फानन में यह मीटर 18 नवंबर को बदल उठा।

जबकि मीटर में 7000 रीडिंग बैलेंस थी। टीजीटू ने रीडिंग पोस्ट नहीं कराई। इसके बावजूद अवर अभियंता और उपखंड अधिकारी ने इस पर ध्यान नहीं दिया। जिससे उनकी भूमिका पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। प्रकरण के प्रकाश में आने के बाद जांचोपरांत विद्युत वितरण खंड के टीजीटू संतोष और परीक्षण खंड के जीएमटी राजन श्रीवास्तव को निलंबित कर दिया गया है। टीडीएस बिलिंग एजेंसी के मीटर रीडर अनूप यादव की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। यह तथ्य भी प्रकाश में आया है कि जिले में बिलिंग का कार्य देख रही टीडीएस बिलिंग एजेंसी की भूमिका भी संदिग्ध मानी जा रही है। इस पूरे प्रकरण का खुलासा परीक्षण खंड के अधिशासी अभियंता अवधेश कुमार की पहल पर हुआ है। अधीक्षण अभियंता एके सिंह ने कार्रवाई की पुष्टि करते हुए कहा कि विद्युत वितरण खंड (प्रथम) के अधिशासी अभियंता से जांच रिपोर्ट मांगी गई है। रिपोर्ट आने के बाद जेई और एसडीओ की भूमिका तय होगी।

बहरिया ब्लांक प्रमुख नें शिव मंदिर पर टेका मत्था

लोकमित्र ब्यूरो

बहरिया । महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर बहरिया ब्लांक प्रमुख शंशाक मिश्रा ने पतुलुकी निवासी सुप्रसिद्ध भजन गायक धीरज तिवारी के यहां बने शिव मंदिर में मत्था टेक कर विश्व कल्याण की मंगल कामना की इस मौके पर प्रधान प्रतिनिधि मुनीशानंद मिश्रा, क्षेत्र पंचायत सदस्य भोले शंकर तिवारी समेत काफी लोग रहे ।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा संयुक्त रूप से महाशिवरात्रि के अवसर पर विभिन्न मंदिरों का भ्रमणशील रहकर समस्त व्यवस्थाओं का लिया गया जायजा

सुल्तानपुर। जिलाधिकारी कुमार हर्ष व पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह द्वारा महाशिवरात्रि त्यौहार के दृष्टिगत पारिजात वृक्ष परिसर सिविल लाइन सुलतानपुर, प्राचीन भुनेश्वर महादेव मंदिर शिवधाम बेलवाई तहसील कादीपुर, वि.ख. अखंड नगर का भ्रमणशील रहकर विभिन्न तैयारियों का निरीक्षण कर जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान सभी स्थलों पर श्रद्धालुओं द्वारा शांतिपूर्वक जलाभिषेक कर पूजन अर्चन किया जा रहा है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा पारिजात वृक्ष परिसर में स्थित भगवान शिव मंदिर व पारिजात वृक्ष की प्राचीनता के बारे में जानकारी प्राप्त किया तथा दर्शन हेतु आए हुए श्रद्धालुओं के दृष्टिगत की गई सभी सुविधाओं का जायजा लिया गया।

तत्पश्चात जिलाधिकारी व

पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा प्राचीन भुनेश्वर महादेव मंदिर शिवधाम बेलवाई वि.ख. अखंडनगर का निरीक्षण कर जायजा लिया गया। जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा भगवान शिव का जलाभिषेक कर विधि विधान के साथ पूजन अर्चन किया गया।

जिलाधिकारी महोदय द्वारा शिवधाम बेलवाई में प्रशासन द्वारा की गई सभी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया। जिलाधिकारी महोदय द्वारा बेलवाई धाम परिसर का निरीक्षण किया गया, वहां बने खोया पाया केंद्र की व्यवस्था, सी.सी.टी.वी. कन्ट्रोल रूम व मन्दिर परिसर के अन्दर स्थित तालाब का अवलोकन कर सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। जिलाधिकारी महोदय द्वारा मंदिर की प्राचीनता के बारे भी जानकारी प्राप्त की गई, संबंधित द्वारा अवगत कराया गया कि लगभग पांच सौ वर्ष पुराना है,तथा इसका उल्लेख 1877 के अयोध्या गजेटियर में है।

उपजिलाधिकारी कादीपुर उत्तम तिवारी द्वारा अवगत कराया गया कि सुबह से श्रद्धालुओं द्वारा शांतिपूर्वक जलाभिषेक कर पूजन अर्चन किया जा रहा है यहां सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से चल रही है कही कोई दिक्कत नहीं है। सभी आए हुए श्रद्धालु शांतिपूर्वक दर्शन कर रहे है। पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को शांति व सुरक्षा के दृष्टिगत आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी महोदय द्वारा उक्त दोनों धार्मिक स्थलों के सौंदर्यीकरण हेतु पर्यटन से प्रस्ताव भेजवाने हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया।

आस्था का उमड़ा सैलाब, बम-बम भोले के जयकारों से गूंजे शिवालय

लोकमित्र ब्यूरो

सीतापुर। महाशिवरात्रि के मौके पर जिलेभर में बुधवार को शिव मंदिरों का श्रृंगार किया गया। श्रद्धालुओं ने बेलपत्र, धतूरा, भांग, गन्ना, बेर व पुष्प चढ़ाकर ओम नमः शिवाय के उच्चारण के साथ विधिवत पूजन अर्चन किया। शहर के श्यामनाथ, जंगलीनाथ व अन्य शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं ने रुद्राभिषेक व जलाभिषेक कर भगवान भोले की आराधना की। इसके नैमिषारण्य मिश्रिख स्थित शिव मंदिरों में मंगलवार को पूजा अर्चना की धूम रही। इस दौरान विविध धार्मिक आयोजन किए गए। सुबह से देर शाम तक पूजन-अर्चन का दौर चलता रहा। नैमिषारण्य में महाशिवरात्रि पर्व पर शिव मंदिरों में उत्सव जैसा माहौल रहा। चक्रतीर्थ स्थित भूतेश्वर नाथ मंदिर में सुबह से भक्तों का रुद्राभिषेक शुरू हुआ। श्रद्धालुओं ने अभिषेक करने के साथ भांग, दूध, मेवा, धतूरा, बेलपत्र, फल, चंदन आदि से भोलेनाथ का पूजन किया। रुद्रावर्त तीर्थ पर भक्तों ने वैदिक मंत्रों

के साथ गोमती नदी के जल में फल, फूल, बेलपत्र और दूध के साथ पूजन किया। गोमती के जल से निकले फलों को प्रसाद के रूप में स्वीकार किया। प्राचीन देवदेवेश्वर मंदिर में भी भक्तों ने विधि विधान से पूजन किया। आचार्यों द्वारा अखंड रामायण और शिव जी को समर्पित पाठ किया। काशी विश्वनाथ मंदिर, सिद्धेश्वर नाथ मंदिर, महामृत्युंजय मंदिर आदि शिवमंदिरों में भी भक्तों द्वारा पूरे दिन पूजन का दौर चलता रहा। शिव मंदिरों का विशेष श्रंगार किया गया और श्रद्धालुओं का प्रसाद का वितरण किया गया। वहीं महर्षि दधीचि की पावन धरती पर दधीचि कुंड पर स्थिति उत्तरेश्वर नाथ और दक्षिणेश्वर नाथ महादेव के मंदिर पर सुबह से ही शिव भक्तों की धूम रही। इसी के साथ सीताकुंड स्थित शेषनाथ और नर्वदेश्वर नाथ महादेव के मंदिर पर भी शिव भक्तों की भीड़ लगी रही। भक्तों ने ओम नमः शिवाय, बम-बम भोले आदि जयकारों से वातावरण गूंजयमान हो उठा। शिवभक्तों ने विधि विधान से भांग, धतूरा, बेल पत्र, फूल, दूध आदि चढ़ाकर महादेव का पूजन अर्चन किया। पुराणों के अनुसार महाशिवरात्रि ही वह दिन है, जब भगवान शिव ने पार्वती से विवाह रचाया था।

मो. जफर खां ने 26 वर्षों बाद बसपा से दिया इस्तीफा, भारी मन से किया ऐलान

लोकमित्र ब्यूरो

सुलतानपुर। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व लोकसभा प्रभारी मों0 जफर खान ने आज पार्टी से इस्तीफा देने का औपचारिक ऐलान कर दिया। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि 1999 से शुरू हुआ उनका बसपा का सफर 26 साल बाद आज समाप्त हो रहा है।

मो. जफर खान ने अपने राजनीतिक जीवन में बसपा के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। वह बसपा लोकसभा प्रभारी, जिला पंचायत सदस्य, विधानसभा अध्यक्ष (जयसिंहपुर), जिला उपाध्यक्ष, मंडल कोऑर्डिनेटर (फैजाबाद-देवीपाटन), जिला प्रभारी व्यापार मंडल जैसे कई महत्वपूर्ण पदों पर रहे। उन्होंने बसपा संगठन को मजबूती देने के लिए विशेष रूप से मुस्लिम समाज के साथ-साथ अन्य वर्गों को भी पार्टी से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने इस्तीफे की घोषणा करते हुए कहा ÷मैं बहुत ही भारी मन से बहुजन समाज पार्टी को अलविदा कह रहा हूँ। पार्टी ने मुझे जो भी जिम्मेदारी दी, उसे पूरी निष्ठा से निभाने का प्रयास किया। मैं बसपा सुप्रीमो बहन कुमारी मायावती जी, अपने गृह जनपद सुलतानपुर के साथियों और पूरे संगठन से क्षमा चाहता हूँ, अगर कभी जाने-अनजाने में किसी का दिल दुखाया हो तो माफ करें। मो.जफर खान के इस फैसले से सुलतानपुर समेत पूरे मंडल में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। उनके अगले राजनीतिक कदम को लेकर भी अटकलें तेज हो गई हैं।

फिल्मी हस्तियों ने लगाई संगम में पवित्र डुबकी

महिमा, चौधरी व मधुलिका ने कहा संगम में है विशेष आकर्षण

लोकमित्र ब्यूरो

महाकुम्भनगर। प्रयागराज में चल रहे आध्यात्मिक व सांस्कृतिक आयोजन महाकुम्भ से जुड़ने में आम श्रद्धालुओं के साथ देश की नामी हस्तियों की ललक बनी हुई है। पूर्ण महाकुम्भ के अंतिम अमृत स्नान के लिए देश के कई सेलिब्रेटी त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य लाभ लिया है।महाशिवरात्रि पर फ़िल्म जगत की हिरोइन महिमा चौधरी व फ़िल्म डायरेक्टर मधुलिका मैम और पंकज ने संगम स्नान कर दिव्य कुम्भ को सराहा।

फ़िल्म जगत की हस्तियों के साथ स्नान के लिए संगम पहुंचे क्षेत्र के समाजसेवी रामकृष्ण त्रिपाठी ने इनके साथ डुबकी लगाकर गंगा मैया के जय कारे लगाए। उन्होने बताया कि पंकज जी की वजह से फ़िल्म स्टार महिमा चौधरी के साथ पुण्य की डुबकी का मौका मिला है।श्री त्रिपाठी ने बताया कि फ़िल्म की चमकीली दुनिया से निकल कर एक आम श्रद्धालु की तरह त्रिवेणी स्नान से यह दोनों अभिभूत रही।संगम की तट के प्रबंधन और स्वच्छता को सराहते हुए उन्होंने कहा कि इस रेती में अजीब आकर्षण है।संगम की डुबकी से मन तृप्त हो गया और यहां आकर अभिभूत हूँ।

श्री त्रिपाठी ने बताया कि फ़िल्म जगत की दोनों हस्तियाँ संगम की भीड़ देखकर आश्चर्य चकित रही।उन्होने कहा कि लगता है कि पूरी दुनिया संगम की रेती पर उमड़ पड़ी है।श्रद्धालुओ का उत्साह भी उन्हें चौंका रहा था।कहा यह माँ गंगा के प्रति आस्था व समर्पण है जो सबको यहाँ खींचकर ले आ रहा है।स्नान के बाद वह सब परमार्थ निकेतन जाने की इच्छा जता रही थी।

महाशिवरात्रि पर शिवालयों में लगी भक्तों की भीड़

नैनी (प्रयागराज) । विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर नैनी क्षेत्र के विभिन्न जगहों पर स्थित शिवालयों में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। भगवान भोलेनाथ की विधि- विधान पूर्वक पूजन- अर्चन कर अपने परिवार के लिए मंगल कामना की। हर-हर महादेव के जयकारों से समूचा क्षेत्र गूंज उठा। सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टि से मंदिरों के आसपास पुलिस बलों की तैनाती की गई थी। महाशिवरात्रि की पावन पर्व पर क्षेत्र के सोमेश्वर नाथ महादेव मंदिर पर भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। लोग भगवान भोलेनाथ के ऊपर दूध, दही, शहद, फल, फूल, बेल पत्र, आम का बउर, गेहूं की बाली, भांग, धतूरा, चावल, खड़ी मूंग, गन्ना का रस अबीर-गुलाल आदि चढ़ाकर विधि- विधान पूर्वक पूजन- अर्चन कर अपने परिवार के लिए मंगल कामना की।

महाकुम्भ निःशुल्क भंडारे में जुटे श्रद्धालु

आंधी में लंगर चलाकर की गई मेजबानी

लोकमित्र ब्यूरो

मेजा (प्रयागराज)। मांडा के बरहा कला गाव निवासी समाजसेवी इंजीनियर कुलदीप पटेल उर्फ़ रज्जन द्वारा बुधवार सुबह से श्रद्धालुओ की खानपान व्यवस्था हेतु महा शिवरात्रि पर्व पर आंधी गांव के सामने की गई। भंडारे में पूरे दिन विभिन्न प्रान्तों के श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला जारी रहा।आयोजक ने बताया पूरे दिन सैकड़ों लोगों ने भोजन प्रसाद प्राप्त किया है।

बताया गया कि झारखंड, महाराष्ट्र, बिहार, आरा, बलिया, कोलकता, तमिलनाडु, उड़ीसा, कटिहार, शिवान, गाजीपुर, अयोध्या, बक्सर सहित तमाम जगहों के श्रद्धालुओं ने भोजन कर समाजसेवी के भंडारे की सराहना की। श्रद्धालु आयोजक टीम की सेवा को सराहा है। यह व्यवस्था प्रयागराज मिर्जापुर राजमार्ग पर आंधी गांव के समीप सुबह 9 से 4 बजे तक की गई। जिसमें कुल हजारों श्रद्धालुओ ने भोजन किया। समाजसेवी ने बताया को भोजन में पूड़ी,सब्जी,मिक्सवेज सब्जी,रायता,नौरंगा अचार,मिर्च अचार,मीठा एवं फ़िल्टर पानी की समुचित व्यवस्था की गई। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओ की सेवा से सुकून मिला है।

कार्यक्रम के सहयोग में राजेश विश्वकर्मा,विनोद दुबे,अजीत पटेल उर्फ़ मंत्री,संजय पटेल,राजेश यादव,गिरीश,शिव पूजन,डा. शिवा साहित तीन दर्जन लोग श्रद्धालुओ की सेवा व्यवस्था मे लगे रहे।

श्रद्धालुओं की सेवा में जुटी रही युवा टीम

भंडारे में भोजन कराकर की गई उनकी सेवा

लोकमित्र ब्यूरो

मेजा (प्रयागराज)। महाशिवरात्रि के अवसर पर बभनी हेठार हाईवे किनारे आयोजित युवा भंडारे में संगम के श्रद्धालुओं को निशुल्क भोजन, फलहार और जलपान कराया गया। गांव की युवा टीम ने श्रद्धालुओं के लिए फलाहार व पार्किंग की व्यवस्था की थी।आयोजन के प्रेरणा स्रोत रहे गौ रक्षा मण्डल प्रभारी नीरज द्विवेदी ने बताया कि हम सभी का उद्देश्य श्रद्धालुओं की सेवा करना और उन्हें आतिथ्य प्रदान करना है। यह भंडारा मेरे युवा साथियों के द्वारा मिलकर किया गया है। महाभंडारे में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं ने इस आयोजन की प्रशंसा की और कहा कि यह एक अनोखी पहल है जो हमें एकता और सेवा की भावना को बढ़ावा देती है। आयोजन में कई लोगों ने भाग लिया, जिनमें नीरज मिश्रा, डॉक्टर यादव, राजेश शर्मा, विकास यादव, दीपक मिश्रा, विवेक दुबे, सुब्बा लाल दुबे, रितेश यादव, बाबा, कल्लू भारती, रोहित दुबे, पंकज तिवारी, धीरज मिश्रा, सुरेश पाल, अंशु दुबे, अजय सोनकर, नागेंद्र शर्मा, राजा यादव, प्रवीण यादव, भोके यादव और संदीप दूबे रिगत, रुपेश पाल, सगीत कई शामिल रहे।

संगम के ऊपर गरजे सुखोई

महाशिवरात्रि पर संगम के आसमान में भारतीय वायुसेना का एयर शो, सुखोई, एएन-32 और चेतक ने भरी उड़ान

- महाकुम्भ के समापन पर वायुसेना की महासलामी
- सेना के जांबाज पायलटों ने हवा में दिखाई कलाबाजियां, गर्जना सुन श्रद्धालुओं ने गर्व और उत्साह से बजाईं तालियां

लोकमित्र ब्यूरो

महाकुम्भनगर। महाकुम्भ के अंतिम स्नान पर्व महाशिवरात्रि के दौरान भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने पूरे आयोजन को महासलामी दी। बुधवार दोपहर वायुसेना के विमानों की तेज गर्जना सुन श्रद्धालुओं ने आसमान की ओर देख गर्व और उत्साह से तालियां बजानी शुरु कर दी। इस दौरान लोग जय श्री राम, हर हर गंगे, हर हर महादेव के साथ मोदी-योगी के भी जयकारे लगाने लगे।

इसी के साथ वायुसेना के एयर शो के फोटो और वीडियो बनाकर श्रद्धालु सोशल मीडिया पर शेयर करने लगे। वायुसेना के एक अधिकारी के अनुसार महाकुम्भ में आए श्रद्धालुओं का अंतिम स्नान पर्व पर संगम क्षेत्र के ऊपर भव्य एयर शो से अभिवादन किया गया। इस पावन अवसर पर

जहां गंगा तट पर डेढ़ करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु डुबकी लगा रहे थे, वहीं आकाश में सुखोई, एएन 32 और चेतक हेलीकॉप्टर आसमान से श्रद्धालुओं का उत्साह बढ़ा रहे थे। इस ऐतिहासिक पल ने श्रद्धालुओं को रोमांचित कर दिया। इस रोमांचक नजारे को श्रद्धालुओं ने अपने मोबाइल कैमरों में कैद किया और सोशल मीडिया पर साझा किया। लोगों ने इसे महाकुम्भ का यादगार पल बताया। जिस वक्त महाकुम्भ में संगम के ऊपर एयर शो चल रहा था, उसे देख श्रद्धालु गर्व और उत्साह से तालियां बजाने लगे।

महाकुम्भ के अंतिम दिन गंगा के तट पर जहां साधु-संतों और श्रद्धालुओं की आस्था की दिव्यता नजर आई वहीं आकाश में वायुसेना का शौर्य और पराक्रम भी देखने को मिला। दोनों ने मिलकर इस महापर्व के समापन को ऐतिहासिक बना दिया। भारतीय वायुसेना के इस रोमांचकारी एयर शो के साथ ही महाकुम्भ का समापन हुआ। यह आयोजन श्रद्धालुओं के लिए एक अविस्मरणीय और गौरवशाली अनुभव बन गया।

चोरी मामले में व्यापार संगठन का प्रतिनिधि मंडल पीड़ित से मिला

करारी, (कौशाम्बी)। कस्बा के इन्द्रा नगर निवासी कामता प्रसाद केसरवानी के घर बीते 18/19 कि देरी रात वैवाहिक कार्यक्रम मे रहने के कारण उनके आवास मे सेंधमारी कर अज्ञात चोरो ने लाखो कि चोरी कर लिया था।अनेकों प्रयासो के उपरांत पुलिस मुकद्दमा पंजीकृत नही दर्ज किया। पीडित व्यापारी को नगर के अनेक सम्मानित व्यापारी न्याय का ढाहस बधाते रहे। और ब्यापारी को भरोसा रखने को कहते रहे। मंगलवार कि देर शाम को राष्ट्रीय जनउद्योग व्यापार संगठन कौशाम्बी के जिलाध्यक्ष अरविंद कुमार केसरवानी की अगुवाई में व्यापार संगठन का प्रतिनिधि मंडल पीडित व्यापारी कामता प्रसाद केसरवानी के घर पहुंचा। जिसमें नगर के श्यामसुन्दर केसरवानी, दिनेश , शिवबाबू केसरवानी , दुखी लाल, सुमित अग्रहरि सहयोग एवं मुकद्दमा दर्ज करवाने 25 फरवरी को सांय वार्ता किया।

मधुमक्खी के हमले से आधा दर्जन से ज्यादा लोग घायल

लोकमित्र ब्यूरो

सीतापुर। महमूदाबद कोतवाली क्षेत्र में महाशिवरात्रि के दिन मधुमक्खियों के हमले से करीब आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। इस घटना से इलाके में हलचल मच गई। उधर घायल को घायलों को समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महमूदाबाद में भर्ती करवाया गया।

जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के ग्राम गोधौरा निवासी अजय वर्मा 26 पुत्र बलराम बुधवार की दोपहर अपने खेत से ट्रैक्टर ट्राली से आलू लेकर घर जा रहे थे तभी गांव के पास स्थित हनुमान मंदिर के समीप लगे पीपल के पेड़ में मधुमखियो के छत्ते से अचानक मधुमखिया उड़ने लगी और अजय वर्मा पर मधुमक्खियो ने हमला कर दी चीख पुकार सुन हनुमान मंदिर पर रामायण का पाठ करवा रहे रवि कुमार 16 पुत्र हरि कृष्ण निवासी नहर कालोनी कोतवाली महमूदाबाद व श्रवन 32 पुत्र रमेश चंद्र, रौनक 12 पुत्र राम सिंह, अजय यादव 20 पुत्र प्रताप, अतुल यादव 21 पुत्र विद्या प्रसाद सभी निवासी ग्राम गोधौरा कोतवाली महमूदाबाद सहित कुछ राहगीरों को मधुमक्खियो ने हमला करके घायल कर दिया परिजनों द्वारा अजय वर्मा, अजय यादव, अतुल यादव को समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महमूदाबाद में भर्ती करवाया जहा चिकित्स्कों द्वारा इलाज जारी है वही श्रवन, रौनक, रवी व अन्य राहगीर का निजी अस्पताल में इलाज जारी है।

महाशिवरात्रि का मानव के जीवन में पौराणिक और वैज्ञानिक महत्व- सुमित कृष्ण जी महाराज

लोकमित्र ब्यूरो

नैनी(प्रयागराज)। महाशिवरात्रि का पावन पर्व शिव भक्तों के लिए अत्यंत विशेष और महत्वपूर्ण माना जाता है। यह दिन भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह की स्मृति के साक्ष्य के रूप में मनाया जाता है। मुख्य रूप से उक्त त्यौहार फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मनाया जाता है उक्त बातें महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर आचार्य सुमित कृष्ण जी महाराज द्वारा कही गई।आगे बतलाया कि इस पावन पर्व का न केवल पौराणिक महत्व है बल्कि इसका वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी अत्यधिक महत्व है। शिवरात्रि की रात पृथ्वी की स्थिति इस

प्रकार होती है कि व्यक्ति के भीतर की ऊर्जा अपने प्राकृतिक रूप से ऊपर की तरफ प्रवाहित होती है यही कारण है कि इस दिन पूरी रात घरों और शिव मंदिर पर जागरण और भक्ति के साथ मनाया जाता है। जिससे ऊर्जा के इस प्रवाह को अवरुद्ध न होने दिया जाए आगे बतलाया कि पौराणिक मान्यताओं के अनुसार महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव और मां पार्वती का विवाह संपन्न हुआ था। भगवान शिव के भक्ति उनकी अनंत कृपा पाने और अपने जीवन में सुख शांति स्थापित करने के लिए उपवास पूजा अर्चना और रात्रि जागरण करके मानते हैं शिवलिंग का अभिषेक करने और भगवान शिव की पूजा करने से विशेष पूर्ण की प्राप्ति होती है तथा व्यक्ति के पापों का नाश होता है।

औद्योगिक विकास मंत्री ने किया संगम स्नान, मां गंगा को अर्पित की चुनरी

लोकमित्र ब्यूरो

महाकुंभनगर। महाशिवरात्रि पर उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने प्रयागराज की पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता नन्दी के साथ त्रिवेणी संगम में सपरिवार आस्था की डुबकी लगाई। माँ गंगा को नमन करते हुए उन्होंने चुनरी अर्पित की और लोककल्याण व जनकल्याण की प्रार्थना की।

मंत्री नन्दी ने कहा कि माँ गंगा केवल एक नदी नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति, भक्ति और मोक्ष की जीवनदायिनी धारा हैं। इन पावन लहरों में स्नान आत्मशुद्धि का वह अनमोल क्षण है, जहाँ श्रद्धा और दिव्यता एकाकार होती हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं से धर्म और अध्यात्म के मार्ग पर चलने का आह्वान करते हुए

महाशिवरात्रि के पर्व को शिव साधना, सेवा और संकल्प का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में महाकुंभ 2025 का दिव्य और भव्य आयोजन भारत की सांस्कृतिक विरासत, आध्यात्मिक चेतना और आस्था का अनुपम संगम है। यह महाकुंभ एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना को साकार कर रहा है, जहाँ संपूर्ण विश्व भारतीय संस्कृति की भव्यता का साक्षी बन रहा है।

महाकालेश्वर मंदिर सेवा समिति द्वारा वितरण किया गया ठंडाई व दमालू

लोकमित्र ब्यूरो

अजुहा, (कौशाम्बी)। महाशिवरात्रि पर्व पर अजुहा कस्बे में महाकालेश्वर मंदिर सेवा समिति द्वारा शिव मंदिर को सजाया गया और बुधवार की सुबह जलाभिषेक के बाद समिति के लोगो के द्वारा ठंडाई व दमालू का वितरण किया गया । जिसमें भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य भी शामिल हुए।

इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने मंदिर परिसर में वाटर फीजर का फीता काट कर उद्घाटन किया । इस दौरान जिलाध्यक्ष ने कहा कि मंदिर परिसर में वाटर फिजर लगने से लोगों को शीतल व शुद्ध पेयजल मिलेगा । मंडी सचिव दयाराम सिंह ने बताया कि वॉटर फीजर कृषि उत्पादन मंडी समिति अजुहा द्वारा लगाया गया है जिससे मंदिर व मंडी समिति में आने वाले लोगों को पेयजल के लिए भटकना न पड़े । इस मौके पर मिथलेश केशरवानी , भोलेशंकर कुशवाहा , चेयरमैन प्रतिनिधि ओमप्रकाश कुशवाहा , अधिशासी अधिकारी अजुहा रश्मि सिंह , कपूर चंद्र , प्रशांत केशरवानी , फूलचंद्र केसरवानी , शिवबाबू केशरवानी , राकेश केसरवानी , सौरभ केशरवानी आदि व्यापारी मौजूद रहे। इसी कड़ी में अजुहा कस्बे में राजू मौर्य , शारदा प्रसाद , अजय कुमार आदि लोगों ने भी ठंडाई व दमालू का वितरण किया।

विधानसभा सिराथू में पीडीए पर चर्चा कार्यक्रम का हुआ आयोजन

लोकमित्र ब्यूरो

कौशाम्बी। 251 विधानसभा सिराथू में पीडीए जनपंचायत कार्यक्रम के अंतर्गत बालकमऊ, नियामतपुर, बिसारा और रसूलपुर गिरसा गांव में पीडीए पर चर्चा कार्यक्रम आयोजित किया गया, कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कौशाम्बी के लोकसभा सांसद पुष्पेंद्र सरोज, विशिष्ट अथिति के रूप में जिलाध्यक्ष दयाशंकर यादव, आनंद मोहन पटेल, कैलाश केशरवानी, गुलाम हुसैन व कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष शाहनवाज अहमद ने की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से लवकुश मौर्य, विक्रम सिंह, संजीव सरोज, रणविजय पटेल, पप्पू यादव, राजकुमार सरोज, नवनीत यादव, वाजिद अली, जितेंद्र पाल, मैहर सरोज, राजेश गौतम, राजेश यादव, दयाराम, मनीष यादव, गोलू केशरवाणी, बच्चा केसरवानी, लालू यादव, अरुण चौधरी आदि क्रांतिकारी साथी उपस्थित रहें।

भक्तों ने निकाली शिव बारात

लोकमित्र ब्यूरो

भरवारी, कौशाम्बी। नगर पालिका परिषद भरवारी के मेहता रोड राम जानकी मंदिर से शिव भक्तों ने डीजे की धुन पर शिव बारात निकाली है जिसमें नगर वासी बाराती बने और डीजे के धुन पर नाचते शिव भक्त भरवारी कस्बे के बाजारों में नगर भ्रमण किया।शिवरात्रि के पावन पर्व पर निकाली गई शिव बारात के मौके पर कस्बा वासियों ने शिव बारात मे शामिल भक्तों को रास्ते में जगह जगह प्रसाद एवं ठंडाई वा जलपान कराया सइस बीच पूर्व चेयरमैन एवं समाज वादी पार्टी के प्रदेश सचिव ने भी सभी बारातियों का स्वागत कर बारात में शामिल हुए शिव बारात के मौके पर रास्ते भर नाच गाना एवं जयकारे से कस्बा गूंज उठा स शिव बारात मेहता रोड से उठ कर नगर भ्रमण के बाद राम जानकी मंदिर में समाप्त हुआ।

छेड़खानी की नियत से घर के अंदर घुसा डायल 112 का सिपाही

विरोध करने पर सबको खत्म कर देने की दी धमकी

लोकमित्र ब्यूरो

चायल, कौशाम्बी। मिर्जापुर का रहने वाला इशू यादव हूं और इस समय चरवा थाने का राजा हूं, मै जो चाहता हूं वही करता हूं, आज तक मेरा कोई कुछ बिगाड़ नहीं पाया, तुमको भी जो करना हो तुम भी कर लेना।ष् यह बातें कोई हकीकत का राजा नहीं बल्कि चरवा कोतवाली के डायल 112 में तैनात एक सिपाही इशू यादव कर रहा है। जो बुधवार की सुबह घर में घुस कर महिलाओं से बदसलूकी किया। इतना ही नहीं घर में मौजूद रहे लोगों के विरोध करने पर सिपाही ने सभी को एक साथ खत्म करने की धमकी भी दिया। घटना के बाद से पीड़ित परिवार सहमा हुआ है। मामले की शिकायत पर पुलिस ने जांच के बाद कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

चरवा कोतवाली इलाके के सिकंदरपुर आइमा निवासी पवन सिंह पुत्र स्वा0 राम सुचित सिंह ने बताया कि बुधवार की सुबह करीब दस बजकर 40 मिनट पर जब वह घर के अंदर खाना खा रहा था तो उसके दरवाजे पर डायल 112 की एक गाड़ी आकर रुकी। गाड़ी पर सवार एक सिपाही घर के अंदर घुस आया और गाली गलौज करने लगा। घर के आंगन में स्नान कर रही महिलाओं के पास बदनीयती करने लगा तो महिलाओं ने इसका विरोध किया। शोर शराबा सुनकर जब तक घर के सभी लोग इकट्ठा होते तक तक उक्त सिपाही सबको धमकी देंने लगा और बोला कि मैं जो चाहूंगा वहीं करूंगा, मेरा कोई कुछ बिगाड़ नहीं पाएगा। सिपाही की इस बदनीयत हरकत का जब लोगों ने वीडियो बनाना शुरू किया तो आरोपी भाग निकला। मामले को लेकर पीड़ित पवन सिंह और उसके परिजनों ने बताया कि आरोपी सिपाही उसके बहन और बहनोई के संपर्क में है। चरवा के एक मोहल्ले में किराए का मकान लेकर रहने वाले बहन बहनोई के परिवार के बगल में आरोपी भी कमरा लेकर रहता है। पिछले कई दिन से बहन और बहनोई के बीच इसी सिपाही को लेकर अनबन चल रही है। बहन इस समय मायके सिकन्दपुर आइमा में है। उसी को लेकर आरोपी सिपाही बदनीयती से घर के अंदर घुस कर हरकत कर रहा था। शिकायत पर चरवा पुलिस ने जांच कर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

क्या कहते हैं इंस्पेक्टर

चरवा थाने में तैनात सिपाही इशू यादव डायल 112 में कार्यरत है। सिपाही ने यदि ऐसी हरकत किया है तो कार्रवाई की जाएगी।

जगदीश कुमार, इंपेक्टर चरवा

जिला कारागार में बंदियों ने भी किया व्रत पूजा पाठ

टेवां, कौशाम्बी। जिला कारागार कौशांबी में महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर लगभग 200 बंदियों ने रखा व्रत और सामूहिक शपथ भी लिया की जेल से छूटने के बाद ऐस कोई काम नहीं करेंगे की दोबारा जेल आना पड़े साथ ही यह भी शपथ लिया कि घर के लोगों को भी समझाएंगे आस पड़ोस के लोगों को भी समझाएंगे जेल में रहकर हमको बहुत कुछ सीखने को मिला संतोषम परम सुखम जीवन सरल तरीके से जीने में जो आनंद है वह पर्वत होकर दिखावे के चक्कर में समय नष्ट न करके समय का सदुपयोग करेंगे इसके बाद वहां पर प्रसाद का वितरण किया गया।

अटेवा संगठन के सदस्यों ने ओपीएस को लेकर सांसद को सौंपा ज्ञापन

सांसद ने संसद सत्र में मामले की मजबूती से उठाने का दिया आश्वासन

लोकमित्र ब्यूरो

कौशाम्बी । ओपीएस के मुद्दे को लेकर अटेवा जिला संयोजक कुशल सिंह की अगुवाई में बुधवार को संगठन के सदस्यों ने गिरसा चौराहे पर स्थित एक गेस्ट हाउस में आयोजित कार्यक्रम में कौशांबी के सपा सांसद पुष्पेंद्र सरोज को ज्ञापन देकर समस्याओं से अवगत कराया। जिला संयोजक ने कहा कि प्रदेश के लगभग 15 लाख व देश के एक करोड़ शिक्षकों एवं कर्मचारियों, अधिकारियों को मिलने वाली सामाजिक सुरक्षा पुरानी पेंशन को समाप्त कर शोषणकारी व विभेदकारी नई पेंशन एनपीएस तथा एकीकृत पेंशन व्यवस्था यूपीएस लागू कर दी गई है जो न तो शिक्षक कर्मचारियों के हित में है और न ही प्रदेश व देश के हित में है। एनपीएस के दुष्परिणाम में आने लगे है जहां पर सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों को 1200 सौ और किसी को 1800 सौ रुपए पेंशन प्राप्त हो रही है। वहीं यूपीएस में शिक्षक कर्मचारियों के द्वारा अपने पूरे नौकरी के दौरान वेतन से की गई कटौती को भी वापस नहीं देने की बात की जा रही है। सरकार की इस नीति से सभी कर्मचारियों को पेंशन विसंगतियों और परेशानियों का समाना करना पड़ता है। सरकार द्वारा जिस प्रकार सरकारी संस्थाओं का निजीकरण किया जा रहा है किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं है बल्कि राष्ट्रीयकरण समस्या का एक बेहतर समाधान है। सांसद ने संगठन के सदस्यों को आश्वासन दिया कि आगामी संसद के सत्र में पुरानी पेंशन बहाली के मुद्दे को संसद में मजबूती से रखा जाएगा। इसके साथ ही पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष से पार्टी के घोषणा पत्र में भी शामिल करने का प्रयास करेंगे। इस अवसर पर संगठन के अन्य सदस्य रमेश चंद्र सेन, राजेंद्र सिंह, सतीश चंद्र शर्मा, धीरज सिंह यादव, विनोद कुमार यादव, इकबाल अली, अंकित श्रीवास्तव, अजय केसरवानी, लवलेश, मिथलेश गुप्ता सहित सैकड़ों शिक्षक उपस्थित रहे।